БИБЛІОТЕКА
ИМПЕРАТОРСКАГО
РУССКАГО ГЕОГРАФИЧЕСКАГО ОБЩЕСТВА.
Зала Д
Шкафъ 9
Полка 8
№ 1

# ТРУДЫ

## ЭТНОГРАФИЧЕСКО-СТАТИСТИЧЕСКОЙ ЭКСПЕДИЦІИ

ВЪ

## ЗАПАДНО-РУССКІЙ КРАЙ,

снаряженной

ИМПЕРАТОРСКИМЪ РУССКИМЪ ГЕОГРАФИЧЕСКИМЪ ОБЩЕСТВОМЪ.

---

**ЮГО-ЗАПАДНЫЙ ОТДѢЛЪ.**

## МАТЕРІАЛЫ И ИЗСЛѢДОВАНІЯ,

собранныя

**д. чл. П. П. ЧУБИНСКИМЪ.**

---

ТОМЪ ТРЕТІЙ.

## НАРОДНЫЙ ДНЕВНИКЪ,

изданный подъ наблюденіемъ

**дѣйств.-чл. Н. И. Костомарова.**

---

С.-ПЕТЕРБУРГЪ.

1872.

Библіотека Императорскаго Русскаго Географическаго Общества
Залъ Шкафъ
Полка № 9 19

# ТРУДЫ

## ЭТНОГРАФИЧЕСКО-СТАТИСТИЧЕСКОЙ ЭКСПЕДИЦІИ

ВЪ

## ЗАПАДНО-РУССКІЙ КРАЙ,

снаряженной

ИМПЕРАТОРСКИМЪ РУССКИМЪ ГЕОГРАФИЧЕСКИМЪ ОБЩЕСТВОМЪ.

---

**ЮГО-ЗАПАДНЫЙ ОТДѢЛЪ.**

## МАТЕРІАЛЫ И ИЗСЛѢДОВАНІЯ,

собранныя

**д. чл. П. П. ЧУБИНСКИМЪ.**

---

ТОМЪ ТРЕТІЙ.

## НАРОДНЫЙ ДНЕВНИКЪ,

изданный подъ наблюденіемъ

**дѣйств.-чл. Н. И. Костомарова.**

№122

ИМПЕРАТОРСКОЕ РУССКОЕ ГЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОБЩЕСТВО
17 МАЙ 74

С.-ПЕТЕРБУРГЪ.

1872.

Напечатано по распоряженію Императорскаго Русскаго Географическаго Общества.

Въ типографіи В. Безобразова и Комп. (Вас. Остр., 8 л., д. № 45).

# ПРЕДИСЛОВІЕ.

Издаваемый третій томъ заключаетъ въ себѣ обычаи и обряды, принадлежащіе исключительно опредѣленнымъ временамъ года и днямъ, а равнымъ образомъ и повѣрья, связанныя съ послѣдними. Мы включили сюда и пѣсни, которыя поются единственно въ опредѣленное время года и составляютъ особый многочисленный отдѣлъ народной поэзіи. Таковы пѣсни весеннія (веснянки), которыя поются съ ранней весны до Тройцы, въ то время, когда молодежь обоего пола сходится на улицѣ. Многія изъ этихъ пѣсень соединены съ играми. За ними слѣдуютъ русальныя или троицкія, купальскія, соединенныя съ народнымъ празднествомъ Купала, 23—24 іюня, обжиночныя — при лѣтнихъ полевыхъ работахъ, „колядки" — на рождественскихъ святкахъ и „щедрівки" — наканунѣ новаго года. Всѣ эти пѣсни, болѣе чѣмъ всякія другія заключаютъ въ себѣ остатковъ глубокой первобытной старины, хотя съ измѣненіями, накопившимися въ теченіи послѣдующихъ вѣковъ. Мы указываемъ на нихъ ученымъ этнографамъ и археологамъ, какъ на важнѣйшій матеріалъ для уразумѣнія жизни и поэзіи нашихъ предковъ.

Относительно обрядовъ, обычаевъ и повѣрій мы считаемъ нужнымъ замѣтить слѣдующее. Въ настоящее время, когда въ народъ уже вошло много новыхъ пріемовъ жизни и понятій, старина эта теряетъ свою легальную повсемѣстную и неизмѣнную силу. Нѣкоторые обычаи и обряды въ иныхъ мѣстахъ совсѣмъ утрачиваются, въ другихъ хотя и сохраняются, но народъ уже перестаетъ придавать имъ значеніе необходимости; они для него

остаются только какою-то художественною обстановкой жизни. Многія повѣрія, хотя и передаются изъ устъ въ уста, но перестали быть предметомъ искренняго вѣрованія, такъ что легко можно встрѣтить передающаго повѣріе и въ то-же время готоваго посмѣяться надъ нимъ, если его спросить, точно ли онъ такъ вѣритъ. Все зависитъ отъ большаго или меньшаго расширенія взгляда, силы природнаго ума и знакомства съ новыми понятіями. Поэтому, всѣ указываемые здѣсь признаки народной жизни хотя дѣйствительно и существуютъ въ народѣ, но тотъ ошибся бы, кто бы подумалъ, что они связываютъ и сковываютъ народную жизнь въ родѣ талмудическихъ правилъ евреевъ. Всѣ эти признаки могутъ существовать еще долго, даже и при большемъ развитіи народа, составляя поэтическую обстановку его жизни, драгоцѣнность старины, завѣщанной отъ предковъ, но никакъ не строгаго закона, убивающаго свободу мысли и воли.

---

# ОГЛАВЛЕНІЕ.


| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| | **Январь** | 1 |
| | Св. Василія | — |
| | Голодна кутя | 2 |
| | Водохрище | 3 |
| | День Ивана Христителя | 5 |
| | Оддання | — |
| | **Февраль** | 6 |
| | Масляница | 7 |
| | Чорна неділя | 8 |
| | **Мартъ** | 9 |
| | Да прийдетъ, да прийдетъ усему світу радость (*псаломъ ко дню Благовѣщенія*) | 11 |
| | Благовістника | 12 |
| | Постъ и Пасха | — |
| 1. | Прощай. прощай, сину мій вселюбезнійший! | 15 |
| 2. | Промилосердний Царю всего світа | 16 |
| 3. | Янгольский царю, предвічний Боже. | 17 |
| 4. | Веди мене зъ собою | 18 |
| 5. | О, душе кажная вірна. | 19 |
| 6. | Лежишъ у трупі, празднуешъ субботу | — |
| 7. | Распъятіе Христа | 20 |
| 8. | Муки Спасителя. | 21 |
| | — Христосъ воскресъ, Христосъ воскресъ | 25 |
| | Весело кликнімо, Воскресшого хвалімо. | 27 |
| | **Апрѣль** | 29 |
| | **Весенія игры:** | |
| 1. | Кривий танецъ (*съ напѣвомъ*). | 32 |
| 2. | Володаръ | 38 |
| 3. | Король (*съ напѣвомъ*) | 42 |
| | Другий король | 45 |
| 4. | Чоловікъ та жінка | 46 |
| 5. | Макъ | 47 |
| 6. | Шумъ (*съ напѣвомъ*) | 50 |
| 7. | Жельманъ или Зальманъ | 53 |
| 8. | Горобейко (*съ напѣвомъ*). | 56 |
| 9. | Зайчикъ. | 59 |
| 10. | Перепілочка (*съ напѣвомъ*) | 63 |
| 11. | Просо. | 65 |
| 12. | Романъ зилля | 68 |
| 13. | Жона та мужъ. | 69 |
| 14. | Галка (*съ напѣвомъ*). | 71 |
| 15. | Воронъ. | 73 |
| | Другий воронъ | 75 |
| 16. | Кострубонько. | 77 |
| 17. | Прісь. | 78 |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 18. | Огірочки | 79 |
| 19. | Діброванька (она же и дощечка). | 80 |
| 20. | Дурне колесо или укравъ рінки. | 81 |
| 21. | Хрещикъ | 82 |
| 22. | Царенко | 83 |
| 23. | Коза | 84 |
| 24. | Виступець | 85 |
| 25. | Чи диво, чи не диво | — |
| 26. | Пъяний синъ | 86 |
| 27. | Яворикъ | 87 |
| 28. | Звонъ | — |
| 29. | Тикало | 88 |
| 30. | Дробушка | — |
| 31. | Гробъ | 89 |
| 32. | Козликъ (*съ напѣвомъ*) | — |
| 33. | Нелюбъ | 90 |
| 34. | Щітка | 92 |
| 35. | Продажне дитя | 93 |
| 36. | Горошокъ | 94 |
| 37. | Толо | 95 |
| 38. | Ящуръ | 96 |
| 39. | Жгутъ | — |
| 40. | Пропихачъ | 97 |
| 41. | Скраклі | — |
| 42. | Скляпъ | 98 |
| 43. | Гуркало | 99 |
| 44. | Походеньки | — |
| 45. | Играшка у калача (*съ напѣвомъ*) | — |
| 46. | У рожи | 100 |
| 47. | У Горю-дуба | 101 |
| 48. | У куточка | — |
| 49. | Пужмірки | — |
| 50. | Сірий вовкъ | 103 |
| 51. | Лясавці або Ласочка | — |
| 52. | Шагардай (або Чагарда) | — |
| 53. | Стара морда | 104 |
| 54. | У Вийся | — |
| 55. | Котъ | 105 |
| 56. | Довга лоза | — |
| 57. | Чортъ | — |
| 58. | Дітські забавки, якъ другі дітей забавляють | 106 |


**Веснянки:**


| | | |
|---|---|---|
| 1. | Ой весна красна, що намъ винесла? | 109 |
| 2. | Чомъ ти, жавороньку | 110 |
| 3. | А вже весна, а вже красна (*съ напѣвомъ*) | 111 |
| 4. | Ой весна, весна, да весняночка (*съ напѣвомъ*) | 113 |
| 5. | Ой подъ вербою, подъ похилою. | 114 |
| 6. | По саду ходжу | 115 |
| 7. | Не шуми, луже | 116 |
| 8. | Ой ти, вербо кудрявая | 117 |
| 9. | Ой вербо-вербиця | — |
| 10. | Заржи, заржи, сивий копику | 118 |
| 11. | Ой що жъ то въ моєму городі за зілле | 120 |
| 12. | Ой вийдіть, люде, та дивітеся (*съ напѣвомъ*) | 121 |
| 13. | Вийди, дівчино, вийди рибчино | 122 |
| 14. | Забаліла голова | 123 |
| 15. | Ой по горі ходю | 124 |
| 16. | Всі зірочки до купочки, дрібенъ дощикъ різно | — |
| 17. | Да вийди, Грицю, на улицю | 125 |
| 18. | Ой посію ленъ | — |
| 19. | Ой підъ вербою да не метено (*съ напѣвомъ*) | 126 |
| 20. | Ой зацвіла калинойка | 127 |
| 21. | На горі житечко | 128 |
| 22. | Зъ калиного мостийка | 129 |
| 23. | Стоіть верба кінець села | — |
| 24. | Чорна галонька | 130 |
| 25. | Виорала новицю | — |
| 26. | Черезъ наше сельце | — |
| 27. | У нашоі да Ганночки въ подолі мережки | 131 |
| 28. | Бодай нашоі да Ганночці | — |
| 29. | Ой чи було літо, чи минулося (*съ напѣвомъ*) | 132 |
| 30. | Чи ти жъ, мати, да гарбузъ лупишъ | — |
| 31. | Вийду, вийду, мій миленький | 133 |
| 32. | Ой у лісі на горісі (*съ напѣвомъ*) | — |
| 33. | Ой на морі утка купалася | 134 |
| 34. | Ой зайду на гіроньку | 135 |
| 35. | А коло куста | 136 |
| 36. | Ходить сорока коло болота (*съ напѣвомъ*) | — |
| 37. | Якъ вийду я на улицю, гуляю гуляю | 137 |
| 38. | По улиці, по смітниці | — |
| 39. | Небогато постояла | — |
| 40. | Що на тій да улиці | 138 |
| 41. | Ой тамъ на горі: диво-не диво | — |
| 42. | Ой тамъ на горі, на красі (*съ напѣвомъ*) | 139 |
| 43. | Коло млина, млина | — |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 44. | Ти місяцю ясний, зоре. . . . . | 139 |
| 45. | Місяць надъ водою. . . . . | 140 |
| 46. | Ой не рости, кроне (*съ напѣвомъ*) | 141 |
| 47. | Ой у полі короговъ мае . . . . | 142 |
| 48. | Разлилися води . . . . . | — |
| 49. | Не ходи, не люби . . . . . | 144 |
| 50. | Ой ти, сивая та зозуленька (*съ напѣвомъ*) . . . . . | — |
| 51. | Доломъ, доломъ, долиною. . . . | 147 |
| 52. | Іде милий у дорозі, воли поганяе. | — |
| 53. | Ой вийду я, та гукну я . . . . | 148 |
| 54. | Въ новімъ колодязі. . . . . | 149 |
| 55. | Коло мого да дворика . . . . | — |
| 56. | Текла річенька, звеніла . . . . | 150 |
| 57. | «Чомъ ти, Галю, не гуляешъ. . . | — |
| 58. | Въ воротечкахъ сніжокъ упавъ. . | 151 |
| 59. | Ой пудъ клунькою, пудъ сошкою. | — |
| 60. | Перелети, соколоньку, перелети (*съ напѣвомъ*) . . . . . | 152 |
| 61. | А въ чистому полі. . . . . | 153 |
| 62. | Ой вийду я на улицю. . . . . | 153 |
| 63. | Тече вода зъ огорода. . . . . | — |
| 64. | У городі, у холоді . . . . . | 155 |
| 65. | Ой колибъ я знала. . . . . | — |
| 66. | А мій батько — зеленъ цвітъ . . | 156 |
| 67. | Не куй, зозуленько, темненькоі ночи. . . . . | 157 |
| 68. | Ой схилився сухий дубъ. . . . | — |
| 69. | Ой хвалилася да березонька. . . | 158 |
| 70. | Чомъ, юлонька, не широкая. . . | — |
| 71. | Полень, полень, поленушко . . . | — |
| 72. | Приступи, царенку, до близу . . | 159 |
| 73. | А Бутъ, помогай, Бугъ, аворови люде . . . . . | — |
| 74. | Ой весна, весна. . . . . | 160 |
| 75. | А въ городі ярица, ярица. . . | — |
| 76. | Чи се той двіръ, що милий мій . | 161 |
| 77. | Не ходила на улицю . . . . . | — |
| 78. | Летіли гуси зизаючи . . . . . | — |
| 79. | Горіло поле, горіло . . . . . | 162 |
| 80. | Линіла вода, линіла . . . . . | — |
| 81. | Ой ти, ткачу-потіпачу. . . . . | — |
| 82. | Московочка тарара . . . . . | 163 |
| 83. | Блудили хлопъята, блудили . . . | — |
| 84. | Та на тімъ кутку, на юлиці . . | — |
| 85. | Тиндику, тиндику . . . . . | 164 |
| 86. | Ходивъ жучокъ по долині. . . . | — |
| 87. | Прилетіла зозуленька. . . . . | 164 |
| 88. | Ой плавала да чашечка мідяна. . | 165 |
| 89. | Що въ нашоі Маръюсетки. . . | — |
| 90. | Скриплять моі ворітечка. . . . | 166 |
| 91. | Ой да видно мені да на подолі . | 166 |
| 92. | Ой тихая да й улиця, тиха . . | — |
| 93. | Ой вийду я за ворота. . . . . | — |
| 94. | Якъ ходила дівчинонька по межі. | 167 |
| 95. | Ой оравъ милий у ярині. . . . | — |
| 96. | И то село, и се село. . . . . | 168 |
| 97. | Світи, зоре, на все поле. . . . | — |
| 98. | Ой ти вийдешъ и я вийду . . . . | 169 |
| 99. | Колибъ мені, да Господи. . . . | — |
| 100. | Ой вийду я за ворота. . . . . | — |
| 101. | Що й у полі, край дороги різно. | 170 |
| 102. | Овечечко, космашечко . . . . | — |
| 103. | Ой вийду я за ворота. . . . . | — |
| 104. | Да всі зірочки до купочки . . . | 171 |
| 105. | А чи намъ чотиромъ . . . . . | — |
| 106. | Ой вийду я за ворота . . . . | 172 |
| 107. | Зійшовъ місяць ранесенько. . . | — |
| 108. | Якъ сівъ комаръ на моковці . . | 173 |
| 109. | Ой дощечка да й объ дощичку бъется . . . . . | — |
| 110. | Ой млинъ меле, ой млинъ меле . | 174 |
| 111. | Сонечко исходить и грае . . . | — |
| 112. | Зниділо дитятко, зниділо . . . . | 175 |
| 113. | Ти на тімъ боці, я на сімъ боці . | — |
| 114. | Ой вінъ же бо не поповичъ . . | — |
| 115. | Котилася дорогою . . . . . | 176 |
| 116. | Ой пойду я въ дубину, въ дубину. | — |
| 117. | Ой тамъ на горі димъ та димъ (*съ напѣвомъ*). . . . . | 177 |
| 118. | Що Парахна воду несе . . . . | 178 |
| 119. | У лотокахъ заставочки. . . . . | — |
| 120. | Да й зірочка по хмарочці . . . | 179 |
| 121. | Ночувавъ же я у богатоі Насті . | — |
| 122. | Травка-муравка зеленая . . . . | — |
| 123. | Чемеръ горить, Чемеръ горить . | 180 |
| 124. | Утка йде, утипята веде . . . . | — |
| 125. | Смерте, смерте, иди на ліса . . | — |
| 126. | Прибігавъ, прибігавъ козликъ підъ оконце . . . . . | — |
| 127. | На тімъ боці у толоці . . . . | 181 |
| 128. | Ой співали дівочки, співали . . | — |
| 129. | Лебедина, лебедина . . . . . | — |
| 130. | Ой на горі сапчята . . . . . | 182 |
| 131. | Що на нашій да й улоці . . . | — |
| 132. | Ой заплету лісъ, лісъ. . . . . | — |
| 133. | Да до насъ, до насъ, парубочокъ . . . . . | — |
| 134. | Що на нашій да улиці . . . . | — |
| 135. | Ой за гаемъ, ой за гаемъ, Дунаемъ. . . . . | 183 |
| 136. | Ой летівъ жукъ, жукъ. . . . . | — |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| | **Май** | 184 |
| | Николая Чудотворца | — |
| | Вознесеніе | — |
| | Симона Зілота | — |
| | Гликеріи, Сидора и Пахома | — |
| | Константина и Елены | — |
| | Головатого Ивана | 185 |
| | Зелені святки | — |
| | Духовъ день | 186 |
| | Десятий понеділокъ | — |
| | **Русальныя:** | |
| 1. | Да свята неділя | 187 |
| 2. | Седіла русалка на білій березі | — |
| 3. | Проведу русалочки до бору | 188 |
| 4. | Прилетіла зозуленька зъ темного лісочку | — |
| 5. | Проводили русалочки, проводили | 189 |
| 6. | Рано, рано зійду я на гору | — |
| 7. | Ой біжить, біжить мала дівчина | 190 |
| 8. | А въ лёпку на клинку | — |
| 9. | Ой завъю вінки да на всі святки | — |
| 10. | Порохъ, порохъ по дорозі | 191 |
| 11. | А межъ горъ дорога | — |
| 12. | Старенький дядько по городу ходе | 192 |
| 13. | Поведу я русалочокъ до бору | — |
| 14. | Зовъемъ віночки на всі святочки | — |
| 15. | Седить зайчикъ підъ липкою | — |
| | **Іюнь** | 193 |
| | Онуфрія | — |
| | Св. Меѳодія | — |
| | Ивана Купала | — |
| | **Купальскія пѣсни:** | |
| 1. | На Йвана Купайла | 199 |
| 2. | Ой на Купайла вогонь горить | — |
| 3. | Ой на Ивана на Купала | — |
| 4. | Ой на Ивана на Купайла | 200 |
| 5. | Ой купалочка купалася | — |
| 6. | На Ивана Купайла | 201 |
| 7. | На нашеі на вулиці | — |
| 8. | Ой у лісі сухий дубъ развився | — |
| 9. | Ой чие жито підъ горою стояло | 202 |
| 10. | Сіяла зірочка, сіяла | — |
| 11. | Ой мала нічка-петрівочка | — |
| 12. | Сонце сходить, грае | 203 |
| 13. | Ой йшли дівочки и по ягодочки | 204 |
| 14. | Ой не стій, вербо, надъ водою | 205 |
| 15. | Летіло палело | — |
| 16. | Зійшло сонечко за стодолу | 206 |
| 17. | Ой розвивайся, сухий дубе | — |
| 18. | Стояла Марья підъ вінцемъ | — |
| 19. | Не расти, дубе, край дороги | 207 |
| 20. | Посію я рожу | — |
| 21. | Гусята, качата | 208 |
| 22. | Плавала уточка підъ млиномъ | — |
| 23. | Сходилось купало изъ долу до долу | 209 |
| 24. | Кладу я кладку черезъ муравку | — |
| 25. | Підъ березою обметяно | 210 |
| 26. | Стояла тополя въ край чистаго поля | — |
| 27. | Вітрець віе, повівае | 211 |
| 28. | Маринко, моя дівко (*съ напѣвомъ*) | 213 |
| 29. | Ой вербо, вербо, вербиця! | 214 |
| 30. | Наши подоляне церковъ збудовали | 215 |
| 31. | Иване, Ивашеньку (*съ напѣвомъ*) | 216 |
| 32. | А въ борку на клинку (*съ напѣвомъ*) | 217 |
| 33. | Ой лісомъ, дубиною | 218 |
| 34. | Купала наша, купала | 219 |
| 35. | Вітеръ петрушку подвівае | — |
| 36. | Ой чомъ ти, дубе, не розвився | 220 |
| 37. | Пасеться коникъ підъ гречкою | — |
| 38. | На купалі огонь горить | 221 |
| 39. | Ой въ ліску на бурку | — |
| 40. | Иване, Ивашеньку (*съ напѣвомъ*) | — |
| 41. | Тонкий, не високий дубокъ | 223 |
| 42. | Ти, Храсинко, тайся, не тайся | — |
| | **Іюль** | — |
| | Св. Мокрины | — |
| | Св. Ильи | — |
| | Маріи Магдалины | 224 |
| | Паликопа | — |
| | **Августъ** | 225 |
| | Маковія | — |
| | Спаса | — |
| | **Пѣсни при обжинкахъ:** | |
| 1. | А въ неділаньку, рано порапеньку | 226 |
| 2. | Ой чия жъ то борода | 227 |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 3. | Отсе тобі, борода, . . . . . | 229 |
| 4. | Ми-то, женчики, ми-то . . . . | 230 |
| 5. | Журилася стодоля, . . . . . | — |
| 6. | Уже сонце котиться . . . . . | — |
| 7. | Нуте, путе, до межі . . . . . | 231 |
| 8. | Нашъ панойко-виноградъ. . . . | — |
| 9. | Котився віночокъ по полю . . . | 232 |
| 10. | Колибъ, Господи, повечоріло . . | — |
| 11. | Ой котився нашъ віночокъ по полю | — |
| 12. | Зашуміла дуброва . . . . . | — |
| 13. | Наше село веселе . . . . . | 233 |
| 14. | Коломъ, віноньку, коломъ . . . | — |
| 15. | Вінчику пелехатий . . . . . | — |
| 16. | Чиняй, пані, ворота. . . . . | — |
| 17. | Наша пані охоча. . . . . | 235 |
| 18. | Чи не димъ ся то курить? . . . | — |
| 19. | Наша пані домує. . . . . | — |
| 20. | Ой якъ женці на порогъ. . . . | 236 |
| 21. | У нашого пана жінка хороша . . | — |
| 22. | Розгорися, вечерняя зоря, передъ раннёю стоя . . . . . | — |
| 23. | О чие жъ то поле заспівало, стоя? | — |
| 24. | А въ насъ женці, якъ женці . . | 237 |
| 25. | А нашъ панъ молоденькій . . . | 238 |
| 26. | Лапала, лапала . . . . . | 239 |
| 27. | Орішокъ зелененький, орішокъ зелененькій . . . . . | — |
| 28. | Закотилось та сонечко. . . . . | 240 |
| 29. | Добра пивойка була. . . . . | — |
| 30. | Місяцю, місячейку . . . . . | — |
| 31. | Ой добра-нічъ, широкее поле . . | 241 |
| 32. | Доломъ, женчики, доломъ . . . . | — |
| 33. | Ой не ідь, пане, въ поле. . . . | 242 |
| 34. | Нашъ панъ добрий . . . . . | — |
| 35. | Ой чие жъ то поле. . . . . | — |
| 36. | Немае пана въ-дома . . . . . | 243 |
| 37. | Чуй ся, паночку, въ силі . . . | — |
| 38. | Ходить панойко по сіняхъ . . . | — |
| 39. | А въ лісі ожиноньки . . . . . | 244 |
| 40. | Не лякайся насъ, паче . . . . | — |
| 41. | А въ нашого пана. . . . . | — |
| 42. | А въ нашого пана золотая брама. | — |
| 43. | Уже сонце надъ дубами . . . . | 245 |
| 44. | Ой лугами, паночку, лугами. . . | — |
| 45. | Оте жъ тобі, нашъ паноньку, обжинокъ . . . . . | 245 |
| 46. | А ми жито дожали. . . . . | — |
| 47. | Наша пані чернобрива . . . . | 247 |
| 48. | Закотилось да сонечко . . . . | — |
| 49. | Уже сонце на лапу . . . . . | 248 |
| 50. | Звеліла мені мати . . . . . | 249 |
| 51. | Ой зазвеніли стодолі, стодолі . . | 250 |
| 52. | Ой литае соколонько по полю . . | 251 |
| 53. | Ой літала сива каня по полю . . | — |
| 54. | Сива пава літала . . . . . | — |
| 55. | Бігай, коню, по полю. . . . . | 252 |
| 56. | Стався, панойку, стався. . . . | — |
| | Первая Пречиста (Успеніе). | 253 |
| | Радуйтеся, янголівъ лики . . . | — |
| | Головосіка (Усѣкновеніе главы Іоан. Кр.). . . . . | 254 |
| | **Сентябрь** . . . . . | — |
| | Симона Столпника. . . . | — |
| | Друга Пречиста (Рождество Богородицы) . . . . . | 255 |
| | Похвалімо, похвалімо Царя Христа | — |
| | Воздвиженіе . . . . . | — |
| | Ивана . . . . . | — |
| | **Октябрь** . . . . . | 256 |
| | Покровъ . . . . . | — |
| | Св. Луки . . . . . | — |
| | Казанской ик. Божьей матери | — |
| | Димитрія Мироточивого . . | — |
| | Парасковіи . . . . . | — |
| | **Ноябрь** . . . . . | 257 |
| | Михайла . . . . . | — |
| | Введеніе . . . . . | — |
| | Вечерницы въ дни Екатерины и Андрея . . . . . | — |
| | Андрея . . . . . | 258 |
| | **Декабрь** . . . . . | 262 |
| | Варвары . . . . . | — |
| | Анны . . . . . | — |
| | Вилія, багатая кутя . . . | — |
| | Рождество. . . . . | 264 |

№№ пѣсенъ. Стр.

Пѣсни съ «козою»:

1. Го-го-го, коза, го-го-го, сіра . 267
2. Гопъ, гопъ, козуню . . . . . 268

Колядки.

1. Мати сина да народила . . . . 270
2. А зъ гори, зъ долу вітеръ повіває 273
3. А у полі, полі да край дороги . 274
4. Да пане Иване обмуровавъ двіръ. 275
5. Тамъ військо ишло и ладу не найшло 276
6. Молодий Ивасенько, чи е въ тебе батенько . . . . . 277
7. А въ полі, въ полі, й у виноколі. —
8. А съ поля, поля да туманъ устае 278
9. Въ полі, полі, близько дороги . . —
10. А въ полі, въ полі, близько дороги 279
11. Іздивъ Василько въ військо служити 280
12. Іздивъ Иванъ на сивімъ коні . . —
13. Що въ пана козаченька, на его дворі —
14. Ой у Вілбові на Оболоні, грай коню 281
15. Ні світъ, ні зора занімаеться . . —
16. Ой у полі, полі військо стояло. . 282
17. По полю, полю, по полю хмара. . —
18. Ой рано, рано курі запіли. . . 283
19. Ой рано, рано курі запіли. . . 285
20. А въ полі, въ полі береза стоіть. 287
21. Стояла сосна високою росту. . . 288
22. Ой по-підъ лісокъ, по-підъ темненький . . . . . 289
23. Нашъ Ивасенько, молодий паненько —
24. Ой підъ турецькій городъ, тамъ конемъ грае . . . . . 291
25. Ой изъ-за гори, зъ-за зеленої . . —
26. Ой въ Ильвові та на риночку. . 292
27. Ой въ горі, въ шовковій траві. . —
28. Ой вийду жъ я на гору високу . 293
29. Ой паничъ гордий, молодий Иване. 294
30. Учора зъ вечора зъ Москви приіхавъ —
31. Ой славенъ, пишонъ, молодъ женишокъ. . . . . —
32. По підъ Каменець сбитий гостинець 295
33. Ишли молодці коло церковці . . 297
34. Ой тамъ на горі високій. . . . 298
35. Въ лісі, на жовтімъ піску висока сосна . . . . . —
36. Хвалилася біла береза . . . . 299
37. Ой въ ліску, въ ліску да на жовтімъ піску. . . . . 300
38. А въ бору, въ бору волохи гудуть 305
39. Въ пана господара, на его дворі. 307
40. Черезъ наше село . . . . . 310
41. Ой въ ліску, въ ліску на жовтімъ піску . . . . . 311
42. Въ славнімъ селі NN. . . . . 312
43. Ой въ Днестрі, Днестрі да перевозі 313
44. Ой зъ-за гори високої . . . . 314
45. У брода, въ брода да въ перевоза . 316
46. А нашъ козаченько . . . . . 318
47. Грали цимбали . . . . . 319
48. Тамъ за горою високою. . . . 320
49. Въ сіняхъ, въ сіняхъ та й на покояхъ . . . . . —
50. У сей дворъ Богъ навітавъ. . . 321
51. На Ордані тиха вода стояла . . 323
52. Изъ вечора синъ Божий народився 325
53. Пане господару, чи есть ти въ-дома 326
54. Даръ днесь пребогатий отъ небесъ прийде . . . . . —
55. Уже ся все те збуло . . . . . 327
56. Нова рада, нова рада. . . . . 328
57. Дивно, дивно. . . . . —
58. На тихімъ Дунаю підъ крутимъ берегомъ . . . . . 329
59. Нова рада стала. . . . . 330
60. Діва днесь непресущественнаго рождаеть . . . . . 333
61. Рожденная мати, небеська царице —
62. Въ Почаеві монастирі . . . . —
63. Ой що жъ то було . . . . . 335
64. Темнее нарожденіе Божого сина . 336
65. Шли гости да колядничкн . . . —
66. Добри-вечеръ, пане господару. . 337
67. А въ пана Павла да на его дворі 337
68. Днесь поюще . . . . . 338
69. Крикніте, ангели, на небесі согласно . . . . . 340
70. Скінія вся златая . . . . . —
71. Рожество славне присно Діви Маріи 341
72. Богъ предвічний народився. . . 342
73. Пішли пастирі до Іерусалима. . —
74. Ишла Марія крутимъ бережкомъ. 343
75. Пане господару, вставайте, не спіть 344
76. Ой вітай, вітай, пане господару . 346
77. Осіяло сонце въ вертепі. . . . 348
78. Ой отці чесні на великомъ дворі. —
79. Радуйтеся всі люде—радість намъ зъ неба спадае . . . . . 350
80. А всі святі ослаиомъ сіли . . . 351
81. Надъ вертепомъ зірниця . . . 352
82. Ишла Марія на крутую гору . . 353
83. Да зъіхалось да три воли . . . 355

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 84. | Ой што єсть предивна. . . . . | 355 |
| 85. | Ой славенъ, славенъ, пане господару | 357 |
| 86. | Нехто жъ не знае, якъ перше було | 358 |
| 87. | Бачивъ же Богъ, бачивъ Творець. | — |
| 88. | Да мости, мости все калинові . . | 365 |
| 89. | Ой Божее пароджденіе, Божая сила | 366 |
| 90. | Ой збіралася жидовая . . . . . | — |
| 91. | Ой у полі широкому . . . . . | 367 |
| 92. | Ой дивное народзенне . . . . | — |
| 93. | Пане господару, чи єсть ви въ-дома | 369 |
| 94. | Пане господару, Богъ тебе кличе | 370 |
| 95. | Предвічний приліти родився . . | — |
| 96. | Світъ змисленний, де ся родивъ . | — |
| 97. | За насъ грішнихъ Богъ воплотився | 373 |
| 98. | Весела світу повина . . . . . | — |
| 99. | Небо и земля нині торжествують | 375 |
| 100. | Рожество Христово праздпуемъ. . | 376 |
| 101. | Днесь прийдіте, увидіте . . . . | 378 |
| 102. | Въ нашоі Влапльняці днесь родився | 379 |
| 103. | Нова рада світу ся зъявила . . | 380 |
| 104. | Народився намъ Спаситель. . . | 381 |
| 105. | Даръ нині пребагатий отъ небесъ прийде. . . . . | 833 |
| 106. | Богъ предвічний народився, прийшовъ днесь со небесъ. . . . . | — |
| 107. | Возсіяло сонце, місяць увертепі . | 384 |
| 108. | Пане господару, ми твого двору . | — |
| 109. | Чи въ дома, дома, пане господару | 385 |
| 110. | Буйгъ помагай, пане госпадару одъ тебе . . . . . | — |
| 111. | Пане господару. . . . . | 386 |
| 112. | А въ пана Ивана умная жена . | — |
| 113. | А у пана Платона. . . . . | 387 |
| 114. | Въ пана господара . . . . . | 388 |
| 115. | Ци много насъ є, панове молодці? | — |
| 116. | Ой за річкою, за Синюхою. . . | — |
| 117. | Ой у полі, въ полі. . . . . | 391 |
| 118. | Що въ конець мосту да калинового | — |
| 119. | Шумить, гуде, дубровою йде . . | 392 |
| 120. | Гей лелію съ-пудъ дуброви . . | — |
| 121. | Зелений дубочокъ . . . . . | 393 |
| 122. | Шила-пошила три ширморчки . . | — |
| 123. | Ой у городі коноплиночка . . . | 394 |
| 124. | А въ лузі-лузі красна калина . . | 395 |
| 125. | Ой пошовъ Павло въ поле орати. | 399 |
| 126. | Зажурилась крутая гора. . . . | — |
| 127. | Наша панночка-господиночка . . | 402 |
| 128. | Наша панночка-господиночка ключзами дзвонить, до нихъ говорить. | 403 |
| 129. | У нашого пана хороша пані . . | 404 |
| 130. | Ой въ бору сосна зъ самого злота | — |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 131. | Була въ батька єдна дочка . . | 405 |
| 132. | Гей по горахъ, по шовковихъ травахъ. . . . . | — |
| 133. | Ми въ нашоі господиньки . . . | 406 |
| 134. | Ой селомъ, селомъ Куриговцями. | — |
| 135. | А въ полі, въ полі, близько дороги . . . . . | 406 |
| 136. | Въ господара остроженний двіръ. | — |
| 137. | По горі, горі пани ходили . . . | 407 |
| 138. | Пане господару, вставай съ постелі | — |
| 139. | Ишовъ-перейшовъ місяць по небі. | 414 |
| 140. | Ишовъ-перейшовъ місяць по небі та встрівся зъ ясною зорою. . . | 415 |
| 141. | Въ стані свічка горить . . . . | 416 |
| 142. | А въ сёго пана скамъя заслана. | — |
| 143. | Ой знати, знати пана-господра. | — |
| 144. | Пане господару, на вашімъ дворі. | 417 |
| 145. | По горахъ, горахъ сніги, морози | 418 |
| 146. | За ворітьми, за праворітьми . . | — |
| 147. | А въ лісі, лісі, лісі, недоборі . . | 419 |
| 148. | Пане господару, чи є ти въ-дома. | 421 |
| 149. | Ой вийди, вийди, пане господарочку . . . . . | — |
| 150. | Пане господару, чи є ти въ-дома. | 422 |
| 151. | Пане господару, гараздъ ся маешъ. | — |
| 152. | Пане господару, тось ся розиславъ . . . . . | 423 |
| 153. | Надъ моремъ глибокимъ. . . . | 424 |
| 154. | Є дома, дома самъ панъ господаръ | 425 |
| 155. | Ой на дворі чорна хмара вьеться | — |
| 156. | Запрігъ Іозефъ кобилу въ візокъ. | 426 |
| 157. | Ой я тобі, дядьку, заколядую. . | 427 |
| 158. | И ви идете, дари несете. . . . | — |
| 159. | Коло кринички . . . . . | — |
| 160. | Колядуй, баране. . . . . | 428 |
| 161. | А въ полі, полі. . . . . | — |
| 162. | Бігла теличка зъ березнячка. . . | 429 |
| 163. | У нашоі баби золотиі брижі . . | — |
| 164. | Ой въ пана, пана. . . . . | — |
| 165. | Колядую; колядую . . . . . | 430 |
| 166. | Ой въ Пилипівку . . . . . | — |
| 167. | Дайте намъ коляду. . . . . | 431 |
| 168. | Ой зъ гори, зъ гори вітеръ повівавъ . . . . . | — |
| 169. | Ой чого ти, роженько, сама въ городі . . . . . | 432 |
| 170. | А въ нашого панотця. . . . | 433 |
| 171. | У нашого пана господарейка . . | — |
| 172. | Въ бору, въ бору да волохи поють | 434 |
| 173. | Я малий пахолокъ. . . . . | — |
| 174. | Я маленька дівочка . . . . . | 435 |

| №№ пѣсенъ. | | Стр. |
|---|---|---|
| 175. | Я по ряску ходила. . . . . | 436 |
| 176. | А въ дядька й у насъ . . . . | — |
| | **Щедрівки и багатий вечеръ.** | 437 |
| 1. | Ой рано, рано курі запіли . . . | 439 |
| 2. | У пана Данила, да на его дворі . | — |
| 3. | Ой подъ вербою, подъ зеленою . | 440 |
| 4. | Ой у полі, въ полі да білъ камінь лежить . . . . . | — |
| 5. | Весь двіръ на горі. . . . . | 441 |
| 6. | Ой на річці, на Ордані. . . . | — |
| 7. | Ой на річці на Іордані . . . . | 442 |
| 8. | Ой на річці на Ордані . . . . | 444 |
| 9. | Василева мати (*съ напѣвомъ*) . . | 445 |
| 10. | Якъ ходила Панна. . . . . | 447 |
| 11. | Ой по мору, мору да синему . . | 449 |
| 12. | На Іордані тиха вода стояла . . | — |
| 13. | Ой ремезо, ремезочку. . . . . | 450 |
| 14. | Щедрий вечеръ, пане господару. | — |
| 15. | А въ полі, въ полі плужокъ ходить. . . . . | 451 |
| 16. | Шовъ Илья . . . . . | — |
| 17. | Пане господару, вставай съ постелі. . . . . | 452 |
| 18. | Щедрий вечиръ, пане господару. | 453 |
| 19. | Пане господару, замітай двори. | — |
| 20. | Прилетіла ластівочка . . . . . | 454 |
| 21. | Чи дома сей панъ господаръ . . | 455 |
| 22. | На водахъ на Іорданьскихъ. . . | 459 |
| 23. | Ой літала ластовка, літала. . . | — |
| 24. | Стояла світілка новозрублена . . | 460 |
| 25. | Я ходивъ, я блудивъ . . . . . | 463 |
| 26. | Що ся тамъ світить. . . . . | 464 |
| 27. | На Ордані, въ новій стані. . . | — |
| 28. | По горі овечки ходять . . . . | — |
| 29. | При дорожичці самъ плужокъ оре | 465 |
| 30. | Пудъ сінцемъ, пудъ новимъ. . . | 466 |
| 31. | У свого двора поросла трава . . | — |
| 32. | У писаря при дворі . . . . . | — |
| 33. | Ой учора изъ вечора. . . . . | 467 |
| 34. | Зажурилася крутая гора. . . . | — |
| 35. | Ой на річці, на Ордані, тамъ Марися біль білила . . . . . | 468 |
| 36. | Ложку, тарілку упустила . . . . | 469 |
| 37. | У крутому бережечку. . . . . | 470 |
| 38. | Ой на річці на Ордані, Ордань воду розливае . . . . . | 470 |
| 39. | Ой у нашого пана Оврама . . . | — |
| 40. | А въ нашого господара . . . . | 471 |
| 41. | А въ новому городечку . . . . | — |
| 42. | Ой ходивъ, ходивъ місяць по небі. | 472 |
| 43. | Ой у лузі калинойка . . . . . | — |
| 44. | А въ полі, въ полі, да й край дороги. . . . . | 473 |
| 45. | Ой въ ліску, въ ліску. . . . . | — |
| 46. | Летіла соя въ кунець села . . . | — |
| 47. | Ой котилася зімняя рута. . . . | 474 |
| 48. | Ой у полі копопелька. . . . . | — |
| 49. | Ой у Луцьку на риночку. . . . | — |
| 50. | Тамъ заряеться, займаеться. . . | 475 |
| 51. | Въ садку, садку-виноградку. . . | — |
| 52. | Сидить дідъ на стольці . . . . | — |
| 53. | Щедрівниця . . . . . | 476 |
| 54. | Хутко даріте. . . . . | — |
| 55. | Щедрикъ, ведрикъ. . . . . | 477 |
| 56. | Бігла теличка . . . . . | 478 |
| 57. | На річці, на Сітниці . . . . . | — |
| 58. | А въ пана, въ пана. . . . . | — |
| 59. | Бігла теличка та зъ березничка. | 479 |
| 60. | А въ печі пирожки пекли . . . | — |
| 61. | Щедрий вечоръ, пане господару. | — |
| 62. | У Єрусалимі рано задзвонили (*съ напѣвомъ*). . . . . | 480 |
| 63. | Ой сівъ Христосъ да вечеряти (*съ напѣвомъ*) . . . . . | 481 |
| 64. | У паноченька явірко стоявъ (*съ напѣвомъ*) . . . . . | — |
| | **Дополненіе къ стр. 223.** | |
| 1. | Да купався Иванъ . . . . . | 483 |
| 2. | Иване, Ивашечку . . . . . | — |
| 3. | Да летіла сова . . . . . | 484 |
| 4. | Да біда жъ на мене на сей дедъ | — |
| 5. | На святого Ивана клала купала . | 485 |
| 6. | Ой чий же ти, Иване . . . . | — |
| 7. | Ой на горі, на горі . . . . . | — |
| 8. | Ой у ліску на кленку . . . . | 486 |
| 9. | Пішли дівки по ягідки . . . . | — |

ОБЩЕСТВО ИМПЕРАТОРСКОЕ ... ЕСКОЕ
17 МАЙ 74

# КАЛЕНДАРЬ НАРОДНЫХЪ ОБЫЧАЕВЪ И ОБРЯДОВЪ СЪ СООТВѢТСТВУЮЩИМИ ПѢСНЯМИ.

## ЯНВАРЬ.

**1-го января св. Василія.** Наканунѣ этого дня кладутъ нѣсколько луковицъ (цибуль), посыпанныхъ солью; утромъ хозяинъ разсматриваетъ ихъ; если соль на луковицѣ будетъ влажная, — то впереди надобно ожидать немного дождя; если соль совершенно мокрая — будетъ ливень. [1])

Вставши, хозяинъ выходитъ на дворъ и замѣчаетъ состояніе погоды. Если на деревьяхъ иней, то значитъ въ этомъ году будетъ урожай.

Передъ литургіей, мальчики ходятъ „по хатахъ засівать". Они набираютъ въ мѣшокъ или въ „рукавицю" (перчатку) смѣшанныхъ зеренъ: ржи, пшеницы, гороху, проса и проч. и въ каждомъ домѣ обсыпаютъ этими зернами хозяина и хату, приговаривая: „На счасте, на здоровъе, та на нове літо; роди, Боже, жито, пшеницю и всяку пашницю; добри-день, будьте здорові зъ новимъ годомъ" [2]). Иногда посѣвальники водятъ съ собой „паробка", переодѣтаго козою, съ ушами, сдѣланными изъ колосьевъ [3]). Главнаго засѣвальника приглашаютъ сѣсть на лавкѣ, говоря: „Сядь же у насъ да посидь, щобъ усе добре у насъ садилось: кури, гуси, качки, рої и старости [4]).

---

[1]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[2]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[3]) С. Чернилевка, Старокостантиновскаго уѣзда.
[4]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.

При засѣваніи дѣвушки и паробки ловятъ зёрна и по нимъ гадаютъ: если число зеренъ окажется четное, значитъ дѣвушка выйдетъ замужъ, и наоборотъ [5]). Зерна, которыми засѣвали, хозяева тщательно собираютъ и сохраняютъ до посѣва, и тогда съ прочими сѣменами бросаютъ въ землю. Часть ихъ также даютъ курамъ, думая, что отъ этого онѣ будутъ чаще несть яйца. Въ иныхъ мѣстахъ въ новый годъ, „новолітовати", къ священнику ходятъ сами хозяева и, вмѣсто смѣшанныхъ зеренъ, несутъ ему по „чвертці" или болѣе овса, гречихи и т. п. [6]). Возвратившись изъ церкви, хозяинъ кадитъ въ хатѣ ладаномъ и затѣмъ садятся обѣдать. На обѣдъ приготовляютъ борщъ и локшину, въ которую бросаютъ кусокъ свиного мяса, или гусиные потроха. Послѣ обѣда сейчасъ же поятъ скотъ. Отъ „Вилуи" или „святого вечера" „смітье" изъ хаты не выбрасываютъ на дворъ, а сметаютъ его подъ „покутя"; на Новый же годъ выносятъ въ садокъ и зажигаютъ такъ, чтобы окурить дымомъ всѣ плодовыя деревья; думаютъ, что отъ этого деревья будутъ хорошо родить.

Съ 2-го января и до „Водохрища" работаютъ только отъ восхода до захода солнца [7]).

**2. Голодна кутя.** Наканунѣ Богоявленія, 5-го января, окропляются домы освященною водою. Въ этотъ день можно работать, но до освященія воды никто не ѣстъ и потому день этотъ называется „голодною кутею". Вставши утромъ, хозяинъ ставитъ „узваръ и кутю" на покутѣ на то сѣно, которое тамъ лежитъ еще отъ „багатоі куті", накрываетъ кутю хлѣбомъ, а узваръ кнышомъ. Въ церковь за освященною водою идетъ съ каждой хаты кто нибудь одинъ [8]) или же цѣлая семья. Послѣ освященія воды каждый тотчасъ выпиваетъ ее немного и въ сосудахъ приноситъ домой. Хозяинъ или старшій сынъ набираетъ эту воду въ миску, покрываетъ „книшемъ" и идетъ освящать все свое хозяйство, окропляетъ св. водой хату, погребъ, конюшню, скотъ и при этомъ говоритъ: „Во Иордані крещающуся тобі, Господи" [9]). Покропивши какое нибудь мѣсто, онъ вслѣдъ затѣмъ мѣломъ пишетъ крестъ съ такимъ же приговоромъ, а потомъ ломаетъ на кусочки „книшъ" или „паляницю", которою была накрыта миска съ водой, и даетъ воламъ и лошадямъ. Тогда дѣтямъ присмаливаютъ немного волоса, чтобъ не боялись волка.

---

[5]) С. Шендеревка, Каневскаго уѣзда.
[6]) Полонное, Новоградъволынскаго уѣзда.
[7]) Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[8]) Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[9]) Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда и Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.

Передъ ужиномъ хозяинъ кадитъ ладаномъ, кропитъ крестообразно хату. Ужинъ въ этотъ день состоитъ изъ постныхъ блюдъ и сопровождается тѣми же обрядами, какъ и „багатая кутя“: призывается морозъ; оставляютъ ложки въ кутьѣ.... Разница только въ томъ, что послѣ ужина паробки выходятъ на дворъ, „проганять кутю“, т. е. стучатъ въ заборъ качалками, а если у кого есть ружье, то и стрѣляютъ изъ него. Нѣкоторые, въ полночь, ходятъ на рѣку по воду, въ полной увѣренности, что эта вода обладаетъ цѣлебными свойствами и что, будучи закупорена въ какомъ нибудь сосудѣ, она не испортится даже въ продолженіи двухъ или трехъ лѣтъ.

Если во время ужина кто нибудь изъ присутствующихъ чихнетъ, то хозяинъ что нибудь даритъ ему: овечку, теленка [10]). Вечеромъ хозяинъ дома, взявъ хлѣбъ съ крестомъ на верху, называемый пирогомъ, идетъ къ дверямъ строенія, гдѣ помѣщается скотъ, и говоритъ: „Хто иде?“ „Богъ!“ „Що несе?“ „Пирогъ“. Послѣ этого входитъ къ скоту, благословляетъ его этимъ хлѣбомъ, разламываетъ на нѣсколько кусочковъ и раздаетъ скоту [11]).

**3. Водохрище.** 6-го января, къ празднику Богоявленія прорубливаютъ на льду рѣки или пруда крестъ значительной величины и съ различными украшеніями, для освященія воды [12]). По окончаніи водосвятія, всѣ наперерывъ стараются прежде другихъ зачерпнуть освященной воды, въ той увѣренности, что вода, почерпаемая раньше, чѣмъ успѣли зачерпнуть другіе, дѣйствительнѣе. Вложивъ въ эту воду калину или коралы, умываются ею, чтобы лицо всегда было румяное [13]). Кто первый наберетъ воды и дастъ скоту, у того скотъ будетъ размножаться и вообще хозяйство будетъ идти лучше [14]). Есть повѣрье, что на Крещенье бываетъ такая минута, когда вода въ рѣкѣ и колодцахъ превращается въ отличное вино. Разсказываютъ, какъ одинъ купецъ ѣхалъ изъ ярмарки и заѣхалъ къ рѣкѣ напоить лошадей. Но вмѣсто воды, онъ нашелъ вино. Тогда онъ самъ напился, набралъ съ собою въ „посудину“ и поѣхалъ. Не отъѣхалъ онъ и версты, какъ захотѣлось ему еще напиться вина, но вино уже превратилось въ воду [15]). По водосвятіи, нѣкоторые молодые крестьяне купаются въ проруби, для здоровья, а иногда стрѣляютъ по нѣскольку разъ на воздухъ и, такимъ образомъ, „очищеніе отъ гріхівъ въ

---

[10]) Шендеревка, Каневскаго уѣзда.
[11]) С. Бусьно, Грубешовскаго уѣзда.
[12]) М. Полонное, Новоградволынскаго уѣзда.
[13]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[14]) С. Могильна, Владимірскаго уѣзда.
[15]) С. Линцы, Харьковскаго уѣзда.

*

миру извіщають“ [16]). Наблюдаютъ также, что если „на Водохрище риба табунами ходить, то-на рої добре буде“ [17]).

Многіе мужчины и женщины во время водосвятія держатъ тройныя свѣчи, въ ознаменованіе Пресв. Тройцы. Иногда, возвращаясь домой, поютъ пѣсни. Вода, освѣщенная на канунѣ праздника, не смѣшивается съ водою, освященною въ день Богоявленія: та и другая сливаются въ особые чистые сосуды и хранятся, какъ драгоцѣнность, въ продолженіи года.

Народъ вѣритъ въ цѣлебныя свойства Богоявленской воды противъ всякихъ болѣзней, но преимущественно дѣтскихъ, происшедшихъ, какъ говорятъ, отъ „зурочення“. Ее также даютъ умирающему. Богоявленская вода употребляется крестьянами для разведенія пчелъ „пасіки“. Зажиточные пасѣчники посылаютъ нѣсколько человѣкъ въ разныя мѣста для набиранія Богоявленской воды [18]).

Возвратившись изъ церкви въ день Богоявленія, окропляютъ все освященной водой, съ приговоромъ: „Во Иордані крещающуся“.

Когда, передъ обѣдомъ, хозяйка мѣситъ тѣсто на пироги, то вынувши руку не обтираетъ ее, а бѣжитъ поскорѣе въ садъ и обвязываетъ садовыя деревья соломой, приговаривая: „Щоби сь на той рікъ родили яблока (или груши) такі добрі и мякі, якъ тісто“ [19]).

Передъ обѣдомъ ѣдятъ кутью съ медомъ, которая оставляется еще съ вечера въ мискѣ, потомъ хозяинъ раздаетъ всѣмъ по рюмкѣ водки; за обѣдомъ ѣдятъ тоже, что на Рождество и на Новый годъ.

Въ этотъ день купаются отъ „корости“; надобно остерегаться, чтобы въ это самое время кто нибудь не крикнулъ: „щобъ така вода, якъ дубова кора“; потому что тогда она „и справді візьметься на тілі“ [20]).

Послѣ обѣда молодежь отправляется на рѣку. Паробки и мальчики съ одной половины села сходятся съ паробками и мальчиками другой половины драться, и которая сторона побьетъ, за той остается „ордань“ — крестъ, вырубленный на льду.

Дѣвушки скользаются на „сковзальці“. Въ нѣкоторыхъ мѣстахъ есть обычай на Водохрище начинать учить коней и молодыхъ быковъ. Въ такомъ случаѣ ѣздятъ на лошади верхомъ до тѣхъ поръ, пока она не вспотѣетъ, и тогда окропляютъ ее святой водой.

---

[16]) С. Шендеревка, Каневскаго уѣзда.
[17]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[18]) М. Полонное, Новоградъволынскаго уѣзда.
[19]) Грубешовскій уѣздъ.
[20]) Великдень у Подол. (Основа 61 г. стр. 48.)

Если вечеромъ въ этотъ день встрѣтятъ волковъ въ лѣсу, то говорятъ: „де ви тоді були, якъ Исусъ Христосъ на Иордані христився?“

Въ теченіи цѣлой недѣли послѣ Богоявленія не моютъ бѣлья на рѣкѣ, чтобы не осквернить „свяченої води“ [21]). Это дѣлается еще и по тому повѣрью, что въ теченіи недѣли черти сидятъ глубоко въ водѣ и не могутъ иначе вылѣзти, какъ только уцѣпившись за бѣлье.

До Богоявленія народъ воздерживается отъ всѣхъ увеселеній, потому что вода еще не освящена. Но когда освятится вода, тогда всѣ кабаки полны народа. Молодежь танцуетъ подъ музыку, а старики пьютъ водку. Тогда же начинаются осмотры невѣстъ и помолвки.

Послѣ Водохрища первый понедѣльникъ называется „Рождественнимъ“. Въ этотъ день ѣдятъ постное, хотя въ праздники не соблюдаютъ постовъ ни въ среду, ни въ пятницу.

**4. День Ивана Крестителя.** 7-го января, въ праздникъ Іоанна Крестителя, хозяинъ, вставши утромъ, беретъ хлѣбъ и соль, лежавшіе на покутѣ еще отъ „богатої куті“, и идетъ въ загороду и конюшню и даетъ по кусочку скоту и лошадямъ, вмѣстѣ съ сѣномъ.

Отъ Рождества и до Ивана женщины не прядутъ и не шьютъ; въ этотъ день также нельзя ничего дѣлать. Замѣтимъ при этомъ, что на всѣ главные праздники, какъ напр. Рождество, Новый годъ, Крещеніе, женщинамъ нельзя ходить по воду; всегда эту работу исполняютъ паробки [22]).

8-го января, „Роздвъяний день“.

Въ этотъ день ничего не дѣлаютъ, какъ и на первый день Рождества. Тогда кончается „балуванне“, т. е. пиршество.

Развозятъ вязки „перевеселъ“ изъ гречки, смолоченной въ Рождественскій постъ, и при входѣ въ хату, говорятъ: „нате вамъ ковбаси“, потомъ и въ этой хатѣ начинается попойка, если ее тамъ не было съ утра, такъ какъ въ этотъ день обыкновенно всѣ пьянствуютъ [23]).

**Оддання.** 15-го января празднуютъ праздникъ „Оддання“. „Одданнемъ“ называется такое волшебство, посредствомъ котораго колдунъ можетъ сдѣлать такъ, что у человѣка во внутренностяхъ заведутся ящерицы, гады и проч. Во избѣжаніе этого, народъ и празднуетъ этотъ день, и тогда учатся давать „данння“. Колдуны это дѣлаютъ такимъ образомъ: идутъ въ то мѣсто, гдѣ сходятся три дороги, и поднимаютъ шумъ. На шумъ должна явиться змѣя,

---

[21]) Сборн. Маркевича.
[22]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[23]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.

которую убиваютъ. Послѣ этого тотъ, кто учится, разрѣзываетъ руку и кладетъ туда немного змѣиной крови; если рана сей-часъ-же заживаетъ, то этотъ человѣкъ можетъ давать „данння“.

30-го января, трехъ святыхъ. Въ этотъ день нельзя прясть.

---

## ФЕВРАЛЬ.

2-го февраля, праздникъ «Громниці или Стрічань“. Въ этотъ день встрѣчается зима съ лѣтомъ, чтобы побороться, кому идти впередъ, кому возвращаться назадъ. Лѣто говоритъ: „Помагай Бігъ тобі, зімо“. — „Дай Боже здоровъе,“ отвѣчаетъ зима. — „Бачъ, зімо,“ говоритъ лѣто, „що я наробило и напрацёвало, ти поіла и попила“ [24]).

Если на стрѣтеніе „напьеться півень (пѣтухъ) води, набереться пахаръ біды“, то зима будетъ продолжительна и хозяева берегутъ пашу и хлѣбъ [25]).

Въ этотъ день освящаютъ въ церкви воду. Каждый набираетъ ее въ особую бутылку. Въ прежнее время освящали свѣчи, называвшіяся громничными, потому что ихъ зажигали во время грозы, для прогнанія ее и спасенія себя отъ грома. Эти свѣчи давались умирающему при чтеніи отходной молитвы [26]).

Больному вытираютъ этой водой больное мѣсто. Вода эта въ особенности помогаетъ отъ болѣзни, называемой „пристрітомъ“. Ворожея льетъ ее на больнаго [27]) съ приговорами.

Этою водой окропляютъ также скотъ и даютъ ему пить.

Прежде окропляли ею пасѣку каждую „перву неділю“ т. е. первую во время новолунія.

Если чумакъ выходитъ въ дорогу, то хозяинъ даетъ ему хлѣбъ, соль и окропляетъ срѣтенскою водою воловъ, возъ, съ приговоромъ: „Боже, тобі поможи“.

---

[24]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[25]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[26]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[27]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.

11 февраля, Св. Харлампій, покровитель домашнихъ животныхъ. Въ этотъ день богатые крестьяне владѣльцы скота нанимаютъ молебенъ. У тѣхъ изъ крестьянъ, которые празднуютъ этотъ день, скотъ будетъ въ хорошемъ состояніи [28]).

14-го февраля, Мелатія. *Хорошая погода въ этотъ день предвѣщаетъ морозы.* 24 февраля, праздникъ *«обертенія»*.— Обрѣтенія честной главы Іоанна Крестителя. Въ этотъ день птицы возвращаются изъ „вирія". Св. Іоаннъ чудомъ своей главы возвращаетъ ихъ назадъ.

Если летятъ журавли „веселики", то думаютъ, что сколько ихъ летитъ числомъ, столько злотыхъ будетъ стоить „корець" жита. Если жаворонки во время перелета, весною летятъ высоко, то говорятъ, что „то вони до Бога летять молотить", если же низко, то значитъ, что и „вони не донесли ціпа; ціпъ упавъ, отъ вони й попадали до долу" [29]).

Дѣти ѣдятъ много хлѣба. Мужъ „до жінки бертається", т. е. начинаетъ ее больше любить. Въ этотъ день нельзя мыть бѣлья [30]).

Въ продолженіе всего февраля никто изъ мужчинъ не работаетъ въ пятницу въ полѣ, а женщины не прядутъ. Если мужчина будетъ что нибудь дѣлать волами, то или волъ скоропостижно падетъ, или же самому крестьянину „усохне" рука или нога. Все остальное работать можно [31]).

Кто окончилъ молотьбу, тотъ чинитъ свои возы, сохи, плуги. Также, пока не испортится санная дорога, заготовляютъ хворостъ и колья для огорожи. Пасѣчники держатъ ульи въ погребѣ, чтобы пчолы не вылетали.

Въ этомъ мѣсяцѣ мелютъ муку, такъ какъ позже начинаются полевыя работы [32]).

## Масляница

**(Загальница). Колодка.** На масляницу, въ теченіи цѣлой недѣли, справляютъ колодку. Въ понедѣльникъ, по утру, бабы собираются въ корчму. Одна изъ нихъ кладетъ на столъ небольшое полѣно или палку, называемую колодка. Другія бабы берутъ колодку со стола, пеленаютъ ее нѣсколькими кусками холста и кладутъ на прежнее мѣсто. Это значитъ что „колодка" родилась. Затѣмъ покупаютъ водки и, сѣвши вокругъ

---

[28]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[29]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[30]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[31]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[32]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.

колодки, поздравляютъ другъ друга съ ея рожденіемъ. Послѣ попойки расходятся, а колодка оставляется въ шинкѣ до слѣдующаго дня. Такъ справляютъ колодку до субботы. По словамъ крестьянъ, въ понедѣльникъ колодка родится, во вторникъ крестится, въ среду покрестьбины, въ четвергъ умираетъ, въ пятницу хоронятъ, въ субботу плачутъ [33]).

Среда на сырной недѣлѣ называется „Зноби-баби“ [34]).

Въ воскресеніе, въ послѣдній день масляницы, молодежь „волочитъ колодку“. Женщины идутъ по домамъ и привязываютъ дѣвушкамъ и паробкамъ небольшую палку къ ногѣ, въ наказаніе за то, что не вступили въ бракъ въ послѣдній мясоѣдъ [35].

Дѣвушки тоже навязываютъ колодку обшитую ленточками паробкамъ и эти послѣдніе должны платить за это выкупъ. Подобно бабамъ, и онѣ напиваются. На масляницѣ самое употребительное кушанье вареники съ сыромъ.

**Чорна неділя,** *послѣдній день масляной.* Первый день великаго поста называется „Чистий понеділокъ“, также „Полоскозубъ“, потому что въ этотъ день крестьяне „полощуть зуби“. Полосканье это состоитъ въ томъ, что крестьяне собираются въ корчму и тамъ пьютъ цѣлый день, выполаскиваютъ водкой зубы, чтобы не осталось между зубовъ чего нибудь скоромнаго [36]).

Въ чистый понедѣльникъ берутъ яйцо, варятъ его въ тотъ же день, прокалываютъ насквозь дырочку и кладутъ въ теплое мѣсто на весь великій постъ. Если въ первый понедѣльникъ великаго поста кто нибудь услышитъ звонъ, то приговариваетъ „хрінъ да редька, хрінъ да редька“. Въ этотъ день не ѣдятъ горячей пищи. Садятся обѣдать очень поздно, ѣдятъ: ржаные коржи — „жалованники“, тертый хрѣнъ съ бураковымъ квасомъ и рѣдьку.

„Вареники доведуть, що и хліба не дадуть“ [37]).

---

[33]) С. Сивка, Острож. и Красноселка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[34]) С. Красноселка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[35]) С. Красноселка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[36]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[37]) Рус. Бесѣд. 56 г. стр. 64.

# МАРТЪ.

1 марта, день Евдокіи. „Бабакъ“ (сурокъ), спящій всю зиму, просыпается и свищетъ; это первый признакъ весны. Если въ этотъ день увидятъ ласточку, то бросаютъ на нее горсть земли, приговаривая: „на тобі, ластівко, на гніздо“ [38]).

Сѣютъ разсаду въ горшкахъ и вѣрятъ, что, посѣянная въ этотъ день, она не можетъ пострадать отъ мороза [39]). Сѣютъ такимъ же образомъ и овесъ. Замѣчаютъ, откуда въ этотъ день дуетъ вѣтеръ: если съ запада или юга — ожидаютъ урожая, а если съ сѣвера или съ востока — думаютъ, что урожая не будетъ [40]).

6 марта. „Якъ прийде марець, то обмерзне старцю палець“ [41]).

9 марта. Простолюдины вѣрятъ, что если въ этотъ день „буде морозъ, то сорокъ переможе“ [42]). „На сорокъ святыхъ погода — на гречку буде урода“. Школьники приносятъ своему учителю сорокъ бубликовъ. До этого дня сорока положитъ въ свое гнѣздо сорокъ палочекъ. Жаворонокъ вылетаетъ изъ своего „вирія“, а потому въ честь его пекутъ изъ тѣста птичекъ, которыхъ называютъ иногда „голубці“, иногда и „жайворонки“, и дѣти, ходя съ этими жаворонками, поютъ веснянки.

Между прочимъ, отъ этого дня должно быть еще сорокъ морозовъ, считая утренній и вечерній морозъ за два [43]).

„Одъ сорока святихъ, сорокъ морозівъ буде“. Въ этотъ день дѣвушки варятъ сорокъ вареников [44]). Въ день сорока святыхъ приготовляютъ тыквенныя сѣмена.

17 марта, „Теплого Олекси“. Въ этотъ день выносятъ пчелъ изъ погребовъ [45]). Если же еще холодно, то хозяинъ входитъ въ погребъ и толкаетъ улей рукою, говоря при этотъ: „Нуте, ви, бджоли, готуйтесь, бо прийшла

---

[38]) С. Соловьевка, Радомысльскаго уѣзда.
[39]) Шендеревка Каневск. и Иваньковъ, Переяславск. уѣзда.
[40]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[41]) Приказки, Прислов. Номисъ, стр. 9.
[42]) Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[43]) Пов. Мал. Марк.
[44]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[45]) Соловьевка, Радомысльскій уѣздъ.

пора, идіте и не ленітеся. Приносьте густиі меди и рівниі воски и части роі, Господу Богу на офіру (жертву), а господарю на пожитокъ“ [46]).

Послѣ „Теплого Олекси“, тотъ, кто не намѣренъ сѣять много, начинаетъ сѣять овесъ и ячмень по большей части на холмахъ, гдѣ „попротряхало“. Начинаютъ городить огороды и сгребать съ нихъ прошлогодній бурьянъ, зелье, и прочій соръ и прячутъ его на лѣто на топливо. „Щука риба лідъ хвостомъ розбиває [47]).

25 марта, Благовѣщеніе. Очень большой праздникъ, въ этотъ день нельзя работать, даже птицы не вьютъ гнѣздъ. Кукушка потому несетъ яйца въ чужое гнѣ до, что когда то вила гнѣздо въ день Благовѣщенія. Въ этотъ день чуть-свѣтъ женщины идутъ въ лѣсъ, трясутъ березу и собираютъ сѣмя, вѣруя, что изъ сѣмени выростетъ разсада [48]).

Богъ благословляетъ въ этотъ день всѣ растенія.

Чорногузъ (боцюнъ) снесетъ уже яйцо. Прилетаютъ ласточки. Если въ этотъ день родится человѣкъ, или птица, или животное, то оно будетъ калѣкой. Если беременная женщина будетъ въ этотъ день что нибудь рѣзать, то отрѣжетъ ребенку ногу или руку [49]). Полагаютъ, что изъ „благовістного теляти (или „ягняти“) добра не ждати“; его поспѣшаютъ зарѣзать [50]).

Нельзя притрогиваться къ „буряковымъ“ сѣменамъ, потому что выростетъ изъ нихъ рѣдька. Если притронуться къ яйцу, то изъ него выйдетъ цыпленокъ съ двумя головами (выродки). „Який день на Благовіщення, такий и на Великдень“

Если кто желаетъ имѣть шапку-невидимку, то долженъ взять въ этотъ день ужа, отрубить ему голову, взять три горошины и закопать ихъ съ головою ужа въ углу дома. На Пасху эти горошины выростутъ. Ихъ надо сорвать и пойти съ ними въ церковь. Тамъ ходитъ бѣсъ въ золотой шапкѣ и всѣхъ смѣшитъ, а его никто не видитъ, потому что эта шапка — невидимка. Тогда можно подкрасться къ нему и снять ее, бѣсъ будетъ выкупать и платить большія деньги, но не слѣдуетъ отдавать, такъ какъ съ помощью этой шапочки можно достать все, что угодно. Увѣряютъ, что если на Благовѣщенье лежитъ снѣгъ, то лѣто будетъ неурожайное [51]). Туманное утро предвѣщаетъ большіе разливы рѣки; хорошая погода — урожай.

---

[46]) Шендеревка Каневскаго уѣзда.
[47]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[48]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[49]) С. Шендеревка, Каневскаго уѣзда.
[50]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[51]) Соловьевка, Радомысльскаго уѣзда.

По звѣздамъ угадываютъ, какія будутъ конопли [52]).

Къ празднику Благовѣщенія относится слѣдующій псаломъ.

Да прийдеть, да прийдеть усёму світу радість,
Изъ небесъ, изъ небесъ, усёму світу сладість.
Архангелъ Гавриілъ зъ небесъ прилетівъ
Благовістити, чудо явити пречистій, пречистій;
..... усіхъ насъ просвітляє...
Которого тобі днесь Гавриілъ віщає
Мариі дівиці,
Пречистій голубиці,
Небесній цариці
И владичиці
Пресвятій, пресвятій.
Изъ отця, изъ отця духъ святий виходить,
Которого тобі днесь Гавриілъ глаголеть:
Радуйся панна
Обрадованна!
Се благовіствую
Радість новую:
Тобі днесь, тобі днесь
Явственно, явственно буде тобі нині,
Духъ святий виходить у лиці голубиці.
Твоя ложесна,
Діво пречестна,
На веселіє
Во спасеніе
Усімъ вірнимъ, усімъ вірнимъ.
Понесешъ, понесешъ відъ духа святого
Безлітнёго, безлітнёго сина у Тройці одного,
На визволення людямъ,
Да спасенні пребудемъ
На віки, на віки,
На віки, на віки,
На віки, на віки.
Объ чимъ же, объ чимъ же пророки писали,
Изъ кінця у кінець землі проповідали,
Десь то позпанна
Марія панна,
Еже снідеть отъ небесъ
Радість неслихана,
Во віки, во віки, во віки!

(*Изъ Рук. сбор. Кулиша. Харьковъ*).

---

[52]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.

**26 марта, Благовістника** *(Архангела Гавріила).* Народъ празднуетъ этотъ день для того, чтобы онъ „блискавицею не спаливъ хоромини“ (хижины). Народъ думаетъ, что Гавріилъ владѣетъ молніей. Такъ какъ Гавріилъ слыветъ „Благовістникомъ“, то въ этотъ день все рождающееся будетъ „благовісне“: ягненокъ будетъ имѣть „кручакъ“ (червя во лбу), яйцо, снесенное въ этотъ день, неспособно къ высиживанью изъ него цыпленка.

Если поздняя весна, то „съ благовістника“ сѣютъ ярину: овесъ, ячмень.

## Постъ и пасха.

Въ субботу первой недѣли поста зажиточныя женщины собираются въ церковь давать на литургію приношенія въ церковь: хлѣбъ и „коливо“. Надъ ними просятъ пѣть большія панихиды. Коливо и медъ приносятъ въ большихъ сосудахъ, обвернутыхъ бумагой съ прилѣпленными къ сосудамъ свѣчками [53]).

„Неділя збірна“ — первая недѣля великаго поста. Объ ней говорится: „неділя збіръ—тече вода зъ гіръ“ [54]). Дѣвушки варятъ кашу съ макомъ и на короткое время закапываютъ ее въ землю [55]).

Четвертая недѣля великаго поста называется средокрестною. Въ среду на этой недѣлѣ праздникъ христа, т. е. креста. Въ этотъ день пекутъ крестики съ макомъ и мажутъ ихъ медомъ. На четвертой недѣлѣ сѣютъ разсаду и макъ, вообще же считаютъ нужнымъ сѣять разсаду непремѣнно въ посту, чтобъ не боялась мороза [56]).

Пятая недѣля поста называется похвальной. Въ субботу на этой недѣлѣ праздникъ „Похвали“. Ничего въ этотъ день не дѣлаютъ, иногда только сѣютъ капустную разсаду [57]).

„На Похвалу сорока яйцемъ похвалиться.“

Шестая недѣля—вербная. Въ субботу вечеромъ носятъ вокругъ церкви вербу по большей части маленькіе дѣти. „Прийде вербниця, назадъ зима вернеться.“

Лазареву субботу почитаютъ самымъ благопріятнымъ днемъ для посѣва гороха.

Если въ этотъ день морозъ, то говорятъ: „Прийшовъ вербичъ, два кожуха тербічъ.“

---

[53]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[54]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[55]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[56]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[57]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.

Въ воскресеніе утромъ идутъ за вербой. Возвратившись, незаходя въ хату, садятъ ее въ землю, полагая, что если ее внести въ хату, то она не примется. Въ хату вносятъ небольшія вѣтки, и если кто спитъ, то бьютъ его вербой, говоря: „Не я бью—верба бье, за тиждень Великдень, будь здоровъ якъ вода, а великий якъ верба, а богатий якъ земля.“ Вѣтки эти прячутъ и въ случаѣ града выбрасываютъ на дворъ, въ увѣренности, что отъ этого градъ перестанетъ идти.

На этой недѣлѣ нельзя сѣять конопли и огородины, „бо буде ликовате якъ верба.“ Не сѣютъ также свеклы (буряки), потому что будутъ „гірки“ [58]).

Седьмая недѣля, страстная, называется „білий тиждень“, а четвергъ на этой недѣлѣ—„чистий“. Утромъ въ этотъ день купаются въ рѣкѣ. Вечеромъ идутъ на страсть и непремѣнно приносятъ домой страстныя свѣчи непотухшими. Страстными свѣчами выжигаютъ на потолкахъ кресты. Если кто боленъ лихорадкой, то соскребываютъ немного сажи съ креста, насыпаютъ въ „свячену воду“ и даютъ выпить больному: отъ этого лихорадка проходитъ [59]).

Въ этотъ же день вторично исповѣдываются старухи и старики.

Для страсти „хлопьята“ приготовляютъ „довбешки“, и чуть только зазвонятъ, собираются къ церкви съ этими стукалками и, когда звонятъ при чтеніи Евангелія, — мальчики стучатъ или въ колокольню, гдѣ она деревянная, или въ церковную ограду, или просто въ доски, разумѣется, если не запретятъ имъ этого. Это повторяется каждый разъ при звонѣ колоколовъ, начинаясь и оканчиваясь вмѣстѣ съ звономъ, и продолжается до конца страсти [60]). Въ продолженіе всего великаго поста, по четвергамъ, забрасываютъ по оному полѣну на чердакъ, а въ Великій четвергъ топятъ этими дровами печку и думаютъ, что вѣдьма прійдетъ просить у нихъ огня [61]).

Иногда бросаютъ полѣна въ чистый четвергъ, во время чтенія Евангелія въ церкви, и, по числу Евангелій, выбрасывается 12 штукъ полѣнъ [62]). Такъ же по четвергамъ, въ великій постъ, дѣлаютъ борону изъ осиноваго дерева, а въ Великій четвергъ кончаютъ ее. Возвратившись изъ церкви съ заженной свѣчей, идутъ въ сарай и садятся за бороною. Тогда можно увидѣть вѣдьму [63]).

Въ четвергъ первой недѣли поста нужно идти въ лѣсъ съ топоромъ и

---

[58]) Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[59]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[60]) Великдень у Подолянъ. Основа 61 г. стр. 49.
[61]) С. Ляховцы, Острожскаго уѣзда.
[62]) Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда.
[63]) Згораны, Владимірскаго уѣзда.

начинать тамъ дѣлать осиновыя ворота, но такъ, чтобы никто этого не видѣлъ, и дѣлать ихъ во весь постъ по четвергамъ. Въ Великій четвергъ, окончивъ эти ворота, принести домой, поставить въ незамѣтномъ мѣстѣ, съ наступленіемъ вечера сѣсть вблизи ихъ и наблюдать. Вѣдьма, идя дорогой, не можетъ миновать этихъ воротъ и должна перелѣзать черезъ нихъ, тогда ее можно узнать.

Если кто въ чистый четвергъ моетъ платье въ водѣ съ золой, то золу оставляетъ, — это средство отъ лишаевъ.

Здѣсь замѣтимъ, свѣтлый четвергъ [64]) есть „навскій великдень"—то есть пасха мертвецовъ. Богъ три раза выпускаетъ мертвецовъ съ того свѣта: первый разъ въ пасхальный четвергъ, когда они ночью служатъ въ церкви, во второй разъ, когда цвѣтетъ жито и въ третій — на Спаса [65]).

Въ свѣтлый четвергъ покойники выпускаются съ того свѣта для отправленія богослуженія и покаянія въ грѣхахъ. Въ этотъ день они не боятся ни креста, ни молитвы, и если завидятъ живого человѣка, то душатъ его до смерти. Чтобы быть внѣ этой опасности, крестьяне обливаются водою.

Въ полночь свѣтлаго четверга мертвецы встаютъ изъ гробовъ и приходятъ въ церковь по звуку колокола, который ударяетъ только три раза. Собравшись, они становятся передъ церковью. Изъ среды ихъ выступаетъ священникъ и громко произноситъ какую-то молитву, по окончаніи которой двери церкви сами собою отворяются. Мертвецы входятъ въ церковь и священникъ начинаетъ богослуженіе. Передъ алтаремъ стоятъ дѣти и держатъ въ рукахъ крашанки съ дырочками, наполненныя „клоччемъ". По окончаніи богослуженія, христосуются; всѣ выходятъ изъ церкви и останавливаются передъ ея дверьми. Затѣмъ, по прочтеніи священникомъ какой-то молитвы, двери церкви затворяются сами и мертвецы идутъ на кладбище [66]).

Разсказываютъ, что одинъ старикъ имѣлъ двѣ дочери, младшая изъ нихъ умерла передъ Пасхою. Старшая, желая видѣть умершую сестру, пошла въ „навській Великдень" къ церкви, и въ 12 часовъ увидѣла двухъ юношей, которые трубили въ трубы и сзывали умершихъ. Мертвецы встали и пошли въ церковь. Дѣвушка пошла за ними и остановилась у паперти. Послѣднею шла въ церковь ея покойная сестра. Увидѣвъ свою живую сестру, она сказала ей: „бѣги домой, а то мертвые тебя задушатъ здѣсь." Живая сестра

---

[64]) Луцкого уѣзда.
[65]) С. Мельницы, Ковельского уѣзда.
[66]) М. Александрія, Ровенскаго уѣзда.

побѣжала домой. Мертвецы погнались за ней, но не догнали. Прибѣжавъ домой, она разсказала видѣнное и тотчасъ умерла.

Въ этотъ день крестьяне почти ничего не дѣлаютъ. Они утверждаютъ, что кто работаетъ въ этотъ день, у того выростетъ непремѣнно на тѣлѣ мертвая кость. „Мертвая костка“ — это наростъ на тѣлѣ, который крестьяне лечатъ такимъ образомъ: во время колокольнаго звона, имѣющій мертвую костку спѣшитъ на кладбище. Здѣсь, отыскавъ какую либо кость мертвеца, третъ ею наростъ, до окончанія звона [67]).

Въ пятницу на страстной недѣлѣ „галунять“ (т. е. кладутъ яйца на нѣкоторое время въ растворенные водою квасцы) и красятъ крашанки.

Въ великую субботу пекутъ пасхи и жарятъ поросятъ.

Въ пятницу на „плащаницю,“ въ субботу на „діяніе“ и въ первый день Пасхи въ заутренѣ идутъ съ тѣми свѣчами, съ которыми ходили на страсть.

Воскъ на свѣчи по большей части отрабатываютъ, а не покупаютъ на готовыя деньги. „Трудова свічка лучче Богу вгодна“, говорятъ малороссы.

О распятіи и погребеніи Спасителя поются въ народѣ слѣдующія пѣсни:

## 1.

Прощай, прощай, сину мій, вселюбезнійший!
Покидаешъ мене одну у світі, мій краснійший!
Що за гріхъ мій предъ тобою,
Що не хочешъ жить зо мною,
А идешъ відъ мене?
Охъ идешъ у «пифемну» страну и къ гробу
Сей мічъ гострій проколе мою утробу.
Теперъ я тебе рішена,
Радість моя душевна,
Охъ, світе мій гіркий!
Я на світі одна й сиротина,
Єдиного тільки у себе иміла сина!
У яку страну відхожаешъ
Кому сирітъ уручаешъ?
Охъ, сину мій!
Тяжко бо мні єдній жити у світі!

---

[67]) М. Александрія, Ровенскаго уѣзда.

Живітъ мій! сину мій! лучче умерти,
Умерти умісті я бажаю,
А нижъ жити сама маю
У спрітстві такімъ!
Прорци, прорци ко мні, сину мій, хоть слово,
Охъ, виведи, сердце моє, зъ горісті больного!
Охъ, умру!
Прийми мене зъ собою,
Утробо моя!
Правду сказавъ Симеонъ, старець чудний,
Хто мою утробу пронзить мечемъ военнимъ...
Охъ, помню вишній гласъ,
Що ти устанешъ у третій часъ,
Одушевленний храме!
Да устанешъ, сину мій, скоро відъ гроба,
Да изцілиться відъ тебе моя утроба!
Черезъ пресвяті твоі рани
Спасай вірні христіяни
Відъ бідъ и скорбей!

(*Харьковъ*).

2.

Премилосердний Царю всёго світа,
Терпівъ еси рани за діла чоловіка,
Рани терпівъ еси відъ жидівъ безбожнихъ,
Чортівъ треножнихъ!
Де матка твоя підъ хрестомъ стояла,
Відъ жалю тебе великого, охъ, умлівала!
А Йванъ святий икъ хресту припадавъ,
Жалосно ридавъ.
И сказала панна: «оглядить Исуса».
У церкві на двое роздерлась завіса,
Скорбъ Христа сина панна уздріла,
Відъ жалости й страху умліла.
Упавши на землю, була ніби мертва!
Для чого, сину мій, на хресті умірати,
Мене зоставляти?
Промовъ мені слово, о любезний сину,
Якъ мене покидаєшъ єдину?
Якъ я не знаю утолити смутокъ свій,
Якъ умре синъ мій.
Устань, о сине! дай мені відъ пложу радость,
Обнови у серці матернюю радисть.

Не могу я глядіти на умерщвление
И уединение.
Зійди зъ хреста, утішъ мене єдину,
Плакатиму по тобі, мій сину.
Приймп мене, Боже, умру и я зъ тобою
Къ вічному покою!

(*Харьковъ*).

## 3.

Янгольский царю, предвічний Боже!
Добра твого язикъ пересказати не може!
Терпівъ за насъ муки
Відъ жидивськоі руки
Безвинно!
Тобою чоловікъ великий и у честі,
Але по усякъ часъ у гріховній лесті,
На Христа воює,
Хворий крионъ (?) готує,
Якъ Юда!
За людский гріхъ безвинно Христа бито
И святу ёго кровъ пролито!
На криновимъ троні,
Въ терновій короні,
Глядиться царъ!
Що за утіха гріху служити,
Бога заставивши ворогу служити?
Плачъ туга хворой души,
И почують те уши —
У пеклі.
Святий чоловікъ, познай себе для Бога,
Що роспустникамъ презлая дорога
Просто пеклу въ зуби —
Приводять до згуби.
Охъ якъ страшно!
Проста до Христа у світі дорога,
Жити й не грішити — тайна премнога!
Презъ Христови страсті
Не імієшъ щастя
У пеклі!
Жадноі жъ тамъ не матимешъ помочи,
Де сірчистий вогонь заливає вочи.
Въ огні не згоріти,
А по смерті жити.



Библиотека Географического Общества Союза ССР

Охъ якъ трудно!
На високімъ сноні да ликъ янгольський
Святъ, святъ, святъ, ликъ архангельський.
Дай намъ, Христе, співати
И на тебе, Творця, споглядати
На віки!

## 4.

Веди мене зъ собою,
У горний путь на хрестъ,
Радъ я жить надъ горою,
Кину дольню персть.
Смерть твоя — мені живітъ,
Жовть твоя—сластій рідъ,
О, Исусе!
Язви твоі сурові —
То моя печать,
Вінокъ твій терновий —
Слави благодать,
Твій сей поносний хрестъ—
Се моя хвала и честь,
О, Исусе!
Зерно пшенишне въ нивахъ
Коли изгниває,
Внішность єсть не жива,
Але новий підъ нутро проквітає.
За одинъ старий класъ
У другий літній часъ
Сторичний дасть плідъ.
Рости, моє ти тіло,
И прибий ёго на хрестъ,
Нехай буду звні нещасний,
Аби нутръ воскресъ;
Нехай видъ мій изсохне,
Да новий нутръ квіте.
Се смерть животна!
О, новий мій Адаме,
О, краснійший сине!
О, всесвітний храме!
О, буйство Афинъ!
Підъ буйствомъ твоімъ — світъ,
Підъ смертю — жизнь безъ літъ,
Якъ темний законъ.

**5.**

О, душе кажная вірна,
До Бога нелицемірна,
Зглянь на Христа єдина
Бога й предвічного сина!
Приглянься къ голові схилившейся,
Вінцемъ уязвившейся,
Відъ гострихъ колючокъ терновихъ
И побоївъ суровихъ!
Гляди на Христа роспъятого,
Немилосердо припъятого,
Безъ жалю уязвленна,
И всёго окрівавленна.
Руки чесні и ноги
Пробили гвоздя здорові,
Списомъ ребра прободоша—
Крівъ и вода истекоша;
Вічи крівъю обризкані,
Променни уста оцтомъ и жовтю напоєнні,
Ризи ёго межъ собою розділили
И крівъ святую пролили.
Пресвятеє ёго тіло
Изнівечене усе спніло
Відъ ранъ и язвъ пребезмірнихъ,
Ради спасенія вірнихъ.
Гляди, о, душе! ти якою
Куплена єси ціною,
Бо усе сокровище своє
Віддавъ за спасення твоє!
Мусить усякъ чоловікъ зріти,
Що не довго тутъ жити,
Тисяча літъ, якъ дня довгота
Супротивъ вічного живота.
Тимъ то й відъ гріха себе хранимо,
Исуса Христа у помічъ просимо,
Да визволить відъ гріхівъ чоловіка
И після смерти жизнь дарує на віки.

(*Харьковъ*).

Ко дню субботы есть также особенныя пѣсни:

**6.**

Лежишъ у труні, празднуєшъ субботу,
По праці тяжкой, по крівавімъ поті.
Князь ніякихъ ділъ къ тобі не має,

*

Князь всёго світу, що всіма владає,
О нечутниі, сліди о новімъ роді побіди!
О, сине Давидівъ, сине Давидівъ, Лазура позвавпй
Зъ мудростей земнихъ до небесной слави!
Убий телесну у мені роботу,
Дай мені зъ тобою праздновать субботу!
Дай мені ходити у твоі сліди,
Дай новий родъ, сей побіди.
О, сине Давидівъ, сине Давидівъ.

(*Харьковъ*).

## 7.

## Распъятіє Христа.

Рідъ жидивский засмущенний
И відъ Христа відришенний.
Збіралися жидове — якъ забити,
Исусъ-Христа умертвити.
Пилатъ руки умиває,
На хрестъ Христа роспинає.
Его мати жаліслива,
Предъ Хрестомъ стоя плачлива,
На свого сина споглядає,
Все слізами умиває
И слізами промовляє:
«Охъ, сину мій прелюбезний,
Серцю моему ти болізний!
Чомъ до мене не промовишъ,
И слізъ моіхъ не утолишъ?»
— «Тобі, матеръ, повідаю, —
Не на віки уміраю:
За ввесь миръ страсть принимаю!»
Терпівъ Христосъ муки, рани,
За всі вірні христіани.
Терпівъ Христосъ муки, страсті,—
Избавивъ насъ відъ напасті!.. [68])

---

[68]) Всѣ эти пѣсни изъ Харькова извлечены изъ рукоп. сборника Кулиша.

## 8.

## Муки Спасителя.

Царю Христе, Спасителю мира!
Ти бувъ зъ ранку не злобливий...
Въ четверъ къ вечеру бувши,
Жиди совітъ сотворивши:
Не маємо царя іного,
Окримъ кесаря ідного,
Уже бо законъ уставує
Царемъ Бога имянує.
Стали жидове гадати:
Якъ би намъ Христа піймати?
А къ нимъ Юда притече,
А притекши жидамъ рече:
«Що мені дасте, продамъ ёго,
Бо я єсмь ученикъ ёго».
Мовлять:—«Тридцять сріблиниківъ дамо
Тилькі ти намъ продай ёго!»—
Вже бо Юда розглядівся,
Своє серце розпаливши,
За тридцять сріблиниківъ продавъ Христа,
Самъ зостався свого царства!
Вже бо Юда побігъ зъ дому,
Би-то не бувъ у нихъ въ домі.
Спізнавъ Христосъ въ своій муці,
Що вінъ жидамъ у помочи.
Христосъ приломивъ хлібъ да й ість
И своімъ ученикамъ подавъ,
Умочивъ у силь та й Юді давъ.
«Сей мене відъ васъ жидові продавъ»,
Рече Христосъ до Ивана, свого друга наперсника:
«Мої дні исписуйте,
Мої страсті дочитуйте;
Прискорбна душа моя къ смерті—
Приходить часъ уже вмерти;
Приспівъ кінець—безсмертный часъ,
Зоставайтесь вірни, я йду відъ васъ [69]).

---

[69]) Вильшаны, Харьк. губ.

На „білому тижні“ и на праздникъ Пасхи женщины не сажаютъ куръ на яйца, снесенныя во время поста, потому что не выйдутъ изъ нихъ цыплята [70]).

За нѣсколько дней до Пасхи уже начинаются приготовленія къ празднику. Хозяинъ старается заблаговременно приготовить пшеничной муки на „паску“, водки, топлива. Женщины приготовляютъ „свячене“, состоящее изъ колбасы, поросенка, крашанокъ (крашеныхъ яицъ), паски (куличей) и „варенухи“. Многіе изъ крестьянъ, особенно женщины, начиная отъ „чистого“ четверга до Воскресенія Христова ничего не ѣдятъ, а иные и воды не пьютъ. Дѣлаютъ это наиболѣе по обѣщанію, данному во время болѣзни.

Въ ночь на праздникъ Пасхи паробки разводятъ огонь вблизи церкви и около него проводятъ всю ночь, до утрени. Для поддержанія огня, крадутъ, преимущественно у евреевъ, повозки, бочки, колеса и т. п. Остающіеся въ домахъ крестьяне проводятъ ночь безъ сна и стараются, чтобы огонь горѣлъ въ хатѣ цѣлую ночь. Нарушившій этотъ обычай проведетъ цѣлый годъ въ полусонномъ состояніи.

Нѣкоторые изъ мужчинъ идутъ высматривать, не горитъ-ли гдѣ кладъ. Въ народѣ существуетъ повѣріе, что всѣ незаклятые клады горятъ во время чтенія „одіянія“ [71]).

Чуть только зазвонили къ заутрени, какъ уже народъ въ праздничной одеждѣ „посунувъ до церкви“. Кто возомъ, кто пѣшкомъ, дѣтей тоже берутъ; въ домѣ не оставляютъ по возможности никого. Кому нѣтъ мѣста въ церкви, тотъ стоитъ на дворѣ, снявши шапку. Дѣти кучками сидятъ одни подъ церковью, другіе „на дзвониці“, а большая половина на возахъ. Староста или пономарь приказываетъ выносить „хоруги“, народъ двинется изъ церкви. „Паруботство“ выноситъ хоругви и крестъ, пожилые—образъ Воскресенія Христова, евангеліе и артосъ, а четыре почтенные старика несутъ плащаницу. [72]).

Староста или сторожъ, осмотрѣвъ церковь, чтобы никого въ ней не осталось, запираетъ дверь замкомъ и сторожитъ, чтобы какая нибудь вѣдьма не взялась за замокъ.

Когда первый разъ запоютъ „Христосъ воскресе“, охотники, стоявшіе съ ружьями на дворѣ, стараются въ эту минуту выстрѣлить. Они увѣрены, что ихъ выстрѣлъ въ это время убиваетъ чорта. [73]).

Во время пасхальной заутрени можно видѣть въ церкви вѣдьмъ, съ

---

[70]) С. Иваньковъ, Переяславскаго уѣзда.
[71]) С. Великіе Снитинки, Васильк. уѣзда и Окупина, Ковельскаго уѣзда.
[72]) Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда.
[73]) Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда.

рогами и кувшинами съ молокомъ на головахъ. Средствомъ для этого служитъ слѣдующее: нужно взять кусокъ дерева изъ гроба мертвеца, со скважиною, образуемою выпавшимъ сучкомъ, смотрѣть сквозь эту скважину, но съ тою предосторожностью, чтобы не отдѣляться отъ толпы; въ противномъ случаѣ вѣдьмы задушатъ любопытнаго. Строго наблюдаютъ за женщинами, которыхъ подозрѣваютъ, что онѣ вѣдьмы, такъ какъ, по мнѣнію крестьянъ, всякая изъ нихъ должна непремѣнно коснуться рукою одинъ разъ священника или во время хожденія вокругъ церкви съ плащаницею, или же послѣ того, какъ священникъ возвратится въ церковь.

На привѣтствіе священника „Христосъ воскресе", нѣкоторые, ставъ въ углу и держа въ рукахъ серебряную монету, вмѣсто „во истину воскресе", отвѣчаютъ: „анталюзъ маю". Отъ этого монета, которую они держатъ въ рукахъ, получаетъ чудесную силу возвращаться къ хозяину; попавши въ число чужихъ денегъ, она не только возвратится сама, но и приноситъ хозяину всѣ лежавшія съ нею деньги [74]). Пріобрѣсть такую монету можно еще такимъ образомъ. Взять въ этотъ день рубль и носить въ карманѣ. Если кто скажетъ „Христосъ воскресъ", то ему нужно громко отвѣтить: „а въ мене карбованець є". — Такъ слѣдуетъ повторять до трехъ разъ. Такой рубль называется „инслиза". Другіе же думаютъ, что если на первый возгласъ священника „Христосъ воскресе", не отвѣтить: „во истину воскресе", а пожелать чего либо, то желаніе непремѣнно исполнится [75]). По окончаніи литургіи, около церкви или въ притворѣ освящается „паска", состоящая изъ хлѣба и при немъ сыра, яицъ, поросенка, масла, сала и проч. Яйца святятъ очищенныя, боясь, чтобы освященная скорлупа не упала на полъ и не была потоптана ногами. Кости „свяченого" закапываютъ въ полѣ для предохраненія посѣвовъ отъ града [76]).

Поздравлять съ праздникомъ и христосоваться начинаютъ уже послѣ служенія. По освященіи пасхи, каждый изъ крестьянъ наперерывъ старается раньше другихъ прійти домой и разговѣться. Если при разговѣньи смѣются, то говорятъ, что тогда дьяволъ ходитъ въ хатѣ въ золотой шапочкѣ-невидимкѣ. Послѣ разговѣнья, каждый спѣшитъ первымъ взойти на колокольню и зазвонить, въ увѣренности, что отъ этого у него въ этомъ году будетъ хорошій урожай гречихи [77]).

---

[74]) С. Окунина, Ковельскаго уѣзда.
[75]) Сборникъ Маркевича.
[76]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[77]) С. Семеново, Острожскаго уѣзда.

Самый обрядъ разговѣнья совершается такъ:

По возвращеніи изъ церкви, хозяинъ обходитъ три раза вокругъ стола, съ мискою, наполненною „свяченимъ“, и ставъ лицемъ къ иконамъ, разрѣзываетъ на тарелкѣ нѣсколько яицъ, частицы ихъ даетъ каждому члену семейства и говоритъ: „дай, Боже, ще на той рікъ дочекати світлого праздника Воскресенія Христова въ щасті и здоровъі!“ [78]).

Разговляются также просто пасхой или просфорой.

Положивши на столъ освященное съѣстное, всѣ садятся вокругъ стола и пьютъ водку, обращаясь одинъ къ другому, начиная съ хозяина, стараясь при этомъ не уронить крошекъ „свяченого“ на полъ, а оставшіяся на столѣ крохи бросаютъ въ огонь, чтобы этихъ остатковъ не съѣли мыши; такъ какъ есть повѣрье, что если мышь съѣстъ хотя малѣйшую крошку „свяченого“, то немедленно превращается въ „кажана“ (летучую мышь).

Послѣ разговѣнья, умываясь, кладутъ въ миску два яйца и мелкую монету, а потомъ воду сливаютъ или на огонь, или въ прудъ [79]).

Кто на пасху пьетъ за обѣдомъ воду, тотъ никогда не пообѣдаетъ безъ воды. Платокъ, или что нибудь иное, чѣмъ обтираютъ писанки, прячутъ и подкуриваются имъ во время болѣзни.

Первую скорлупу изъ писанки выносятъ на воду: „вона попливе до рахманівъ и скаже імъ Великдень“ [80]).

Вечеромъ, на первый день Пасхи стараются отужинать до захода солнца, въ противномъ случаѣ нападетъ куриная слѣпота.

Въ понедѣльникъ Пасхи крестьяне ходятъ другъ къ другу, христосуются и мѣняются писанками.

Отъ того этотъ день называется „волочінникомъ“. Ходятъ съ поздравленіями (преимущественно дѣти) къ роднымъ, повивальнымъ бабкамъ, знакомымъ, къ священнику и помѣщику своего села, принося въ даръ „волочильнее“, состоящее обыкновенно изъ пшеничнаго калача и нѣсколькихъ крашанокъ. Въ этотъ же день парубки, при встрѣчѣ съ дѣвушками, обливаютъ ихъ водою; за это послѣднія дарятъ ихъ крашанками [81]).

Въ теченіи первыхъ двухъ пасхальныхъ дней крестьяне проводятъ почти все время на церковномъ погостѣ. На третій день они собираются въ корчму на „музики“. Въ продолженіи праздниковъ молодежь обоего пола заводитъ разныя игры съ хороводами [82]).

---

[78]) М. Чарторійскъ, Луцкаго уѣзда и Проскуровскій уѣздъ.

[79]) С. Иваньковъ, Переяславскій уѣздъ.

[80]) Сборникъ Маркевича.

[81]) Красноселка, Староконстантиновскаго уѣзда и Проскурскій уѣздъ.

[82]) Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда и с. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.

Для порядка въ играхъ, молодежь выбираетъ изъ своей среды единогласно отамана, отаманшу, подъ-отамана и подъ-отаманшу.

При складчинахъ, парубки передаютъ деньги отаману, а дѣвушки — отаманшѣ.

Если на пасху хорошая погода, то будетъ урожай на горохъ.

Христосъ Воскресъ, Христосъ Воскресъ!
У сей день Христосъ изъ труни уставъ
И наші гріхи на себе принявъ,
И насъ слобонивъ свею честною крівью.
Відъ мертвого прокляття искупивъ.
Юда предатель не захотівъ изъ Христомъ бути,
Але захотівъ въ пекельнімъ огні вічно горіти.
Жиди у ёго Христа купили,
На смерть хрестную осудили,
И къ кресту руки й ноги пригвоздили,
И терновий вінокъ на ёго положили;
И палицею по голові ёго били,
И оцтомъ и жовтю ёго напоіли,
И списомъ ребра прокололи.
И изтекла изъ ёго кровъ и вода.
А въ третій день Христосъ изъ труни уставъ,
И намъ жиздь вічну дарувавъ,
И симъ дияволъ посоромленний ставъ,
И все своє гибельне військо всюди розизславъ,
Шобъ до нёго християнъ прилащали,
И до нёго на пагубу підтикали.
Оце милосердний нашъ Исусъ Нагорянинъ
Подарувавъ намъ насупротивъ біса хрестъ одинъ,
И ми свому хресту и слобожденню возвеселимся,
Христовому воскресенію поклонимся.
Сёгодня Христосъ изъ труни уставъ;
А адъ кріпко застогнавъ.
Сказавъ слугамъ своімъ ворота замикати,
Щобъ до себе Христа не пускати.
Відкіль сей добрий и храбрий козакъ взявся,
Відъ которого приходу адъ въ порохъ роспався?
Христосъ сёгодня воскресъ, проповідаю,
И васъ, панове чесні, съ празникомъ поздравляю.

(*Харьковъ, изъ рукопис. Сборн. Кулиша*).

Излетіть янголівъ лики,
Щобъ зустрінути Владику;
Излетіть Архангелівъ хори,
Готуйте небескиі двори,
Се бо иде Спаситель,
Иде побідитель,
Пекла разоритель
Відъ брані.
Плінъ сионьськихъ відъ Вавилона,
Ведеть відъ пекла демона;
Ведеть изъ земного краю
У першую радисть раю:
Адама со пророки,
Давида изъ отроки;
Висохли слізъ потоки
Презъ рани.
Я же, піднятий надъ тобою,
Якъ воювавъ самъ собою
Зъ тиранами злійшими зіло,
Мучащими душу и тіло,
Оружжемъ Христовимъ
Дьяволомъ лестнимъ,
Гріхъ изъ смертю
И кайдани зъ перстю
Поправий.
Засурміте, воскликніте,
И усю тваръ изгоніте!
Скомпануйте тимпанниі лики
И гарно складні музики!
Воспойте цареві,
Воспойте Господові,
Воспойте побідителю
Пісньнову!
Утікайте, ночи и печалі!
Сёгодня намъ проміннии радості воссіяли;
Проміннии радості
И гарниі сладості.
Во вікъ, во віки,
Во вікъ, во віки,
Во вікъ, во віки!
Аминь, аминь!

(*Харьковъ, Рукописн. Сборн. Кулиша*).

Весело кликнімо, Воскресшого хвалімо.
Веселімся, радуймося, вмісті всі заграймо,
Христосъ воскресъ; Христосъ воскресъ
Изъ мертвихъ,
Смертію, смерть поправъ,
И сущимъ у трунахъ жиздь даровавъ.
Янголь седить на камені
Тай намъ звістку робить;
Душа Божа питає...
Відъ бока ёго крівъ иде.
Христосъ воскресъ, Христосъ воскресъ,
Христосъ воскресъ изъ мертвихъ,
Смертію смерть поправъ,
И сущимъ у трунахъ жиздь даровавъ.
Не відъ камене неплодна
Тече вода холодна;
Такъ якъ изъ кіта Іона,
Встає Исусъ изъ гроба,
Мироносиці приходили,
Христа у труні шукали,
Уздріли ризу, Государъ
Де лежавъ, несмертельний Царъ;
Христосъ воскресъ, Христосъ воскресъ,
Христосъ воскресъ изъ мертвихъ,
Смертію смерть поправъ,
И сущимъ у трунахъ, жиздь даровавъ;
Святися, святися, новий Єрусалиме.
Ти же чистая красуйся
О рождестві твоімъ Маріє!
Христосъ воскресъ, Христосъ воскресъ,
Христосъ воскресъ изъ мертвихъ,
Смертію смерть поправъ,
И сущимъ у трунахъ жиздь даровавъ.

(*С. Люботинъ, Харьковск. уѣз.*)

Поминовеніе усопшихъ, совершаемое послѣ Пасхи, называется проводами. Поминаютъ умершихъ въ Ѳоминъ понедѣльникъ, потому что въ проводы „нашъ Великдень отходить“, а слѣдовательно то, „що осталось въ насъ треба дати імъ, помершимъ“ [83]).

---

[83]) М. Александрія, Ровенскаго уѣзда.

Наканунѣ проводъ крестьяне убираютъ свои хаты и приготовляютъ „книши“, сыръ, масло, яйца и проч.; завязываютъ ихъ въ два узелка, изъ которыхъ одинъ назначается для причта, а другой для семейства и „старцівъ“, т. е. нищихъ. Эти узелки въ день проводъ приносятъ въ церковь. По окончаніи литургіи, совершается одна общая панихида, отъ лица всѣхъ, пришедшихъ въ церковь совершать поминовеніе по своимъ родителямъ и родственникамъ, а послѣ панихиды устраивается въ притворѣ или подъ открытымъ небомъ, близъ церкви, общая заупокойная трапеза, въ которой участвуютъ всѣ желающіе и священнослужители [84]).

На общемъ обѣдѣ предлагается „колово“, которое собирается „братчиками“ — изъ меда, приносимаго поминающими. „Колово“ это ѣдятъ „на тще сердце“, т. е. на тощакъ [85]).

Иногда общій обѣдъ устраивается на кладбищѣ [86]).

По окончаніи обѣда, домохозяева отправляются къ своимъ родовымъ могиламъ, и каждый изъ нихъ проситъ священника отслужить по умершимъ панихиду [87]).

На могилѣ кладутъ три или четыре яйца. По окончаніи частной панихиды, „господарь“ разбиваетъ эти яйца о могильный крестъ и отдаетъ ихъ старцу, приговаривая:

«Помолись, дідуню,
За умершого татуня,
За умершую матуню
И за сеструню».

При этомъ онъ сообщаетъ „діду“ имена своихъ умершихъ родственниковъ. Затѣмъ семейство съ родными садится въ кругъ на родныхъ могилахъ. Глава семейства приговариваетъ: „тутъ моя родинонька, тутъ моя мати, тутъ хутко буду й я спочивати“ и выбрасываетъ на могилу часть скорлупокъ и косточекъ „свяченого“; бросаютъ на могилу „свяченую“ соль, обчерчиваютъ могилу „свяченимъ“ мѣломъ и выливаютъ рюмку водки, приговаривая: іжте, пийте, виривайте (?) и насъ грішнихъ споминайте.“ Послѣ этого, каждый членъ семейства наливаетъ полную рюмку водки и выпиваетъ до дна, приговаривая: „дай намъ, Боже, добре проживати цей рікъ и на пришлий въ добрімъ щасті панувати, а умершимъ царства Божого дочекати“. [88]).

---

[84]) С. Иванья, Дубенскаго уѣзда.
[85]) Дедеркалы, Кременецкаго уѣзда.
[86]) Барисполь, Переяславскаго уѣзда.
[87]) Каменецкій уѣздъ.
[88]) С. Иванья, Дубенскаго уѣзда.

Поминаютъ еще такимъ образомъ: на могилахъ христосуются съ умершими, бросаютъ яйца и говорятъ: „святиі родителі, ходіте до насъ хліба й солі істи“. Затѣмъ усаживаются на могилѣ и закусываютъ. Послѣ закуски, обращаясь къ умершимъ роднымъ, говорятъ: „наші рідняки, не поминайте лихомъ! чимъ хата багата, тимъ и рада“ [89]). Значительно подгулявши, вечеромъ крестьяне возвращаются къ церкви, гдѣ священникъ, какъ-бы въ благодарность, высылаетъ имъ для угощенія водки, послѣ чего всѣ идутъ домой, и тутъ уже кончаютъ поминки попойкой. Въ этотъ день также играютъ въ игры и хороводы, но уже не молодежь, а замужнія женщины и даже старухи, почему праздникъ этотъ также называется „бабськими проводами“.

Въ день Преполовенія, „правая середа“, а также „рахманьский Великдень“, по народному вѣрованію скорлупы яицъ, выброшенныя на праздникъ Пасхи на воду, доплываютъ до какихъ-то людей, живущихъ за далекими морями и называемыхъ „рахмани“, которые будто бы также празднуютъ воскресеніе Христово. При совершаемомъ въ этотъ день водоосвященіи, обливаютъ другъ друга водой, въ надеждѣ облить нечаянно вѣдьму; утверждаютъ, что если это удастся, т. е., если въ этотъ день будетъ облита водою вѣдьма, то она не посмѣетъ послѣ этого задерживать дождей и текущее лѣто будетъ благотворно [90]).

По народному вѣрованію, въ этотъ день Матерь Божія съ Іисусомъ Христомъ переплывала черезъ рѣчку на щепкѣ въ Египетъ, „щобъ Гиродъ не вбивъ“ [91]).

---

## АПРѢЛЬ.

22 Апрѣля, наканунѣ Юрьева дня, празднуется „Ляля“ или „Красная горка“. Для этого хороводы обыкновенно собираются въ третьемъ часу пополудни, на чистомъ лугу. Выбравъ самую красивую дѣвушку, хороводницы перевязываютъ ей шею, грудь, руки и ноги разною зеленью, а на голову надѣваютъ вѣнокъ изъ свѣжихъ цвѣтовъ. Въ такомъ нарядѣ сажаютъ дѣвушку на дерновую скамью, на которую ставятъ также кувшинъ съ молокомъ, сыръ, масло и проч. У ногъ „Ляли“ кладутъ нѣсколько вѣнковъ изъ свѣжей зелени; хороводницы танцуютъ вокругъ „Ляли“ и поютъ пѣсни. Когда

---

[89]) С. Малые-Дедеркалы, Кременецкаго уѣзда.

[90]) Подольской губ. (Данильченко. Сбор. Этнограф. Свѣд. о Подольской губ. 1869 г. вып. 1, стр. 36).

[91]) Соловьевка, Радомысльскаго уѣзда.

окончатся пѣсни, „Ляля“ раздаетъ своимъ подругамъ сыръ, масло и проч., затѣмъ бросаетъ имъ вѣнки, которые дѣвушки стараються схватить налету. Вѣнки эти дѣвушки прячутъ до слѣдующей весны [92]).

23 Апрѣля. Св. Великомученикъ Георгій или „Юрій“ слыветъ въ народѣ покровителемъ земледѣлія и скотоводства; онъ же повелѣваетъ волками [93]).

„На Юра сховается въ жито кура [94]).

Въ Юрьевъ день бываютъ крестные ходы на „жита“. Священникъ, послѣ обѣдни, идетъ съ крестнымъ ходомъ на поля и совершаетъ тамъ молебствіе и окропляетъ освященной водой хлѣбные всходы. Крестьяне, всѣ вмѣстѣ, молятся о плодородіи земли. Затѣмъ, просятъ священника, чтобы онъ обошелъ поле каждаго отдѣльно, прочелъ евангеліе и окропилъ св. водой [95]). Отправляясь въ поле, каждый крестьянинъ беретъ съ собой „крашанки“ и калачи. Въ продолженіи цѣлаго дня на поляхъ пьютъ и ѣдятъ. Нѣкоторые качаются по посѣвамъ пшеницы и ржи, въ полной увѣренности, что этимъ они способствуютъ хорошему урожаю [96]).

Наѣвшись и напившись, крестьяне зарываютъ въ землю, какъ бы для удобренія ея, остатки пасхальнаго „свяченого“ и пьютъ при этомъ водку, приговаривая: „роди, Боже, жито, пшеницю и всяку пашницю.“ Послѣ этого качаются во всѣ четыре стороны, чтобы быть здоровымъ отъ юрьевой росы.

Нехорошимъ признакомъ для урожая хлѣба почитается, если въ это время послышится голосъ какой либо птицы [97]), а такъ же ударъ грома. Въ Юрьевъ день выгоняютъ скотъ еще до восхода солнца на „юрьеву росу“, потому что Юрій отпираетъ даннымъ ему отъ Бога ключемъ землю и велитъ ей производить растенія, отчего скотъ, поѣвъ травы съ юрьевой росой, становится тученъ и крѣпокъ [98]).

Въ одной волынской пѣснѣ отпираніе неба приписывается Ураю.

Та Урай матку кличе:
— Та подай, матко, ключа
Одімкнути небо,
Випустити росу,
Дівоцькую красу.

---

[92]) С. Малые-Дедеркалы, Кременецкаго уѣзда.
[93]) Соловьевка, Радомысльскаго уѣзда.
[94]) Ушицкаго уѣзда.
[95]) С. Новосельцы, Новоградъволынскаго уѣзда.
[96]) Подольской губ. (Данильченко. Сбор. Этнограф. свѣд. о Подольской губ. Вып. 1, 1969 г., стр. 37).
[97]) С. Новосельцы, Новоградъволынскаго уѣзда.
[98]) С. Новосельцы, Новоградъволынскаго уѣзда.

Та дівоцькая краса,
Якъ літняя роса:
У меду потопае,
Въ вині виринае.
Та Урай матку кличе:
— Та подай, матко ключа,
Одімкнути небо,
Выпустити росу,
Парубоцькую красу.
Парубоцькая краса,
Якъ зімняя роса:
Въ смолі потопае,
Въ дегтю виринае.

Дождь въ этотъ день предвѣщаетъ дороговизну.

Во время обѣдни хозяйки зажигаютъ свѣчи передъ образомъ Георгія, чтобы онъ „доглядівъ“ ихъ овечекъ или телицъ, а содержатели скота, особенно „чередники“ и „ватажники“, на Юрья постятся до захода солнца, а иные даже не гонятъ скота „на пашу“, а кормятъ дома. Такой обычай соблюдается „про звіря“, т. е. „про волка“; такъ какъ говорятъ, что „св. Юрій звіря пасе“ [99]).

Если озимь густа, то скотъ выгоняютъ на озимь; выгоняютъ вербою, оставшеюся отъ Вербнаго Воскресенія. „Св. Юрій коровъ запасае, а Николай — коней“.

Собираютъ росу и ею мочатъ глаза и другія больныя части тѣла, также окропляютъ домашнюю птицу [100]). Изъ зеленаго жита плетутъ вѣнки, освящаютъ и кладутъ ихъ на хоругви. Святятъ колодези, если засуха. Если „зозуля“, т. е. кукушка, „кує“ до Георгія, а деревья еще не развились, то въ этомъ году будутъ болѣть люди и будетъ падежъ скота [101]).

Съ этого дня начинаетъ пѣть соловей.

У кого будутъ при себѣ деньги въ то время, когда онъ первый разъ услышитъ „зозулю“, у того въ продолженіи года не будутъ онѣ переводиться. И потому-то послѣ свѣтлаго праздника завязываютъ въ рубаху грошъ и носятъ постоянно, чтобъ имѣть при себѣ деньги въ то время, какъ случится услышать кукушку [102]).

„Св. Юрій по полю ходить, хлібъ жито робить. Коли сховается въ житі

---

[99]) Рус. Бес. 1856 г. стр. 80.
[100]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.
[101]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.
[102]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.

ворона, то буде урожайне літо, а якъ горобцю по коліна, то буде лихе літо; якъ дощъ на Юрья, то буде хлібъ и въ дурня“ [103]).

Св. Марко также называется въ народѣ ключникомъ. Утверждаютъ, что евангелистъ Маркъ владѣетъ ключами отъ дождей, а потому въ этотъ день особенно молятся и даже нѣкоторые постятся, желая умилостивить св. Марка, чтобы онъ не запиралъ дождей. „На святого Марка сіється татарка“, т. е. гречиха [104]).

Посѣявъ „ярину“, крестьянинъ ждетъ для своего хлѣба „майського дощу“, какъ благодати Божіей, и говоритъ: „Якъ випадуть въ маі три дощіи добрихъ, то дадуть хліба на три годи“.

А женщины, какъ только соберутся, всегда поютъ и пьютъ за урожай „пашни“ (посѣва).

Ой випиймо, родино,
Щобъ намъ жито родило;
И житечко, и овесъ,
Щобъ зібрався рідъ увесь;
И пшениця, и ячмінь,
Щобъ намъ жити смачній.

Къ этому припѣваютъ еще:

А гречечка на крупи,
Якъ не стане, той купи.

---

# ВЕСЕННІЯ ИГРЫ *).

## 1.

## „Кривий танець“.

Первымъ хороводомъ изъ начинающихся на праздникъ Пасхи почти всегда бываетъ „Кривий танець“. Эта игра совершается такъ:

Забиваютъ въ землю три палки, образующія расположеніемъ своимъ треугольникъ, берутся за руки и въ два ряда вертятся около этихъ палокъ, припѣвая слѣдующія пѣсни:

---

[103]) Маркевича. Обыч. и Пов. Малор.

[104]) Чернелевка, Староконстантиновскаго уѣзда.

*) Нѣкоторыя записаны по малорусски, изъ народнаго пересказа.

## А.

Moderato.

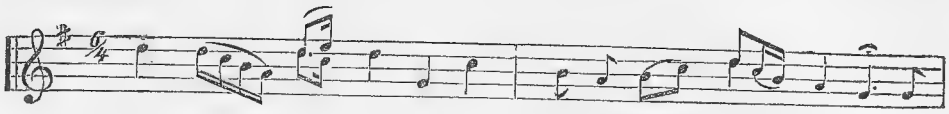

1) А въ кри - во - го тань-ця 2) Да не - ви - ве - ду конь-ця

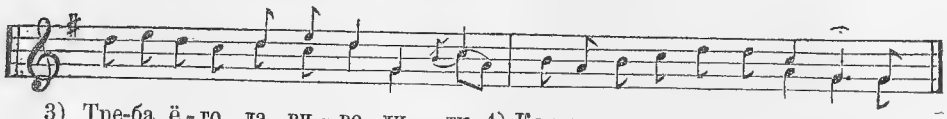

3) Тре-ба ё-го да ви - во - ди - ти 4) Ко-нець ла-ду из - на - хо - ди - ти.

5) Ой вінку, мій вінку;
6) Я тебе извила
7) Ще й учора да изъ вечора;
8) Да повісила тебе
9) Ой у теремі, да на дереві, (bis)
10) Да на золотому кілку, (bis)
11) Да на шовковому шнурку.
12) Туди моя матінка йшла, (bis)
13) Да той віночокъ знайшла, (bis)
14) Да нелюбому дала;
15) Да якъ би жъ я знала,
16) Я бъ була да розірвала,
17) Дай у грязь утоптала
18) Червоними да чобітками,
19) Золотими да підківками

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*)

## Б.

3) Треба ёго вести,
4) Якъ віночокъ плести.
5) Плела ёго, плела,
6) Та ще вчора зъ вечора;
7) А матінка взяла,
8) Та нелюбу дала.
9) Колибъ я була знала,
10) То була бъ розірвала.
11) Дівки, молодиці теремъ будовали,
12) Віконця вставляли,
13) Щобъ не вилетівъ соколонько,
14) Щобъ не виносивъ
15) Да дівоцькоі краси;

16) Бо дівоцькая краса,
17) Якъ літняя роса.
18) Въ меду ся купала,
19) Въ меду вигравала.
20) На парубочкахъ краса,
21) Якъ зімняя роса:
22) Въ смолі ся купала,
23) Въ дёгті вигравала.
24) Помалу ступайте,
25) Пилу не збивайте,
26) Шмаття не валяйте.
27) На дівонькахъ шмаття —
28) То шовкъ та китайка,
29) Кармазинова крайка;
30) Бо на парубкахъ шмаття —
31) То міхъ, та ряднина,
32) Зъ заткала шапки,
33) Зъ клоччя пояснина.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## В.

3 В = 3 Б Ой якъ я стану...., 4 В = 4 Б, 5 В = 5 А ...вінче... вінче, 6 В = 6 А Да... барвінче, 7 В = 7 А..... плела, 8 В = 6 Б. 9 В = 9 А... въ терні, 10 В = 10 А У терені...., 11) На терновому кілочку. 12 В = 12 А Да..., 13 В = 13 А Тамъ... похожала, 14 В = 14 А Да..... взяла, 15 В = 8 Б.... нелюбови.... 16 В = 9 Б.... же...., 17 В = 10 Б То..... тебе..., 18) Дай и потоптала. 19 В = 18 А... да..., 20 В = 19 А.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

## Г.

1 Г = 1 Б, 2 Г = 2 Б Тай..., 3 Г = 3 В. 4 Г = 4 В, 5 Г = 5 В. 6 Г = 6 В 7 Г = 7 В. 8 Г = 8 В, 9 Г = 9 В. 10 Г = 10 В, 11 Г = 11 В. 12 Г = 12 В. 13 Г = 13 В. 14 Г = 14 В, 15 Г = 15 В... милому..., 16 Г = 5 В, 17 Г = 6 В, 18 Г = 16 В, 19 Г = 17 В.... краще вбрала. 20) Сріблóмъ злотомъ обілляла, 21) И милому сама дала.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

## Д.

1 Д = 1 А, 2 Д = 2 А... вивести..., 3 Д = 3 А. 4 Д = 4А... ёму..., 5 Д = 5 В, 6 Д = 6 В. 7 Д = 7 В..... звила, 8 Д = 8 В.... віночокъ, 9) Повішала на кілочку.

10 Д = 12 В, 11 Д = 14 В Моя ненька...., 12 Д = 15 В; 13 Д = 16 В, 14) То-бъ я була перервала, 15) Підъ ніженьки підтоптала. 16 Д = 19 В. 17 Д = 20 В.

(*Дашковъ, Литинскаго уѣзда*).

## Е.

1 Е = 1 А, 2 Е = 2 А... виведемъ..., 3) Ведемъ, ведемъ да не виведемъ 4) Плетемъ, плетемъ да не виплетемъ. 5 Е = 5 А, 6 Е = 6 А Да..., 7 Е = 7 А, 8 Е = 8 А.

(*Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда*).

## Ж.

1) Веду, веду та не виведу, 2 Ж = 3 А, 3 Ж = 4 А... ёму..., 4) Плету, плету плетаницю, 5) На паробківъ шибиницю, 6) А дівчатка зъ краю, 7) А щобъ були въ раю.

(*Ждановка, Полтавскаго уѣзда*).

## З.

1 З = 1 А, 2 З = 2 В.... виведуть. 3 З = 3 Д, 4 З = 4 Д.

5) Черезъ сіни, черезъ хату.
6) А я молоденька иду стихенька,
7) Щобъ ключами не брязчати,
8) Щобъ свекрухи не збудити.
9) А збудивши, не угодивши,
10) Медомъ, виномъ не упоівши.
11) Ой най же спить, най не устає
12) Щоби моєі головоньки не склопотала!

## II. А.

1) Кривого таньця йдемо
2) Таньця не виведемо;
3) О такъ, такъ танець йде,
4) По кривому скриволіє,
5) О такъ, такъ кривого таньця йдемо,
6) Кіньця ёму не знайдемо;
7) Паробочка не знайдемо.
8) Йде сліпий не видущий.
9) Ой, того я не хочу.

(*Żegota Pauli, стр. 23*).

*

### Б.

1 Б = 1 А Ми..., 2 Б = 6 А; 8 Б = 7 А. 4) Иде паробочокъ господарській, 5) Сіє. віє; ой за того жъ я піду.

(*Żegota Pauli стр. 23*).

### III. А.

1) Коло млина калина,
2) Тамъ удівонька ходила,
3) Дівкамъ танець водила,
4) Що виведе той стане,
5) На всіхъ дівокъ погляне,
6) Чи всі дівки въ танки идуть?
7) Оно нема одноі
8) Марисі молодоі.
9) Мати Марисю чесала,
10) Ще й, чешучи, навчала:
11) «Не стій, доню, зъ нелюбимъ,
12) Не дай ручки стискати
13) И перстника здиняти.
14) А стій, доню, зъ миленькимъ,
15) Якъ зъ голубомъ сивенькимъ.
16) И дай ручку стискати
17) И перстника здиняти».

(*Полонное, Новоградволынск. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 3 А Вдова.... 2 Б = 4 А, 3 Б = 5 А... дівчатъ..., 4) Всі дівочки въ таночку, 5) Тілько одна стояла, 6 Б = 9 А... косу... 7 Б = 11 А .... зъ нелюбимъ, 8 Б=12А... тримати; 9) Перстеньчика здиймати;

10) Бо перстиньчикъ не вінець,
11) Здрадить тебе молодець.

(*Полонское, Новоградволынск. уѣз.*)

### IV.

Йшли дівоньки черезъ двіръ, черезъ двіръ
На нихъ сукенки въ девять пілъ.
Стала діброва палати, палати,
Стали сукенки маяти, маяти.

Взяли діброву гасити,
Коновками воду носити.
Тілько въ дівонькахъ правдиці,
Кілько въ коновкахъ водиці.
Йшли парубочки черезъ двіръ
На нихъ опанча въ девять пилъ.
Стали опанчі маяти, маяти,
Стала діброва палати, палати.
Взяли діброву гасити
Стали решетомъ воду носити.
Тілько въ парубкахъ правдиці,
Кілько въ решеті водиці.

(*Ушицкій уѣздъ*).

V.

Ой ходили хлопці
Сімъ годъ да по припічку,
А чотири да по запічку;
Просили дівчатъ ложки,
Сироватки трошки.
Ой гіркі жупляки,
Старійтеся паробки,
А въ насъ гірочки
Сами зелененькі,
А въ насъ паробочки
Сами молоденькі.

VI.

Або мені сукню справте,
Або мене заміжъ дайте,
Або мене залішіть,
Да въ колисці колишить.
«Дожди, доню, до субботи,
Справлю сукню ще й чоботи».
Ой гіркі жовтяки
Старійтеся паробки.

(*С. Великіе Снитинки, Васильковск. у.*).

VII.

Ходжу, блуджу по надъ лози,
А въ тихъ лозахъ барвинъ-листокъ,
Щипну, вирву, вінець сплету,

Піду въ танець, душко наша,
Плету вінець, піду въ танець,
А въ тимъ таньці — хлопець молоденький.

(*Ушицкій уѣздъ*).

VIII.

Грайте, грайте,
Да пилу не збивайте (bis),
Да платтівъ не марайте.
Що на дівочкахъ платте
Все клинъ, да кітайка, (bis)
Да зеленая байка.
А на парубочкахъ платте,
Все міхъ да ряднина, (bis)
А сірая да сірячина (bis),
А изъ верху да шапчурина.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 2.

## „Володаръ".

Дѣвушки образуютъ два ряда и становятся одинъ противъ другого, такъ чтобы было по ровну на обѣихъ сторонахъ. Обѣ половины очередуются пѣснями. Или же двѣ дѣвушки берутся за руки, на руки имъ садится мальчикъ и онѣ носятъ его кругомъ церкви, а остальныя дѣвушки поютъ. По окончаніи послѣдняго стиха, второй рядъ разступается и, раздѣляясь на двѣ половины, дѣлаетъ подобіе воротъ, чрезъ которыя проходитъ 1-й рядъ. Помѣнявшись такимъ образомъ мѣстами, дѣвушки начинаютъ игру сначала.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

### А.

«Володаръ, Володарочку,
Одчини да ворітечка!»
— «Хто ворітъ кличе?»
«Царськиі служечки!»
— «А якого царя?»

«Царя Александра».
— «Що жъ намъ за даръ везуть?»
«Срібло та золото!»
— «Ще жъ намъ цёго мало».
«Що жъ ми вамъ придамо?»
— «Що жъ ви намъ придаете?»
«Мезинее дитя!»
— «А въ чимъ тее дитя?»
«У сріблі та въ злоті.»
— «На чимъ воно сидить?»
«На золотімъ креселку».
— «А чимъ воно грае?»
«Червонимъ яблучкомъ».
— «А чимъ воно крае?»
«Золотий ножикъ мае,
Дорогую тарілочку.
Цілуй білую ручку!»

(*Васильковскаго уѣзда*).

## Б.

1 Б = 1 А... Володаръ, 2) Чи дома господаръ? 3 Б = 3 А... жъ то? 4) Паньськое дитятко. 5 Б = 15 А? 6 Б = 16 А... креслі...» 7) «Чимъ ся воно бавить?» 8 Б = 18 А Золотимъ... 9) «Чимъ воно накрите?» 10) «Чорнимъ оксамітомъ». 11 Б — 7 А? 12) «Ярні пчелята». 13) «Е въ насъ то много». 14) «Мы вамъ додамо». 15 Б = 11 А... додаете?

16) Сивий, білий білоторчику,
17) Та поплинь по Дунайчику,
18) Та вмий біле личко,
29) Та загладь головочку,
20) Та взуй жовти черевички,
21) Пошукай своій сестрички.
22) «Хто здибавъ, хто видавъ
23) Мою жону на торзі?»
24) «А ми іі ведемо,
25) Тобі іі не дамо».
26) «А я хліба напечу,
27) Свою жону викличу».

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

## В.

1 В = 1 Б, 2 В = 2 Б? 3) Та нема ёго въ дома,

4) Поіхавъ по дрова.
5) Церква замикана,
6) Церква одмикана.
7) А хто у тий церковці?

8 В = 4 Б Золотое...

9) А що-жъ воно робить?
10) Золотого ножика держить.

11 В = 19 А А що-жъ...?

12) Срібное яблучко.

(*Бытъ Подол. Шейковскій. Выпускъ I, стр. 27*).

## Г.

1) Володаре, Володаре,

2 Г = 2 А... ворота. 3 Г = 3 А... потребує?

4) Гетманскеє дитя.
5) А въ чимъ теє дитя?
6) Въ сріблі, злоті,
7) Въ червонимъ чоботі

8 Г = 9 А... цёго... 9 Г = 10 А То...!

10) Яренькоі пчілки.
11) Плету, плету кошелі,
12) На парубоцькі лишаі.
13) На дівоцькі,
14) Срібни віночки.

(*Луцкаго уѣзда*).

## Д.

1 Д = 1 Г, 2 Д = 2 Г, 3Д=3Г... кличе?

4) «Михайлови слуги».
5) — «У чимъ тиі слуги?»

6 Д = 6 Г,

7) «По коліна въ болоті».

8 Д = 7 А? 9 Д = 12 А. 10 Д = 13 А? 11 Д = 14 А, 12 Г = 7 Г.

13) —«Що-то воно робляє?»
14) «Шиє, вишиває».

15) — «Що воно їдає»?
16) «Весь пшенишний хлібъ».
17) — «А що воно пиває?»
18) «Все сладкий медъ».
19) — «А въ чимъ воно спляє?»
20) «Въ пуховихъ подушкахъ».

## Е.

1 Е = 1 А, 2 Е = 2 А. 3 Е = 3 А... тамъ? 4 Е = 4 А. 5 Е = 5 А Ой...? (bis) 6 Е = 6 А (bis) 7 Е = 7 А... тамъ.? (bis) 8 Е = 10 Г Яроі... (bis) 9 Е = 13 Б. (bis) 10 Е = 14 Б. 11 Е = 15 Б... додасте? 12) «Дочку мизиночку.» 13 Е = 13 А... нараджона? 14 Е = 14 А. 15 Е = 15 А... посаджона? 16 Е = 16 А... креслі. 17 Е = 17 А Чимъ ся... 18 Е = 18 А.

19) «Де ся воно взяло?»
20) «Въ вишневімъ садочку».

21 Е = 19 А?

22) «Золотимъ ножичкомъ».

(*М. Любаръ, Новоградволынск.*).

## Ж.

1 Ж = 1 Б, 2 Ж = 2 Б?

3) Горохъ сію два стручки,
4) Роди, Боже, чотирі,
5) Щобъ ёго дівчата зносили.
6) Сидять хлопці підъ мостомъ
7) Ідять жаби изъ хвостомъ.

(*Чорный Островъ, Проскуровскаго уѣз.*).

## З.

1) «Воротаре, Воротаре,
2) Вітвори воротонька».

3 З = 3 А?

4) «Князеви служеньки».

5 З = 7 А що за...? 6 З = 8 Е... пчолоньки», 6 З = 9 А «Ой ще жъ бо..., 8 З = 11 А... додамо. 9 З = 11 Е?

10) «Молодую дівоньку,
11) Въ рутянімъ віночку».

(*Днѣстровая, стр. 42—43*).

## 3.

## „Король“.

Становятся двѣ дѣвушки, поднявши вверхъ руки въ видѣ воротъ, другія дѣвицы проходятъ подъ руками гуськомъ. Одну дѣвушку, идущую сзади, не пропускаютъ. Дѣвушки, прошедшія подъ руками, поютъ:

### А.

Andantino.

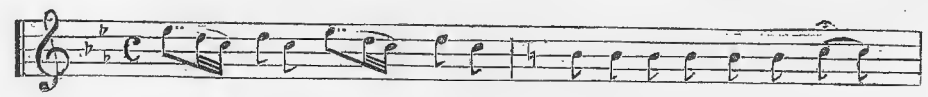

Ко - ро-лі, ко - ро - лі Пус-тіть на вой во - ю - вать;

Не - пу-стимъ, не - пу стимъ Мо - сти по - ла - мать;

А ми мо - сти по - мо - сти - мо, Тай пі - демъ гу - лять;
По пудъ гряз - зю по - ло - жи - мо

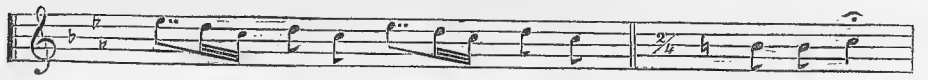

Чомъ не-йдешъ, чомъ не-йдешъ, чомъ не-йдешъ?

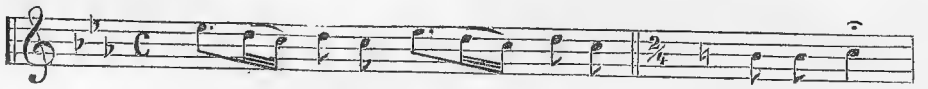

Бо - ю - ся, бо - ю - ся, бо - ю - ся;

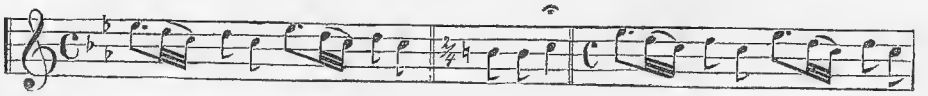

Ко - гожъ ти бо - іс-ся, бо-іс-ся? Ко - ро-ля, ко - ро-ля,

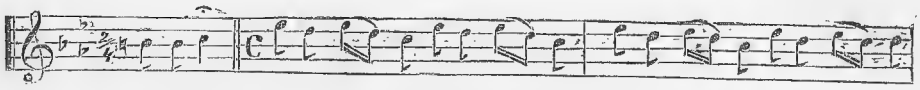

ко-ро-ля; А ко - ро - ля не-ма до - ма, Ко-роль и - де, зе-мля гу - де,

Allegro.

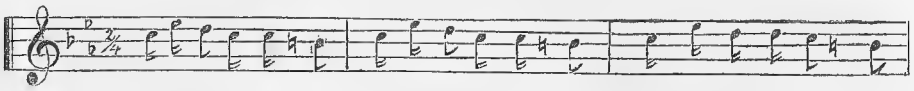

Од-чи-ний во-ро - та, Не су-ши жи - во - та. По кру-ту - ю го - ру,

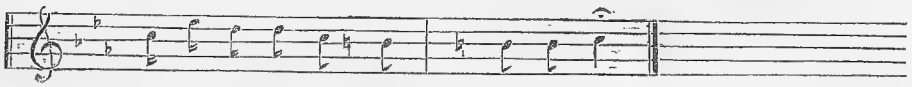

По си - ру - ю зе - млю, Стой, зем - ле!

## Б.

1) — «Чомъ не йдешъ, чомъ не йдешъ?»
2) «Боюся, боюся, боюся».
3) — «Кого жъ ти, кого жъ ти боісся?»
4) «Короля, короля, короля».
5) — «А короля нема дома,
6) Король иде—земля гуде.
7) Одчиняй ворота,
8) Не суши живота,
9) По самую,
10) По сирую землю,
11) Стой, земле!»

Дѣвушки, прошедшія подъ воротами:

12) «Пустить насъ, пустить насъ,
13) На вой воевать».
14) — «Не пустимо, не пустимо,
15) Мости поламать».
16) «А ми мости помостимъ
17) Пудъ грязі положимъ,
18) Тай пуйдемъ гулять».

(*Борисполь, Переясласк. у.*).

**В.**

9 В = 12 Б, 10 В = 13 Б, 11 В = 14 Б. 12) Не пущу, не пущу, 13 В = 16 Б, 14 В = 17 Б, 15 В = 18 Б, 16 В = 19 Б.

(*Иваньковъ, Переяславск. уѣз.*).

Или же играютъ такимъ образомъ: дѣвушки, взявшись за руки, становятся въ кругъ, въ средину входитъ одна, называемая королемъ; хороводъ ходитъ кругомъ и поетъ слѣдующую пѣсню:

Королю, край города ходишъ,
Королю, дівчатъ оглядаешъ,
Королю, приступи близенько,
Королю, поклонись низенько,
Королю, поцілуйсь гарненько».

Въ эту минуту король цѣлуетъ одну изъ хоровода и та становится королемъ.

(*Маркевичъ*).

У короля у дворі
Зацвівъ кракісъ на горі.
«Чомъ, дівчатка, нейдете,
Чомъ кракосу не рвете».
«А мы рвали та не всі,
Тилько нема ідноі.»
Мати косу чесала,
А чешучи навчала:
«Дочко, моя різочко,
Ой якъ підешъ у танець,
То находь собі кінець».

(*Ждановка, Полтавск. у.*).

Въ эту игру играютъ еще и такимъ образомъ: дѣвушки составляютъ кругъ, взявши одна другую за руки. Кругъ этотъ называютъ городомъ. За кругомъ одна дѣвушка остается подъ именемъ короля. Король ходитъ вокругъ города и разсматриваетъ дѣвушекъ, какъ бы выбирая изъ нихъ красивѣе, а хороводъ поетъ:

Король у городъ заглядае,
Король дівчатъ вибірае,
Король!
А вже й козла вбито — Король!
Черевички пошито — Король!
Панчішки шовкові — Король!
Черевички козлові — Король!

Дѣвушка-король выбираетъ себѣ изъ круга пару подругъ и уводитъ её въ сторону. При этомъ кругъ вновь смыкается съ припѣвомъ:

— А въ короля жінки нема,
Треба жъ ёго шанувать,
И по сімъ разъ цілувать».

Дѣвушка, взятая королемъ, обнимается и цѣлуется съ нимъ; за ней весь кругъ хороводный спѣшитъ къ королю, и каждая дѣвушка считаетъ за особенное удовольствіе поцѣловать короля прежде другихъ подругъ. Игра эта описана и въ „Бытѣ Рус. Нар.“ Терещенко, стр. 90—93.

*(Черноморье).*

## Другий король.

Хлопці и дівчата берутся за руки и становлятся кружка. Біля кружка ходить король, ёму й співаютъ:

Кругомъ города ходе, король,
Вибіра дівчину, король.
Приступи близенько, король,
Поклонись низенько, король.

Після цёго король иде у середину кружка, підходить до якоі небудь дівчини и пита іі: „Чи підешъ за мене заміжъ?“ Та відказуе ёму: „Не піду, у тебе нема штанівъ“, або тамъ „сорочки,“ або чого другого. Король відійде відъ неі, вийде зъ круга и ходе округи ёго, а кружокъ упъять співа ту-жъ таки пісню. Король підходить до другоі, до третёі дівчини и просить іхъ заміжъ за себе, такъ ажъ до останнёі. Дивчата усі ёму відказують, приказуючи, що у його нема або чобітъ, або сорочки, або дуже поганий и инше. Сама остання иде за нёго, якъ винъ спитае: „Дівко, дівко, чи підешъ за мене?“ — Піду, каже вона. Тоді король збирае палочки, не мовъ би то гостинці, и кладе ій на плече, а вона откида, и цімъ кончается. Кілько грачівъ у короля кладуть на стілъ або на яке коліно руки, долонями у низъ, одна рука на другу, щобъ стала копичка. Тогді перший, чия рука нижче всіхъ, вийма іі зъ підъ низу и кладе зверхъ усіхъ, и каже: „перший“ за нимъ тежъ роблять и останні зъ приговоркою; другий каже: „другий“, третій: „нижникъ“, четвертий: „вишникъ“, пъятий: „краля“, шостий: „король“. Кому випало сказати „король“, той и стае королемъ. Усі останні идуть до ёго на послуги и на послухання. Одинъ изъ грачівъ каже королеві: „королю, королю, я твій

слуга!“ А король ёму: „що ти мині за слуга?“ Той упъять: „що звелишъ, усе буду робить.“ Король и приказує: „дрова вози!“ Тоді первому йти, й нагнувшись до столу, повезти лобомъ по столу, щобъ ажъ загуло — це вінъ „дрова везе“. Другий підходе зъ такою розмовою до короля, якъ и перший. Король приказує ёму дрова рубати. Той стукне локтемъ по столу и помаха рукою, мовъ рубає й справді. Третій підходе до короля зъ тими-жъ самими балаками. Король командує: „потягни бабу за пупъ!“ Це значить: тягни двери за плямку. Той, котрому це кажуть слуга, й робить. Такъ коженъ підходить до короля и цей кожному загадує працю, покиль усі відроблются. Король загадує, що схоче; якъ слуга не зна, що робити на загадку королеву, то король ёму ростолкує и той повиненъ зробити. Далі упъять знову — кому випаде бути королемъ и кому слугами.

## 4.

## Чоловікъ та жінка.

Грачі сідають у кружокъ; вибірають двохъ бути чоловікомъ и жінкою. Жінка біга округи грачівъ, а чоловікъ туряєтця за нею зъ ломакою. Грачі, котри сидять у кружку, співають відъ чоловіка:

«Гей, мати, до дому!
Гей, суко, до дому!
Діти плачутъ,
Істи хочуть —
Нікому дати».

А дали відъ жинки:

— Тамъ на полиці
Три паляниці,
Нехай ідять.

Впъять відъ чоловіка:

«Гей, мати, до дому!
Гей, суко, дому!
Діти плачуть,
Спати хочуть».

Тежъ відъ жінки:

— Тамъ на діжечці
Є три подушечки,
Нехай сплять.

И такъ жене, поки скінчають; тоді чоловікъ потурить жинку до дому.

## 5.

### „Макъ“. (*Дѣвическая*).

Въ этой игрѣ „дівчата“ и „молодиці“ образуютъ собою кругъ, въ средину котораго садится нѣсколько дѣвочекъ, вокругъ которыхъ ходятъ и поютъ:

**А.**

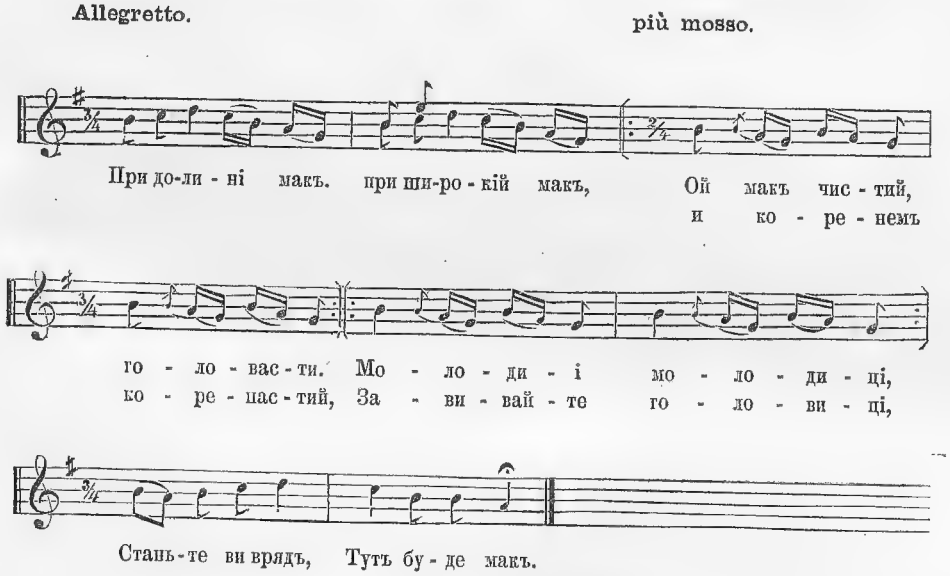


(*М. Борисполь, Переяславск. у.*).

**Б.**

Макъ, макъ, моя маковочка
Золотая головочка! (*За каждымъ куплетомъ*).
Станьте ви, дівки,
Въ червоний макъ

Да не пускайте пана зъ коровода,
Нехай дає макъ.

Якъ станемъ ми макъ
Пахать да орать;
Якъ ставъ же нашъ макъ
Да цвісти зацвітать.

Якъ ставъ же нашъ макъ
Да спіть — поспівать,
При долині макъ,
При широкій макъ.

Якъ станемъ ми макъ
Трусить колотить,
При долині макъ,
При широкій макъ.

(*С. Юриновка, Новгородсѣверск. у.*).

**А.**

1) Ой на горі макъ,
2) Підъ горою й такъ,
3) Мої милі соколочки,
4) Станьте мені до помочки,
5) Станьте усі у рядъ.

(*Бытъ Подол. Шейковскаго, стр. 14*).

**Б.**

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А,

3) Маки, маки, маківочки,
4) Золотиі верхівочки,
5) Постойте, дівчата,
6) Якъ макъ на горі.

(*Маркевичъ*).

**В.**

1 В = 1 А,

2) На долині макъ,
3) На горі маковець.

4) По талярі молодець,
5) По три гроші стрілка,
6) А по денежці дівка.

(*Полонное, Новоградволынск. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 А... лёнъ, лёнъ, 2 Г = 2 В... маковець, 3 Г = 4 В... тисячи. 4 Г = 5 В... шелягу, 5 Г = 6 В... а по денежці.

6) Мої любі маковочки,
7) Сходітеся до купочки.

8 Г = 5 А.

(*Полонное, Новоградволынск. уѣз.*).

Потомъ дѣвушки останавливаются и спрашиваютъ дѣтей, сидящихъ въ срединѣ:

«Соловейку, шпачку, шпачку!
Чи бувавесь ти въ мачку, въ мачку?
Чи видавесь, якъ на макъ копають?

Дѣти отвѣчаютъ, показывая при этомъ жестами то, что заключается въ пѣснѣ:

Ой бувавъ я въ тимъ садочку,
Та скажу вамъ всю правдочку:
Ото такъ
Копають макъ.

(*Żegota Pauli, стр. 25—26*).

Но по большей части это дѣлается такимъ образомъ: спрашиваютъ — „Чи виорано?“ Дѣти отвѣчаютъ: „Виорано“. Потомъ опять ходятъ кругомъ и повторяютъ пѣть то, что и прежде послѣ каждаго отвѣта. Вотъ вопросы и отвѣты на нихъ:

— Чи зараляно?
Зараляно.
— Чи заволочено?
Заволочено.
— Чи засіяно?
Засіяно.
— Чи збірано?
Збірано.
— Чи пора молотить?
Пора.

Послѣ этого дівчата и молодиці, составляющія кругъ, берутъ дѣтей на руки и, подбрасывая ихъ вверхъ, поютъ:

Ой такъ, такъ
Молотили макъ.

*(Великіе Снитинки, Васильковск. и сокращенные въ Бытъ Рус. Нар. Терещенко, стр. 27).*

## 6.

## Шумъ.

Дівчата становятся въ „два ключа“ одинъ за другимъ параллельно, и при этомъ поютъ:

Ой нумо, нумо,
Въ зеленого Шума.
А въ нашого Шума
Зеленая шуба.

*(Полонное, Новоградволынск. уѣз. и Дни и Мѣс. Максим. Рус. Бѣс. 56 г. стр. 77).*

Потомъ оба ключа бѣгутъ впередъ и назадъ и громко поютъ:

### А.

**Andantino quasi Allegretto.**

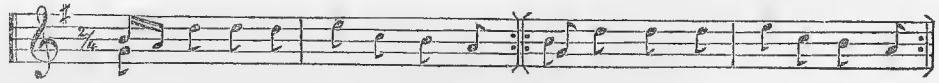

1) Ой, шумъ хо-дить по ді - бро - ві, 3) Що вло - ви - ла, то-про-пи - ла,
2) А шу - ми - ха ри - бу ло - вить, 4) Су - чій доч - ці не-вго - ди - ла.

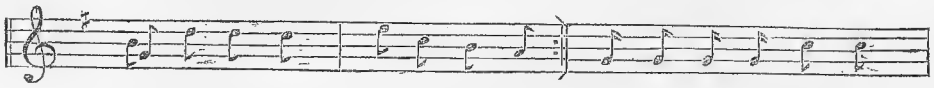

5) По - стой, доч - ко, до су - бо - ти, 7) Чер - во - ну - ю плах - ту,
6) Куп - лю плах - ту и чо - бо - ти,

8) Зе - ле - ну за - пас - ку, 9) лю - би ме - не, ко - за - чень - ку, 10) Ко - ли тво - я ласка.

*(Борисполь, Переясл. у.).*

### Б.

1) А въ нашого Шума
2) Зеленая шуба.
3) А шумъ ходить по діброві,
4) А Шумиха рибу ловить.
5) Що наловила, то й пропила,
6) Дочці шуби не справила.
7) Почкай, доню, до субботи,
8) Буде шуба и чоботи.
9) Суббота минає
10) А чобітъ не має.
11) Почкай, доню, до вівторка,
12) Буде шуба и сібірка.

(*Полонное, Новоградволынск. уѣз.*).

### В.

1 В = 3 Б, 2 В = 4 Б, 3 В = 5 Б... вловила... 4 В = 6 Б... своій... не вгодила, 5В=7Б пожди..., 6В=8Б Куплю сукню...

(*Рукоп. Сборн. Кулиша*).

### Г.

1 Г = 1 А А въ того..., 2 Г = 2 А.

3) А въ Шумихи голубая,
4) Бо Шумиха молодая.

6 Г = 3 А... тинъ городить, 7 Г = 4 А. 8 Г = 5 А. 9 Г = 4 В. 10 Г = 5 В, 11 Г = 6 В.

12) Чи ви мені сукню крайте, крайте,
13) Чи ви мене заміжъ дайте, дайте,
14) Чи ви мені вінокъ плетіть, плетіть,
15) Чи ви мене у танець ведіть, ведіть.

(*С. Ждановка. Полтавск. уѣз.*).

Въ избранномъ мѣстѣ, собравшіяся дѣвушки берутъ одна другую за руки и становятся вереницей. Дѣвушки заворачиваютъ кругъ и пробѣгаютъ подъ поднятыми руками послѣднихъ двухъ хороводницъ другого конца, которыя, пропустивъ подъ арку, составленную изъ своихъ рукъ, весь хороводъ, заворачиваются сами подъ своими жъ руками, складываемыми при этомъ на

*

крестъ. Такимъ образомъ остальныя дѣвушки, пробѣгая подъ руками слѣдующихъ паръ, становятся другъ противъ друга и въ двѣ линіи составляютъ живописный плетень; заплетая плетень, дѣвушки поютъ:

Ой нумо, нумо
Въ зеленого шума.
Огірки жовтяки,
Женітеся парубки, —
Ось вамъ трясця не дівки.
Трясця вамъ, а не намъ,
Трясця нашимъ ворогамъ.
Ой, у того шума
Зеленая шуба.
Огірки . . . . .
Сплела наша мати
Сито та решето.
Огірки . . . .
Та виплела плетеницю—
На парубківъ шибиницю,
Огірки . . . .
Та виплела лісъ, лісъ,
На парубківъ бісъ, бісъ.
Огірки и т. д.

На верхъ сплетенныхъ рукъ ставятъ дитя лѣтъ шести или семи, съ босыми ногами „аби чустре, щобъ шкеребертя не полетіло“. Дитя идетъ съ конца живой дороги и продолжаетъ идти, оборачиваясь при другомъ концѣ, покуда кончится хороводный припѣвъ:

Шумъ ходить по діброві,
А Шумиха рибу ловить;
Що вловила, той пропила,
Сукні доньці не купила.
Жди, доню, до субботи,
Куплю сукню и чоботи,
Жди, доню, понеділка,
Зовъю вінокъ изъ барвінка.
Або жъ мені сукню крайте,
Або жъ мене заміжъ дайте.

Окончивъ припѣвъ, дитя снимаютъ. Послѣдняя пара дѣвушекъ поворачивается обратно подъ руками, за ними слѣдуютъ очередныя, — повторяя тотъ же оборотъ до послѣдней дѣвушки; расплетая свои руки, составляютъ прежнюю вереницу, и тѣмъ кончается игра.

(*Черноморье*).

## 7.

## „Жельманъ“ или „Зальманъ“.

Одна группа (1 ключъ) сидитъ, представляя собою семейство „Жельмана“. У одной дѣвушки завязываютъ глаза платкомъ и она представляетъ „панну Жельманъ“. Другая группа, подходя къ сидящимъ, поетъ:

### А.

1) Помагай Бі, Жельманъ,
2) Помагай Бі, ёго братъ,
3) Помагай Бі, Жельманова;
4) И братова, и вся Жельманова родина.

Сидящіе отвѣчаютъ:

5) Бодай здоровъ, Жельманъ,
6) Бодай здоровъ, ёго братъ,
7) Бодай здорова, Жельманова
8) И братова зъ ушисткой родиной!
9) Зачимъ, зачимъ, Жельманъ?
10) Зачимъ, зачимъ, ёго братъ?
11) Зачимъ, зачимъ, Жельманова
12) И братова зъ ушисткой родиной!?

Первая группа опять поетъ:

13) За панною, Жельманъ,
14) За панною, ёго братъ,
15) За панною, Жельманова
16) И братова зъ ушисткой родиной.

Сидящіе:

17) На якпй грунтъ, Жельманъ?
18) На який грунтъ, ёго братъ?
19) На який грунтъ, Жельманова
20) И братова зъ ушисткой родиной?

1-я группа:

21) На жидівський, Жельманъ,
22) На жидивський, ёго братъ,
23) На жидивський, Жельманова
24) И братова зъ ушисткой родиной.

Сидящіе:

25) А ми панни не маємъ,
26) На такий грунтъ не даємъ,
27) Идіть собі геть!

(*Бытъ Подол. Шейковскаго, стр. 38*).

## Б.

1 Б = 1 А.... Зельманъ 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А... Зельманова, 4 Б = 4 А И братова и Зельманова... 5 Б = 5 А... Зельманъ, 6 Б = 6 А, 7 Б = 7 А... Зельманова.

8) И вся ёго родина.
9) Чого хоче Зельманъ,

10 Б = 10 А Чого хоче...?

11) Чого хоче Зельманова,
12) И вся родина?
13) Гречной панни Зельманъ,

14 Б = 14 А Гречной панни....,

15) Гречной панни Зельманова
16) И вся ёго родина.

17 Б = 17 А .. хлібъ Зельманъ? 18 Б = 18 А... хлібъ.... 19 Б = 19 А... хлібъ Зельманова

20) И вся ёго родина.
21) На мужицький Зельманъ,

22 Б = 22 А... мужицький...

23) На мужицький Зельманова
24) И вся ёго родина.

25 Б = 25 А,

26) На мужицкий хлібъ не даємъ

27 Б = 27 А.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

## В.

1) Єдзі, єдзі Жельманъ,

2 В = 2 А Єдзі, єдзі..., 3 В = 3 А єдзі, єдзі..., 4 Б = 4 А... родзіна.

5) Чого хцешъ, Жельманъ;
6) Чого хцешъ, Жельманова
7) И братова родзіна?

ОБЩЕСТВО ИМПЕРАТОРСКОЕ РУССКОЕ ГЕОГРАФИЧЕСКОЕ 17 МАЙ 74

8 В = 3 А Панни хце..., 9 В = 4 А Панни хце...,

10) Панни хцяла Жельманова
11) И братова родзіна.

12 В = 17 Б... Жельманъ? 13 В = 19 Б... Жельманова? 14 В = 18 Б?

15) И братова родзіно.
16) На вівсяний, Жельманъ.

17 В = 22 Б На вівсяний...,

18) На вівсяний, Жельманова
19) И братова родзіно.

20 В = 25 Б, 21 В = 26 Б... такий....

22) А ще панна не готовая,
23) А ще сукня не справёная,
24) Идзь собі пречъ.

(*С. Чернелевка, Староконстантиновск. у.*).

Когда поютъ послѣдніе три стиха, 1-ая группа, кланяясь, отходитъ. Потомъ опять, приближаясь къ сидящимъ, кланяется и опять поетъ сначала, только вмѣсто того, чтобы пѣть „па жидівский“, или „мужицький“, поетъ „на королівский“, на „попівський“ и т. п. На какой грунтъ или хлѣбъ желаютъ отдать панну, на тотъ и отдаютъ съ слѣдующими словами:

А ми панну маемъ
На такий грунтъ (или хлібъ) даемъ.

При этомъ 1-ая группа снимаетъ платокъ съ покрытой имъ дѣвушки и ведетъ къ себѣ. Всѣ, участвовавшіе въ 1-ой группѣ, вѣнчаютъ ее.

(*Бытъ Подол. Шейковскаго, стр. 35—36.*).

Игра эта существуетъ также у поляковъ и у чеховъ. Чешскій „Žalman“ напоминаетъ рыцарскіе времена. Эта игра и пѣсня существуетъ только въ Западной Волыни, Подоліи и у русиновъ привислянскаго края. Въ прочихъ мѣстностяхъ юго-западнаго края и Малороссіи этой игры не знаютъ. Вѣроятно, она перешла отъ поляковъ. Приводимъ слова чешскаго „Žalmana“:

Chlapci:

Jede, jede, pan Jan,
Jede, jede Žalman,
Jede, jede celé naše
Rytiřstwo.

Děwčata:

Čeho žádá pan Jan,
Čeho žádá Žalman,
Čeho žádá celé waše
Rytiřstwo.

Chlapci:

Jednu panny krásnou,
Jako hwězdu jasnou,
Jede pro ni celé naše
Rytiřstwo.

Děwčata:

My wam ji ne dáme,
My si ji necháme,
At odjede cele waše
Rytiřstwo.

Toto opakuje se do třetice: po druhé beze wši změny, ale potřeti slohu posledni takto změňuji:

Děwčata:

Teď už wam ji dáme,
Zlaté wěnce máme,
Wemte si ji celé waše
Rytiřstwo.

(*Písné a Rikadla. Erben, стр. 68—69*).

## 8.

## Горобейко.

Берутся за руки всѣ „дівчата“ и „молодиці“ и поютъ!

### А.

1) А въ горобейка
2) Жуинка маленька;
3) Седить на колочку,
4) Пряде на сорочку,
5) Що виведе нитку—
6) Горобъю на свитку.
7) Останутьcя конці—

8) Горобъю на штанці,
9) Останутьcя торочки—
10) Горобъю на сорочки.

(*М. Борисполь, Переяславск. у.*).

## Б.

1Б = 1А, 2Б = 2А. 3Б = 3А, 4Б = 4А. 5Б = 5А, 6Б = 6А То пошие..., 7Б=9А Що виведе..., 8Б=10А То пошие....

9) Що виведе півтора,
10) То пошие рукава.

(*Великіе Снитинки, Васильковск. у.*).

## II. А.

Allegretto non troppo.

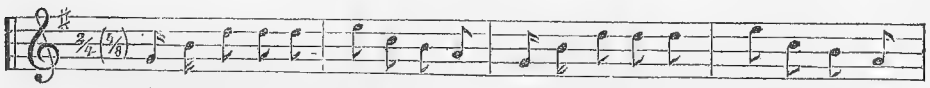

Го-ро-бе-іч-ку спад-ку, спад-ку Чи бу-вавъ же ти въ сад-ку, въ сад-ку

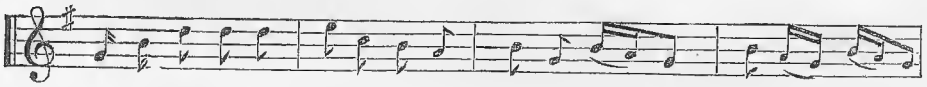

Чи ви-давъ же ти, якъ макъ сі-ють: Ой, такъ, такъ сі - ють макъ

И мор-ков - ку, й по-стер-накъ Й о-гур - ки жов-тя - ки.

Ста-рій - те - ся па-руб - ки —, Отъ вамъ ли- хо не - дів - ки.

## Б.

1) Горобіеньку шпачку, шпачку.

(*Далье, какъ во* II. А.).

## III. А.

1) Кібчику та горобчику,
2) Скажи мені усю правдочку:
3) Кому воля, кому неволя?
4) Що дівочкамъ уся воленька —
5) За віночокъ тай у тапочокъ,
6) За стрічечку тай на вуличку.
7) А жіноньками та неволинька,
8) Коло бока та стороженька.
9) Борщъ каже: «помішай мене»,
10) Каша каже: «підіймай мене»,
11) Милий каже: «поцілуй мене»,
12) Дитя каже: «нагодуй мене»,
13) Милий каже: «роззувай мене»,
14) Дитя каже: «забавляй мене».
15) Ой, вінку, мій вінку,
16) Хрищатий барвінку.
17) Якъ я тебе сплела
18) Та ще вчора та й изъ вечора,
19) Повісила тебе у терені,
20) У терені, та на дереві,
21) На тісовимъ кілочку,
22) На шовковимъ шнурочку;
23) Мати жъ моя зняла,
24) Та нелюбу оддала.
25) Коли бъ була знала,
26) То першій би зплела,
27) Изплела бъ віночокъ
28) Изъ терену зъ глодовихъ колючокъ.

(*С. Ждановка, Полтавск. у.*).

## Б.

Allegretto.

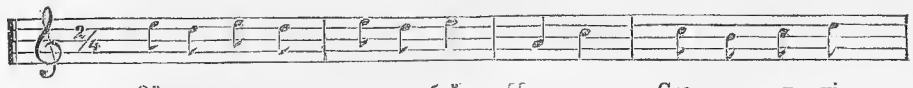


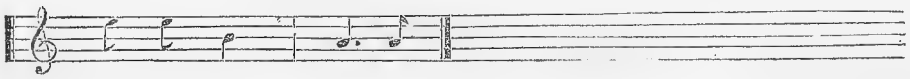

Кому воля, кому нітъ волі,
А дівочкамъ уся волечка:
За юпочку да на улочку,
За намистечко да на містечко,
За віночокъ да и у таночокъ;
А жіночкамъ вся неволечка:
Що въ печі огонь горить,
На припечку горщокъ кипить,
Пудъ порогомъ да свиня кричить,
А въ колисці дитя плаче,
А въ запічку воркунъ ворчить.
Огонь каже: «загреби мене!»
Горщокъ каже: «помішай мене!»
Свиня каже: «нагодуй мене!»
Воркунъ каже: «поцілуй мене!»
Дитя каже: «похитай мене!»

(*М. Борисполь, Переясл. у.*).

VI.

Кишъ, кишъ горобей,
Не йди до конопель,
Мої конопельки,
Да ще зелененькі.
«Мамо, дай хліба».
— А той, де діла?
«Съ козакомъ ззіла».
— А робить?
«Голова болить!»
— А замужъ?
«Хочъ заразъ!»

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

Во время пѣнія двѣ крайнія „дівчини“, поднимаютъ руки и пропускаютъ подъ ними всѣхъ „дівчатъ“; потомъ обратно дѣлается тоже — и т. д.

## 9.

## Зайчикъ.

Всѣ „дівчата“ и „молодиі молодиці“ берутся за руки, образуютъ кругъ; въ средину пускаютъ одну „дівчину“; ходятъ вокругъ нея и поютъ:

**А.**

1) Зайчику скокомъ, бокомъ
2) Передъ моімъ каримъ окомъ.
3) Да никуди зайчику
4) Да не вискочити.
5) Вискочивъ зайчикъ
6) Да на юлоньку,
7) Поймавъ собі зайчикъ
8) Сиву голубоньку;
9) Зайчику, одвернися,
10) Съ которою панною обнімися.
11) А въ насъ замки да німецькиі,
12) А въ насъ замки да турецькиі,
13) А въ насъ замки позамиканниі.
14) Да нікуди зайчику
15) Да не вискочити.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

**Б.**

1) Заєньку! за головоньку...
2) А ні тобі, заєньку,

3 Б = 4 А Да не...,

4) А ні тобі заєньку,
5) А ні виглянути.
6) Заєньку, плечі—гречи...
7) Заєньку, скоки въ боки...
8) Заєньку, ушка псяюшка.
9) Заєньку, сінця-колінця....
10) Заєньку, пити-мяти.
11) А ні тобі, заєньку,

12 Б = 4 А А ні...,

13) А ні тобі, заєньку,
14) А ні виглянути.
15) Заєньку, обернися,
16) Кого любишъ, обіймися!

(*Бытъ Подол. Шейковскаго, стр. 19*).

## В.

1 В = 1 А... ти малесенький,

2) Голубе ти сивесенький

3 В = 3 А,

4) Ні вилізти.

5 В = 3 А, 6 В = 4 А А ні...

7) За городами за турецькими,
8) За шибоньками за німецькими.

9 В = 1 А А ну...,

10) Перевернися
11) Гребінчикомъ розчешися.
12) Пливи, зайку, по Дунаю,
13) Бери собі панну зъ краю.

(*Чернелевка, Староконстантиновск. у.*).

## Г.

1) Ой зайчику спадку, спадку,
2) Чи бувавъ же ти въ садку, въ садку,
3) Чи бачивъ ти мою милу,
4) Хорошую чорнобриву.
5) А въ насъ стіни камъянні.

6 Г = 13 А. 7 Г = 14 А.

(*Великія Снитинки, Васильковск. у.*).

## Д.

1 Д = 7 Б. 2 Д = 3 А, 3 Д = 4 А, 4 Д = 3 А,

5) Та ні виплигнути.

6 Д = 1 Б. 7 Д = 12 А... города..., 8 Д = 11 А.

(*С. Ждановка, Полтавск. у.*).

## Е.

1) Заюшко сіресенький,
2) Заюшко білесенький,

3 Е = 1 А Заюшка..., 4 Е = 2 А. 5 Е = 3 А.., заюшці, 6 Е = 4 А, 7 Е = 3 А... заюшці,

8) А не виплигнути

9 Е = 12 А Що... все..., 10 Е = 11 А Що... все...,

11) Позащеповані, позамиковані.

12 Е = 14 А.

13) Заюшка, не гордися,
14) Котрой панні поклонися,
15) Хочъ староі, хочъ малоі,
16) Хочъ мені молодоі.

(*Дни и Мѣс. Максимовича. Рус. Бѣс. 56 г. стр. 74*).

## II. А.

1) Зайчику, зайчику,
2) Нашъ братчику,
3) Не ходи не топчи,
4) Въ городчику;
5) Не ходи, не топчи
6) Рутки, мъятки,
7) Бо твоя рутка
8) Єсть баламутка,
9) А наша мъятка
10) Єсть пані-матка.
11) Зайчикъ прибігає,
12) Ручкою, ніжкою прибиває.
13) Коли бъ то не бита,
14) Ручкою прибита.

(*Полонное, Новградволынск. у.*).

## Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А Нашъ...,

3) Не скачи, не скачи,

4 Б = 7 А... твоя, 5 Б = 8 А Якъ..., 6 Б = 9 А Бо моя..., 7 Б = 10 А Якъ...

(*Полонное, Новградволынск. у.*).

## III.

Зайчику, зайчику,
Де ти бувавъ?

Ой у лісі на горісі,
Дрова рубавъ.
Прилетіли зайчики,
Повтинали пальчики,
Ледве я удравъ.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

IV.

Ой ти зайчику білодайчику!
Ой поплинь, поплинь по Дунайчику,
Розчеши русу косу,
Пригладь іі чорні брівки,
Возьмися по-підъ пашки,
Гляди іі товаришки.

(*Бытъ Подол. Шейковск. стр. 20*).

Во время пѣнія пѣсень, дѣвушка, находящаяся въ кругѣ, подходитъ къ одной изъ образующихъ кругъ и кружится съ нею, — послѣ чего пускаетъ ее въ кругъ, а сама становится на ея мѣсто и т. д.

(*Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда*).

Играютъ еще и такъ: когда поютъ „та нікуди зайчику вистрибнути", то въ это время „зайчикъ", т. е. дѣвушка или мальчикъ, находящійся въ кругѣ, старается прорвать кругъ и уйти, но это ему не удается. Тогда поютъ:

А ну, зайчикъ, скокомъ-бокомъ
Передъ моімъ чорнимъ окомъ!

Зайчикъ въ это время скачетъ на одной ногѣ.

А ну, зайчику, обернися,
Зъ дівчиною окружися.

При послѣднемъ стихѣ зайчикъ выбираетъ дѣвушку изъ круга, крутится съ нею и пускаетъ ее на свое мѣсто.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

## 10.

## Перепілочка.

Дѣвушки образуютъ кругъ; одна изъ нихъ идетъ въ средину. „Дівчата", образовавшія кругъ, поютъ:

Перепілочка невеличечка.
Тутъ була, тутъ була перепілочка,
Тутъ була, тутъ була невеличечка. (или білозірочка).

*(Ждановка, Полтавск. у., Великіе Снитинки Васильковск. у. и Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 70).*

**Andante.**

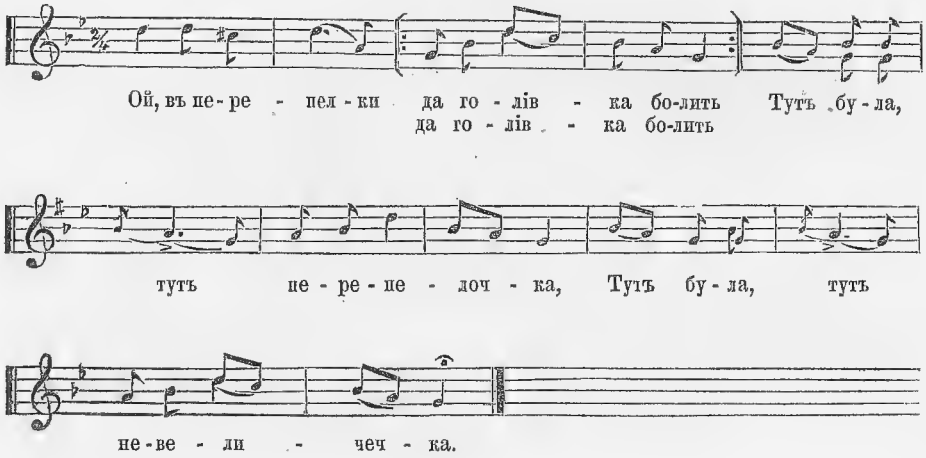


Послѣдніе два стиха повторяются послѣ каждаго изъ слѣдующихъ стиховъ:

А въ перепілки да головка болить;
А въ перепілки да животикъ болить;
А въ перепілки да плечиці болять;
А въ перепілки да коліна болять!

Итакъ далѣе: ушки, глазки и пр.; при словѣ „болять“ дѣвушка, стоящая въ кругу, — перепілочка — хватается за часть тѣла, которую называютъ.

Когда же поютъ:

## А.

1) А въ перепілки да й старий мужичокъ,
1) Изъ торгу йде и нагайку несе.

*(Великіе Снитинки, Васильков. у. и Ждановка, Полтавск. у.).*

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А Якъ иде мужичокъ....,

3) Вінъ нагайку несе, бородою трясе.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 71*).

Тогда перепелка начинаетъ плакать. Но когда запоютъ:

А въ перепілки молодий мужичокъ,
Молодий якъ иде, черевички несе.

Тогда перепелка начинаетъ прыгать, плескать руками и, желая выбѣжать изъ круга, старается разнять руки дѣвушекъ, составляющихъ кругъ: при этомъ говорятъ: „Добрі замки въ моеі коханки". Та изъ дѣвушекъ, которая пуститъ свою руку, идетъ въ кругъ.

(*Великіе Снитинки, Васильковскаго у.; Дни и Мѣс. Максимовича, Рус. Бес. 56 г., стр. 73 и Проскуровск. уѣздъ*).

## 11.

## Просо.

Собравшись играть въ „просо", дѣвушки выбираютъ изъ среды себя двухъ,— одну называютъ „матерью", а другую — „хозяйкою", всѣ же остальныя дѣвушки называются „дочками". Избравши хозяйку и „матерь", дѣвушки становятся въ рядъ одна возлѣ другой; мать стоитъ первая въ ряду, а хозяйка въ сторонѣ. Когда всѣ станутъ въ порядкѣ, хозяйка, взявши палку длиною въ аршинъ, подходитъ къ матери и спрашиваетъ:

— Де твоя дочка?
М. На що вона тобі?
Х. Щобъ ишла просо жати.
М. Десь на тому концi.

Хозяйка идетъ въ другой конецъ ряда и, ставши передъ послѣдней дѣвушкой, говоритъ:

Казала мати, щобъ ти
Йшла до насъ проса жати!
Доч. Якого?

Хозяйка, поднявъ палку выше своей головы, говоритъ:

„Такого“

Доч. „Не достану“.

Хозяйка, опустивъ палку внизъ на аршинъ отъ земли, говоритъ:

„Такого“.

Д. Не нагнусь.

Х. Куплю тобі сорочку.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі спідницю.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі хустку.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі фартухъ.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі чоботи.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі свитку.

Д. У мене є.

Х. Куплю тобі свиняче хутро.

Д. У мене є.

Послѣ этого хозяйка, разсердившись, бьетъ дѣвушку палкой, приговаривая: „А за мужъ, а за мужъ!“ Дѣвушка, получивъ нѣсколько ударовъ палкой, бѣжитъ въ противуположный конецъ къ матери; хозяйка за ней и продолжаетъ ее бить, приговоривая: „А за мужъ!“ И такъ игра продолжается до тѣхъ поръ, пока хозяйка не переколотитъ всѣхъ дѣвушекъ.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

Въ эту игру играютъ еще такимъ образомъ:

Дѣвушки раздѣляются на два ряда въ десяти шагахъ одинъ отъ другаго одинъ рядъ поетъ:

А ми просо сіяли, сіяли,
Ой дідъ ладо, сіяли, сіяли.

Второй рядъ:

А ми просо витопчемъ, витопчемъ,
Ой дідъ ладо, витопчемъ, витопчемъ.
1-й А чимъ же вамъ витоптать?
2-й А ми коні випустимъ.

1-й А ми коні переймемъ.
2-й Да чимъ же вамъ переннять?
1-й Ой шовковимъ неводомъ.
2-й А ми коні викупимъ.
1-й Ой чимъ же вамъ викупить?
2-й А ми дамо сто рублівъ.
1-й Не треба намъ тисячи.
2-й А ми дамо дівчину.
1-й А ми дівчину візьмемо.

Вторая половина кричитъ:

«Нашого полку убуде, убуде!»

Первая:

«Нашого прибуде, прибуде».

Изъ втораго полка дѣвушка перебѣгаетъ въ первый, и это продолжается пока всѣ не перебѣгутъ.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 74—75*).

Или же поютъ:

1-й ключъ. Ой ми въ поле вийдемъ, вийдемъ,
Ой ми зъ ладомъ вийдемъ, вийдемъ.
2-й А ми нивку виоремъ, виоремъ,
Ой ми зъ ладомъ виоремъ, виоремъ.
1-й А ми проса насіемъ, насіемъ.
2-й А ми коні пустимо, пустимо.
1-й А ми коні займемо, займемо.
2-й А ми коні викупимъ, викупимъ.
1-й Ми на купчу неглянемъ, неглянемъ.
2-й Ми сто рублівъ кладемо, кладемо!
1-й На сто рублівъ не глянемъ, не глянемъ.
2-й Ми бабусю додамо, додамо.
1-й Ми бабусі не хочемъ, не хочемъ.
2-й Ми дівочку додамо, додамо.
1-й За дівочку ні слова, ні слова.
2-й Бувай дівка здорова, здорова!

При этомъ одна дѣвушка переходитъ въ первый ключъ, которому говоритъ:

Ідьте, ідьте до насъ!

А тѣ отвѣчаютъ хоромъ:

Нема короля дома,
Поіхавъ по дрова;

*

Пиво варити,
Сина женити,
Дочку давати,
Насъ на весілле звати!

(*Дни и Мѣс. Максимовича. Рус. Бѣс. 57 г. стр. 76*).

## 12.

## Романъ-Зілля.

Въ этой игрѣ хороводъ идетъ такимъ же образомъ, какъ и въ „кривімъ таньці“. Дѣвушки идутъ и поютъ:

### А.

1) Та Романъ зілля копає,
2) Та самъ ёго не знає;
3) Та понісъ ёго до ради,
4) До чоловічої громади.
5) А чоловіки ёго не знали,
6) Тай въ рученьки не брали.
7) Та Романъ зілля копає,
8) Тай самъ ёго не знає.
9) Понісъ ёго до ради,
10) До жіночої громади.
11) Жіночки ёго не знали,
12) Та й въ рученьки не брали.
13) Та Романъ зилля копає,
14) Тай самъ ёго не знає.
15) Понісъ ёго до ради,
16) До парубочої громади.
17) Парубочки ёго не знали,
18) Та й въ рученьки не брали.
19) Та Романъ зілля копає,
20) Та самъ ёго не знає.
21) Та понісъ ёго до ради,
22) До дивочої громади.
23) А дівочки ёго пізнали.
24) Та й въ рученьки забрали,
25) Та се зілля барвінець
26) Та буде дівкамъ на вінець.

### В.

1) Коло млина кремена,
2) Тамъ дівчина ходила,

3 Б = 1 А... копала, 4 Б = 2 А... не знала. 5 Б = 3 А Понесла..., 6 Б = 4 А. 7 Б = 5 А, 8 Б = 6 А Тай..., 9 Б = 9 А Понесла жъ... 10 Б = 16 А: 11 Б = 17 А, 12 Б = 18 А. 13 Б = 9 А Понесла жъ..., 14 Б = 10 А. 15 Б = 11 А, 16 Б = 12 А, 17 Б = 21 А Понесла жъ... 18 Б = 22 А; 19 Б = 23 А, 20 Б = 24 А И въ... узяли: 21 Б = 25 А... кадило,

22) Що по церкві ходило,
23) Исуса Христа водило.

(*Бытъ Подолянъ, Шейковскаго, стр. 12*).

### В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 А... вінъ... 3 В = 3 А, 4 В = 4 А... хлопьськоі... 5 В = 5 А А вони..., 6 В = 6 А. 7 В = 7 А, 8 В = 8 А; 9 В = 9 А, 10 В = 10 А До паненьськоі... 11 В = 23 А А паненкі..., 12 В = 24 А, 13 В = 25 А А то... барвінокъ,

14) Та паняночкамъ на вінокъ.

(*Żegota Pauli, стр. 20*).

## 13.

## Жона та Мужъ.

Внѣ круга ходитъ дѣвушка, представляющая собою мужа, съ кнутомъ въ рукѣ. Представляющая собою жену находится среди круга. Въ концѣ пѣнія мужъ врывается въ кругъ, а жена должна уходить, иначе онъ будетъ ее бить кнутомъ. Послѣ этого онѣ перемѣняются ролями. Во время игры поютъ:

1) Хто слихавъ,
2) Хто видавъ
3) Мою жінку на торзі?
4) Иди, жоно, до дому.
5) А ми іі видимо,
6) Тобі жони не дамо,
7) Иди, мужу, до дому.
8) Хто слихавъ и проч.
9) А ми іі ведемо,

10) Тобі жони не дамо.
11) Иди, мужу, до дому.
12) А я хліба напечу,
13) Свою жону вихвачу.
14) Иди, жоно, до дому.
15) А ми хлібъ поімо,
16) Тобі жони не дамо.
17) Иди, мужу, до дому.
18) А я книшівъ напечу,
19) Свою жону вихвачу,
20) Иди, мужу, до дому.
21) А ми книші поімо
22) Тобі жони не дамо.
23) Я калачівъ напечу,
24) Свою жону вихвачу.
25) А ми калачи поімо,
26) Тобі жони не дамо.
27) Иди, мужу, до дому.
28) Я перстенчикъ на палець,
29) Свою жону у танець,
30) Иди, жоно, до дому.
31) Ми перстенчикъ зломимо,
32) Тобі жони не дамо;
33) Иди, мужу, до дому.
34) Я колесо підкочу,
35) Свою жону вихвачу.
36) Ми колесо спалимо,
37) Тобі жони не дамо,
38) Иди, мужу, до дому.

(*Полонное, Новоградволынск. у.*)

## Б.

1 Б = 2 А, 2 Б = 3 А? 3 Б = 5 А.... виділи.

4) Собісьмо взяли.
5) Я горілки накуру,
6) Свою жену видуру.
7) Ми горілку випъемо,

8 В = 10 А. 9 Б = 23 А, 10 Б = 24 А. 11 Б = 25 А, 12 Б = 26 А. 13 Б = 28 А... покочу, 14 Б = 29 А... виклпчу.

15) Ми палець на палець,

16 Б = 32 А... кавалець.

17) Ой лісъ дубина,
18) Та не вирубана.
19) Якъ би дівчину любивъ,
20) То була бъ моя.

(*Полонное, Новоградволынск. у.*).

**В.**

1В=2А, 2В=1А, 3 и 4В=3А? 5В=3Б, 6В=4Б... ii

7) Я яблучко підкочу,

8 В = 14 Б.

9) Ми яблучко ізъімо,

10 В = 11 Б. 11 В = 2 А. 12 В = 3 Б.

13) Я грушечку підкочу,

14 В = 14 Б.

15) Ми грушечку изъімо,
16) Собі жону возьмемо.

17 В = 1 Б. 18 В = 3 Б. 19 В = 5 Б... наточу, 20 В = 14 Б. 21 В = 7 Б, 22 В = 8 Б.

(*Бытъ Подолянъ, Шейковскаго, стр. 31*).

## 14.

## Галка.

Дѣвушки становятся въ одинъ рядъ, который чѣмъ длиннѣе, тѣмъ красивѣе; двѣ дѣвушки, стоящія на одномъ концѣ, водятъ хороводъ: когда пропоютъ имя одной изъ дѣвушекъ, стоящихъ въ парѣ, то онѣ переходятъ съ одного конца на другой, поднимаютъ тамъ свои руки вверхъ дугообразно и подъ этой дугой проходятъ всѣ дѣвушки, одна за другой. Первая, проходящая подъ дугой, ведетъ танецъ, т. е. за нею идутъ всѣ дѣвушки вереницею. Когда всѣ пройдутъ, тогда державшія руки вверхъ, не опуская ихъ, дѣлаютъ полуоборотъ и потомъ останавливаются уже въ послѣднемъ ряду. Водившая же танецъ становится въ первый съ своею сосѣдкою, на мѣстѣ водившихъ хороводъ, и такимъ образомъ продолжаютъ играть по-очередно, пока всѣхъ переберутъ. При пѣніи пѣсни всѣ машутъ руками однообразно, пока не наступитъ очередь водить танецъ.

## А.

1) Ой галко, галко,
2) Золотая клюшнице!
3) Стань же намъ на помочъ:
4) Зъ молодими молодицями
5) Зъ красними дівчатами.
6) Ой галко чорна,
7) Чимъ не моторна,
8) Чому не ночуєшъ дома?
9) Галочка літає,
10) Парочки шукає.
11) А ти, Настусю, скочъ на кінець
12) А ти, Ганнусю, веди танець.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, стр. 315*).

## Б.

Ой галъ-галъ, чорна галочка!
Ой галъ-галъ, красна панночка!
Стань же намъ да до помочі,
Зъ хорошими, хорошими дівочками,
Зъ красними, красними панночками!
Ой ти, Марусю, скочъ на кінець;
А ти, Олесю, веди танець!

Или же играютъ еще такъ: нѣсколько „дівчатъ“ становятся въ рядъ, а двѣ напротивъ; 1-й рядъ „дівчатъ“ поетъ:

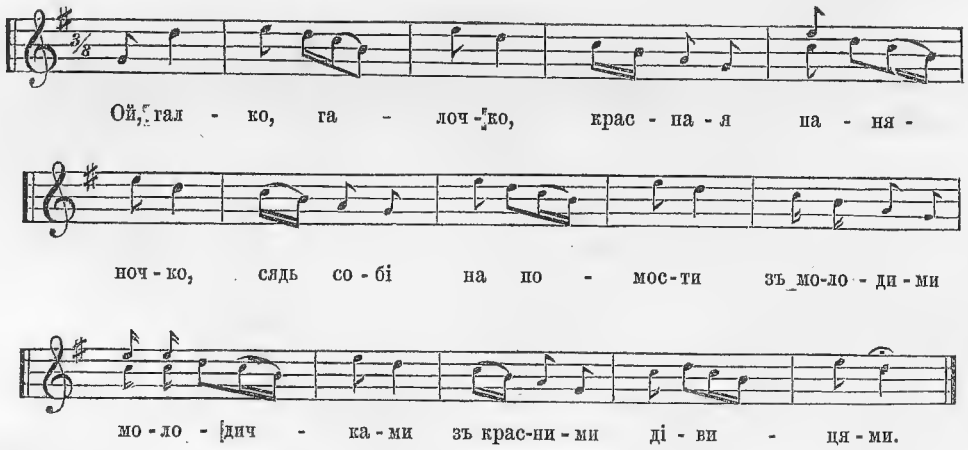


А ти, Марусю, скочь на конець;
А ти, Галочко, виводь танець.

Дѣвушка подаетъ знакъ къ танцу и остается на мѣстѣ, а остальныя подбѣгаютъ, образуютъ, около нея кругъ и поютъ:

Ой до нори, мишко, до нори,
Та до золотоі комори,
Що добрая мишка та утече,
А ледачий котикъ не дожене.

Послѣ окончанія этой пѣсни, „дівчина“, которая находилась въ срединѣ, бѣжитъ къ назначенному мѣсту, а одинъ изъ парубковъ (парубки составляютъ свой собственный кругъ) догоняетъ ее. Обыкновенно „дівчина“ старается быть пойманною.

*(Ждановка, Полтав. уѣз.)*

## 15.

## Воронъ.

Въ этой игрѣ дѣйствующія лица: воронъ, мать, „дівчина“ и дѣти. Впереди становится мать; дѣвушки, стоя за нею, берутъ крѣпко одна другую за плечи или за поясъ, а первая изъ нихъ берется за мать; эта первая называется „дівчина“, остальныя—дѣти. Онѣ, подъ покровительствомъ матери, идутъ къ ворону, который, сидя, роетъ палочкой землю. Начинается между ними и матерью разговоръ:

М. Вороне, вороне, що ти копаешъ?

В. Ямку.

М. На що?

В. Окропъ варить.

М. На що?

В. Твоімъ дітямъ очи заливать.

М. За що?

В. Я понапікувавъ, понаварювавъ, а вони прийшли, повиідали, листочками понакривали, тай пошли.

М. Чи правда, діти?

Дѣти. Неправда, неправда!

М. Окрутнуся двічи, тричи,
Чи всі мої діти?

Она ихъ пересчитываетъ, потомъ, видя, что воронъ хочетъ ихъ ловить, кричитъ: „гай, гай!“ Воронъ начинаетъ бѣгать, стараясь поймать послѣднюю;

мать бѣгаетъ такъ, чтобы быть впереди ворона, дѣти стараются, чтобы не онѣ, а мать была ближе къ ворону. Когда онъ поймаетъ одну, то уводитъ ее и сажаетъ отдѣльно; она уже не участвуетъ въ игрѣ; немедленно онъ принимается ловить слѣдующую и, поймавъ ее, отводитъ къ первой; такъ продолжается пока останется одна „дівчина“. Тогда воронъ садится и опять начинаетъ копать землю. Мать подходитъ къ нему съ дівчиною.

М. Вороне, вороне, що ти робишъ?

В. Ямку.

М. Я въ мене есть красна дівчина, та не вдаришъ!

Я Пійду на торжокъ, та куплю дівчині красне намисто.

В. А я вкраду.

М. А я тобі голову пробъю.

Дівчина. Вороне, вороне, де твоя каша?

В. На полиці.

Д. А я виімъ.

В. А я тебе киемъ.

М. Вороне, вороне що за тобою?

В. Макогінъ.

М. Бий же мою дівчину навздогінъ.

Дѣвушка бѣжитъ; воронъ за нею гоняется съ хлыстомъ и, если успѣетъ ударить три раза, то отводитъ къ дѣтямъ.

Тогда всѣ дѣти садятся рядомъ, „въ лаву“, берутъ другъ дружку за руки и крѣпко держатся; мать приходитъ и старается разнять у нихъ руки; та, которую она оторветъ отъ лавы, принадлежитъ ей; разумѣется, что дѣти нарочно поддаются; потомъ опять садятся въ лаву и опять сцѣпляются руками.

Послѣ того воронъ старается ихъ оторвать другъ отъ дружки по порядку; оторванная ожидаетъ конца. Когда всѣ перейдутъ во власть ворона, онъ ложится на землю ницъ; дѣти прячутся; мать не позволяетъ ему смотрѣть и послѣ онъ долженъ ихъ отыскать; тѣ, которыхъ онъ не отыскалъ, вправѣ его бить, пока онъ не пробѣжитъ подъ защиту ихъ матери и красной „дівчини“.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 71.*)

## Другий Воронъ.

Перше усёго вибірають ворона й матіръ зъ самихъ здоровішихъ изъ тіхъ, що думають гулять. Воронъ сіда, копае ямку. Мати становится передъ нимъ, а за нею старша дочка іі (вона зовется красна дівка), а потімъ уже другі дівчата, котрі называются дітьми. Всі берутся одно другому за поясъ и держятся міцно, щобъ не відирватись, якъ прийдется бігати. Якъ уси діти поберутся за пояси, до тоді мати й питае ворона:

„Вороне, вороне, що ти копаешъ?“

— Пічку, воронъ каже.

„На що?“

— Окріпъ гріти.

„На що?“

— Твоімъ дітямъ очи заливати.

„За що?“

— Щобъ капусти не псували.

„А ти обгороди, та кирпичинокъ наклади, та паличокъ, щобъ нікуди було пройти“.

— Кирпичинки й палички пооткидають, а сами таки улізуть.

„Вороне, вороне, дай води“.

— Схочъ? — до верби!

„Вовка боюся.“

— Устрель!

Мати наставляе палець, наче стреляе й справді, и каже: „пали!“

Тоді усі діти, скільки іхъ есть, кричять за нею: палі, палі!.. — А далі мати опъять просить у ворона води.

„Вороне, вороне, дай води“.

— Схочъ? — до верби!

„Гадюки боюся“.

— Вбий!

Мати й діти тупають ногами. Потімъ мати зновъ просить води.

„Вороне, вороне, дай води“.

— Схочъ? — до верби!

„Цвіркунъ упавъ“.

— Проціди.

Після цёго воронъ перестає копати пічку, плюне на ту паличку, котрою копавъ, и дає її матері; мати плює на паличку, а потімъ и всі діти, та й кидають її геть одъ себе. Тоді мати окрутнется зъ дітьми тай каже: „обвернуся, обкрутнуся, чи всі мої діти?

Воронъ усе сидить мовчки. Далі мати пита ёго:

Вороне, вороне, скільки ти наівся?“

— Ніскільки.

„Вороне, вороне, скільки ти напився?“

— Ніскільки.

„Вороне, вороне, скільки ти втомився?“

— Ніскільки.

„Вороне, вороне, а городокъ який?“

— Оттакий (и якъ скаже сее, пиднимає вверхъ руки, наче показує який за-ввишки).

„А въ мене отакісінький, та не перескочишъ“ (показує до земли руками).

Після сёго воронъ почина ловити дітей; турятся покіль поймає котрого небудь. Воронъ скільки зачепить дітей, стильки й бере: — розриватись імъ руками не можно.

Далі мати опъять питає:

„Вороне, вороне, скільки ти наівся?“

— Отъ стільки (показує рукою на поясъ).

„Вороне, вороне, скільки ти напився?“

— Отъ стільки (показує на груди, або-що).

„Вороне, вороне, а втомився скільки?“

— Отъ стільки (показує тамъ на горло, або-що).

„Вороне, вороне, а городокъ який?“

— Оттакий (опъять показує високо).

„А въ мене оттакий, та не перескочишъ (показує низько).

Воронъ почина зновъ ловити дітей и ловить, поки якого не схопить. За кожнимъ разомъ, якъ вінъ пійма, однакова у матері зъ нимъ розмова; тільки вінъ показує руками низше на її питання — скільки наівся, напився, втомився. Якъ переловить воронъ усіхъ дітей, опрічъ красної дівки, тоді становится, заложить руки назадъ, держучи паличку. Мати зъ красною дівкою підходить до ёго и почина розмовлять:

„Вороне, вороне, що за тобою?“

— Чортъ зъ бородою.

„А за мною красна дівка, да не вдаришъ.

Мати окручуется зъ дочкою, воронъ тежъ окручуется та й наровить ударить дочку (красну дівку).

Після мати опъять пита ворона:

Вороне, вороне, що за тобою?“

— Макогінъ.

„Біжи-жъ за моею дочкою навздогінъ!“

Сказавши сее, мати пускае дочку; дочка біжить, а за нею всі: мати, воронъ и діти, половлені ворономъ и всі ловлять дочку. Якъ поймають ії, то тоді усі туркають ій въ уші. Натуркавши дочці въ уші, тікае мати; за нею біжять всі и, якъ піймають, такъ само туркають, якъ и дочці. Після матері тікае воронъ, за нимъ біжять усі и роблять тежъ саме, що й тимъ робили и сімъ кончается играшка.

## 16.

## Кострубонько.

Въ срединѣ круга находится дѣвушка. При началѣ пѣсни она подходитъ къ какой нибудь изъ участвовавшихъ въ хороводѣ дѣвушекъ и говоритъ: „Христосъ воскресе!“ Та отвѣчаетъ ей: „воистину воскресе“.—Первая спрашиваетъ: „Чи не бачили ви мого Кострубонька“. Та отвѣчаетъ: „Пішовъ у поле орати“. Первая берется за голову; представляетъ будто плачетъ и начинаетъ пѣть, а хороводъ поддерживаетъ ее:

### А.

1) Бідна жъ моя головонько,
2) Нещаслива годиночко,
3) А що жъ бо я наробила,
4) Що Коструба не злюбила!
5) Прийди, прийди, Кострубочку!
6) Стану зъ тобою до шлюбочку,
7) А у неділю, у неділечку,
8) При раннёму сніданнячку!

### Б.

1 Б = 5 А! 2 Б = 6 А.

3) На травнику-білиску
4) И въ подертимъ сірочиску.

5 Б = 3 А... бідна учинила. 6 Б = 4 А Кострубонька...

(*Żegota Pauli, стр. 21, ч. 1*).

Во время пѣнія дѣвушка, находящаяся въ кругѣ, ходитъ съ поникшей головой, закрывъ глаза платкомъ или рукою. Когда кончится пѣніе, она подходитъ къ той же дѣвушкѣ, съ которою прежде разговаривала и опять заводитъ съ нею рѣчь.

„Христосъ воскресе".

„Воістину воскресе".

„Чи не видали мого Коструба?".

„Пішовъ у поле сіяти".

Тутъ происходитъ такая же сцена, какъ и прежде, и поютъ туже пѣсню и точно такъ же разговариваютъ; только на вопросъ о Кострубонкѣ отвѣчаютъ уже, что „Кострубъ лежить на полі слабий". Послѣ этого хороводъ опять поетъ. Такимъ же образомъ водятъ хороводъ и тогда, когда дѣвушкѣ скажутъ, что „Кострубъ уже умеръ" и „уже везуть на цвинтарь". Но когда она получитъ отвѣтъ, что „Коструба уже поховали", то вдругъ принимаетъ веселый видъ, плещетъ въ ладоши, топаетъ ногами, а хороводъ поетъ весело:

Хвалю тебе, Христе-Цару,
Що мій милий на цвинтару!
Ноженьками продоптала,
Рученьками приплескала,
А теперъ, мій Кострубоньку,
Не лай, не лай моєі мами,
Ти у глибокій уже ямі!

(*Бытъ Подолянъ, Шейковскаго. Ч. 1, стр. 23*)

## 17.

## Прісь.

Участвующіе въ этой игрѣ раздѣляются на двѣ группы: каждая группа представляетъ собою особую „Свашку". Первая группа или ключъ поетъ:

Прісь, Свашко, прісь!
Прісь, любко, прісь!
Твій синъ ледащиця:
Пішовъ дрова рубати,
На дровитню лігъ спати.

2-й ключъ.

Прісь, Свашко, прісь!
Прісь, любко, прісь!
Твоя дочка ледащиця:
Пішла хату замітати,
Підъ порогомъ лягла спати.

1-й ключъ.

Прісь, Свашко, прісь!
Прісь, любко, прісь!
Твій синъ ледащиця:
Пішовъ коні напувати,
Надъ водою лігъ спати.

2-й ключъ.

Прісь, Свашко, прісь!
Прісь, любко, прісь!
Твоя дочка ледащиця:
Пішла свинямъ їсти давати,
Тай въ барлозі лягла спати.

1-й ключъ.

Єдна качка печеная,
Друга качка варепая...
Суко стара!
Їжъ ти сама!

2-й ключъ.

Єдна жаба печеная,
Друга жаба варепая...
Суко стара!
Їжъ ти сама!

(*Бытъ Подолянъ, Шейковскаго. Ч. 1, стр. 33*).

## 18.

## Огірочки.

Дѣвушки берутся за руки и составляютъ цѣпь, вьющуюся на подобіе огурцовъ и поютъ:

**А.**

1) Ой вийтеся, огірочки,
2) А въ зелені пупляночки.
3) Грай, жучку, грай!
4) Ходить жучокъ по жучині,
5) А жучина по деревині.
6) Грай, жучку, грай!
7) Дайте, хлопці, околота,
8) Повеземъ жучка до болота.
9) Жучокъ плаче у болоті,
10) Дівки скачуть у золоті,
11) Грай, жучку, грай!
12) Чи ти, жучку, писка не маєшъ,
13) Що ти, жучку, ріско не граєшъ?
14) Грай, жучку, грай!

(*Полонное, Новоградволынск. у.*).

**Б.**

3) Тожъ ся въють (bis)
4) А другиі ся приглядають,
5) Чи хороше росцвітають.
6) Тоже цвітуть.

(*Бытъ Подолянъ, Шейковскаго. Ч. 1, стр. 13*).

**В.**

3 В = 3 Б Якъ, 4 В = 3 Б Якъ.
5) Тамъ ся баби бьють.

(*Полонное, Новоградволынск. у.*).

## 19.

## Діброванька (она же и дощечка).

Дѣвушки берутся по двѣ за руки, образуя изъ 4 рукъ параллелограммъ. Въ такомъ видѣ онѣ становятся въ рядъ такъ, что изъ этихъ параллелограмовъ, образованныхъ ихъ руками, выходитъ родъ доски. По этой доскѣ ходитъ маленькая дѣвочка „Настечка“. Хороводъ идетъ кругомъ церкви. Дѣ-

вушки, по рукамъ которыхъ уже прошла „Настечка“, постоянно переходятъ впередъ и опять подставляютъ руки. Въ продолженіи игры поютъ:

А вербовая дощечка, дощечка,
Тамъ ходила Настечка, Настечка;
Та цебромъ воду носила, носила,
Дібровоньку гасила, гасила.
Кілько у цебрі водиці, водиці,
Тілько дівкамъ правдиці, правдиці;
Кілько у цебрі дірочокъ, дірочокъ,
Тілько дівкамъ болячокъ, болячокъ.
Що ступлю, то улуплю...
Навару я каши.
Що у тій каши?
Грудочки масла.
Хто іі буде істи?
Дівочки, дівочки.
А вербовая дощечка, дощечка;
Тамъ ходила Настечка, Настечка;
Решетомъ воду носила, носила,
Дібровоньку гасила, гасила.
Кілько у решеті водиці, водиці,
Тілько парубкамъ правдиці, правдиці.
Кілько у решеті дірочокъ, дірочокъ,
Тілько парубкамъ болячокъ, болячокъ.
Що ступлю, то улуплю...
Навару я каши.
Що у тій каши?
Червяки, червяки,
Хто іі буде істи?
Парубки, парубки,
А вербовая дощечка, дощечка,
Тамъ ходила Настечка, Настечка... и т. д. до конца.

(*Gry i zabawy Gołębiowskiego, str. 67 и Бытъ Подолянъ Шейковск. стр. 15*).

## 20.

## „Дурне колесо“ или „укравъ ріпки“.

Дѣвушки берутся за руки и составляютъ кругъ. Двѣ изъ нихъ поднимаютъ руки, обращаются спиною другъ къ другу и въ парѣ бѣгутъ въ противуположныя стороны; за ними слѣдуютъ ихъ сосѣдки. Прежде онѣ составляли кругъ лицомъ къ лицу, теперь составится кругъ спина къ спинѣ; такъ

какъ бѣжать такимъ образомъ неловко, то нѣкоторыя вырываются изъ круга, другія попадаютъ къ нимъ, хоръ обращается съ пѣніемъ:

**А.**

1) А що, вкрали ріпки?
2) Полетіли дітки?

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 73*).

**Б.**

1 Б = 1 А А вкравъ...? 2 Б = 2 А... къ чорту...

3) Хто одирвется,
4) Тому не минется.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, стр. 319*).

## 21.

## Хрещикъ.

Въ эту игру большею частью играютъ однѣ дѣвушки.

Участвующихъ въ игрѣ должно быть непремѣнно нечетное число. Играющіе становятся по парно на-крестъ — одна пара противъ другой. Когда всѣ станутъ, дѣвушка, оставшаяся лишнею, подбѣгаетъ и становится возлѣ какой ей угодно пары играющихъ. Одна изъ дѣвушекъ той пары, къ которой присоединилась оставшаяся, увидѣвъ присоединившуюся къ нимъ дѣвушку, уходитъ къ другой сосѣдней или противуположной имъ парѣ. Дѣвушка оставшаяся нечетною, должна ловить бѣгущую; если поймаетъ, то пойманная занимаетъ ея мѣсто, а поймавшая становится въ пару на мѣсто пойманной.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

---

Стають одна, або кілько тамъ паръ — одна за другою; проти іхъ становится особливо пара. Перша пара изъ тиеі лави разбігается обіручъ відъ особливоі, а ця повинна кого небудь изъ неі піймати. Ця особлива пара зовется рòбами. Якъ рòби піймають кого небудь изъ утікачівъ, або хочъ доторкнутся до ёго, то ті поймані становлятся рòбами, а бувші рòби у лаву, а якъ ні, то утікачі стають у лаву, изъ котороі тіка друга пара.

## 21.

### Царенко.

Нѣсколько дѣвушекъ, взявшись за руки, становятся въ рядъ; противъ нихъ становятся особо двѣ дѣвушки. Однѣ другимъ кланяясь, поютъ поочередно; послѣднія двѣ дѣлаютъ начальное предложеніе, а хороводъ отвѣчаетъ.

— Царівно, мостіте мости,
Ладо моє, мостіте мости. *)
«Царінку, вже й помостили».
— Царівно, ми ваши гості.
«Царенку, зачимъ ви, гості?»
— Царівно, за дівчиною.
«Царенку, за которою?»
— Царівно, за старшенькою.
«Царенку, старшенька крива».
— Царівно, такъ ми й підемо.
«Царенку, такъ вернітеся».

— Царівно, мостіте мости.
«Царенку, вже й помостили».
— Царівно, ми ваши гості.
«Царенку, зачимъ ви, гості?
— Царівно, за дівчиною.
«Царенку, за которою?»
— Царівно, за підстаршою.
«Царенку, підстарша сліпа».
— Царівно, такъ ми й підемо.
«Царенку, такъ вернитеся».

— Царівно, мостіте мости.
«Царенку, вже й помостили».
— Царівно, ми ваши гості.
«Царенку, зачимъ ви, гості?»
— Царівно, за дівчиною.
«Царенку, за которою?»
— Царівно, за меньшенькою.
«Царенку, такъ не зряжена».
— Царівно, такъ ми й зрядемо.
«Царенку, вже жъ ми й зрядили».
— Царівно, такъ ми й візьмемо.

---

*) Послѣ каждаго стиха.

При послѣднемъ стихѣ отдѣльно стоящія дѣвушки, сомкнушись, поднимаютъ руки вверхъ, а подъ ихъ руками хороводъ пробѣгаетъ вереницей; изъ хоровода послѣдняя дѣвушка остается при первой парѣ.

Послѣ этого снова повторяется прежняя пѣсня до тѣхъ поръ, пока дѣвушки, до послѣднихъ двухъ, перейдутъ къ начальной парѣ, такимъ же порядкомъ, какъ и первая.

(*Черноморье*).

## 23.

## Коза.

Въ началѣ игры избирается обыкновенно болѣе ловкая дѣвушка, которая и получаетъ названіе козы. Ее подводятъ дѣвушки къ стѣнѣ, а сами усаживаются немного поодаль и смѣются надъ нею. Иныя передразниваютъ ее козьимъ голосомъ, а другія кричатъ: Коза, коза, бя-а! Она сердится, топаетъ ногами и грозитъ переколоть всѣхъ. Послѣ разныхъ насмѣшекъ заводятъ съ ней разговоръ. Гладятъ ее по спинѣ и спрашиваютъ: „Коза, коза, де ти була?“ „Травку іла“. „Чого сюди прийшла?“ „Одпочити“. — Послѣ этого слова дѣвушки должны бѣжать; она гоняется за ними и пойманная занимаетъ ея мѣсто.

Въ этой игрѣ приговариваютъ:

Я коза дереза,
Півъ бока луплена,
За копу куплена.
Тупу, тупу ногами,
Сколю тебе рогами,
Лапками загребу,
Хвостикомъ замету,
Бррру....

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, стр. 44—45*).

---

Стулить руку, а підійме тільки два пальці: мизинець и показуючий, замісьть ріжківъ, и примовля:

Коза, коза рогата
Коза, коза багата,
Бе-е . . .

Наближуе пальці ті до дитинки и лоскоче ёго підъ ручками. Воно сміется.

## 24.

### Виступець.

Дѣвушки, при пѣніи каждаго двустишія, идутъ широкимъ кругомъ. Во время припѣва онѣ въ припрыжку устремляются то въ средину круга, направивъ кулаки впередъ, чтобы столкнуться, то подаются назадъ.

Ой на ставку, на ставку,
Поймавъ сокілъ ластовку.
Виступцемъ,
Видробцемъ.
Пане Вишневецький,
Воевода кгрецкий,
Да виводь танчокъ по німецький.

Просилася Настуся
Въ молодого Петруся:

«Пусти мене въ таночокъ,
Погуляти до дівочокъ».

— Тоді тебе я пущу,
Якъ косоньку роспущу».

*(Дни и Мѣс. Максимовича. Рус. Бѣс. 56 г. стр. 75, ч. 4).*

## 25.

### Чи диво, чи не диво.

Хороводъ идетъ такъ же, какъ и въ кривомъ танцѣ и поетъ:

Чи диво, чи не диво,
Пишли дівки на війну.
Чи диво, чи не диво, *)
Молодиці за ними,
А парубки и собі.

Чи диво, чи не диво,
Надибали дівки три города,
А жіночки три ліски,
А парубки три млинки.

Чи диво, чи не диво,
Пішли дівки на вино,

*) Этотъ припѣвъ повторяется послѣ каждаго стиха.

Молодиці за ними,
А парубки и собі.

Чи диво, чи не диво,
Сидять дівки за столомъ,
Молодиці предъ столомъ,
А парубки підъ столомъ.

Чи диво, чи не диво,
Пъють дівки медъ-вино,
А жіночки горілку,
А парубки помийки.

Чи диво, чи не диво,
Ідять дівки калачи,
Молодиці буханці,
А парубки сухарці.

Чи диво, чи не диво.
Беруть дівки китайки,
Молодиці серпанки,
А парубки каглянки.

(*Бытъ Подол. Шейковскаго, стр. 29*).

## 26.

## Пъянний синъ.

Дѣвушки образуютъ кругъ; въ кругъ входятъ двѣ „дівчини“. Одна изъ нихъ — „синъ“, другая — его „жона“; онѣ, обнявшись, ходятъ въ кругу и выбираютъ изъ круга „дівчатъ“ себѣ родню. Подходятъ къ какой либо дѣвушкѣ и, кланяясь ей, поютъ:

Оце буде наша матінка.
Гей я молодець, переборець!

Дѣвушки же, образующія кругъ, всѣ молчатъ; потомъ находящіяся въ кругу подходятъ къ другой „дівчині“ и поютъ опять:

Оце буде нашъ батько.
Гей я молодець, переборець!

Потомъ такимъ же образомъ выбираютъ: „свекра, свекруху, брата, сестру, дядька, дядину, тітку“ и т. д. Выбранная родня остается на своихъ мѣстахъ. Тогда находящіяся въ кругѣ притворяются пьяными, подходятъ къ каждому въ прежнемъ порядкѣ и, давая „дулю“ (шишъ), поютъ:

Оце тобі, батьку,
Дулю на!

И такъ всѣмъ „по дулі“.

Подходя снова къ „батеньку“, кланяются и поютъ:

Прости, батеньку, не гнівайся,
Я вчора пъяний бувъ, збезумівся.
Гей я молодець, переборець!

Такимъ образомъ извиняются передъ всей выбранной родней.

(*Великіе Снитинки, Васильковскаго уѣзда*).

## 27.

## Яворикъ.

Коло млина, млина,
Тамъ дівчина ходила.
Яворе-яворику,
Тонкий, зелененький!

Ажъ тамъ вийшло
Три місяця яснихъ,
Три парубки краснихъ.
Яворе, яворику,
Тонкий, зелененький!

А жъ тамъ вийшло
Три зіроньки яснихъ —
Три дівчини краснихъ.
Яворе, яворику,
Тонкий, зелененький!

При пѣніи этой пѣсни хороводъ идетъ, какъ и при пѣніи „Романъ-зілля“.

(*Бытъ Подолянъ Шейковскаго, стр. 15*).

## 28.

## Звонъ.

Дѣвушки становятся въ кругъ, держась за руки, а одна идетъ въ середину. Та, которая въ кругѣ, налегаетъ на руки составляющимъ кругъ для

того, чтобы его разорвать и, налегая, говоритъ: „бовъ!“ до тѣхъ поръ, пока не разниметъ чьихъ либо рукъ; тогда пускается бѣжать, а всѣ ее ловятъ и поймавшая становится на ея мѣсто.

(*Борисполь, Полтавской губ. Переяславскаго уѣзда*).

## 29.

## Тикало.

Участвующія въ игрѣ дѣвушки садятся въ кругъ, а одна ходитъ кругомъ и толкаетъ палочкой каждую изъ сидящихъ и которой нибудь броситъ въ „пелену“ (подалъ) эту палочку. Другая же дѣвушка отгадываетъ, въ которую „пелену“ брошена палочка. При этомъ поютъ:

Май, май!
А ти, Тимошко,
Тикало вгадай.

Одна изъ дѣвушекъ подходитъ къ той, у которой, какъ ей кажется, есть „тикало“ и поетъ:

А ти знай, знай;
Тикало отдай.

Если она угадаетъ, то дѣвушка, у которой было „тикало“ заступаетъ ея мѣсто.

(*Борисполь, Переяславскаго уѣзда*).

## 30.

## Дробушка.

Двѣ дѣвушки берутся крѣпко за руки, ноги ихъ должны быть вмѣстѣ, руки по возможности вытягиваютъ впередъ и, быстро кружась, поютъ:

### А.

1) Дробу, дробу, дробушечки,
2) Наівшися петрушечки,
3) Наівшися лободи,
4) Гала, гала до води!

### Б.

3 Б = 4 А Гиля, гиля..., 4 Б = 3 А.

(*Бытъ Рус. Нар Терещенко. Т. 4, стр. 319—320*).

Съ этими словами какая нибудь выпускаетъ изъ своихъ рукъ руки своей подруги и одна изъ нихъ непремѣнно падаетъ.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 73*).

## 31.

## Гробъ.

Въ этой игрѣ участвуютъ шестеро. Одна пара стоитъ посреди, а двѣ по бокамъ. Пары, стоящія по бокамъ, обѣгаютъ кругомъ, а средняя пара ловитъ ихъ.

(*Борисполь, Переяславскаго уѣзда*).

## 32.

## Козликъ.

Allegretto.

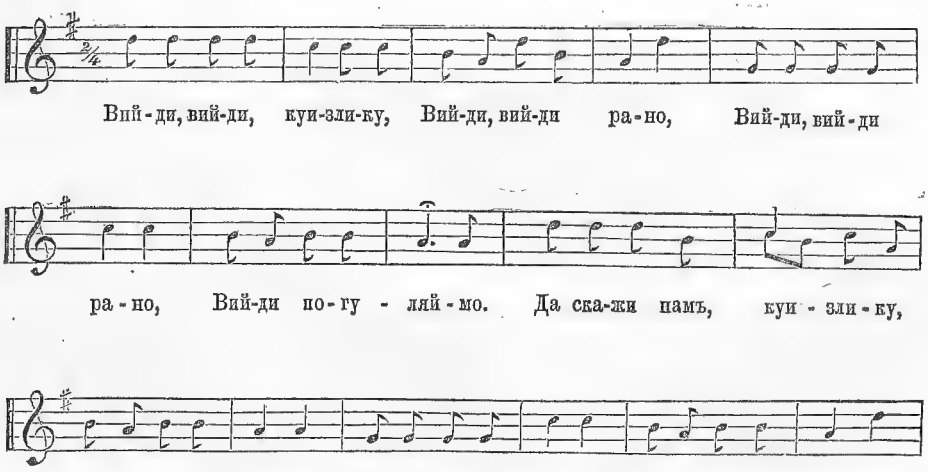

Poco più mosso.

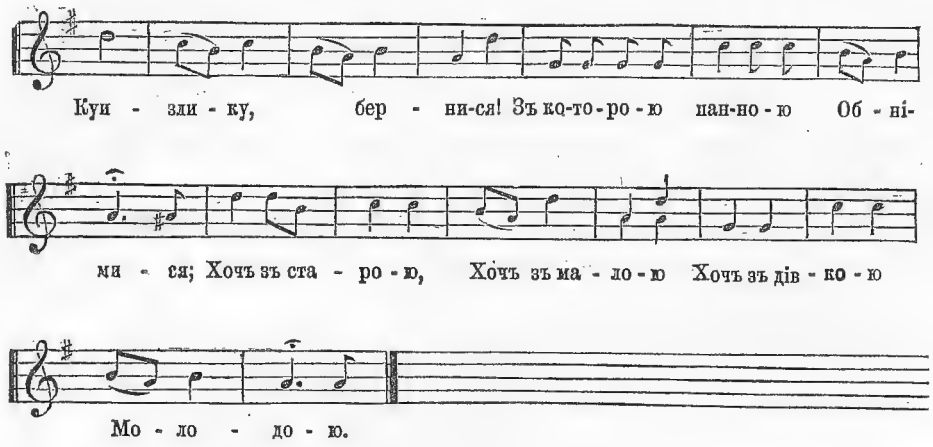


Эту пѣсню поютъ, взявшись зе руки и образуя такимъ образомъ кругъ.

(*Борисполь, Переяславскаго уѣзда*).

## 33.

### Нѐлюбъ.

Въ этой игрѣ участвуютъ и „парубки“ и дѣвушки. Одна изъ дѣвушекъ, — „отаманша“, — т. е. та, которая смотритъ за порядкомъ въ игрѣ, садится на землѣ съ которымъ нибудь изъ „парубківъ“; а всѣ прочіе, участвующіе въ игрѣ, взявшись за руки, ходятъ вокругъ сидящей на землѣ и поютъ:

«Ой якъ, якъ миленькому постіль слати?»

Сидящая въ кругѣ дѣвушка, снявши съ себя платокъ, разстилая его, поетъ:

«Ой такъ, такъ,
Ой такъ, такъ».

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ миленького посадити?»

Отаманша, выбравъ какого нибудь „паробка“, сажая его возлѣ себя, отвѣчаетъ:

«Ой такъ, такъ,
Ой такъ, такъ».

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ коло миленького сісти?»

Отаманша, садясь около „паробка“, отвѣчаетъ:

«Ой такъ, такъ,
Ой такъ, такъ».

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ, милого обняти?»

Отаманша обнимаетъ „паробка“ и поетъ:

«Ой такъ, такъ,
Ой такъ, такъ».

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ миленького ціловати?»

Отаманша цѣлуетъ „паробка“, повторяя.

Ой такъ, такъ, (bis)

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ одъ милого встати?»

Дѣвушка встаетъ отъ паробка тихо, показывая тѣмъ, что ей не хочется съ нимъ разставаться и поетъ:

«Ой такъ, такъ (bis)

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ милого підвести?»

Отаманша поднимаетъ паробка:

«Ой такъ, такъ, (bis)

Хороводъ:

«Ой якъ, якъ зъ миленькимъ розставаться?»

Находящаяся въ кругѣ, поцѣловавшись нѣсколько разъ съ паробкомъ, поетъ:

Ой, такъ, такъ (bis).

Поцѣловавшись, дѣвушка и паробокъ выходятъ изъ круга, а на ихъ мѣсто идетъ другая дѣвушка выбранная той, которая была въ кругѣ прежде. Эта послѣдняя подобно первой, садится на землѣ и играющіе поютъ ей тоже, что и первой, съ тою только разницей, что вездѣ слова „миленькій“ замѣняется словомъ — „нелюбъ“. Повторяется все то, что и прежде, но во всѣхъ

движеніяхъ своихъ, во всѣхъ своихъ отношеніяхъ къ сидящему паробку, дѣвушка старается высказать свое отвращеніе, старается по мѣрѣ возможности третировать его, какъ человѣка, котораго она равнодушно и безъ омерзенія не можетъ видѣть. И наконецъ, когда хороводъ пропоетъ: „Ой якъ, якъ зъ нелюбомъ розставаться?“ она, плюнувъ передъ паробкомъ на землю, а иногда и въ глаза ему и, уходя изъ круга, поетъ:

Ой такъ, такъ (bis).

Этимъ игра и кончается.

(*Полонное, Новоградволынскаго, Вел. Снитинки Васильковскаго у.*).

## 34.

## Щітка.

Молодые люди обоего пола берутся за руки. Крайняя дѣвушка стоитъ неподвижно, всѣ остальные ходятъ вокругъ нея и, мало по малу, она обвивается молодежью, послѣ чего она начинаетъ бѣгать въ срединѣ этой скучившейся группы и поетъ:

### А.

1) Щітка маленька,
2) Де твоя ненька?
3) «На маковці сиділа,
4) Дрібенъ мачокъ дзюбала».
5) Дзюбъ, дзюбъ дзюбанецъ,
6) Ходи, дівко, у танець,
7) А за нею молодець:
8) «Не йди, дівко, у танець».

Пропѣвъ, она становится поодаль и слѣдующая за ней повторяетъ тоже, и т. д. пока, наконецъ, послѣдняя не станетъ первою, а пѣвшая станетъ щіткою.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 74*).

### Б.

2Б=2А повідай...? 6Б=6А Ходить дівка..., 8Б=8А... Ходи...,

9) Лихо-біда підъ кінець.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко часть 4, стр. 316*).

Или еще играютъ такъ: когда дѣвушка пропоетъ пѣсню, выходитъ изъ круга „паробокъ“ и, подходя къ каждой дѣвушкѣ говоритъ:

„Горю, горю, пень!“

Та спрашиваетъ его:

„Чого ти горишъ?“

„Щітки, гребінки, красноі пані“.

„Якоі?“

„Тебе, молодоі!“

При этомъ словѣ дѣвушка выбѣгаетъ изъ круга, а паробокъ бросается ловить ее. Если поймаетъ, то она становится въ кругъ, а если нѣтъ, то становится онъ вмѣсто бѣгавшей по кругу.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть 4, стр. 316—317*).

## 35.

## Продажне дитя.

Играющихъ должно быть нечетное число парней и дѣвушекъ. Играющіе становятся въ кружокъ попарно и одинъ изъ каждой пары садится, а другой становится у него за спиной. Сидящіе называются дѣтьми, а стоящіе продагухами, лишній, участвующій въ игрѣ, покупателемъ. Когда играющіе усядутся въ порядкѣ, покупатель подходитъ къ первой парѣ и спрашиваетъ: „продажне дитя?“ Продагуха на первый разъ отвѣчаетъ: нѣтъ. Тогда онъ подходитъ къ другой парѣ, гдѣ на вопросъ: „продажне дитя?“ слышитъ тотъ же отвѣтъ. Къ которой парѣ не подойдетъ — вездѣ получаетъ отрицательный отвѣтъ. Обошедши весь кругъ и получивши отказъ отъ всѣхъ продагухъ, покупатель вторично подходитъ къ первой парѣ съ тѣмъ же вопросомъ: „продажне дитя?“ Продагуха на этотъ разъ отвѣчаетъ: „продажне“. При этомъ словѣ покупатель и продагуха разбѣгаются вокругъ круга, причемъ покупатель и продагуха спѣшатъ занять пустое мѣсто возлѣ проданнаго дитяти. Если скорѣе займетъ мѣсто покупатель, то онъ дѣлается продагухой, а продагуха — покупателемъ; а если продагуха, — то оба остаются въ прежнихъ обязанностяхъ.

(*Полонное, Новоградволынскаго уѣзда*).

Нѣсколько дѣтей, сидя на землѣ, держатъ на рукахъ ребенка. Два или три мальчика, представляютъ собою купцевъ и, подходя къ продавцамъ, спрашиваютъ: „що хочешъ за дитину? — Сімъ кіпъ и сніпъ, и клубокъ валу, щобъ тобі дорогу засновало“. Тогда покупатель хватаетъ ребенка и, уходя, кричитъ: „а я дамъ клубокъ валу, щобъ тобі дорогу засновало, лемішъ и чересло, щобъ тебе въ очеретъ занесло.

(*Проскур. у.*).

## 36.

## Горошокъ.

Дѣвушки и парни берутся за руки и ходятъ вокругъ церкви; чѣмъ больше играющихъ, тѣмъ хороводъ красивѣе. Задній конецъ хоровода начинаетъ виться подъ руки и становится въ началѣ хоровода, а конецъ опять начинаетъ виться горохомъ.

(*Бытъ Подолянъ Шейковскаго, стр. 14*).

Въ этомъ хороводѣ участвуютъ дѣти, дѣвушки и парни.

(*Ушицкій у., с. Браиловъ*).

Они поютъ:

### А.

1) Вийся, горошку, въ три стручки!
2) Въ три стручки!
3) А роди, Боже, въ штири,
4) Въ штири!
5) Щобъ тебе черви не точили,
6) Не точили!
7) Щобъ ся парубки женили,
8) Женили!

(*Ушицкій, с. Браиловъ*).

### Б.

Б1 = 1 А...два..., 2 Б = 2 А... два..., 3 Б = 3 А..., чотирі..., 4 Б Чотирі, 5 Б = 7 А, 6 Б = 8 А.

7) Та насъ на весілля просили,
8) Просили.

(*Бытъ Подолянъ Шейковск., стр. 14*).

Посіявъ я горошокъ на зеленій нивці,
Купивъ же я черевички своій чорнобривці;
Ще й горошокъ не зійшовъ, тилько лободочки,
Витоптала жъ черевички, тилько запяточки.
Ой дівчино, чия ти? чи вийдешъ ти на улицю гуляти?
Не питайся чия я, коли вийдешъ — вийду й я!
Коли ходишъ, то ходи; коли любишъ, то люби!
Не зводь мене изъ ума, коли думки нема.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко. Т. 4, стр. 317*).

## 37.

## Толо.

Нѣсколько дѣвушекъ и парней садятся на землѣ въ тѣсный кружокъ, а кто либо изъ играющихъ садится посрединѣ ихъ, нагнувшись головою къ самой землѣ. Всѣ играющіе кладутъ на спину нагнувшагося свои руки, и потомъ одинъ изъ парней или одна изъ дѣвушекъ, взявъ чей либо перстень, поетъ:

Ой толо, толо золоте перо!
Да було собі толо зъ квітками,
Ступаючи на перину зъ дівками;
Да думай же, толо, да гадай, толо —
На чиій руці на мережанці,
Перстень упавъ?

Кладетъ кому либо на руку перстень, а нагнувшаяся дѣвушка или парень должны отгадать, на чью руку онъ положенъ. Если же не отгадаетъ, то прежняя дѣвушка поетъ:

Не вгадала Анна-панна
Пресличная Анна-панна,
На чиій руці, на мережанці,
Перстень упавъ!

Потомъ снова начинаетъ пѣть прежнее:

Ой толо, толо и т. д.

Послѣ опять кладетъ перстень и это продолжается до тѣхъ поръ, пока нагнувшаяся не отгадаетъ. Когда, наконецъ, отгадаетъ, на чью руку былъ положенъ перстень, тогда она встаетъ, а ея мѣсто занимаетъ отгадавшая и такимъ образомъ играютъ, пока не наскучитъ.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть 4, стр. 317—318.*)

Поютъ также:

Гадай, думай,
Красная панно,
На чиїй руці
Золотий перстень?

Въ концѣ пѣсни одна изъ дѣвушекъ придавитъ чей нибудь палецъ. Если лежащая отгадаетъ чей это палецъ, то та, чей палецъ былъ придавленъ, ложится на ея мѣсто.

(*Борисполь, Переяславскаго уѣзда*).

## 38.

## Ящуръ.

Дівчата образуютъ кругъ, въ серединѣ котораго садится парубокъ; дівчата начинаютъ кружиться, а парубокъ долженъ, сидя, ловить назначенную имъ самимъ „дівчину“.

Дівчата поютъ:

Сиди, сиди, Ящуре,
Горохвяний вінку!
Піймай собі жінку,
Якъ перепілку.
Якъ піймаєшъ.
Обдерешъ,
Собі кожухъ
Пошиєшъ!
Завтра поранку
Викопаємъ ямку,
И попа приведемъ,
И у ямочку загребемъ.

(*Ждановка, Полтавск. у.*).

## 39.

## Жгутъ.

Играютъ по большей части одни парни. Они садятся на землю въ тѣсный кружокъ, поднимаютъ колѣни и передаютъ подъ колѣнями другъ другу жгутъ. Одинъ изъ парней, сидящій на ногахъ кого либо изъ играю-

щихъ, ищетъ жгутъ. Передающіе жгутъ приговариваютъ: „Ший, пошивай!“ и, обманувъ ищущаго, бьютъ его жгутомъ по спинѣ, стараясь при этомъ ударить такъ, чтобы тотъ не узналъ, кто именно ударилъ. Онъ бросается въ ту сторону, въ которой показался жгутъ; но жгутъ уже успѣли передать дальше и ищущій опять получаетъ ударъ. Если онъ успѣетъ у кого либо поймать жгутъ, то онъ бьетъ имъ виновнаго по спинѣ, садится на ноги кому либо изъ играющихъ и игра продолжается въ прежнемъ порядкѣ.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко. стр. 86, Т. 4.*)

---

Жгутъ вживаетьця тільки тоді, якъ грають у карти, примірно, у „дурня“. Скільки зостанеться у дурня картъ, стільки разъ бъють ёго жгутомъ по руці, приказуючи:

Жарти, жарти,
Не гуляйте въ карти;
А будете гуляти,
Будемо за чубъ драти.

## 40.

## Пропихачъ.

Играющихъ должно быть четверо. Двое стоятъ, держась за руки, поднявши ихъ вверхъ, а двое другихъ „мати“ и „пропихачъ“ — стоятъ въ сторонѣ. Мать подводитъ „пропихача“, толкаетъ его въ ворота, образованныя поднятыми руками другой пары, и кричитъ:

„По за Уляною, да до мене!“

Тѣ, пропустивъ его подъ руками, бѣгутъ сами за нимъ, желая поймать его. Если поймаютъ, такъ уже эта пара занимаетъ мѣсто первой, а если не поймаетъ, и мать и „пропихачъ“ сбѣгутся вмѣстѣ, тогда игру они начинаютъ снова.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*)

## 41.

## Скраклі.

Въ скракли играютъ и мальчики и паробки. Для этой игры употребляются небольшія палочки толщиною въ 1 или 1 ½ верш., а длиною въ 4 или

5 верш., палочки эти называются „скраклі“. У каждаго играющаго такихъ палочекъ должно быть не менѣе 4 и не болѣе 5. Кромѣ скраклей, каждый играющій долженъ имѣть по большой палкѣ въ аршинъ длиною. Чертятъ два круга на разстояніи нѣсколькихъ саженей одинъ отъ другаго. Очерченныя мѣста получаютъ названіе города. Въ кругахъ этихъ ставятъ скракли. Для того чтобы рѣшить, кому прежде начинать игру, мѣряются на палкѣ. Производится это слѣдующимъ образомъ: одинъ изъ участвующихъ беретъ палку за конецъ; за нимъ беретъ ту же палку второй играющій, помѣщая свою руку плотно къ рукѣ перваго, за нимъ третій и т. д. Чья рука будетъ сверху, тотъ начинаетъ игру. Онъ идетъ въ кругъ, въ которомъ находятся его скракли и съ черты своего круга бросаетъ палку на скракли своего товарища, причемъ старается бросить такъ, чтобы выбить какъ можно больше скраклей. Такимъ образомъ поочередно выбиваютъ скракли другъ у друга. Кто первый выбьетъ всѣ скракли изъ города, тотъ выигрываетъ и проигравшій возитъ его на спинѣ 8 или 10 разъ отъ города къ городу.

*(Полонное, Новоградволынскаго уѣзда и Ушицкаго уѣзда Подольской губерніи).*
*(Бытъ Русск. Нар. Терещенко. стр. 64—65, Т. 4).*

## 42.

## Склянъ.

„Склянъ“ есть деревянный отрубокъ, заостренный съ одного конца и плоскій съ другого. Заостреннымъ концомъ вбиваютъ его слегка въ землю. Всѣ участвующіе въ игрѣ собираются около этого „скляпа“ и отсюда бросаетъ каждый свою палку по извѣстному направленію. Потомъ каждый отправляется къ тому мѣсту, гдѣ упала его палка и игра начинается. Обыкновенно первымъ начинаетъ тотъ, чья палка при бросаніи падаетъ далѣе. Онъ поднимаетъ свою палку и швыряетъ ее, стараясь попасть въ „склянъ“. Сбивши „склянъ“, онъ ставитъ его на томъ мѣстѣ, гдѣ онъ упадетъ. Случается, что товарищу достается бить изъ такого далекаго мѣста, что онъ едва можетъ дошвырнуть туда свою палку. Все искусство въ этой игрѣ состоитъ въ томъ, чтобы издали сбить „склянъ“.

*(Бытъ Рус. Нар. Терещенко. стр. 65).*

Въ Полтавской губерніи эта игра называется „кглекгъ“. Обрубокъ не заостренъ.

## 43.

### Гуркало.

На шворочку навъязують тоненьку дощечку; беруться за гулящий кінець шворки и махають рукою округи: дощечка густиме та гуркатиме. Або беруть кістку зъ гусячого крила або зъ ноги, провірчують її посередині свердельцемъ и втягують въ цю дірочку шворочку и конці звязують, потимъ ростягують и скручують всю шворочку; беруться руками за конці и смикають — то натягнуть, то попустять, то воно й гурка.

## 44.

### Походеньки.

Се не играшка, а шуткованнє. Посилають кого недогадливого пітти тамъ до якого сусіди просити „походеньки“! Той догадається, що шуткують, та пошле посланця далі, а иноді пошле Богъ зна куди. „У мене її взявъ такий-то“, тай турне на край села, або що. Другий пошле до третёго, а той ще куди, — та такъ и туряють, поки хто поверне посланця назадъ, ростолкувавши ёму, що вінъ уже чимало походивъ, то-то́ и є „походеньки“.

## 45.

### Играшка у калача.

Збірається скілько тамъ дітей. Одно ляга ниць, а ті усі присідають кругъ ёго; кожне кладе по одному пальцеві на спину у того, що лежить, у кружокъ до купки. Отъ одно изъ ціхъ, що положили пальці, доторкується злегенька кільцемъ, котре держить у другій руці, до кажного положеного на спину пальця, нибі то що лічить и приспівує:

Угадай, Ганно,
Приличная панно,
На чиій руці,
На мереженці
Перстень упавъ.

Тай пита: лежачого „на чиій?“ Значить на чиімъ послідніимъ пальці стало

*

кільце, зъ словомъ: „упавъ“. Якъ не вгада, то упъять такъ же доторкується кільцемъ до пальцівъ и співа:

Не вгадала Ганна,
Приличная панна,
На чиій руці,
На мереженці
Перстень упавъ.
Бухъ, бухъ, та калачъ,
Та встань, та не плачъ.

При послідніхъ словахъ „Бухъ, бухъ!“... усі бъють злегенька кулачками лежачого въ спину, а воно спішить схопиться. Тоді ляга те, у кого на руці упавъ перстень. Усі обсідають ёго, кладуть пальці и упъять приспівують тежъ саме.

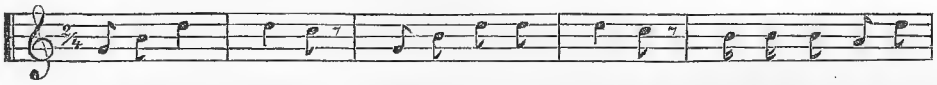


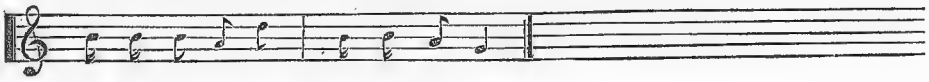


## 46.

## У рожи.

Сідають дівчата рядкомъ на присті; одну назначять бути рожою старою, а другу яку — рожиною дочкою. Одна яка дівчина ходе біля цёго ряду та й пита кажну: „Ти рожина дочка?“ Та відказуе: „ні“. Якъ надиба вона справжню дочку, то та ій відказуе:

«Я рожина дочка,
Якъ паняночка».
— Де твоя мати?
«У світлиці на скамииці
Вінки въе,
Горілочку пъе,
Піди — й тобі дасть.

Тоді та, що питала, підходить до матері, старої рожі, и питае: „Ти рожа?“....

## 47.

### У Горю-дуба.

Становляться хлопці й дівчата по парі, а одно спереду, да й каже: „Горю, горю пень!“ Перша пара пита ёго: Чого ти горишъ? „Красноі пані“, одвича передній. А якоі? „Тебе молодоі“, скаже и біжить упередъ, а та пара, що питала ёго, тежъ и собі біжить и потрапляють такъ, щобъ той, що горівъ — не піймавъ; якъ що піймае кого изъ пари, то становиться зъ нимъ останнёю парою, а якъ не пійма, то становиться спереду и упъять ловить. Такъ гуляють довго, покіль усі пари не перебігають. За всякою парою той, що одрізниться одъ своій пари, або не пійма, становиться на передъ и повиненъ ловити.

## 48.

### У куточка.

Ся играшка у Сахарова названа „мишкою“; такъ играется, якъ списано у „Сказаніяхъ“. Тутъ питають: Чи продажній куточокъ? Ні, не продажній.

## 49.

### Пужмірки.

Поперідъ усёго призначають кому жмуритись и кому ховатись; а се роблять такъ: сіда одно изъ грачівъ па землю и виставля коліно, на котре усі грачі кладуть по одному пальцю и той кладе, що сівъ, свій палець и говорить оці слова:

Котилася торба
Зъ великого горба,
А въ тій торбі
Хлібъ, паляниця...
Кому доведеться,
Тому й жмуриться.

На чий палець упаде останне слово, той повиненъ ховатись. Потімъ знову приказують ті слова, ажъ поки зостанеться одинъ грачъ, на палець кот-

рого не випало останнє слово: „тому жмуритись“. Тоді вінъ закрива очи и видъ руками, або ще и до землі припаде видомъ, закрившись таки руками, щобъ заспокоіти другихъ, що не дивиться. Останні усі ховаються, де хто попаде. Той, що жмуриться, пита: „Чи вже?“ поки ажъ не почує ні відъ кого отвіту тоді встає и починає шукать. Кого найшовъ, тому жмуритись.

Такъ грають цю играшку у Половинщині *(Екатер. губ.)*; у Суджанск. повіті, по словамъ Дмитрюкова, ось яке приговорювання:

Куку, куку, зузулечка,
Чому рано не була?
— Боялася драгуна.
Драгунъ тобі не судивъ.
Всадикини діти
Хотять полетіти
Відъ моря до моря
До Києва города;
Тамъ тітка Орина
По воду ходила.
Радивонъ, вийди вонъ.

Бувають и инші приговорювання:

Одно, попино,
Двікики, ревено,
Гайманъ, дайманъ,
Цикори, повари,
Дрібці, клёкъ.

Эндель, биндель,
Ципа, циндель,
Арци, барци,
Кулішъ варці.

Але такі, якъ приводить панъ Дмитрюкъ:

Зонтикъ, бонтикъ,
Новый бархатъ,
Жезлъ, дубъ, крестъ,
Вийшовъ, вийшовъ и виходить.

Видно, що вони зовсімъ не народні, бо такі слова, якъ отъ „жезлъ“ не можуть зустрічатись межъ народомъ.

## 50.

### Сірий вовкъ.

Грають ёго тільки діти. Вибірають жеребкомъ одного у „вовки“, а останні усі „діти“. „Вовкъ“, взявшися підъ щоку, сідає, згорбившись, де на горбику и мовчить, а „дітки“ не чіпають его, а рвуть біля его травку и промовляють:

Ирву, ирву горішечки,
Не боюсь вовка ні трішечки.

По цімъ слові „діти“ схопляються, кидають на „вовка“ нащипану травку и тікають. „Вовкъ“ собі туриться за ними, хоче вхопити яке. Кого вхопить, той становиться „вовкомъ“. Ся играшка у другихъ краяхъ зоветься „гуси“, діти зовуться „гусьми“.

## 51.

### Лясавці або Ласочка.

Грають у двохъ. Обоє протягають руки: одно долонями догори, друге донизу. Цей, що долоні держить догори, гладить знизу долоні другого, приказуючи: „ласочка, ласочка“ и такъ потряпляє, щобъ вихопити руки зъ підъ низу и вдарити другого по рукахъ зверху; якъ ударить, то промовить „лясь“, а якъ промахнеться, то товаришъ почина ёго руки гладити зъ підъ низу по долоні и вибіра таку хвильку, щобъ ударити, а той зъ сміхомъ вихоплює. Бува такъ, що хлопець, якъ який жвавий, такъ наляска руки другому, що ажъ почервоніють.

## 52.

### Шагардай (або Чагарда).

Розбиваются хлопці на дві лави — одна стоіть до стіни, а друга на неі плига. Перша лава такъ стає: одинъ, зігнувшись, обпірається головою объ стіну, другий объ першого, третій объ другого и такъ усі, скільки іхъ есть. Тоді хлопці зъ другоі лави зрозгону біжять и плигають на ціхъ такъ, щобъ першому плигнути на спину ажъ першого, другий на другого и такъ далі до останнёго. Треба, щобъ, плигаючи, не звалитись додолу, бо якъ хто

зъ другоі лави звалится, плигнувши, то вся его лава стае до стінки, а та плигае.

Бува й такъ: одинъ сяде напросторі и кладе шапку собі на голову, а останні черезъ его плигають. Иноді сіда напросторі два, три и більше хлопцівъ, зъ шапками на головахъ, або схиляються одинъ до другого у купку, а останні перестрибують. Хто звалить зъ голови у сидячого шапку, той сіда, щобъ черезъ ёго плигали; а якъ поділъ бувъ на лави, то зъ якоі лави хлопець зваливсь, то уся лава стае підъ плигання. Треба бути прудкому хлопцеві, щобъ грати у цю играшку.

## 53.

## Стара морда.

Діти сідають рядкомъ; одно изъ іхъ ходить и каже кожному відъ краю до краю: „здорова була, стара мордо!“ А те відказуе: „не я стара морда, а то“, и показуе на сусіда. Той, що питавъ, иде до сусіднёго и тежъ каже; у останнёго пита: „де твоя мати?“ А цей відказуе: „у світлиці на камниці, віночки вье, и мені зовье“. Зъ цімъ словомъ усі зскакують зъ місця и біжять зъ погукомъ: „и тобі зовье“.

## 54.

## У Вийся.

Поберуться усі хлопці и дівчата рядкомъ за руки. Тоді крайня пара зъ одного краю підніма руки у гору, а друга пара зъ другого краю пройде по підъ руками у неі; потімъ тажъ таки пара пройде у другоі по підъ руками, а далі у третёі, четвертоі и у всіхъ. Черезъ це усі пари зовъються у вінокъ, кажне правою рукою держить за руку заднёго, а ліву руку кладе на плече переднёму. Такъ якъ изовъеться увесь рядъ, тоді той, що звивавъ, бере впъять за руку крайнёго зъ другого краю та й робить кружокъ. Тоді увесь кружокъ и ті, що біля кружка, гулящі, не граючі, ходять округъ и співають:

Самъ хожу, самъ.
Де діти подівавъ?
Грімъ перебивъ, дощъ потопивъ,
Старшого, меншого одволочивъ.

Проспівавши цю пісню, той, що завивавъ, хапае крайнёго зъ другого краю та и одриває. Після—другого, потімъ—третёго, и такъ усіхъ по ряду. Якъ повідрива усіхъ, тоді самого останёго підкидають у гору и кричять: „горю, горю?“ Оце и уся играшка.

## 55.

## Котъ.

Мальчики, собравшись длинной вереницей и уцѣпившись одинъ за другого, кричатъ „мяувъ, мяувъ“ и, вмѣшавшись въ дѣвичьи игры, стараются ихъ разстроить.

(*Проскур. у.*).

## 56.

## Довга лоза.

Два или три мальчика ложатся рядомъ на землю, остальные перепрыгиваютъ черезъ лежащихъ и ложатся рядомъ съ послѣднимъ. Прыгнувшій неловко возвращается и повторяетъ прыжокъ.

(*Проскур. у.*).

## 57.

## Чортъ.

Толпа мальчиковъ выбираетъ изъ себя двухъ: одного „чорта“, а другого „бога“, всѣ остальные становятся въ рядъ. Одинъ изъ стоящихъ беретъ маленькую соломенку и дѣлаетъ видъ, будто даетъ ее каждому изъ стоящихъ въ ряду, а на самомъ дѣлѣ даетъ ее одному изъ нихъ. Всѣ стоятъ, сложа руки ладонь къ ладони. Тогда обращаются къ мальчику „чорту“. „Вийди, чорте, зъ-за корча, дамъ калача“, или такъ: вийди, чорте, зъ-за гори, трімай люльку догори“. Чортъ выходитъ, съ палкою на подобіе трубки и, идучи, говоритъ.

Катуль, катуль,
Десь ту моя балабула.
Вий, вий, завивай,
А ти, N, палку дай.

Или такъ:

Аду, идучи,
Черезъ море таючи.
А ти, пане копитане,
Перстень дай!

Послѣ этого „чортъ“, желая найти соломенку, указываетъ наугадъ на одного. Если отгадалъ, то тотъ, у кого соломенка, переходитъ на его сторону, если же нѣтъ, то на сторону „бога“. Это продолжается до тѣхъ поръ, пока не перейдетъ къ „чорту“ половина. Когда играющіе уже раздѣлятся „на боговихъ“ и „чортовихъ“, тогда проводятъ черту, называемую „ключъ“, и „богъ“ и „чортъ“ становятся на чертѣ другъ противъ друга, взявшись за руки; остальные всѣ цѣпляются за нихъ сзади и одна сторона старается перетянуть черезъ черту другую. Побѣдившая партія становится на ключѣ, въ формѣ воротъ, черезъ которыя пробѣгаютъ всѣ побѣжденные, получая на бѣгу удары отъ стоящихъ по сторонамъ.

(*Проскур. у.*).

## 58.

### **Дітські забавки** (якъ другі дітей забавляють).

Ладі, ладусі,
А де були?—въ бабусі.
А що іли?—кашку.
А що пили?—бражку.
А що на закуску?
Хлібъ та капустку.
Гай, гай на бабину хату
Калачі істи.

---

Бувъ собі дідъ та баба
Та злізли на граба.
Грабъ уломився,
А дідъ покотився,
А баба не знала
Та дідові голову в.....

---

Чики, чики, личаки,
На дубові лапті;
Дідъ бабу полюбивъ,
Що въ червоній плахті.

Плахта рябенька,
А баба раденька;
Плахта дереться,
А дідъ сміється.

---

Бувъ собі дідъ та баба,
Та була въ іхъ курочка ряба,
Та злізла на поличку,
Та знесла яєчко.
Мишка бігла,
Хвостикомъ зачепила —
Яєчко впало и розбилось.
Дідъ плаче, баба плаче,
Курочка куткудаче.

---

Стрига мокотя
Вср . . ась нехотя,
Горохъ молотила,
Собаки дражнила,
Собаки за нею —
Вона зъ мокотею.

Такъ дражнять діти ту дитину, у которої голова обстрижена.

---

Иди, иди, дощику,
Зварю тобі борщику
Въ зеленому горщику.
Цебромъ, відромъ, цебрицею,
Зо всякою пашницею.

Це приспівують малі діти, якъ дощъ иде. Старі обманюють дітей, що якъ цю співати дощеві, то більший піде.

---

Кивъ, кивъ ручку,
Дай мені въ дучку;
А якъ не даси, —
Будешъ каліка
До самого віка.

Це такъ приказують дітки маленькі, стуливши жміньку и викрививши назадъ ручку, якъ просять чого у шутку.

---

Беруть дитячу ручку, заголять її и, потихеньку водячи пальцемъ відъ ручки до локтя, промовляють:

„Мишка, мишка, де була?“
— У Бога.
„Що робила?“

— Кросно *) ткала.

„Що заробила?“

— Кусокъ сала.

„Де положила?“

— Підъ лавкою.

„Чимъ покрила?“

— Халявкою.

Дитині лоскотно, воно й сміється. А далі потроху посовують пальцемъ усе вище й вище, примовляючи: „тутъ пень, тутъ колода, тутъ криниця, тутъ холодна водиця“,— и зразу залоскочуть дитинку підъ ручкою, то воно й регочется. Це зоветься „мишка“.

---

Беруть дитинку за рученята такъ, щобъ воно вісіло на спині, а рученята подало черезъ плечи тому, хто ёго бере. Такъ носять ёго по хаті, або що, и погукують: „по горшки, по горшки“. Друге питає:

„Чи продажній?“

— Продажній!

„Чи не ледачий?“

И зъ цімъ запитомъ мовъ підходить пробувати, чи годящий, и злёгка торкає по спині дитинку, або иноді и залоскоче и приговорює: „ледачий, ледачий“, а той, що несе, відкаже: „не продажній“ и несе далі. Це зоветься „по горшки“.

---

Діти посідають у кружокъ, округъ іхъ, біля кожноі стоіть друга дитина и держиться за голову тіеі дитини, що сидить. Одна дитина біга біля кружка и, ставши коло якоі небудь пари, каже: „Кума, кума, продай дитя!“ А те, що держалось за голову сидячого, відказує ёму: „убий вошу“. Після цёго обоє дітки біжять — и те що питало, и те, що держалось за голову сидячому, — біжять округи кружка, одно въ одинъ бікъ, друге — въ другий. Хто зъ іхъ швидче добіжить до тіеі дитини, відъ котроі побігли, та вхопить ёго за голову, той и зостается біля ёго.

---

*) Кросно — холстина.

# ВЕСНЯНКИ.

## 1.

### А.

1) Ой весна-красна, що намъ винесла?
2) Ой винесла тепло и доброє літечко...
3) Малимъ діткамъ — ручечки бити,
4) А старимъ дідамъ — раду радити;
5) А старимъ бабамъ — поседіннечко,
6) А господарамъ — поле орати,
7) А молодимъ господинямъ — кросеньця ткати.
8) А молодицямъ и дівонькамъ — та й погуляти...
9) Раду радити, пиво варити...
10) А къ якому дню? къ Святому Великому дню.

(*Полоски, Бѣльск. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А... вона..? 2 Б = 2 А... вона літечко, 3 Б = 3 А... бабойкамъ на ... 4 Б = 3 А... дітойкамъ на побіганнечко.

5) Хорошимъ людкамъ — на робіннечко,
6) Краснимъ дівойкамъ — на співаннечко.

(*С. Якуши, Ковельск. у.*).

### В.

1 Б = 1 А... принесла,

2) Хлопчикамъ — по колясцу,
3) А дівчатамъ — по дощечці,

4 B = 5 A... по креселку, 5 B = 4 A... старичкамъ — по сошечці.

6) А молодимъ молодкамъ — по кросенцямъ,

7) А середнімъ — по боронушці.

(*Сватая Воля, Пинск. у.*).

## 2.

«Чомъ ти, жавороньку,
Рано зъ вирья вилітавъ?
Ище по горонькахъ сніженьки лежали,
Ой ще по долинахъ криженьки стояли».
— «Ой коли пора прийшла,
Неволенька вийшла.
Ой я тиі криженьки
Крильцями розжену;
Ой я тиі сніженьки
Ніжками потопчу;
Загорожу річку
Тай на поставничку,
Щобъ не вилітали
Пташата-чирята,
Сиві голубъята;
Щобъ не виносили
Молодецкоі краси.
Молодецька краса —
Хустонька въ пояса,
За шапкою квітка,
Въ правій руці дівка.
Загорожу річку
Тай на поставничку,
Щобъ не вилітали
Пташата-чирята,
Сиві голубъята;
Щобъ не виносили
Дівоцькоі краси.
Дівоцькая краса —
Коса до пояса.

(*Полоско, Бѣльск. у.*).

## 3.

### А.

Andantino.

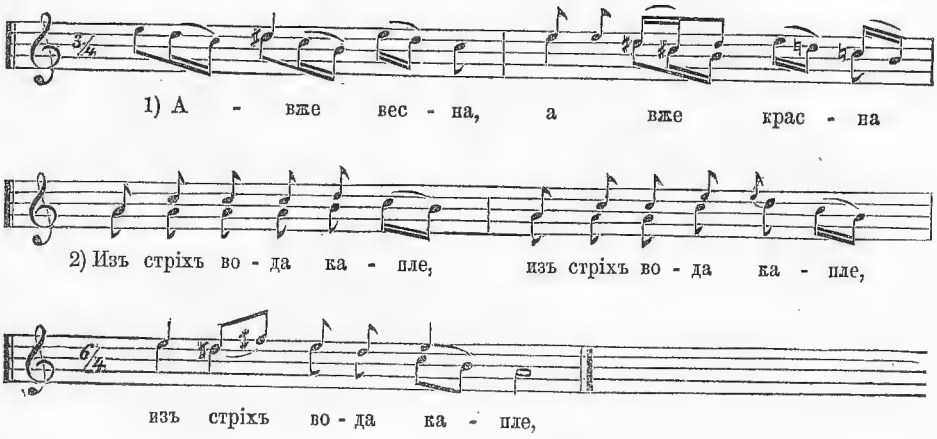


3) Молодому козаченьку
4) Мандрувивочка пахне.
5) Помандрувавъ молодий Ивашко
6) У чистеє поле,
7) За нимъ иде молода дівчина:
8) «Вернися, соколе!»
9) — Не вернуся, забаруся —
10) Гордуєшъ ти мною,
11) А вже жъ буде теє гордованне
12) Все передъ тобою;
13) Буде твоя руса коса
14) Въ мене пуидъ ногою,
15) Шумітиме нагаєчка
16) По надъ головою;
17) Нагаєчка-дротяночка
18) У три дроти звита,—
19) Буде жъ твоя, молода дівчино,
20) Що-дня спина бита!
21) Уже жъ въ тиій нагаєчці
22) Да друитъ поламався,
23) Уже жъ бо я у дівчини
24) Правди допитався.

*(Борисполь, Переяславск. у.).*

## Б.

1 Б = 1 А Й уже... й уже... 2) Пора роставати, 3) Пора нашимъ парубъятамъ 4) Селомъ мандрувати. 5 Б = 5 А... да Евхимъ... 13 Б = 15 А, 14 Б = 16 А, 15 Б = 13 А Трищатиме... 16 Б = 14А, 17 Б = 17 А, 18) Весь дрітъ ростренався. 19 Б = 23 А Тоді Евхимъ... 20 Б = 24 А.

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## В.

15) Брязчатиме брязкуточка, 16 В = Услідъ за тобою, 17 В = 15 Б, 18 В = 16 Б.

(*С. Савино, Остерск. у.*).

## Г.

1) Съ підъ білого да каменя,
2 Г = 2 А Руда...,
3) А нашому Василечку,
4) Мандрівочка пахне
5) Мандруй, мандруй, да Василечку,
6) Одъ Луки до Прилуки!
7) За нимъ иде да Галочка,
8) Ламле біли руки.
9) Вернись, вернись да Василечку,
10) Батенько вмірає.
11) Що Васильку колосочокъ
12) Купивъ поясочокъ;
13) Підперезавъ да Галочку,
14) Глядить на станочокъ.
15) Ой и десь же ти, да Галочко,
16) Съ кудрявоі мъяти,
17) Съ кимъ стояла, говорила —
18) Підківоньки знати.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни Метлинск. стр. 300*).

## Д.

3) А вже тобі вдовий сину,

5 Д = 5 Г... вдовий сину, 7 Д = 7 А... дівчинонька: 9 Д = 9 А... не вернуся; 11 Д = 11 А Буде твое..., 12 Д = 12 А.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс., Метлинск. стр. 301*).

## 4.

### А.

Andante.

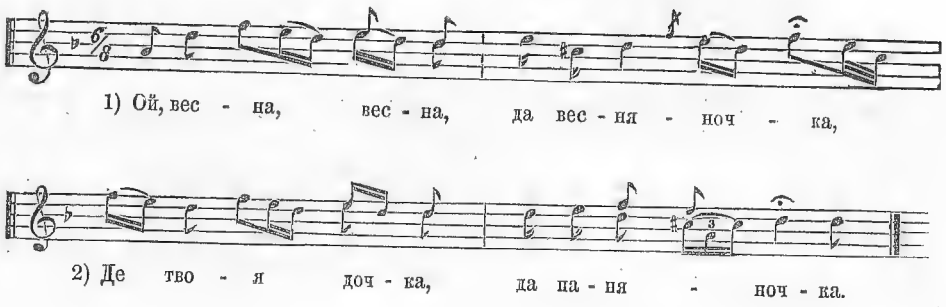


3) Десь у садочку шие сорочку;
4) Шовкомъ да біллю да вишиває,
5) Своему милому пересилає:
6) Надівай іі що неділеньки,
7) Споминай же мене що годиноньки.
8) Шовкомъ я шила, а біллю рубила,
9) Жаль мені козака, що я полюбила.

(*Иваньковъ Переяславск. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А... весно..., 4 Б = 3 А Седить..., 5 Б = 4 А... вишиває.

6) Все про неділю.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### В.

4) Своему миленькому про неділеньку.
5) Вилетіла весняночка вчора зъ вечора,
6) Укропомъ очи завішала,
7) А петрушкою ротъ запхала,
8) Ріпою зуби накувала.

(*С. Британы, Борзенскаго у.*).

### Г.

3) Погнала бичка
4) За ворітечка:
5) Пасись, пасись, бичку,
6) Поки спряду мичку
7) Своєму батеньку
8) На рукавичку.

(*Черниговск. у.*)

### Д.

2 Д = 2 А... Уляночка? 3 Д = 3 Г, 4 Д = 4 Г, 5 Д = 5 Г, 6 Д = 6 Г А я... 7 Д = 8 Г Діду..., 8 Д Бабці на спідничку.

(*С. Лементаровка, Сосницкаго у.*).

### Е.

4) Десь у долині шиє перини.
5) Бодай же іі свині зарили,
6) Дай колодою навернули.
7) Сонечко гріє—
8) Колода пріє,
9) Сонечко пече—
10) Смола тече.

(*Горностайполь, Радом.*).

### Ж.

1) Весняночка-паняночка,
2 Ж = 3 А, 3 Ж = 4 А Шиє вона..., 5 Ж = 5 А... посилає;
6) Шиє вона шовкомъ — біллю,
7 Ж = 6 Б Своєму милому...

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 300*).

## Б.

### А.

1) Ой підъ вербою, підъ похилою,
2) Тамъ стоять коні да посідлані;

3) И посідлані, и понуздані,
4) Тилько на іхъ сісти да й поіхати
5) На Спаській кутокъ сватати дівокъ;
6) Тамъ усе дівки да убогиі,
7) Кроять рушники изъ крапивочки,
8) Сучуть торочкі изъ дубиночки.
9) Ой підъ вербою, підъ похилою,
10) Тамъ стоять коні да посідлані;
11) И посідлані, и понуздані,
12) Тилько на іхъ сісти да поіхати
13) На Дніпрівській кутокъ сватати дівокъ.
14) Тамъ усе дівки да багатиі:
15) Кроять рушники изъ кітаєчки,
16) Сучуть торочки зъ чорного шовку.

(*Иваньковъ*).

## Б.

1 Б = 1 А... надъ водою, 2 Б = 2 А тамъ..., 3 Б И паробочки повряжані, 4 Б = 4 А... на іхъ..., 5 Б = 5 А Да на Ковалівку..., 6 Б = 6 А А на Ковалівці..., 7 Б Кроіли дари рядняниі.

8) А обдарочки зъ крапивочки.

9 Б = 9 А... надъ водою, 10 Б = 10 А Тамъ.. ,

11) И паробочки повряжані.

12 Б = 12 А... на іхъ... 13 Б = 13 А Да на Ласковицю, 14 Б = 6 А А на Ласковиці...,

15) Кроіли дари шовковиі.

(*С. Колошовка, Черниговск. у.*).

## В.

По саду ходжу,
Виноградъ саджу,
Ой посадивши, да й поливаю,
Ой поливши, да й нащіпаю,
Нащипавши, веночка зовъю,
Веночка звивши, на воду пущу.
Хто венка пуйме, той мене возьме.
Одозвавсь козакъ на сивумъ коні:
«Я венка пойму й тебе возьму!»
Ступивъ ногою — по поясъ води,
Ступивъ другою — да й зъ головою.

*

«Ой біжи, коню, съ сідломъ до дому,
Не кажи, коню, що я втопився,
А кажи, коню, що я женився.
Я взявъ жоноху —
Чисту водоху,
Сбіравъ сватове —
Зъ мора ракове,
Збіравъ свашечки —
Зъ мора щучечки,
Збіравъ музики —
Рибини язики,
Венчавъ попочокъ—
Жовтий пісочокъ.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

7.

«Не шуми, луже,
Зелений байраче;
Не плачъ, не журися,
Молодий козаче!»
— Якъ мні не шуміти,
Бувши зеленому;
Якъ мні не плакати,
Бувши молодому?
Сусідоньки близькі,
Ворогайки тяжкі,
Не велять ходити
Дівчини любити.
Пускай мене мати
У садъ погуляти,
Свого милейкого
Кості позбірати,
На тихомъ Дунаі
Поперемивати,
Зеленимъ ксамітомъ
Поперестілати.
Червонимъ атласомъ.
Поперетирати.
Умру жъ бо я, умру,
А ти будешъ жити,
Прийди, моя мила,
Де буду лежати.
Піди подивися,

Та й махни рукою;
Бо скажуть люде,
Що не живъ зъ тобою.
Піди подивися,
Та й здляни до Бога:
«Отъ де моя лежить
Любая розмова».
Вийди на могилу,
Та й зотхни тяженько:
«Отъ де моє лежить
Любеє серденько!»

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

## 8.

Ой ти, вербо кудрявая,
Хто на тобі кудрі повивъ?
Повила мене суха лоза,
Бистра вода, що хвилю бъє.
Кажуть люде—муй муижъ не пъє:
Якъ світає—до корчми йде,
Якъ смеркає—зъ корчми йде.
Пропивъ коня вороного,
Й а ще прийшовъ по другого.
Коня веде пудъ рукою,
Нагай несе пудъ полою
На жуинку молодую.
«Возьми, мила, наміточку,
Викупъ коня вороного».
— Не разъ, не два викупляла,
Керезъ оконце утікала,
Я у садочку ночовала,
Зъ соловейкомъ розмовляла...
Соловейко не чоловікъ,
А я плачу весь свуий вікъ.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 9.

### А.

1) Ой вербо-вербиця,
2) Ти на роспутті стояла,

3) Що ти чула, бачила?
4) Ой поіхавъ мій миленькій
5) Да й у дорогу,
6) За імъ да трава полягла
7) И кленъ-дерево не розвивсь,
8) И въ лузі соловейко не щебече.
9) Ой верба, верба-вербиця,
10) Ти на роспутті стояла,
11) Ой що ти чула, бачила?
12) Якъ іхавъ мій миленькій зъ дороги,
13) У лузі калинонька росцвілася,
14) Въ саду соловейко защебетавъ,
15) И кленъ-дерево розвилось.

(*С. Колошовка, Черниговск. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А... вербо!.. 2 Б = 2 А... роспуттячку..., 3 Б = 3 А Ти далеко...,

4) Куди мій нелюбий поіхавъ,
5) Ой туди трава полягла,

6 Б = 15 А... завъяло.

7) И моє серденько застряло!

8 Б = 1 А... вербо...! 9 Б = 2 А... роспуттячку стояла, 10 Б = 3 А Ти далеко...

11) Куди мій миленькій поіхавъ,
12) Ой туди трава вже шовкова,

13 Б = 15 А... зелено.

14) И моє серденько весело.

(*Нар. Юж. Пѣс. Метлинск. стр. 303—304*).

## 10.

### А.

1) Заржи, заржи, сивий конику,
2) Рано на пашу йдучи,
3) Чи не зачує серце-дівчина,
4) А въ саду вінки въючи.

5) Ой якъ зачула,
6) Тяжко зотхнула,
7) Сильненько заплакала.
8) Чи того хлопця сивий куинь рже,
9) Що я вірно кохала?
10) Чомъ ти не прийшовъ,
11) Чомъ ти не приіхавъ,
12) Якъ я тобі казала?
13) Чи коня не мавъ,
14) Дорожки не знавъ,
15) Чи мати не пускала?
16) «Ой я коня мавъ
17) И дорожку знавъ,
18) Мене мати пускала:
19) Старшая сестра —
20) Бодай не зросла —
21) Сіделечко сховала.
22) Ой не ідь, братокъ,
23) Не ідь руидний,
24) До теі дівчиноньки:
25) Не уміє жати,
26) Ні вишивати,
27) Оно косу чесати.
28) Ой рости, косо,
29) Нижче й пояса,
30) Ще й буду годовати.

## Б.

1 Б = 1 А... вороний коню, 2 Б = 2 А На круту гору... 3 Б = 3 А... моя..

4) Рано по воду йдучи.

7 Б = 7 А Жалібно...

8) Принеси, Боже, на біле ложе.

9 Б = 9 А Кого...

10) Ой постілка моя,
11) Тонка, білая,
12) Мъякенько на ній спати,
13) Тяженько встати,
14) Що ніскимъ розмовляти.
15) Напишу я біли листойки
16) Й а до милого свого:
17) Нехай іде, службу покидае,

18) Бо мені трудно безъ ёго.
19) Колибъ такъ тобі,
20) Якъ теперъ мені,
21) Біда докучила,
22) То-бъ ти приіхавъ,
23) Мене одвідавъ,
24) То-бъ я не скучала.
25) Колибъ такъ тобі,
26) Якъ теперъ мені,
27) Біда за бідою,
28) То ти бъ приіхавъ,
29) Мене одвідавъ,
30) Хочъ я за водою.
31) Колибъ такъ тобі,
32) Якъ теперъ мені,
33) Далася біда знати,
34) Тобъ ти приіхавъ,
35) Мене одвідавъ,
36) Кобъ не відала мати.

37 Б = 10 А... ти..., 38 Б = 11 А...,

39) Якъ листи писала;
40) Ци дома не бувъ,

41 Б = 14 А, 42 Б = 15 А.

43) Я вдома бувъ,

44 Б = 16 А, 45 Б = 18 А, 46 Б = 19 А Є въ мене..., 47 Б = 20 А,

48) Та мене не пустила

49 Б = 22 А Ой...

50) На Вкраіноньку,
51) По ту дівчиноньку;
52) Єсть того цвіту
53) По всёму світу —
54) Возьми собі близенькую.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

## 11.

Ой, що жъ то въ моёму городі за зілле?
Я йду поливати — воно зеленіє,
Я йду вінки вити — воно посихає.
Зовъю я віночка

Й а въ штирі грядочки.
Зложу на голивку,
Вийду на улоньку,
Стану край беруизки —
Иде муий батенько
Беруизки рубати.
«Не рубай, батеньку,
Бо се не беруизка,
То твоя дитина!»
— Ой коли дитина,
Чого такъ збіліла?
А коли беруизка,
Чого такъ зсмутніла?
«Якъ у батька була — червона калина,
Якъ до свекра пошла — білая береза.
Замуижний хлібъ добрий,
Да не пожиточний:
Хто ёго закусить,
Заплакати мусить,
Вкроівъ свекоръ лусту,
Якъ клёнового листу,
Питається мене:
«Чи зъіси, невістко?»
— Не зъімъ я у хаті,
Та зъімъ за дверима,
Не зъімъ я сухого —
Оболлю слізами.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 12.

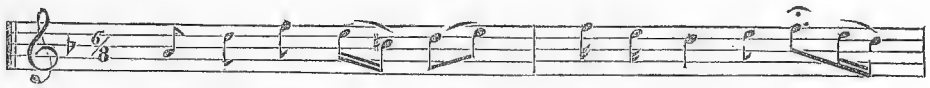

Ой, вий - діть, лю - де, та ді - ві - те - ся,

І - де коза - чень - ко да же - ни - ти - ся.

Ой якъ іде да на конику,
Дівчину везе да на возику;

Погоняє коня да лозиною,
Називає дівчину да дружиною;
Поганяє коня да нагайкою,
Називає дівчину да хазяйкою.
Ой же ви, люде, да дивуйтеся,
Ще жъ ви того дива да не бачили!
Ой вийду я да за ворота,
Ой стану я да на камені (bis),
А селезень летить и утицю кличить.
А ёго утінка да прохалася.
«Ой пусти мене, мій селезеню,
Межъ тиі утята покупатися,
И зъ утятами повидатися».
— Не тутъ я тебе взявъ,
И не тутъ пущу;
Узявъ я тебе на синёму морі,
Пущу тебе на чистому полі.

(*С. Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 13.

Вийди, дівчино, вийди, рибчино,
У гай по телята, (bis)
Да у гай по телята:
Нехай же я подивлюся
На ті бровенята, (bis)
Да й на ті бровенята.
Вийди, дівчино, вийди, рибчино,
У гай по корови, (bis)
Да у гай по корови:
Нехай же подивлюся
На ті чорні брови, (bis)
Да на ті чорні брови.
Пливе човенъ, води повенъ,
Пливе и весельце, (bis)
Да пливе и весельце;
Чомъ ти мене такъ не любишъ,
Якъ я тебе, серце, (bis)
Да якъ я тебе, серце?
Пливе човенъ, води повенъ,
Коли бъ не схитнувся, (bis)
Да коли бъ не схитнувся!

Ой поіхавъ мій миленький,
Коли бъ не вернувся, (bis)
Да коли бъ не вернувся!
На тімъ боці огонь горить,
На сімъ боці димно, (bis)
Да на сімъ боці димно.
Якъ приіде мій миленький,
Комусь буде дивно, (bis)
Да комусь буде дивно!
На тімъ боці огонь горить,
На сімъ боці жаръ, жаръ, (bis)
Да на сімъ боці жаръ, жаръ.
Якъ приіде мій миленький,
Комусь буде жаль, жаль, (bis)
Да комусь буде жаль, жаль!

## 14.

Заболіла голова,
Сама не знаю чого!
И не має и не буде
Зъ Украіни милого;
И не має и небуде
Прикрасного молодця.
Якъ розчеше жовти кудрі,
А жъ на правеє плече...
Якъ мій милий утоне —
Буду річку проклинать;
Якъ мій милий живъ буде —
Буду річку споминать.
Бодай тая річка
Очеретомъ заросла,
Що мого милого
На край світа занесла.
Нуте, хлопці, чорнобривці,
Затягайте неводи,
Витягайте милейкого,
Неживого изъ води.
Якъ витягли изъ води,
Поставили ва ноги,
Подивися, серце-мила,
Чи хорошій на вроду.

Коли гляну но ёго,
А жъ у мого милого
Крузъ ротъ, крузъ носъ вода йде,
Ще й холодная вода,—
Остається удовонька молода...

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

## 15.

Ой по горі ходю,
А въ долину хилюся:
Одбилася отъ роду,
Назадъ не вернуся.
Травою йду—травиця схиляється,
Прийшла до роду—родина одрікається,
Родино моя, не одрікайся одъ мене,
Я не прийшла пити, істи до тебе;
Не прийшла не снідати, не обідати,
Ино прийшла роду одвідати.
Я не прийшла не пити, не істи,
Ино прийшла на лавці присісти.
Ой, ти, мій милий, я твоя мила власна.
Ци ти не бачивъ, якъ я волики пасла?
Пасла волики зъ вечора до півночи.
Припала роса на мої чорни очи.
Не такъ на очи, якъ на жовту косу,
На жовтій косі перловий вінокъ ношу.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

## 16.

Всі зірочки до купочки, дрібенъ дощикъ різно,
Збірайтеся, подруженьки, хочъ не рано — пізно;
Зібравшися, подружечки, да й поговоримо,
На чужую стороночку журбу розділимо.
Кому журба, кому друга, вороженькамъ трясьця,
А моєму миленькому пошли, Боже, щастя.
Мені дома, мені дома, милому въ дорозі...

(*С. Лементаровка, Сосницкого у.*).

## 17.

### А.

1) Да вийди, Грицю, на улицю,
2) И ти, коваленку,
3) Заграй мені въ свистілочку
4) Стиха помаленьку.
5) А свистілочка, якъ пчілочка,
6) Въ білихъ ручкахъ гуде;
7) Да ти, місяцю-перекрою,
8) Зайди за комору.
9) Да не бачила миленького —
10) Не піду до дому.
11) Хоть бачила, не бачила,
12) Нігде не зачую.
13) Не стояла сюю нічку,
14) То не переночую.

(*Черниговск. губ., Колошовка*).

### Б.

2 Б = 2 А Вийди..., 3 Б = 3 А... у дудочку,

5) И ти вийдешъ и я вийду,
6) Вийде моя мати,
7) Нехай мати буде знати,
8) Кого зятемъ звати.

(*М. Горностайполь, Радомысльск. у.*).

## 18.

Ой посію лёнъ
Підъ паньськимъ дворомъ.
Де візьметься козаченько
На воронімъ кониченьку
Та й витопче лёнъ.
Чи не лёнъ же то бувъ,
Чи не врода ёго?
Золотеє коріннячко,
Жемчужнеє насіннячко,
Самъ шовковий лёнъ.

И туди гора, и сюди гора,
Туди моя миленькая
По водицю йшла.
А я за нею, якъ за зорею,
Сивимъ кониченькомъ
По підъ горою:
«Милая моя,
Напій же коня!»
— Не напою, козаченьку,
Бо ще й не твоя;
Якъ буду твоя,
Напою и два,
Изъ новоі криниченьки,
Холодноі водиченьки,
Зъ повного відра.

(*С. Корніевка, Переяславск. у.*).

## 19.

### А.

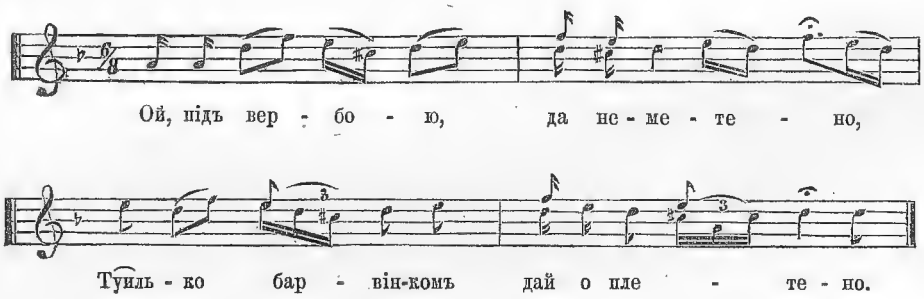


3) Ой вийдь, Настечко, хоть ти промети:
4) Буде Василько зъ крамкомъ итп.
5) Усімъ дівочкамъ да роспродає,
6) Своій Настечці да даромъ дає.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### Б.

2) Підъ зеленою не прометено;
3) Та устань, Галочко, ранесенько,
4) Обмети вербу чистесенько!

5) Ой тамъ Павлусь зъ крамомъ стане,
6) Зъ хорошимъ крамомъ обідцямя!

7 Б = 5 А. 8 Б = 6 А Дівці Галочці...

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни Метлинск., стр. 302*).

## 20.

Ой зацвіла калинойка
Близько перелазу.
Біда тому пріймакові
Ой одъ першого разу.
Приймакъ — гультяй,
Не хоче робити,
Бере люльку у кешеньку,
Йде до корчми пити.
Приймакъ, тоє вислухавши,
Йде въ поле орати,
Забувъ приймакъ-приймачисько
Хліба й солі взяти.
Оравъ приймакъ, оравъ
Три дни й три години.
Зоравъ приймакъ — приймачисько,
Въ три десятини.
Оре, приймакъ, оре,
На воли гукає.
«Чужі жінки обідъ несуть,
А моєі не має!»
Несе обідъ ёго мила
Третёго дня рано;
Накивала, наморгала,
Що наоравъ мало.
Ой не слухай, моя мила,
Що люде говорять,
Ой стань же ти, подивися,
Якъ волики ходять.
Иде приймакъ зъ поля,
Въ свистілоньку грає,
Ему мила зъ усіхъ мисокъ
Вечеру зливає.
«На жъ тобі, милий,
Вечеру зъ обідомъ.
Не доіси стравою,

То намагай хлібомъ.
Якъ приіхавъ приймачище,
Зачавъ тещу бити.
Теща стала, затопила
Вочеру варити.

(*Вел Глуша, Ковельск. у.*).

## 21.

На горі житечко,
Въ долині метла —
На мому серденьку
Велика туга.
Єдная туга —
Милого нема.
Другая туга —
Милого нема.
Поіхавъ мій милий
Въ велику дорогу,
А я молода
За нимъ у погоню.
«Вернись, вернись,
Мій милий, до дому,
А не повернесся —
Махни рукою,
То я молодейка
Догадаюся...
«Нема лёду, нема лёду,
Нема й переходу —
Коли тобі люба мила,
Бреди й черезъ воду.
Перебрела дві річеньки
Й половину ставу,
Не вводь мене, козаченьку,
Въ великую славу!»
— Ой сама жъ ти, дівчинонько,
Себе въ славу вводишъ,
Що піздненько, не раненько
По улиці ходишъ.
«Ой якъ мені, козаченьку,
Да ранше ходити,
Якъ візьмешъ ти за рученьку,
Не мусишъ пустити».

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 67.*)

## 22.

Зъ калиного мостийка
Завертаюся;
Въ новую коморку
Заховаюся,
Золотими замками
Замикаюся.
Одчиню я молода
Кватирку новую,
Буду дивитися,
Де мій милий йде,
Мені молодейкій
Гостинця несе.
Не який гостинець —
Дротяная пліть.
— Буду зъ тебе, милая,
Що дня шкуру драть.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

## 23.

Стоіть верба кінець села —
Рости, вербо зелененька!
Підъ вербою а три дівчини.
Рости . . .
Перша стоіть у оксаміті,
Рости . . .
Друга стоіть въ щирімъ злоті,
Рости . . .
Третя стоіть у віночку.
Рости . . .
Въ оксаміті — то пічъ палити,
Рости . . .
Въ щиримъ злоті — ложки мити,
Рости . . .
А въ віночку та до таночку.

(*Полоски, Бѣльск. у.*).

## 24.

Чорна галонька,
Чорна чорненька,
Чи не бачила мого миленького?
— Я бачила въ лузі надъ водою:
Умивается зіллячкомъ-тативою,
А втирается хусткою шовковою.

(*Логишинъ, Пинск. у.*).

## 25.

Виорала новицю,
Посіяла пшеницю.
Щобъ намъ пшениця родила,
Щобъ насъ парубки любили.

(*Чернелевка, Староконстантиновск. у.*).

## 26.

### А.

1) Черезъ наше сельце
2) Везено деревце.
3) Стій, калинонько, стій
4) За моремъ далеко!
5) А зъ того деревця
6) Роблено комірку;
7) Стояло, світило
8) Місяцівъ чотирі.
9) У тій коморці
10) Роблено кроватьку;
11) Стояло, світило
12) Зірочки чотирі.
13) На тій кроватьці
14) Дівочки спали;
15) Стояло, світило
16) Місяцівъ чотирі.
17) Дівочки спали
18) И пісеньки співали.

19) Стояло, світило
20) Зірочокъ чотирі.
21) Котилось яблучко
22) Зъ гори до долу;
23) Стояло, світило
24) Зірочокъ чотирі.
25) Часъ вамъ, дівочки,
26) Изъ гуляння до дому.
27) Стояло, світило
28) Місяцівъ чотирі.

(*С. Сычевка, Радомысльск. у.*).

**Б.**

1 Б = 1 А... село, 2 Б = 2 А... дерево.
3) Калино-малино,
4) Ягода червона.
5) Дерево везено,
6) Церковъ будовано.
Калино и проч.
9) Церковъ будовано.
10) Навкругъ мощовано.
Калино и проч.

(*М. Джуньковъ, Бердичевск. у.*).

**В.**

3 В = 7 А, 4 В = 8 А.

(*Калашовка, Черниговск. у.*).

## 27.

У нашоі да Ганночки въ подолі мережки,
Покуплявъ ій да Яковко про святъ-день сережки.
Вона тиі сережечки про буддень зносила,
Да по своімъ да Яковку тиждень голосила.
Ой давъ же ій да Яковко чотирі копійки,
Голосила да Ганночка чотирі недількі.

(*Х. Колошовка, Черниговск. у.*).

## 28.

Бодай нашоі да Ганночці
Звернауло мозокъ,

*

Якъ посіли вечеряти, —
Не поклала ложокъ.
Бодай нашоі да Ганночці
Голова облізла,
Що не війшла на улицю,
Да у рядно влізла.

(*Х. Колошовка, Черниговск. у.*).

## 29.

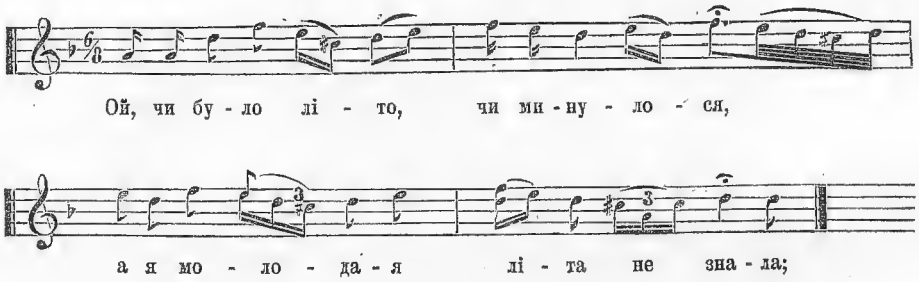


Мене моя мати гулять не пускала;
Да въ комору да зачіняла, (bis)
Трома защіпками да защіпала, (bis)
Трома замочками да замикала.
«Пусти мене, мати, сей вечоръ гуляти,
Всю челядоньку да побачити».
— Ой не пущу, суко, неробітнице,
Да свому добру не кукібнице».
Мати свою дочку держала въ куточку:
«Сиди, суко, сиди, пряди сорочку!»

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 30.

Чи ти жъ, мати, да гарбузъ лупишъ,
Чи ти жъ мені жениха купишъ?
Ой не лупи да зеленого,
Ой не купуй да мерзеного;
Лупи жъ, мати, да старенького,
Купи жъ мені молоденького.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 31.

Вийду, вийду, мій миленький,
Підъ зелену грушу,
Та винесу миленькому
Тютюну папушу.
Та за люлечку копієчку,
А за тютюнъ гроши,
Кури, кури, мій миленький,
Правдивий, хороший.
Та вийди, вийди, божевільний:
Теперъ вечіръ вільний...
Не зо мною, то зъ другою
Объ тинъ головою;
Объ тинъ, объ тинъ головами,
Объ сохи ногами...
Чорти бъ твого побивъ батька
Зъ чорними бровами.
А я своі въ сажу вмажу —
Твоі переважу

(*М. Савино, Остерск. у.*).

## 32.

### А.

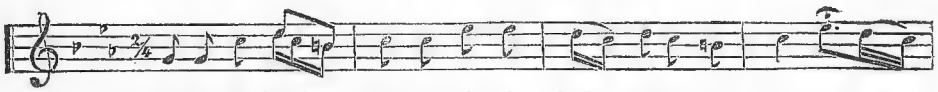

1) Ой у лі - сі на го - рі - сі 2) Со - ро-ка за - ви - сла,

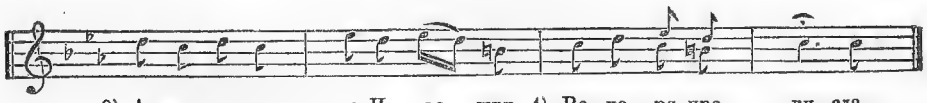

3) А вже тво - я, та И - ва - шку, 4) Ве - че - ря про - ки - сла.

5) Нехай кисне — не прокисне,
6) Да нікому істи,
7) Тілько одинъ да Ивашко,
8) Да зъ нікімъ же сісти.

9) Тільки одинъ да Ивашко
10) Прийшовъ істи.
11) Вечерай же, да Ивашку,
12) Свою вечероньку —
13) Добра сяя вечеронька!
14) Що вже наша да молодая
15) Та вечерать кличе.
16) Иди, Ивашко, да не гайся,
17) Будуть тобі Бозі (?)
18) Вінчаться съ тобою.

(*Корніевка, Переяславск. у.*).

**Б.**

3) Біжи жъ, біжи, да Ёвхимку,
5 Б = 5 А... нехай кисне, 6 Б = 6 А Я не буду...,
7) Запалю я куль соломи,
8) Не горить — палає.
9) Біжи, біжи, да Ёвхимку,
10) Дівчина вмірає.
11) Якъ прийшовъ же да Ёвхимко,
12) Дай сівъ на порозі;
13) Ой облили да Ёвхимка,
14) Все дрібниі слёзи.
15) Якъ прийшовъ же да Ёвхимко,
16) Да й сівъ у світлиці.
17) Буду бігти, коня гнати,
18) Що бъ дівку застати.

(*Ивиньковъ, Переяславск. у.*).

**В.**

7) Благослови, отецъ, мати,
8) Край дівчини сісти.

(*М. Борисполь, Переясл. у.*).

## 33.

Ой на морі утка купалася,
А на березі сушилася —

Я молода журилася,
Ти було літо, ти не було....
Мене матюнка не пускала,
У комороньку зачиняла.
У коморонці оконечко,
А въ оконечку кватирочка.
Одчиню я кватирочку,
Да погляну по риночку;
По риночку милий ходить,
Да й танокъ водить.
Ой що бъ же ти, мій миленькій,
Сёго віночка не зносивъ,
Сёго таночка не зводивъ.

(*X, Колошовка, Черниговск. у.*).

## 34.

Ой зойду на гіроньку
Білими ніженьками,
Ой гляну я на дубочокъ.
Й а на дубі, на дубочку,
Сивий голубъ гуде.
Щось на тебе, козаченьку,
За пригодонька буде.
Хоть на тебе молодого,
Хоть на коня вороного,
Хоть на твого товариша,
Товариша вірного.
Якъ на тебе молодого —
Я буду утікати;
Якъ на коня вороного —
Кінь буде иржати;
Якъ на мого товариша —
Вінъ буде й одвічати;
Якъ на тую удівоньку —
Вона буде й одвічати:
Одна дочка-единиця,
Да й ту буде оддавати.
«Не хотілось мені, мати,
Да сироти брати,
Хотілось мені, мати,
Съ сиротини посміятись.»
— Ой хочъ же я да сирота,
Да вдовина дитина,
Якъ исхочу, то знівечу

Хоть розсукина сина!...
Ой хоть же я да сирота,
Да вдовина я дочка —
Попоходишъ, розсукинъ сину,
Коло мого й оконечка;
Ходитимешъ, нудитимешъ,
Таки мене любитимешъ.

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 35.

А коло куста
Да сочивонька густа;
А коло мора
Травиця шовкова.
Хто жъ тую травицю покосить,
Той мене одъ батенька попросить;
А хто жъ тую сочивоньку порве,
То той мене одъ батенька візьме.

(*Логишинъ, Пинск. у.*).

## 36.

### А.

1) Хо-дить со - ро - ка ко - ло бо - ло - та 2) Дай кря - че, дай кря - че.

3) Ходить Василько коло віконця
4) Тай плаче: (bis)
5) «Вийди, Настечко, вийди серденько,
6) «Тай вийди». (bis)
7) — Свічечка горить, батенько не спить,
8) Не вийду. (bis)
9) Свічечка згасне, батенько засне,
10) Тай вийду; (bis)
11) Та й вийду, серденко, тай вийду, рибонько,
12) Тай вийду. (bis)

### Б.

7) Свіча палає, матюнка лає;
9) Свіча погасне, матюнка...

(*М. Борисполь, Переяславск. у.*).

## 37.

Якъ вийду я на улицю, гуляю, гуляю,
Якъ білая лебедочка по живому Дунаю,
Що білая лебедина Дунай сколотила —
Невірная дружинонька жалю наробила.

(*С. Лементаровка, Сосницк. у*).

## 38.

По улиці, по смітниці,
Чомъ на тобі пусто?
Чомъ не має, якъ буває,
Челядоньки густо?
Ой вийду я на шпиль-гору,
На лебедівъ крикну...
Въ Жаботині родилася,
Инде не привикну.
Въ Жаботині родилася,
Въ Жаботині зросла,
Проси Бога, сину бісівъ,
Щобъ за тебе пошла.
Ой вийду я на двіръ боса, —
Холодная роса;
Чи жаль тобі, мій миленький,
Що я хожу боса?
Якъ би жъ тобі, мій миленький,
Хоть трошечки жаль,
То ти бъ купивъ черевички,
Червоні, якъ жаръ.

(*Жаботинъ, Чигиринск. у.*).

## 39.

Небагато постояла, —
Тилько одну нічку,
Заробила чоботочки,
Ще й червону стрічку.
Ще чобітъ не подрала,
Стрічки не порвала,

Да вже мене одна жінка
Невісткою звала.

(*М. Горностайполь, Радомысльск. у.*).

## 40.

Що на тіи да улиці
Рябні курчята,
А на нашій да улиці
Чорти — не дівчата.
Я жъ думала, мій миленькій,
Що калюжа грязька,—
Лежить, лежить, середъ улиці
Ажъ соломи вьязка.
Запалила куль соломи,
Не горить — палає —
Біжи, біжи, та Левочко,
Домашка конає.
Ой якъ треба, то Левочко
Та ставъ на морозі,
Якъ облили та Левочка
Дрібненькіі слёзи.
«Та не плачъ, не плачъ, та Левочко,
Ще я не вміраю,
Се я зъ тебе молодого
Ума вивідаю.

(*Савино, Остерск. у.*).

## 41.

Ой тамъ на горі: диво — не диво,
Тамъ соловейко гніздо звивъ,
Да всю ніченьку не виспавъ,
Собі галочку прикликавъ:
«Ой чи будешъ ти, галочко,
Моімъ діткамъ маткою?»
Ой тамъ на горі: диво — не диво,
Ой тамъ Евхимко домъ робить,
Да всю ніченьку не виспавъ,
Собі дівчину прикликавъ;
«Ой чи будешъ ти женою,
Моимъ диточкамъ слугою?»

(*Иваньковъ, Переяславск. уѣз.*).

## 42.

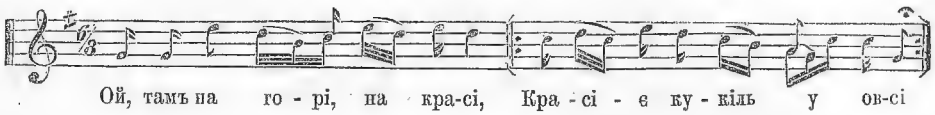


Чомъ ви, парубки, не йдете,
Куколю зъ овса не рвете?
Ой ирвется намъ на душі,
Що всі дівчата хороші.

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 43.

Коло млина, млина,
Зацвіла калина,
Калина, калина!
А по той калині
Пташечки ходили,
Ходили, ходили!
А тамъ молодці
Дівчину любили,
Любили, любили!
Одинъ любить —
Кубокъ меду носить,
Частує, частує!
Другий любить —
Кубокъ меду носить,
Чарує, чарує!
Ой не жаль мні того
Кубка золотого,
Зъ тимъ виномъ, зъ тимъ виномъ!
А жаль мені того,
Що я звінчалася,
Зъ тимъ жидомъ, зъ тимъ жидомъ.

(*Полоски, Бѣльск. у*)

## 44.

Ти місяцю ясний, зоре
Освіти ти усе поле—
Якъ буркуку, да буркуку,

Подай, миленька, руку.
Ой рада бъ я тобі, серце,
Да й обидві подати —
Посадила клята мати
Да розлушника въ хаті:
Або тобі, або мені
Да на світі не жити,
Або нашому розлушнику
Головою наложити.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 45.

Місяць надъ водою,
Дівки на улиці,
Ой люлі да люлі,
Дівки на улиці!
А я молодая
Прузъ тинъ виглядала,
Ой люлі...
Свекорка прохала: (bis)
Ой люлі...
«Свекорку, батеньку,
Пусти на улоньку,»
Ой люлі...
— Хочъ же я й пущу,
Свекруха не пустить;
Ой люлі...
Хоть свекруха пустить,
Діверко не пустить;
Ой люлі...
Хоть діверко пустить,
Зовичка не пустить;
Ой люлі...
Хоть зовичка пустить,
Твій милий не пустить;
Ой люлі...
Хоть миленькій пустить,
Дитина не пустить;
Ой люлі...
Хотъ дитина пустить,
Нагайка не пустить,
Ой люлі...

Нагайка-дротянка
У тіло влипає,
Ой люлі...
У тіло влипає,
Тіло вириває.
Ой люлі...

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 46.

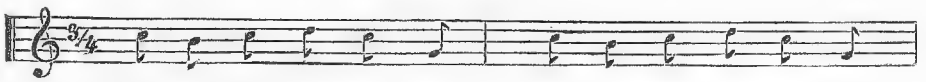

1) Ой не рос - ти, кро - пе, Ой не рос - ти, кро - пе,

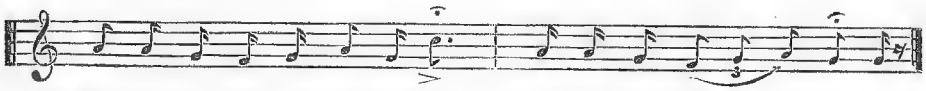

2) Ви - со - ко тай у го - ро - ди, Ви - со - ко тай у го - ро - ді!

3) Ой не ходи, старий, (2)
4) Коло моій хати; (bis)
5) Ой не топчи, старий, (2)
6) Кудрявоі мъяти. (2)
7) Я того старого (2)
8) Одъ роду не любила, (2)
9) По ёго слідочку (2)
10) Каменемъ да покотила. (2)
11) Ой якъ тяжко-важко (2)
12) Каменю да покотитися, (2)
13) А ще й тяжче, важче (2)
14) Старому да женитися. (2)
15) Порости, кропе, (2)
16) Високо да у городі, (2)
17) Ой походи, молоденький, (2)
18) Коло моеі хати; (2)
19) Ой потопчи, молоденький, (2)
20) Кудрявую мъяту. (2)
21) Я того да молодого (2)
22) Одъ роду да полюбила, (2)
23) По ёго слідочку (2)
24) Перстникомъ да покотила, (2)
25) Ой якъ легесенько (2)

26) Перстнику да котитися, (2)
27) А ще й легше, легше (2)
28) Молодому та женитися. (2)

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### Б.

2) Повишче й города.

4 Б = 4 А... мого двора, 5 Б = 7 А... тебе..., 6 Б = 8 А,

7) По твоіхъ слідочкахъ,

8 Б = 12 А... да... 9 Б = 15 А Ой... кропе,

10) Повишче й города.

11 Б = 17 А... молодъ, 12 Б = 18 А... мого двора, 13 Б = 21 А... тебе да..., 14 Б = 22 А Изъ... любила,

15) По твоіхъ слідочкахъ
16) Яблочкомъ котила.

17 Б = 24 А... любо, мило

18) Яблочку котитися,
19) Ой такъ любо, мило,

20 Б = 27 А.

(*Горностайполь, Радомысльск. у.*).

## 47.

Ой у полі короговъ має,
Ой у полі да червоная;
А пуидъ тиєю короговкою
Муий нелюбенький сидить,
Да на мене косо глядить.
Я-жъ молода зажурилася,
Пиломъ-миломъ да й умилася,
Китайкою да й утерлася,
Рученькою да й пудперлася.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 48.

Розлилися води
На чотирі броди...

Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
Въ первому броді
Зозуленька кує,
А въ другому броді
Соловей щебече.
Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
А въ третёму броді
Сопілочка грає.
Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
Въ четвертому броді
Дівчинонька плаче.
Ей, мати, лихо знати —
За нелюбомъ жити!
Зозуленька кує,
Бо літечко чує.
Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
Соловей щебече —
Садки розвиває.
Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
Сопілочка грає —
Въ улицю скликає.
Гей, дівки, весна-красна,
Зілле зелененьке!
Дівчинонька плаче —
За нелюба йдучи.
Гей, мати, лихо знати,
За нелюбомъ жити!
Ідь до мене, доню,
За три рокі въ гості.
Дочка не слухала,
Та въ рікъ приїхала.
Мати не пізнала,
Зъ подвірья зігнала.
Гей, мати, лихо знати,
За нелюбомъ жити!
Сусіда пізнала —
Матері сказала.
Гей, мати, лихо знати,
За нелюбомъ жити!

«А де же твоє, доню,
Те білеє личко?»
Гей, мати, лихо знати,
За нелюбомъ жити!
Въ пьяниці въ кулаці.
«Де жъ твоі, доню,
Дорогі коралі?»
Въ шинкарки въ Парані.
«А де жъ твоі, доню,
Воли та корови?»
Гей, мати, лихо знати,
Въ шинкаря въ оборі.
«А де жъ твоі доню,
Білиі перини?»
Гей, мати, лихо знати,
Въ шинкаркі въ Марини.

(*Пальянка, Уманьск. у.*).

## 49.

Не ходи, не люби,
Не носи грошей;
Не пойду за тебе, —
Ти жъ не хороший.
Не ходи, не люби,
Не залицяйся —
Не пойду за тебе,
Ти жъ не сподівайся.
Не тупай, не тупай
Правою ногою —
Не ляжу, не ляжу
Спатоньки зъ тобою.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 50.

### А.

1) Ой, ти, си - ва - я та зо - зу - лень - ко,

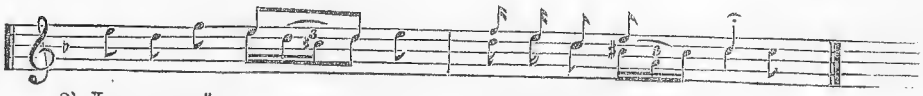

2) Да не-куй ра - но дай у ді - бро-ві (bis).

3) Не збуди мене да молодоі, —
4) Избудять мене да раній тебе.
5) Й у мене свекорко — да не батенько:
6) «Уставай, невістко, не робітниця,
7) Ти своєму роду не кукуибниця;
8) Устань, невістко, да ранесенько,
9) Умий личко да білесенько.»
10) Ой хвалилася молода дівчина:
11) «Що въ мене коса да до пояса,
12) Й у мене коса да до пояса,
13) Й у мене личко да білесенькеє, (bis)
14) Й у мене брівки да чорненьки».
15) Ой озоветься да молодий козакъ:
16) «Ой не хвалися, молода дівчино,
17) Не ти сеє личко да вибілила,
18) Не ти сіі брівки да вичернила, —
19) Вибілило личко й умиваннечко,
20) Вичорнили брівки да мулярнички.»

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## Б.

1 Б = Зозуленько да дубруивная, 4 Б = 4 А . . . раньше . . . .

5) Ой пошлють мене рано по воду.
6) Я молоденька да слухняная,
7) Взяла ведерце да постукала, (bis)
8) Да й упъять голуивку да окутала.
9) Уже свині да й у долині,
10) Молода невістка спить у перині;
11) Вже вуивці на крутуиі гуирці,
12) Молода невістка спить у комуирці;
13) Й уже корови да й у дуброві,
14) Молода невістка спить у коморі.

15 Б = 6 А, 16 Б = 7 А И моєму. . . .

17) И моєму роду не привітнице.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## В.

5) Въ мене свекруха — не матонька,
6) Мене гуляти не пускає,
7) Да въ комнатоньку замикає.
8) А въ комнатоньці оконечко,
9) А въ оконечку кватирочка.
10) Ой одчиню я кватирочку,
11) Гляну, погляну на риночку...
12) Ой мій хрещатий барвіночку,
13) Не ростілайся по всімъ садочку, —
14) Тудою йтиме мій нелюбий,
15) Потопче тебе ножищами,
16) Пощипле тебе ручищами.

(*Горностайполь, Радомысльск. у.*).

## Г.

1 Г Въ бору, въ бору, въ бірку,
2) Та й будує мій миленький комірку.
3) Будуй, мій миленький, комірку,
4) А вибудуй віконечко и кватирку,
5) Щобъ до мене соловейки прилітали,
6) Щобъ мені хорошенько щебетали.
7 Г = 10 В... одсуну... 8 Г = 11 В... гляну... 9 Г = 12 В,
10) Не стелися ти по риночку,
11 Г = 14 В Бо тутъ буде йти... 12 Г = 15 В... ножищею.
13) А зорве ручищею,
14) А заткне тебе за шапище,
15) За дурную головище.
16) Лучче постелися,
17) Якъ буде йти мій миленький,
18) То стопчеть тебе ніженькою,
19) То зорве тебе рученькою,
20) И заткне тебе за шапоньку,
21) За золоту головоньку.

(*Изъ рукописн. сборника Кулиша*).

## Д.

1 Д = 5 Б, 2 Д = 6 Б... молода... 3 Д = 7 Б. 4 Д = 8 Б Зновъ...

5) Ходить свекорко да коло комори,
6) Будить невістку да до корови.

7 Д = 6 А, 8 Д = 7 А. 9 Д = 11 Б всі..., 11 Д = 12 Б А моя..., 12 Д = 13 Б... всі..., 13 Д = 14 Б А моя...

5 Е = 5 А Що... свекоръ..., 6 Е = 5 В Що ..,

7) Що у мене діверко — да не братічокъ,
8) Що у мене зовиця — да не сестриця.

9 Е = 4 А: 10 Е = 6 А, 11 Е = 7 А Та нашому добру...,

12) Та нашому роду не привітнице!

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск., стр. 305*).

## 51.

«Доломъ, доломъ, долиною
Мандруй, дівчино, зо мною;
Мандруй, мандруй, не оглядайся,
На погоню не сподівайся.»
Ще дівчина слова не мовила,
А вже ёго молодого
Погоня догонила:
«Вертай, вертай, дівчино, до дому —
Плаче отецъ, мати за тобою».
— Нехай плаче, нехай нарікає,
На що мене за пъяницю віддає.
Бо пъяниця въ корчмі пъє й гуляє —
Моє серце якъ ножикомъ крає.
Вже пъяниця въ воротечка входить,
А дівчина білі руки ломить.
Вже пъяниця на порігъ ступає,
Дівчина окномъ утікає.
«Чи жъ ти, мила, жартівъ не знаєшъ,
Що одъ мене окномъ утікаєшъ?»
— Давно жъ бо я твоі жарти знала —
Зъ пташиною нічку ночовала;
Защебече соловей въ ночи,
Розвеселить моі чорни очи.

(*Заколупы, Холмск. у.*).

## 52.

Іде милий у дорозі, воли поганяє,
За імъ мила у погоню, волівъ здоганяє.

*

Ой ставъ милий середъ поля, воли випрягає;
Мила жъ ёму у погоню съ плачемъ вимовляє:
«Вернись, милий, голубчику, вернися до дому...»
— Не вернуся, моя мила, горечко съ тобою!
Чомъ не хочешъ ти робити и дома сидіти,
Чомъ не хочешъ жить зо мною на білому світі?
Ой ти жъ, мила, моє серце, ой де-жъ ти бувала,
Чи у полі лёнъ ти брала, чи пшеницю жала?
«Ой я въ полі лёнъ не брала, пшениці не жала:
Я не здужала робити, зъ похмілля лежала.»
— Ой колибъ ти добра жінка, ти бъ сиділа дома,
Та пъятюнку испостила — послужила бъ доля!
«Охъ вийду жъ я на городи, та гляну въ провалле:
Усімъ людямъ щасте, доля, мені безталаннє.
Не пішла бъ же я и заміжъ, не пішла бъ ніколи,
Пішла бъ лучче я въ черниці съ чорною косою,
Не терпіла бъ я горечка оттакъ молодою.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 306—307*).

## 53.

«Ой вийду я та гукну я,
А ти догадайся;
Якъ зачуєшъ мій голосокъ,
Хутшій поспішайся».
«Бодай тебе поспішила
Лихая година.
Черезъ тебе, сучий сину,
Мене мати била.
Била мене моя мати
Й хвалилася бити—
Ой перестань, сучий сину,
До мене ходити».
«На чимъ стану, на чимъ стану.
Да й не перестану!»
— «У тебе хата дубовая,
У мене смоловая —
Годі жъ тобі сміятися,
Що я убогая.
Ой хоть смійся, хоть не смійся,
Не сміхъ тобі буде:
Таки лихо тобі буде
Изъ нашоі хати.

(*Колошовка, Черниговск. у.*).

## 54.

Въ новімъ колодязі
Брала дівка воду;
Брала вона, брала,
Стала, подумала:
«Добре тому брати,
Въ кого своя мати,
Въ мене молодоі
Чужая мачоха;
Вона мені не скаже
Ні сёго, ні того,
Вона посилає
То сюди, то туди....
Въ новую комору
Білу постіль слати,
Білу постіль слати,
Зъ охвицеромъ спати.
На еі мачоха
Да насварилася,
Чому русакоса незачесана,
Чому шнуровка не зашнурована?

## 55.

Коло мого да дворпка
Солома лежить,
Туди моя дівчинонька
По воду біжить.
«Біжи, біжи, дівчинонька,
Да й не озирайся,
Буде кликать мій товарищъ —
Да и не озивайся.»
Ой у полі криниченька
Обрубленая,—
Да вже моя дівчинонька
Полюбленая;
Ой у полі криниченька
Обчарованая,—
А вже жъ моя дівчинонька
Поцілованая;
Ой у полі криниченька

И крукъ, и ведро, —
Да вже-жъ моеі дівчиноньки
Давно не було;
Ой у полі криниченька,
Орли воду пъють, —
А вже-жъ мою дівчиноньку
До шлюбу ведуть:
Одинъ веде за рученьку,
Другий за рукавъ,
Третий стіить, слёзи ронить,
Любивъ, да не взявъ.

*(Колошовка, Черниовск. у.).*

## 56.

Текла річенька, звенила
Ажъ до парубківъ у сіни,
Туди парубки збірались,
По золотому складались.
«Да клади, хлопче, більше всіхъ,
Краща дівчина твоя всіхъ,
На ій прибору більше всіхъ,
И прибірниі ворота,
И криниченька глибока.»
Якъ повадилась дівчина
Рано по воду ходити,
Молодця козака любити.
Якъ угледивъ же да козакъ —
«Ходи, дивчино, ще раньше. 2
Мій тебе батенько любить,
И криниченьку обрубить,
И васплечкомъ обмете,
И барвіночкомъ обплете,
И руточкою обтиче —
Собі дівчину прикличе.

## 57.

«Чомъ ти, Галю, не гуляєшъ,—
Галю, Галю!»
— «Бо не маю черевичківъ,
Кавалеру!»

«А я тобі черевички
Справлю, справлю!»
— «А я тобі, кавалєру,
Подзінькую.»
«Чомъ ти, Галю, не гуляєшъ,
Галю, Галю!»
— «Бо не маю сукеночки,
Кавалєру!»
«А я тобі сукеночку
Справлю, справлю!»
— «А я тобі, кавалєру,
Подзінькую.»
«Чомъ ти, Галю, не гуляєшъ,
Галю, Галю!»
— «Бо коралеківъ не маю,
Кавалєру».
— «А я тобі коралеки
Справлю, справлю».
«А я тобі, кавалєру,
Подзінькую».

(*Дашковъ, Литинск. у.*).

## 58.

Въ воротечкахъ сніжокъ упавъ,
Красний молодець зъ коня впавъ.
Ой упавъ же вінъ, та й лежить,
Покі дівойка прибіжить.
«Вставай, молодець, не лежи,
Сідай на коня, та й біжи.»
Прибігъ молодець до дівойки:
«Встань, дівойко, здорова, молода,
Ідь зо мною въ зелений гай:
Вибіраймося въ красний рай».

(*С. Якуши, Ковельск. у.*).

## 59.

Ой пудъ клунькою, пудъ сошкою
Сидить Яковко изъ кошкою.
Ой зъ якою? зъ рябою,

Изъ Ганночкою молодою.
Ой кошка каже: курнявъ, курнявъ!
Яковко Ганну обнявъ, обнявъ.

(*Колошовка, Черниговск. у.*).

## 60.

### А.

Andante.

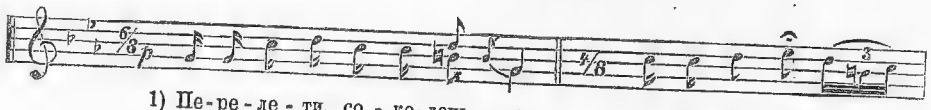

1) Пе-ре-ле-ти, со-ко-лень-ку, пе-ре-ле-ти,

2) че-резъ на-ше Ба-риш-по-ле да въ по-ле.

3) Да накажи, соколоньку, да Василю: (2)
4) Й уже твоя да дівчина у тузі, (2)
5) Сапъянні черевички на нозі.
6) Да нехай же носить здорова,
7) Я жъ бо ій да не скажу ні слова.
8) Да не за батькови се гроши
9) Купивъ дівчині хороші;
10) Да не за батькови телички
11) Купивъ дівчині черевички.
12) А въ кротика ножки коротеньки,
13) Да на гору не зійде, не стане
14) Й а въ долині да купала (?) не стане.

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 61.

А въ чистому полі
Стоітъ три садочки:
Въ першому садочку
Соловей щебече,
А въ другімъ садочку
Зозуленька кує,
А въ третімъ садочку
Мати зъ синомъ ходить,

Потиху говорить:
«Ой, сину мій, сину,
Сину найроднійший,
Скажи щиру правду,
Хто тобі вернійшій,
Чи теща, чи жінка,
Чи рідная мати?»
— «А мні теща вірна
Для свого прихілля;
А мні жінка вірна,
Бо то моя рідна;
А мати вірнійша,
Бо мати ріднійша.

## 62.

Ой вийду я на улицю—
Солома горить;
Сюди гляну, туди гляну—
Дівчина біжить.
Нехай біжить, хочъ не біжить,
Я води не дамъ.
«Иди собі, дівчинонько,
Пудъ зелений гай,
Пудъ зелененькимъ гаємъ
Нова криниця;
Ой тамъ тобі, дівчинонько,
Чиста водиця.»

(*Дорогичинъ, Кобринск. у.*).

## 63.

Тече вода зъ огорода,
Тече зъ підъ печери—
Кличе вдова козаченька
Къ собі на вечеру:
«Прийди, прийди, козаченьку,
На рибку, на юшку,
На білую постілойку,
На білу подушку.
А вже вечоріє
Козакові, у вдовойки
Та серденько мліє.

Ой прийшовъ вінъ пудъ оконце:
«Добри-вечеръ, серце».
Вона ёму одказує:—
«Забий жінку перше!»
Вінъ приходить до домоньку,
Да й ставъ жінку бити.
Якъ ударивъ першу хуру —
Вона подалася,
Якъ ударивъ другу хуру —
То й кровъ полилася,
Якъ ударивъ третю хуру —
Стала говорити:
«А вже-жъ тобі, мій миленький,
Зо мною не жити.—
Не жалуєшъ, мій миленький,
Мене молодоі,
То пожалуй, мій миленький,
Дитини малоі!
Сусідойки, голубойки,
Дайте тещі знати,
Нехай прийде свою дочку
На смерть наряжати».
Иде мати дорогою,
Голосъ дібровою:
«А вже мені не ходити
Тею дорогою».
Прийшла мати просто пудъ оконце:
«Лежитъ моя красна дочка
Личкомъ противъ конця.
Чимъ же ти, моя доню,
А чимъ розгнівила,...
Що ти своімъ краснимъ личкомъ
Всю світолку змила»?
— «Якъ не знаю, моя мати,
Якъ ти породила,
Такъ не знаю, моя мати,
Чимъ я розгнівила»!
«Сусідойки, голубойки,
Дайте попу знати,
Нехай прийде мою дочку
На смерть сповідати».
— «Не тра, мати, не тра, мати,
Попа турбувати.
Чтирі дошки, сажень землі,

Той буду лежати,
А вінъ буде, молоденький,
Кайданами брязчати».

## 64.

У городі, у холоді,
Стоіть, колодезь повенъ води;
Ой вийде мати води брати,
Да зъ новенькими ведерками,
Да зъ шовковими почипками;
И тихъ повненькихъ не набрала,
Все слізочками доливала:
«Ой годувала дочку не годъ, не два,
Да згодувавши, людямъ слуга,
Батьку да матці на вікъ туга».

(*Колошовка, Черниговск. у.*).

## 65.

Ой колибъ я знала,
Що якъ мені буде,
Не пила бъ горілки,
Не йшла бъ поміжъ люде.
Ой колибъ я знала;
Що буду вмірати,
То бъ я сказала
Труну збудовати,
Труну збудовати
Ще й обмалёвати.
Ой стояла труна,
Тай заговорила:
«Або розберіте,
Або що кладіте».
— «Ой клала бъ я отца,—
Отця не годится;
Ой клала бъ я неньку,
Голубку сивеньку;
Ой клала бъ я брата —
Не для брата хата;
Ой клала бъ я сестру —
Въ сестри дрібні діти,

Нікому глядіти!
Ой клала бъ милого—
Не буде такого!
Не буде такого,
Ой жаль мені ёго!
Ой лягла бъ я сама—
Дитиночка мала.»
— Ой лягай же мила,
Якось воно буде?
Нашую дитину
Вигодують люде».
«Вже-жъ нашій дитині
Роскоші не буде.»

(*Мирополь, Новградволынск. у.*).

## 66.

А мій батько—зеленъ цвітъ,
Моя мати—зоря;
Мене замужъ отдала
А въ новую деревню,
А въ великую семью.
Семья сяде вечеряти,
Я по воду пойду.
Покіль воду принесла,
То й вечеря одійшла.
— «Чомъ ти ложокъ не миешъ,
И постілі не стелешъ?»
Я ложки помию,
Білу постіль постелю,
Білу постіль постелю,
Сама спати пошла;
Пудъ оконце подійшла,
Ой що се мні говорить—
Мене молоду судять.
«Чомъ ти єі та не бъешъ,
Чомъ ти єі не караєшъ?»
— «Ой якъ же мені іі бить,
Коли треба зъ нею жить?
Коли вона сонливая—
То збудіте іі,
Коли вона лінивая—
Научіте іі,

Коли вона ничога —
Одошліте іі.
Єсть въ еі отець, мати,
То пригорнуть іі».
Ой війду я на гору,
Та гляну я въ долину,
А жъ тамъ иде моя мати
И сто червонпихъ несе;
Сто червонпихъ несе,
Викупляти мене.
«Вернись, мати, до дому,
Сховай гроші въ комору:
Тобі гроші пропадуть,
Мене зъ тамтіль не дадуть!
Вже жъ я Богу присягла,
Щобъ я тутка померла.»

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 67.

Не куй, зозуленько, темненькоі ночи,
Повидираєшъ на ліщинонську очи;
— «Якъ же-жъ мені раненько не кувати,
Годовала дітки, да и кимъ замишляти.
Ой що бъ тому да три літа хворіти,
Хто побравъ зазульчини діти!

## 68.

Ой схилився сухий дубъ
На зелену дубрівоньку:
«Ой зелена жъ моя дубрівонька,
Ой бідна жъ моя головонька,
Ой рано жъ тебе спустошено,
На сіно-траву покошено;
Тілько зосталось трой зілле:
Перве зілле барвіночокъ,
Друге зілле василечки,
А трете зілле любисточокъ.

(*Колошовка, Черниговск. у.*).

## 69.

Ой хвалилася да березонька:
«Що на мені кора да біленькая, (2)
Що на мені листє да широкеє, (2)
Що на мені гилле да високеє».
Ой одозветься зелений дубочокъ:
«Ой не хвалися, да березонька, (2)
Не ти свою кору да вибілила, (2)
Не ти сеє листє да широчила,
Не ти сеє гилле да височила.
Вибілило кору да яснеє сонце,
Широчило листє да буйний вітеръ, (2)
Височило гилле да дрібенъ дощикъ.

(*Иваньковъ, Переяславск. у.*).

## 70.

«Чомъ, юлонька, не широкая?
Чомъ, травонька, не зеленая?»
— Якъ мені зеленій бути,
Коли мене дівчата зтопчать
Жовтими чобітками,
Золотими підковками.
«Чомъ, юлонька, не широкая?
Чомъ, травонька, не зеленая?»
— Якъ мені зеленій бути,
Коли мене молодиці зтопчать
Чорними чобітками,
Залізними підковками.
«Чомъ, юлонька, не широкая?
Чомъ, травонька, не зеленая?»
— Якъ мені зеленій бути,
Коли мене парубки зтопчать
Постолами-постолищами,
Волоками-волочищами.

(*Чернелевка, Староконстантиновск. у.*).

## 71.

«Полень, полень, поленушко,
Ой ти горка трава!
Чому тебе, поленушко,

Въ чистімъ полі нема?»
— Ой я живу при дорозі,
Та при битімъ шляшку —
Да салдатушки йдуть,
Ночевати будуть.
Ой приіхавъ білий царъ,
Нашъ батюшка государъ,
По колінушка въ троні,
По копитушка въ крові.
«Ой ви, моі ребъятушки,
Чи хорошо вамъ жити?»
— Ой хорошо, русськой царъ,
Нашъ батюшка государъ!
«Ой моі жъ ви, ребъятушки,
Не жалійте на мене,
Буду листи писать,
Та побольше въ рекрути брать.
Велю брати женатихъ,—
Горькі слёзи роняти;
Велю брати холості —
Будуть пісні піти.»
Ой де йшли жонаті —
Да мокрая дорога;
А де шли холості —
Зелена дуброва.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 72.

Приступи, царенку, до близу,
Уклонись царівні до низу.
Въ городі царівъ синъ,
А за городечкомъ царівна.
Приступи, царенку, до гаю,
Возьми царівну зъ раю,
Возьми, царенку, ще й ближче.
Уклонись царівні ще й нижче.

(*С. Тальянка, Уманск. у.*).

## 73.

«А, Бугъ, помогай, Бугъ, аворови люде».
— «Бодай здорови були, замостови люде».—

«А де жъ ви бували, аворови люде?»
— «Надъ моремъ сиділи, замостови люде».—
«А що жъ ви робили, аворови люде?»
— «Замки будовали, замостови люде».—
«А зъ якого дерева, аворови люде?»
— «Съ кленоваго мосту,
Съ писаного листу,
Замостови люде?»

(*Полоски, Бѣльск. у.*).

## 74.

### А.

1) Ой весна, весна,
2) Що намъ принесла?
3) Дівкамъ зросту,
4) Хлопцямъ коросту.
5) Що бъ дівки не гуляли,
6) Да кожолку пряли;
7) А хлопці не гуляли
8) Да коросту драли.

### Б.

3) Решето бобу,
4) Жидамъ хворобу.

4 Б = 3 А, 6 Б = 4 А.

(*Горностайполь, Радомысльск. у.*).

## 75.

А въ городі ярица, ярица,
А Яковко пъяница, пъяница!
А Ганночка вишенька, вишенька,
Присунсь до мене близенько, близенько!
Ой радъ бы я сунуться,
Кажуть люде: любиться, любиться!
Ой Яковко молодий, молодий,
Да Ганночку полюбивъ, полюбивъ:
А Ганночка паршива, паршива,
Ему штанці пошила.

(*Колошовка, Черниговск. у.*).

## 76.

Чи се той двіръ, що милий мій
Заплітавъ сіни?
Тамъ мої два перстника
На вікі засіли.
Два перстника золотиі,
А третя каблучка...
Коли мене ти не любишъ,
Люби мою сучку.
Моя сучка рябесенька,
Лучче твого хорта...
Ой є въ мене женишина —
Не до тебе, чорта!

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## 77.

Не ходила на улицю,
Не буду ходить:
Засідає бісівъ синъ
Изъ улиці бить.
Хоть засідай, не засідай,
То не будешъ бить:
Нема въ тебе худобоньки
За мене платить.
Тилько въ тебе худобоньки,
Що сива кобила:
Тую злупивъ, жупанъ купивъ,
Щобъ я полюбила —
Тилько въ тебе худобоньки,
Що сиве лошятко...
Скрутилася твоя мати,
Ще скрутиться й батько!

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## 78.

Летіли гуси зизаючи,
За іми другі, слухаючи;
Ой де літали, то літали,

Такого села не видали,
Якъ тое село Полоски.
Ой тамъ молодиці, якъ білиці,
А дівойки, якъ зороньки,
А парубки, якъ паничи.
Летіли гуси зизаючи,
За ними другі, слухаючи;
Де літали, то літали,
Такого села не видали,
Якъ тое село Дубровиці.
Тамъ молодиці, якъ копиці,
Тамъ дівойки, якъ совоньки,
Тамъ молодці, якъ жеребці.

(*Полоски, Бѣльскаго уѣз.*).

## 79.

Горіло поле, горіло,
А я жъ молода тушила, (2)
Решетомъ воду носила... (2)
Скуилько въ решеті водиці,
Стуилько въ дівчатокъ правдиці. (2)
Скуилько въ решеті дірочокъ,
Стуилько хлопъятамъ болячокъ. (2)

(*Барисполь, Переяславск. у.*).

## 80.

Линіла вода, линіла,
Мати до дому гонила:
«Идіть, дівчатка, до дому,
Мішайте свинямъ полову;
А ви, парубки, за нами,
Іжте полову зъ свинями».

(*Барисполь, Переяславск. у.*).

## 81.

Ой ти, ткачу-потіпачу,
Не махай руками!
Ой не хвастай, сучий сину,
Чужими клубками.

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## 82.

Московочка тарара
Поіхала по дрова,
Да й стріла попа,
Помагай-Бігъ дала.
«А чия ти жона?»
— «Государовая.»
Государъ Матвій
Молотивъ ячмінь,
На чужомъ точку
Сочевичку.
Налетіли курі-куропьятушки
И метуть, и гребуть въ три лопатушки.
Ишовъ козелъ мостомъ,
Попірается хвостомъ.
Треба козла вбити,
Черевички пошити;
Черевички козлові
Дівки черноброві.

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## 83.

Блудили хлопъята, блудили,
Сімъ день да по запічку,
А чотирі да по припічку;
Приблудилися да до пуильняго окна:
«Дівчаточка, голубъяточка,
Дайте хліба хоть скірочку,
Дайте деревъяноі ложки
И сироватки трошки».
Тимъ хлопъятка білі,
Що сироватку іли;
А дівчатка красні,
Що поіли вареники въ маслі.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 84.

Та на тімъ кутку, на юлиці
Собака. . . . . .
На той кутокъ

Гостинець послала.
Та на сімъ кутку, на юлиці
Квочка съ курчятами,
На тімъ кутку, на юлиці
Хлопці зъ дівчатами.
На тімъ кутку, на юлиці
Поплетени тини...
«Виходьте съ того кутка,
Пребісови сини!»
На тімъ кутку, на юлиці
Побиті колочки...
«Виходьте съ того кутка,
Пребісови дочки!»

*(Корниловка, Переяславск. уѣз.).*

## 85.

Тиндику, тиндику,
Сидить баба въ літнику,
Орішеньки лущить,
И оченьки плющить.

*(Колошовка, Черниговск. у.).*

## 86.

Ходивъ жучокъ по долині,
А дівчина по калині.
Грай, жучку, грай,
Будешъ мати добрий край.
Ой поіхавъ жукъ по дрова,
Я жучиха черноброва.
Якъ поіхавъ жукъ по сіно,
А жучиху щось насіло.

*(Дашковъ, Литинск. у.).*

## 87.

Прилетіла зозуленька
Зъ темного лісочку,
Сіла, пала, заковала

Въ зеленімъ садочку.
Ой якъ вийшла Марусенька,
Въ неі запитала:
«Скажи мені, зозуленько,
Довго буду въ батька?»
— Будешъ, мила Марусенько,
Сей день до вечора!
«Бодай же ти, зозуленько,
Сімъ літъ не ковала,
Що ти мені молоденькій
Правди не сказала.

## 88.

Ой плавала да чашечка мідяна...
Упилася дівчинонька молода;
Упилася на медочку,
Шануючи казаченька въ холодочку.
Ой плавало дві утінки
Да подъ млинкомъ...
Подавала дівчинонька
Да рученьки двомъ.
Ой не двомъ, не двомъ, — одному —
Да своєму козаченьку молодому.

## 89.

Що въ нашоі Маръюсечки
Високі пороги, —
Тоді иде Петрусечокъ,
Якъ доіть корови.
Що въ нашоі Маръюсечки
Високи вершечки, —
Тоді иде Петрусечокъ,
Якъ доють овечки.
Що въ нашоі Маръюсечки
Орелъ на воротяхъ,—
Унадився Петрусечокъ
Въ червонихъ чоботяхъ.

## 90.

Скриплять мої ворітечка
На морозъ, на морозъ;
Горить моє біле личенько
Буде дощъ, буде дощъ.
Ой дощику, поливайчику,
Поливай, поливай;
Козаченько до дівчини
Прибувай, прибувай.

## 91.

Ой да видно мені да на Подолі
Вороннi конi;
Тілько не видно, уже и не видати
Мого серденяти.
Десь у мого да серденяти
Не рідная мати —
Не пускає ёго на улицю,
Міжъ челядь гуляти.

## 92.

Ой тихая да й улиця, тиха,
Нема мого вірного жениха.
А ще жъ вона да тихшая буде,
Якъ мій милий у дорозі буде.
Десь мій милий въ великій дорозі,
Покидає три колоси въ стозі.
Первий колосъ — дітей годувати,
Другій колосъ — челядь собірати,
Третій колосъ — горілку курити,
Щобъ забула по миломъ тужити.

## 93.

Ой вийду я за ворота,
Гуляю, гуляю,
Якъ білая лебедочка
По тихімъ Дунаю.

Ой вийду я на ярочокъ,
Та пущу голосочокъ:
Нехай мене той зачує,
Що въ полі ночує.
Ой вийду я за ворота,
Стану на ослонці...
Десь мій милий, чорнобривий
Въ Голинці на стойці.
И се село, и те село,
Мені не весело;
Тільки мені веселенько,
Де мое серденько.

## 94.

Якъ ходила дівчинонька по межі,
Червониі черевички на нозі.
Носи, носи, дівчинонько, не лінуйся,
Щобъ до тебе казаченько пригорнувся.

## 95.

Ой оравъ милий у ярині,
Теперъ у толоці...
Виплакала карі очи
За чотирі ночи.
А вже жъ мені сі чотирі
Да за вісімъ стали....
Да щобъ мого миленького
Волики пристали.
Ой щобъ воли живі були,
А плугъ поламався,
Ой щобъ милий, чернобривий,
Зъ волами пригнався.
Ой навідала кубелечко,
Де утка несеться. . . .
Перечула черезъ люди —
Ледащо сміється!
Ой чи зъ мене сміятися,
Чи зъ мене глумиться,
Якъ дамъ тобі зтиха лиха

Зъ водою напиться.
Хоть я не дамъ, хоть я не дамъ,
Дакъ дасть моя мати,—
Таки будешъ лихо знати
Изъ нашоі хати.
Мати не дасть, мати не дасть,
Дакъ дасть моя тітка,—
Ой изсохнешъ, изовъянешъ,
Якъ рожева квітка.
Тітка не дасть, тітка не дасть,
Дакъ дасть моя баба,—
Ой изсохнешъ, изовъянешъ,
Якъ сухая жаба.

## 96.

И то село, и се село
Мені не весело,
Тільки тее веселенько,
Де мое серденько.
Ой милий мій, колибъ я твій
Голосокъ зачула,
Вилинула бъ проти тебе,
Якъ сива зозуля.
Нехай тобі зозуленька,
Щобъ рано ковала,
А мені нехай соловейко,
Щобъ я не скучала.
Ой я жъ кажу: въ саду лежу,
Ажъ я въ нехворощі,
Изсушилась, извялилась
Тілько моій мощи.
Зсушилася, звялилася,
Якъ нитка тоненька:
Сімъ саженей пояспна —
Дай та коротенька.

## 97.

Світи, зоре, на все поле,
Закіль місяць зійде,

Закіль до мене миленький
Вечеряти прийде.
Ой чи прийде, чи не прийде
На вечерю тую,
А я ему ранесенько
Снідати зготую. —
Цвіли лози при дорозі
Синесенькимъ цвітомъ...
Ишовъ казакъ изъ улиці
Білесенькимъ світомъ.
Не жаль тому козаченьку
Поснідати дати,
Що вінъ иде изъ улиці,
Якъ стане світати.

## 98.

Ой ти вийдешъ и я вийду,
Вийде й моя мати —
Нехай буде мати знати,
Кого зятемъ звати.

## 99.

Колибъ мені, да Господи,
Повечоріло,
Добъ на моему серденьку
Поздоровіло.
Коли бъ мені, да Господи,
Сонечко зійшло,
До бъ до мене у вечорі
Серденько прийшло.

## 100.

Ой вийду я за ворота,
Сюди, туди гляну, —
Нема мого миленького, —
Я до дому гряну.

## 101.

Що й у полі, край дороги різно,
Ходивъ козакъ до дівчини пізно.
«Ой не ходи, казаче, до мене,
Буде слава на тебе й на мене».
— Що я слави по вікъ не боюся,
Съ кімъ знаюся — не наговорюся,
Съ кімъ люблюся — пійду звінчаюся;
А звінчавшись, пойду до шинкарки.
Шинкарка ширинoчку шила,
А вдовина свою дочку била:
«Де ти, суко, вінокъ загубила?
Колибъ, доню, неділі дождати,
Дай будемо Дунай виливати,
Дай будемо віночка шукати».
— Лучче, мати, правдоньку сказати,
А ніжъ мені людей турбовати:
Що й шла я у гай зелененький,
Зострівъ мене козакъ молоденький,
Схопивъ зъ мене вінокъ золотенький.

## 102.

Овечечко, космашечко,
Хто тебе напаше, моя машечко?
Батько старий и мати стара,
А я молоденька — гуляти раденька.
Плахти тчуться, концi рвуться,
А за мене молодую женихи бъються.
И не тчітеся, и не рвітеся,
А за мене молоду ви не бийтеся.

## 103.

Ой вийду я за ворота,
Гуляю, гуляю;
Кличе мати вечеряти —
Виляю, виляю.

Якъ же мені да вплятн, —
Що рідная мати
И постеле, и укрие:
— Лягай, доню, спати.
Ой вийду я на улицю,
Гуляю, гуляю;
Одна несе вареники,
Другая сметану.
Ой вийду я за ворота,
Гуляю, гуляю,
Якъ білая лебедина
По чистімъ Дунаю.
Що білая лебедина
Дунай сколотила...
Не вірная дружинонька
Зсушила, звялила.

## 104.

Да всі зірочки до купочки,
Місяць иде різно.
Да не лай мене, моя мати,
Що я хожу пізно.
Да хочъ хожу пізнесенько,
Добрий розумъ маю:
Ой яжъ тому ледачому
Віри не доймаю.

## 105.

А чи намъ чотиромъ
Да кози бояться,
Да чи намъ богачамъ
Да не потураться?
Що у тихъ багачокъ
Да по сорокъ сорочокъ,
А у мене одна
Да біла що дня.
Що вечора намочу,
Опівночи колочу,
А икъ світу приберусь —

На милого подивлюсь.
Що журавель намне,
А чапля намиче,
А сорока оснуе,
А ворона витче,
А білиі лебеді
Да й убілять на воді,
А райськиі пташки
Пошиють рубашки.
А щобъ наша удова
Безъ сорочки не була,
Щобъ нашоі удові
Не сміялись вороги;
Що въ нашоі удови
Да полотенъ бочка,
А якъ вийде за ворота, —
По коліно сорочка.

## 106.

Ой вийду я за ворота
На лебедя крикну.
Все чужая стороночка, —
Тутъ я не привикну.
Треба жъ мені привикати,
Зъ рудимъ ночовати.
Ой ти, рудий та поганий,
Поганого роду,
Ой пійди жъ ти, утопися
Въ холодную воду;
Ой пійди жъ ти, утопися,
Да й запечалися.

## 107.

Зійшовъ місяць ранесенько
Да й огородивсь.
Да й у добрий часъ годиночку
Козакъ уродивсь..,

Скидай, скидай, козаченьку,
Жупанокъ, жупанокъ,
Да напинай дівчиноньці
Холодокъ, холодокъ,
Щобъ не загорівъ у дівчиноньки
Біленький видокъ.
Да й личко, якъ яблучко,
А сама калина,
Ой якъ вийде за воротечка —
Козаченьку мила.
Ой хоть мила, хоть не мила,
Аби вірно любила;
Ой якъ прийду у вечері,
Аби ручку дала.
Да теперъ же я, козаченьку,
На віки твоя.

## 108.

Якъ сівъ комаръ на маковці,
Весь макъ обламавъ,
Тілько одну да маковку
Да й обминувавъ.
Козаченько за дівчину
Да три копи давъ,
Щобъ моєі дівчини
Ніхто не займавъ.
Ой хоть займавъ, хоть не займавъ,
Аби не ціловавъ.

## 109.

Ой дощечка да й объ дощечку бъється,
Да й объ дощечку бъється.
Молоденький козаченько
Підъ оконечкомъ мнеться.
— «Ой загину, дівчинонько,
Да загину, загину»!
— «Ой хиба бъ же я

Да не батькова дочка,
Щобъ я тобі молодому
Да загинути дала».
Ой ишовъ же я
Черезъ дівчинини сіни,
Ой хиба жъ вони
Да мене и не познали,
Вони мене молодого
Вечеряти не позвали.
Ой ишовъ же я
Поузъ дівчинину пустку,
Да найшовъ же я
Да вишивану хустку.
Чи не моя дівчинонька
Сю хустиночку шила?
Вона мене молодого
Изсушила, звялила.

## 110.

Ой млинъ меле, ой млинъ меле
Не колесомъ — листомъ . . .
Викликає парень дівку
Не голосомъ — свистомъ:
«Вийди, вийди, дівчинонько,
Моя, не чужая,
Вийди, вийди, дівчинонько,
Потіхо ти моя.
Ой ходімо, дівчинонько,
Слідокъ затирати:
Де стояли размовляли,
Підковоньки знати,
Щобъ не знали ні вороги,
Ні отецъ, ні мати.

## 111.

Сонечко исходить и грає,
Тамъ Иванько кониченька сідлає.
Вийшла й ёго матонька, питає:

— «Куда жъ ти, мій синочокъ, гадаєшъ,
Противъ ночи кониченька сідлаєшъ?»
— Да чого жъ тобі, матінко, до сёго,
Сідлаю я кониченька не твого,
Да поіду до тестенька до свого.
Ой я въ свого тестенька пообідаю,
Своєі Парахни одвідаю;
Я въ свого тестенька на обідъ,
До своєі Парахни на розглядъ.

## 112.

Зниділо дитятко, зниділо,
На гору водицю носячи,
Зъ гори камінець котячи.
Якъ покотиться камінець
Молодій Катрусечці въ рукавець.
Вона жъ думала камінець,
А жъ то козаченько — молодець;
Вона жъ думала біленький —
А жъ то козаченько молоденький.

## 113.

Ти на тімъ боці, я на сімъ боці —
Обоє надъ водою.
Не суди жъ ти мене, серденько моє,
Стоячи зъ другою.

## 114.

Ой вінъ же бо не поповичъ,
А вона не попівна.
Ище жъ бо вона не вінчана,
Тілько полюбила,
Да своєму козаченьку
Сорочечку шила.
Вона шила, не дошила,
Тілько підрубила.....

## 115.

Котилася дорогою
Цинова тарілка —
А въ нашого козаченька
Утіха — не дівка.
Вона въ саду родилася,
Въ винограді зросла, —
Моли Бога, молодий козаче,
Щобъ за тебе пошла.
Котилася дорогою
Біла горошина —
Чорні брови въ козаченька,
Якъ у волошина.
А въ дівчини ще й гарнійши,
Якъ шнуромъ утяти.

## 116.

Ой пойду я въ дубину, въ дубину,
Сюди, туди дубину стрепену, —
Посипались жолудочки въ пелену.
Оце жъ тобі, дівчино, талану,
Якъ до тебе у вечері прилену.
Я жъ думала, що пелінка мала,
За три копи жолудики продала,
А за копу дудника наняла.
«Заграй мені, дуднику, у дуду,
Поки жъ свого горенька забуду.
Коли бъ мені таке горе, якъ печаль,
То бъ я вийшовъ на улицю да й кричавъ.
Дівчино моя, сподівайсь талану —
Я до тебе у вечері соколомъ прилену.
Дівчинонька моя сподівалася,
Три дні хати не мела, не вмивалася.

## 117.

### А.

Poco moderato.

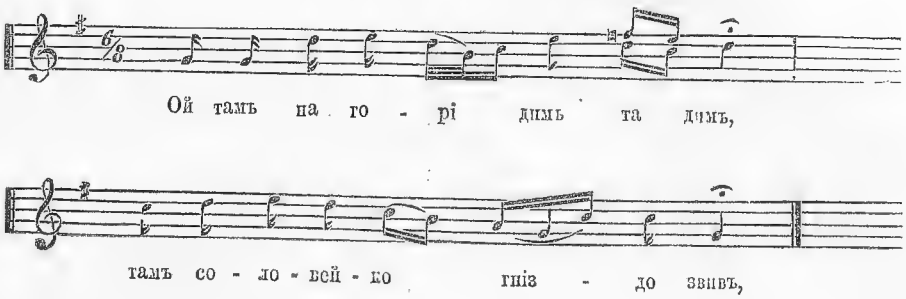


Да всю ніченьку не всипавъ,
Собі галочку приклпкавъ:
«Ой чи будешъ ти, галочко,
Моімъ діткамъ маткою?»
Ой тамъ на горі димъ, та димъ,
Ой тамъ Василько домъ робить,
Да всю ніченьку не всипавъ,
Собі дівчину приклпкавъ:
«Ой чи будешъ ти жоною,
Моімъ діточкамъ слугою?»

ОБЩЕСТВО ИМПЕРАТОРСКОЕ РУССКОЕ ГЕОГРАФИЧЕСКОЕ
17 МАЙ 74

(*М. Борисполь, Переяславск. у.*).

### Б.

Ой у садочку димъ, та димъ,
Тамъ соловейко гніздо звивъ,
Собі галочку приманивъ:
— Ходімъ, галочко, зо мною,
Будешъ ти мені жоною,
Моімъ діточкамъ матерью,
Близькимъ сусідамъ панею.
Ой на горі димъ не димъ,
Тамъ соловейко гніздо звивъ,
Всю ніченьку не всипавъ,
Собі галочку підмовлявъ.
Ой на горі димъ не димъ,
Тамъ Хведорко домъ робивъ.

Всю ніченьку не досипавъ,
Собі Евдошечку підмовлявъ:
— Ходімъ, Евдошечко, зо мною,
Будешъ ти мені жоною,
А моєму батеньку слугою,
Моій матоньці другою,
Близькимъ сусідамъ панею.

## 118.

Що Парахна воду несе,
Коромiселъ гнется,
А Иванко въ віконечко
Якъ береза ллетьця.
— Мулёваний коромiселъ
Гнувся, не вломився,
Молоденькій Иванко,
Не плачъ, не журися.
«Ой якъ мені не плакать,
Якъ мені не журиться,
Ой якъ не возьму Парахни,
Не буду жениться.»

## 119.

У лотокахъ заставочки
Мельникъ заставляє,
А дівчина по гребельці
Ходить, похажає.
Межъ дощечки въ заставочки
Водиця сочиться,
Коло дівки парубонько
Півнемъ козериться.
— «Не козерись, парубоньку,
И не копиль губу,
Коли любишъ такъ, якъ кажешъ,
То веди до шлюбу».
— «Ой радъ би я шлюбъ узяти,
Та не велить мати».
— «Якъ не велить, то й не ходи
На нашъ край гуляти».

Насупився парубонько,
Тай потягъ до дому...
— «Ой не кажи, дівчинонько,
Ти про се нікому».
— Скажу Івзі, скажу Стесі,
Ще скажу й Одарці,
Скажу Гальці титарівні,
Скажу й паламарці;
Ой скажу всімъ, щобъ про тебе
Веснянки співали,
Щобъ призвіща та прикладки
Тобі прикладали.

## 120.

Да й зірочка по хмарочці
Якъ бродить, дакъ бродить —
Козаченько до дівчини
Якъ ходить, дакъ ходить.
Ой зірочці по хмарочці
Да й не набродиться,—
Да козаченьку до дівчини
Да й не находиться.

## 121.

Ночувавъ же я у багатоі Насгі,
Да изъівъ же я перепілочку въ маслі.
Не багато изъівъ: крильце да реберце —
Ухопило козаченька за живітъ, за серце.
Було бъ тобі, козаченьку, перепілки не їсти,
Теперъ тобі, козаченьку, да не лягти, не сісти.

## 122.

Травка - муравка зеленая,
Чомъ ти такая потоптана?
Ой чи тебе гуси пощипали,
Ой чи тебе коні потоптали?
— Ні се гуси мене пощипали,
Ні се коні мене потоптали. —
Ой се дівки танцювали,

*

Золотими підківками
Мене потоптали.

## 123.

Чемеръ горить, Чемеръ горить,
Хрещате палає,
Тільки наша Олішевка,
Якъ золото сяє.

## 124.

Утка йде, утинята веде
На напасочку, на порясочку,
На холодну водицю,
На зелену травицю.

## 125.

Смерте, смерте, иди на ліса,
Иди на безвість, иди на море;
И ти, морозе, великий и лисий,
Не приходь до насъ изъ своєі комори.
Смерть зъ морозомъ танцювала,
Танцювала и співала,
И за море десь почвалала.

## 126.

Прибігавъ, прибігавъ козликъ підъ оконце —
Ой чи ткуть, чи прядуть дівки волоконце.
Одна дівка не пряде — за козлика хоче,
Що въ козлика борода пічъ вимітає,
А въ дівчини голова верхъ затикає,
А въ парубка крива нога огонь загрібає.

## 127.

На тімъ боці у толоці
Камень муку меле,
Да запитує парень дівку:
«Чи пійдешъ за мене?»
— Да не за кого я не пойду,
Якъ за того Марка:
Що у того Марка срібна чарка —
Я буду шинкарка.
Да на тімъ боці у толоці
Камень муку меле...
Запитує парень дівки:
«Чи пійдешъ за мене?»
— Да не за кого я не пійду,
Якъ за того Тараса:
А въ Тараса бочка мъяса —
Що-днй буду ласа.

## 128.

Ой співали дівочки, співали,
У решето пісні складали;
Та поставили пісеньки на вербі.
Де жъ взялися горобъі,
Звалили пісеньку додолу...
Часъ вамъ, дівочки, до дому.

## 129.

Лебедина, лебедина
Да на дівчину походила.
Ой жидъ иде, коня веде,
А за жидомъ жидовина:
Постой, жиду, сучий сину,
Твій кінь мій лёнъ топче,
На..... батьку, хлопче,

Що золотеє коріннечко,
А срібнеє насіннечко,
А шовковий лёнъ.

**130.**

Ой на горі санчята —
А роди, Боже, дівчата.
Ой на горі два дубки —
Бери, чортъ, парубки.

**131.**

Що на нашій да й улонці
Миски й полумиски,
А у тій же Оленовці
Дівки сивовискі.

**132.**

Ой заплету лісъ, лісъ —
На парубківъ бісъ, бісъ;
Ой заплету плетеницю —
На парубківъ шибеницю;
Ой заплету гай, гай —
На дівочокъ рай, рай.

**133.**

Да до насъ, до насъ, парубочокъ,
До насъ, не до кого;
Наваримо горщокъ жабъ,
Для васъ, не для кого.

**134.**

Що на нашій да улиці
Поросята лазять,
Хто не вийде на улицю,
Очи повилазять.

## 135.

Ой за гаемъ, ой за гаемъ, Дунаемъ
Тамъ Иваня конемъ грає,
Тамъ Иваня конемъ грає,
Изъ кармана платкомъ має,
А Иваня дівку лає.

## 136.

Ой летівъ жукъ, жукъ,
Та на воду пукъ, пукъ.
Прибігає жукова мати
Жучка рятовати.
Подай, подай, жучку,
Та біленьку ручку.
Рісъ, рісъ, не дорісъ,
Своій неньці водиці не принісъ,
А въ мого батька
Сто овець и корова круторога,
Бичокъ третячокъ
И кінь ступачокъ.
Вези, вези, коню,
Тихою водою,
Бистрою річкою
До тирець по вінець,
До тихоі хатки,
До дівчини Гапки.
А въ дівчини Гапки
Штирі подушечки,
Пьятая перина,
Сама чорнобрива,
Шоста маленька,
Сама молоденька.

(*Проскур. у.*).

---

*) Веснянки №№ 87—136 заимствованы изъ рукописнаго сборника Кулиша.

## МАЙ.

8-го Мая, сѣютъ огорцы, чтобы были длинные, такъ какъ этотъ день называется „Иванъ довгий“ [104]).

**9-го Мая, Николая Чудотворца.** „Весняного Миколи“. Въ нѣкоторыхъ мѣстахъ дѣлаютъ заздравные обѣды, называемые „Нікольщиною“.

Послѣ Николая начинаютъ стричь овецъ. „До Миколи не сій гречки, не стрижи овечки“ [105]).

До этого дня не слѣдуетъ купаться, ибо „зъ чоловіла верба виросте“; т. е. выростетъ изъ вербоваго креста, поставленнаго на могилѣ [106]).

До „весняного Миколи“ не должно конопель мочить въ водѣ, а если уже намочены, то нужно вытянуть, чтобы послѣ не вытягивать утопленника.

**Вознесеніе.** Хорошая погода въ этотъ день предвѣщаетъ урожай, и наоборотъ.

**10-го Мая, Симона Зілота.** Въ этотъ день ходятъ по лѣсамъ, собирая „зілле“ (цѣлебныя травы). Крестьяне думаютъ, что эту цѣлебную силу даетъ Зілотъ и убѣждены, что онъ распоряжается растеніями“ [107]).

Въ иныхъ мѣстахъ ищутъ кладовъ золота, искателямъ помогаетъ Зілотъ [108]).

Хозяйки въ этотъ день закармливаютъ коровъ желтыми травами, чтобы масло было желтѣе; для того же, чтобы молоко лучше сѣдалось, т. е. обращалось въ сметану и сыръ, обмываютъ „вимъя“ отваромъ изъ особой травы [109]).

**Гликеріи, Сидора и Пахома.** На Гликеріи, „якъ посіять гречку“, то будетъ очень хороша [110]). Другіе утверждаютъ, что, напротивъ, рѣшительно ничего нельзя сѣять.

**21-го мая, Константина и Елены.** Ленъ, посѣянный въ этотъ день,

---

[104]) С. Соловьевка, Радомысльскій уѣздъ.
[105]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[106]) Дни и мѣсяцы Максимовича, Рус. Бес. 56 г., стр. 79.
[107]) С. Соловьевка, Радомысльскаго уѣзда.
[108]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.
[109]) Дни и мѣсяцы, Рус. Бес. 56 г., стр. 82.
[110]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.

бываетъ очень хорошъ, особенно если его сѣять изъ „фартуха“ (передника). [111]).

Оранка въ этотъ день считается опасной, потому что „Царъ Костянтинъ“ выбиваетъ градомъ поле на такое разстояніе, на какое можно услышать крикъ „погонича“.

На огородахъ въ этотъ день пересаживаютъ огурцы.

Увидавъ первый цвѣтъ на огурцахъ, хозяйка перевязываетъ его красною ниткою, поспѣшно вырванною изъ своего пояса, и при этомъ приговариваетъ: „Якъ густо сей поясъ вязався, щобъ такъ и моі огірки густо вязались у пуплянки, въ огудині“. Если же, несмотря на эту перевязку, много пустоцвѣту, то хозяйка старается найти гдѣ-нибудь затеряный литвинами „личакъ“, т. е. лапоть, волочитъ его ногою на свой огородъ и бросаетъ на огуречную грядку, приговаривая: „Якъ густо сей личакъ плівся, щобъ такъ и моі огурки густо вязались въ огудині“. Для того, чтобы молодую „огудину“, да и всякую вообще зелень, не съѣдала огородная гусеница, садятъ огородину „на-тще-серце“ (на тощакъ) [112]).

**25-го мая, Головатаго Ивана.** Въ этотъ день производится главная посадка капусты, о которой хозяйки болѣе всего заботятся; принимаясь за первый стебель разсады, хозяйка прежде всего перекрестится, говоря: „дай же, Боже, часъ добрий, щобъ моя капусточка приймалась и въ головки складалась“. Потомъ она хватается за голову и бьетъ себя по стегнамъ, говоря: „щобъ моя капусточка була изъ кореня коренастая, а изъ листу головастая“; присѣдая къ землѣ, продолжаетъ: „щобъ не росла висока, а росла широка“ и, посадивъ стебель въ землю, придавитъ грядку колѣномъ, „щобъ була туга, якъ коліно“. [113]).

**Зелені святки (Троицынъ день).** Эту недѣлю называютъ „зеленою“, „клечальною“, „русальною“. Первый день называется Духовъ; первые три дня вмѣстѣ — „троіцкими святками“. Въ субботу передъ тройцынымъ днемъ, при захожденіи солнца, натыкаютъ вѣтки деревъ передъ дверьми построекъ, и на воротахъ, чтобы отогнать вѣдьмъ; [114]) ставятъ зелень внутри домовъ по угламъ, посыпаютъ и полы зеленью: осокой и другими травами. Вѣтки называются „клечанне“, оттого и вся недѣля называется „клечальною и зеленою“.

---

[111]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[112]) Дни и мѣсяцы Максимовича, Рус. Бес. 56 г., стр. 85.
[113]) Барисполь, Переяславскаго уѣзда.
[114]) Дни и мѣсяцы, Рус. Бес. 56 г., стр. 56.

**Духовъ день.** На Духовъ день на Волыни крестьяне исповѣдуются.

Въ нѣкоторыхъ грѣхахъ они не сознаются передъ своимъ священникомъ, а каются передъ другимъ [115]).

„До Св. Духа не скидай кожуха, а по Св. Дусі знову у кожусі“.

Въ эту же недѣлю русалки выходятъ изъ рѣкъ, нагія, съ распущенными волосами; плаваютъ при лунѣ на поверхности воды, бѣгаютъ по полямъ, качаются на вѣтвяхъ деревьевъ, манятъ прохожихъ и, если кого поймаютъ, то защекочутъ на смерть; поэтому крестьяне носятъ при себѣ полынь, которой русалки боятся. Русалками становятся утопленницы и дѣти, родившіяся неживыми или умершія некрещенными: эти послѣднія называются еще и „Мавками“ [116]).

Начиная съ „клечальной субботы“, дѣвушки не выходятъ въ поле одиночкою и не купаются цѣлую недѣлю, „щобъ мавки не залоскотали“. Нѣкоторыя изъ дѣвушекъ носятъ при себѣ „любистокъ“ — его боятся „мавки“. Особенно страшны русалки и мавки въ „зелений четверъ“. Дѣвушки и женщины, боясь ихъ разсердить, въ этотъ день не работаютъ. Если бы надобность заставила ихъ идти по воду, то прежде должно туда набросать полыни. Этотъ день называется „русальчинъ и мавскій великдень“ или еще „русалі“ [117]).

Этотъ праздникъ совершается „молодицями“ безъ участія „парубківъ и дівчатъ“, подъ открытымъ небомъ („на степку“) или, если можно, близъ воды [118]).

Въ продолженіи недѣли поютъ особенныя пѣсни Троицкія (Русальныя).

**Десятий понеділокъ** празднуется въ честь русалокъ.

Въ этотъ день онѣ выходятъ на поверхность земли и наблюдаютъ, почитаетъ ли народъ ихъ память.

Если кто въ этотъ день занимается работой въ полѣ, то русалки мѣшаютъ работѣ и насылаютъ на посѣвы какое либо несчастіе. Соблюдающіе же этотъ праздникъ надѣются, что русалки берегутъ ихъ поля отъ всякой бѣды.

Въ этотъ день крестьяне варятъ подъ открытымъ небомъ разныя кушанья и взаимно угощаются; хозяйки же вспрыскиваютъ молокомъ путь, какимъ ходилъ скотъ къ водопою или на пастбище.

---

[115]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[116]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.
[117]) Обыч. и Пов. Малор. Марк.
[118]) «Великъ день у Подолянъ» Основ. 61 г., стр. 44.

На межахъ полей каждый хозяинъ кладетъ по куску хлѣба [119]).

Въ числѣ русалокъ есть и „лоскотухи“, — это души дѣвушекъ, умершихъ зимою, весною или лѣтомъ. — Онѣ являются на поляхъ и до смерти „залоскочують“ попадающихся на встрѣчу „дівчатъ“ и „парубківъ“ [120]).

---

# РУСАЛЬНЫЯ.

## 1.

Да свята неділя,
Да уставай раненько,
Да пряди тоненько,
Да біли біленько,
Ходи хорошенько.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Маркевича*).

## 2.

### А.

1) Сиділа русалка на білій березі,
2) Просила русалка въ жіночокъ намітки:
3) «Жиночки, сестрички,
4) Дайте мені намітки,
5) Хочъ не тоненькоі,
6) Аби біленькоі.»
7) Сиділа русалка на білій березі,
8) Просила русалка дівочокъ сорочки:
9) «Дівочки, сестрички,
10) Дайте мені сорочки,
11) Хочъ не біленькоі,
12) Аби тоненькоі.»

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

---

[119]) Романово Новградволынск. уѣз.
[120]) С. Великіе-Жеребки, Староконстант. уѣз.

## Б.

1 Б = 1 А У рожі, на межі, на кривій....

2) Тамъ седіла русалка.

3 Б = 8 А, 4 Б = 9 А.... подружки, 5 Б = 10 А, 6 Б = 11 А.... худенькую, 7 Б = 11 А Аби....

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 3.

Проведу русалочки до бору,
Сама вернусь до дому.
Стану въ бору изъ Слюдою, (?)
Тамъ буде іхать свекоръ мій;
Вінъ же мене не познае,
Стане мене питати:
— Ой Слюде, Слюде, товстая!
Була въ мене невістка такая.
Проведу русалочки до бору,
Сама вернусь до дому.
Стану въ бору изъ Слюдою.
Тамъ буде іхать тато мій,
Вінъ мене не познае,
Стане мене питати:
Ой Слюде, Слюде тонкая!
Була въ мене донька такая.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 4.

Прилетіла зозуленька зъ темного лісочку;
Сіла, пала, закувала въ зеленімъ садочку.
Ой якъ вийшла Марусенька въ еі запитала:
— Скажи мені, зозуленько, довго буду въ батька?
— Будешъ, мила Марусенько, сей день до вечора.
Бодай же ти, зозуленько, сімъ літъ не ковала,
Що ти мені молоденькій правди не сказала.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 5.

Проводили русалочки, проводили,
Щобъ вони до насъ не ходили,
Да нашого житечка не ломили,
Да нашихъ дівочокъ не ловили.
Передъ ворітьми долина,
А въ той долині калина.
Ой тамъ Ганночка гуляла,
Жемчугъ-намисто обірвала.
Ой туди іхавъ нелюбий,
Ставъ зъ коника злізати,
Жемчугъ-намисто збірати.
— Не ссідай, нелюбий, зъ коника,
Не зъ тобою гуляла,
Намиста порвала.
Ой туди іхавъ миленькій,
Ставъ съ коника злізати,
Намиста збірати.
— Збирай, миленькій,
Зъ тобою я гуляла,
Дороги намиста порвала.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 6.

Рано, рано зійду я на гору
Да вдару въ ладоні,
Щобъ ладоні щеміли,
Щобъ перстні звеніли.
У мене ладоні отецькиі,
У мене перстні молодецькиі,
Се жъ мині отець покупивъ,
Щобъ мене молодець полюбивъ.
Зійду я на гору,
Ажъ красочки грають.
Не грайте, красочки,
Не грайте,—звеніте,
Мені въ батька не жити,
Мені віночківъ не вити,
Що й одинъ була звила,
И того не знала,

Повісила, изсушила,
Да батенька разжалила.
Проведу я русалочки до бору,
А сама вернуся до дому.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 7.

Ой біжить, бижить мала дівчина,
А за єю да русалочка:
«Та послухай мене, красна панночко,
Загадаю тобі три загадочки,
Якъ угадаєшъ—до батька пущу,
Не угадайєшъ—до себе возьму:
Ой що росте безъ коріння,
А що біжить безъ повода,
А що цвіте да безъ цвіту?»
— «Камень росте безъ коріння,
Вода біжить безъ повода,
Папороть росте да безъ цвіту.»
Панночка загадочокъ не вгадала,—
Русалочка панночку залоскотала.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 8.

А въ лёнку, на клинку
Висіла колиска на шнурку.
Колишіть же мене високо,
Щобъ було видно далеко.
Ой де моя миленькая похожає,
Да шитими рукавами помахає.

(*Новицкій*).

## 9.

Ой завъю вінки да на всі святки,
Ой на всі святки, на всі празники,
Да рано, рано на всі празники.
А въ бору сосна колихалася;

Дочка батеньку да жалілася:
— Ой мій батеньку, мій голубчику,
Та прибудь сюди хочъ на літечко.
У мене въ тину, подъ ворітьми
Синеє море разливається.
Пани гетьмани избігалися
Сёму диву дивувалися.

(*Новицкій*).

## 10.

Порохъ, порохъ по дорозі,
Гомінъ, гомінъ по дубраві.
Ой братъ сестру зарубать хоче.
— Не рубай мене у суботоньку,
Зарубай мене у неділоньку,
Положи мене край доріженьки,
Обвий мене барвіночкомъ,
Барвіночкомъ, васильками.
Молодчики идуть,
Василечки рвуть
И мене спомянуть:
Ой тамъ лежить Иванова сестра
Да й зарубана.
Дівочки идуть и барвіночокъ рвуть
И мене спомянуть.

(*Новицкій*).

## 11.

А межъ горъ дорога,
А по тій дорозі зять до тещи иде:
— «А тещухна, матухна, мене жонка била».
— Зятёчокъ, синочокъ, не на лихо вчила:
Да сиди, мужъ, дома,
Коли ти молодёжа;
Да поливай капусту,
Щобъ капуста не густа
И молодёжа не пуста.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 12.

Старенький дядько по городу ходе,
Конопельки сіє;
А молода молодка да за нимъ у слідъ ходила,
Вона у слідъ ходила, голубівъ манила:
— Гулі, гулі, голуби, ви летіте сюди —
На старого коноплі,
Щобъ мені молодій конопель не брать
И білихъ рукъ не драть,—
На чужиі діти на падчерниата.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 13.

Поведу я русалочекъ до бору,
А сама пойду, молодая, до дому...

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 14.

Зовъемъ віночки на всі святочки,
На годовиі, на роковиі.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 15.

Седить зайчикъ підъ липкою,
Очки тре;
— «Похваляеться панъ староста
Бить мене.
Да ти я жъ ёму да доріженьку
Перебігъ,
Ти я ёму кониченька
Унудивъ,
Ти я ёму красну дівку
Погудивъ?
Перебігъ ёму доріженьку
Сірий вовкъ,
Унудили ёму кониченька
Жеребці,
Погудили красну дівку
Молодці.

(*Новицкій*).

# I ЮНЬ.

**12-го іюня, Онуфрія (Онопрія).** На Онуфрія сѣется позднѣйшая „гречка“ [121]).

**20-го іюня, Св. Меѳодія.** Если въ этотъ день начнетъ идти дождь, то будетъ продолжаться сорокъ дней.

**23-го іюня, Ивана Купала.** На канунѣ рожденія Іоанна Крестителя, днемъ, идутъ въ жито и ищутъ два колоска на одномъ стеблѣ. Если найдутъ, то подъ стеблемъ ищутъ „Иванову головку“ — мелкую монету. Нашедшій грошъ или два, можетъ легко отыскать кладъ [122]).

Купало празднуется въ ночь съ 23 на 24 іюня, называемую Ивановскою. Въ этотъ день крестьяне. для предохраненія себя отъ вѣдьмъ, кладутъ на окнахъ своихъ домовъ жгучую крапиву, а въ дверяхъ скотныхъ дворовъ — молодое осиновое дерево, вырванное съ корнемъ, и кромѣ того, ходятъ осматривать свои поля, чтобы воспрепятствовать злымъ людямъ дѣлать въ посѣвахъ „завитки“, которыя завиваются въ этотъ день на скотъ или на извѣстнаго человѣка и бываютъ чрезвычайно пагубны, какъ для тѣхъ лицъ и предметовъ, на которые завиваются, такъ и для людей, вырвавшихъ эти „завивки“, или „завитки“. Поэтому никто ихъ не вырываетъ, кромѣ „баламутовъ“, т. е. знахарей [123]).

„Завивки“ дѣлаются такимъ образомъ: берутъ два пучка стеблей ржи или пшеницы и, не вырывая ихъ, связываютъ вверху въ особенный узелъ и колосья втыкаютъ въ землю [124]).

Наканунѣ Иванова дня хозяйки загоняютъ на ночь коровъ съ телятами, для того, чтобы телята сосали матокъ и не давали вѣдьмамъ возможности ихъ доить [125]).

„Вечеромъ“ справляютъ „Купала“ или „Марену“. — „Марену“ дѣлаютъ различнымъ образомъ: иногда изъ простаго вѣника, воткнувъ въ него палку, иногда въ видѣ чучелы изъ соломы, изъ жгучей крапивы и шиповника; но чаще изъ „черноклена“; ее убираютъ вѣнками, намистами,

---

[121]) С. Чернилевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[122]) Чернелевка, Староконстантиновскаго уѣзда.
[123]) С. Коноватое, Радомысл.
[124]) Обыч. и Пов. Мал. Мар.
[125]) Тывровъ, Винницк.

цвѣтами и лентами, относятъ на мѣсто, назначенное для праздника, и даютъ ему названіе „Марени“. Марену дѣлаютъ или только дѣвушки, или же и парубки [126]).

Поставивъ на мѣсто Марену, приносятъ пуки соломы, а иногда соломенную куклу, одѣтую въ женскую рубаху, въ лентахъ, намистахъ и въ большомъ вѣнкѣ; эта кукла называется „Купало“ [127]). Пришедши на мѣсто, ставятъ „Купала“ возлѣ Марены, и не вдалекѣ разводятъ огонь. Взявшись за руки, ходятъ вокругъ Марены, скачутъ черезъ огонь и при этомъ поютъ:

Ой ходила квочка
Въ-докола кілочка.
Кво, кво, кво, въ-докола кілочка.
Ой висиділа квочка
Четверо курчатокъ,
Четверо курчатокъ,
А всі штирі півники.
Кво, кво, кво, а всі штирі півники.
А єдинъ півничокъ,
Молодий N.
Кво, кво, кво, молодий N.
Другій півничокъ
Молодий N и т. д. [128]).

---

Ой, вербо, вербице!
Часъ тобі, вербице, розвиться,
— Ой ище не часъ, не пора.
Часъ тобі, Иванку, жениться.
— Ой ще не часъ, не пора:
О ще жъ моя дівчина молода;
Та нехай до літа, до Йвана,
Щобъ моя дівчина погуляла;
Та нехай до літа, до Петра,
Щобъ моя дівчина підросла [129]).

Когда дѣвушки поютъ и кружатся, парни подкрадываются къ нимъ, отнимаютъ Марену и также скачутъ и поютъ пѣсни. Дѣвушки дѣлаютъ новую Марену; но парубки и эту у нихъ отнимаютъ, такъ что дѣвушкамъ приходится иногда дѣлать въ этотъ день нѣсколько Маренъ. Нужно замѣтить, впрочемъ, что хотя дѣвушки и отстаиваютъ Марену отъ

---

[126]) Тывровъ, Винницкаго у.
[127]) Обыч. и Пов. Мал. Марк.
[128]) С. Сивокъ, Острожскаго уѣзда.
[129]) Стрѣльск. Ровенск.

нападеній парубковъ, но никогда это не сопровождается ругательствами, а только дѣвушки смѣются надъ парубками, что они взяли „не любую Марену“, а ту, которую сдѣлали нарочно, чтобы обмануть парубковъ. Парубки, отнявъ у дівчатъ Марену, разрываютъ ее на части, разбрасываютъ или топятъ въ водѣ. Въ послѣднемъ случаѣ дівчата поютъ:

Утонула Мареночка, утонула,
Та на верхъ кісонька зринула...

Марену или „гильце“ разламываютъ; каждая изъ дѣвушекъ беретъ себѣ часть и приноситъ на свои, огурцами засѣянныя гряды; отъ этого, говорятъ, лучше родятся огурцы. — Или же дѣлаютъ Марену или гильце парубки. Если же они не хотятъ, то въ насмѣшку имъ дѣвушки поютъ:

На улиці купайлиці —
Наши хлопці недбайлиці;
Якъ би вони дбали,
То намъ и гіллечко бъ виламали [130]).

По окончаніи обряда, на возвратномъ пути, дѣвицы поютъ про несчастную долю какой-то Ганны и про дерево, привезенное изъ за моря [131]).

На „Купала“ съ утра дѣвушки идутъ въ поле или въ лѣсъ, собирать цвѣты и травы; изъ нихъ онѣ вьютъ для себя купальскіе вѣнки. Въ вѣнкахъ должна быть и полынь; кромѣ того, они носятъ полынь весь этотъ день у себя подъ мышками, какъ предохранительное средство отъ русалокъ и вѣдьмъ [132]).

Въ этотъ же день молодежь занимается гаданіемъ о своей судьбѣ. Дѣвицы выбираютъ изъ себя самую красивую, съ пѣснями ведутъ ее въ лѣсъ и здѣсь сажаютъ въ заранѣе приготовленную яму, съ вѣнками изъ свѣжихъ и увядшихъ цвѣтовъ и завязываютъ ей глаза. Эта дѣвушка называется „Купайло“. Затѣмъ, взявшись за руки, дѣвушки начинаютъ плясать вокругъ ямы, а дѣвушка „Купайло“ безъ разбора беретъ изъ ямы вѣнки и раздаетъ ихъ танцующимъ подругамъ. Кому попадется вѣнокъ изъ свѣжихъ цвѣтовъ, та будетъ счастлива въ замужествѣ.

---

[130]) Тывровъ, Винницкаго у.
[131]) Старѣльское Ровенск. уѣз.
[132]) Маркевича. Обыч. и Пов. Малор.

Если же попадется вѣнокъ изъ цвѣтовъ увядшихъ, то это означаетъ, что получившая его дѣвушка будетъ несчастна и бѣдна въ замужествѣ. Въ этомъ случаѣ хороводъ перестаетъ танцовать. Дѣвушки садятся вокругъ ямы и поютъ. Послѣ пѣсни продолжаютъ гадать. Когда всѣ вѣнки вынуты изъ ямы, дѣвушки убѣгаютъ, опасаясь, чтобы „Купайло“ не схватила кого либо изъ нихъ. Схваченная „Купайломъ“ не выйдетъ въ этомъ году замужъ [133]).

Другой способъ гаданья: молодежь собирается подъ вечеръ къ рѣкѣ и купается до самыхъ сумерекъ. Въ сумерки раскладываютъ огонь возлѣ рѣки или на площади, парни и дѣвки берутся попарно за руки и перепрыгиваютъ чрезъ огонь. — Если руки ихъ не разойдутся, то значитъ они будутъ супругами [134]). Тоже самое означаетъ, если во время прыганья чрезъ огонь искра, поддуваемая вѣтромъ, полетитъ вслѣдъ за ними [135]).

Гадаютъ и на водѣ. Это дѣлается такъ. Сплетши вѣнокъ, называемый, „вільце“ дѣвушки берутъ восковыя свѣчи, идутъ къ водѣ, привязываютъ свѣчи къ вѣнку, такъ чтобъ онѣ могли стоять, зажигаютъ и пускаютъ вѣнокъ на воду. Свѣчи поплывутъ, и чья прежде потухнетъ, та умретъ прежде другихъ.

Въ ночь на „Ивана Купайла“ деревья переходятъ съ мѣста на мѣсто и разговариваютъ между собою, посредствомъ шелеста листьевъ; животныя и всѣ растенія тоже бесѣдуютъ между собою. Различнымъ травамъ, собираемымъ на „Купала“, приписываютъ особенную силу; знахари и вѣдьмы запасаются ими для своего ремесла [136]).

Въ Ивановскую ночь разцвѣтаетъ красно-огненный цвѣтъ папоротника, онъ еще называется „кочедижникомъ“ [137]).

Народъ вѣритъ, что тотъ, кто подстережетъ этотъ цвѣтъ и достанетъ его, будетъ знать все, что дѣлается на свѣтѣ, и пріобрѣтетъ силу отворять замки однимъ прикосновеніемъ; съ помощью этого цвѣта легко взять кладъ, хотя бы онъ былъ и „заклятий“. Клады бываютъ „заклятиі и незаклятиі“. Послѣднимъ можетъ овладѣть каждый, кто его найдетъ; но заклятымъ овладѣть не такъ легко. Мѣсто, гдѣ онъ находится — извѣстно, потому что надъ нимъ по ночамъ горитъ свѣча; но не зная заклятій, никакимъ образомъ нельзя

---

[133]) С. Малые-Дедеркалы, Кременецкаго уѣзда.
[134]) Куриловка, Старокон.
[135]) Гульчи, Житомирс.
[136]) Куриловка, Старокон. у.
[137]) Луцкій уѣз.

овладѣть имъ: начните рыть то мѣсто, гдѣ горитъ свѣча, гдѣ зарытъ кладъ, — онъ будетъ глубже входить въ землю. Имѣя же цвѣтокъ папоротника, можно добыть кладъ [138]).

Трудно достать этотъ цвѣтокъ, потому что нечистая сила всячески старается отнять его у людей. Кто хочетъ имѣть цвѣтъ папоротника, долженъ поступать слѣдующимъ образомъ: отправиться ночью въ лѣсъ, на такое разстояніе „де курячій голосъ не заходить". Найдя папоротникъ еще передъ его разсцвѣтаніемъ, нужно очертить священнымъ мѣломъ кругъ и самому сѣсть въ срединѣ на разостланномъ рушникѣ, держа въ рукахъ крестъ и ножъ, чтобы въ минуту разцвѣтанія папоротника подрѣзать кожу на мизинцѣ лѣвой руки и вложить туда цвѣтъ. Во время срѣзыванія папоротника тьма всякихъ чертей, вовкулакъ, вѣдьмъ, домовыхъ, мертвецовъ, русалокъ, — поднимаютъ хохотъ, крикъ, завыванья. Все это дѣлаютъ черти съ цѣлью напугать смѣльчака. Но если онъ, несмотря на всѣ эти ужасы, спрячетъ цвѣтъ папоротника подъ кожу, тогда уже можетъ спокойно сидѣть въ кругу до вторыхъ пѣтуховъ; хотя и тутъ дьяволъ ухитрится провести обладателя цвѣтка.

Расказываютъ, напримѣръ, что одинъ „небоязливий" человѣкъ рѣшился подстеречь цвѣтъ папоротника. Пошелъ въ лѣсъ, дождался полуночи, и какъ только папоротникъ разцвѣлъ, онъ схватилъ его и спряталъ въ шапку. Нужно было ему дождаться вторыхъ пѣтуховъ, послѣ которыхъ онъ могъ, не опасаясь, идти домой. Вотъ пропѣли одни пѣтухи, пропѣли другіе, мужикъ вышелъ изъ очерченнаго круга и пошелъ домой; дорогой встрѣчается съ нимъ знакомый ему „мировий" съ людьми и вступаетъ съ нимъ въ разговоръ. — Сопровождавшіе „мироваго" люди замѣтили мужику, чтобы онъ снялъ передъ начальникомъ шапку. Мужикъ, вслѣдствіе этого замѣчанія, забылъ о всякихъ папоротникахъ и скорѣе снялъ шапку. Но въ это же мгновеніе „мироваго" съ людьми какъ не бывало, а съ ними и папоротника.

Мировой со спутниками были черти. — Пришедши домой, мужикъ узналъ, что еще первые пѣтухи не пѣли, значитъ кукурикала нечистая сила, чтобы обмануть мужика.

Вотъ еще доказательство того, какъ трудно сорвать цвѣтъ папоротника.

У одного мужика пропали волы въ день Купайла, мужикъ пошелъ ихъ отыскивать; проходилъ до ночи и воловъ не отыскалъ. Уставши, онъ легъ

---

[138]) Маркевичъ.

отдохнуть и не замѣтилъ того, что легъ около папоротника. Въ полночь цвѣтъ папоротника упалъ мужику въ „постоли“. Проснувшись, мужикъ узналъ, благодаря этому цвѣту, гдѣ его волы, пришелъ прямо къ нимъ и погналъ ихъ домой. Дорогой встрѣчается съ нимъ старый жидъ. Жидъ сталъ просить мужика продать ему „постоли“, указывая на свои окровавленныя босыя ноги. Мужикъ, не зная, что въ постолахъ папоротникъ, согласился продать ихъ за цѣлую „камзу“ денегъ, снялъ „постоли“ и отдалъ. Вслѣдъ затѣмъ жидъ захохоталъ и изчезъ, „постоли“ остались у мужика, а вмѣсто денегъ оказались черепки. — Вмѣстѣ съ цвѣтомъ папоротника пропало у мужика и знаніе мѣстности; онъ сбился съ дороги и блудилъ въ лѣсу цѣлый день, пока на другой день его не увидѣли люди изъ другого села и не указали ему дороги [139]).

Если въ Ивановскую ночь взять „кажапа“, т. е. летучую мышь, отнести ее въ лѣсъ и зарыть въ муравейникъ, то въ слѣдующій четвергъ вмѣсто кажана окажутся въ муравейникѣ маленькія вилы и грабли, тѣ и другія могутъ быть очень полезны для парубковъ. Если граблями дотронуться до „дівчини“, то она очень полюбитъ паробка; а если вилами — то разлюбитъ [140]).

Коли до Ивана проса зъ ложку, то буде и въ ложку.

Годуй пчолу до Ивана-вона зробить зъ тебе пана.

Если на Ивана будетъ гроза, орѣхи будутъ пусты и будетъ ихъ мало, а если погода — урожай на нихъ будетъ хорошъ [141]).

До Ивана женщины не ѣдятъ никакихъ ягодъ, потому что въ противномъ случаѣ будутъ умирать дѣти [142]).

Въ этотъ день змѣя слѣпая „мідяниця“, получаетъ зрѣніе на цѣлыя сутки, и тогда она необыкновенно опасна: бросаясь на человѣка, какъ стрѣла, она можетъ пробить его насквозь.

---

[139]) Краснополка, Староконст. у.
[140]) С. Мельницы, Ковельск. у.
[141]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.
[142]) Данильченко.

# КУПАЛЬСКІЯ ПѢСНИ.

## 1.

На Ивана Купайла
Ходила відьма новалною, (?)
На дубъ лізла,
Кору гризла,
Зъ дуба падала,
Зілле купала.
Повій, вітре, о-півночи,—
Вилізуть відьмі очи,
Щобъ по ночахъ не ходила,
Чужихъ коровъ не доіла.

(*Мирополь, Новоградволынск. у.*).

## 2.

Ой на Купайла вогонь горить,
А староміськимъ хлопцямъ живітъ болить.
Нехай болить, нехай знає,
Нехай Купайла не ламає.

(*Мирополь, Новоградволынск. у.*).

## 3.

### А.

1) Ой на Ивана на Купала
2) Купалася ластівочка,
3) При бережку сушилася,
4) Дівка Палажка журилася:
5) «Ой бідна жъ моя головочко,
6) Що я рушниківъ не напряла,
7) Бо вже Иванка сподобала.

(*Талянка, Уманскаго уѣзда*).

### Б.

Б = 1 А,

2) Тамъ галочка купалася,

3 Б = 3 А На..., 4 Б = 4 А. 5 Б = 6 А, 6 Б = 7 А.

*(Дашковъ, Литинск. у.).*

### В.

1) У городі калиночка,

2 В = 2 А Тамъ..., 3 В = 3 А На..., 4 В = 4 А... Мотриня...; 5 В = 6 А А що..., 6 В = 7 А.

*(Краснополка, Гайсинск. у.).*

## 4.

### А.

1) Ой на Ивана на Купайла
2) Де жъ ти, Домно, ночувала?
3) Підъ яворомъ зелененькимъ,
4) Зъ Гарасимомъ молоденькимъ.

*(Дашковъ, Литинск. уѣз.).*

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А... Ганно...?

3) Ночувала підъ дубочкомъ,
4) Зъ тимъ Ригоркомъ голубочкомъ.

*(Краснополка, Гайсинск. уѣз.).*

## 5.

Ой купалочка купалася,
Та на брежку сушилася,
Тай тому люде дивовались.
Ой не дивуйтеся сёму люде,

Бо я бачила дивнійше:
Щука-риба красно̀ ткала,
А ракъ на буйракъ цівки сучить,
А муха-горюха діжу місить,
Комарь пищить—водицю несеть.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр. 83*).

6.

На Ивана Купайла
Сучка въ борщъ упала.
Хлопці витягали,
Зуби поламали;
Дівчата граблями,
А хлопці зубами.
На Ивана Купайла
Вийшла Марицяя, якъ панна,
На то хлопці сглядаються,
На медъ и вино складаються.
Василь найбільше давъ,
Бо Марицю сподобавъ.

(*Данильченко, стр. 54*).

7.

На нашеі на вулиці
Все купалиі молодці.
Ой нема, нема, найкупавшого
Надъ Ивана надъ нашого,
Бо ёго дівка скупавіла,
Дівка Храсина полюбила.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

8.

Ой у лісі сухий дубъ розвився.
Сперидонько съ Карпомъ бився;
Бився, бився зъ вечора до ранку,
Все за тую Палазю коханку.
Сперидонько зъ старостами до хати,

А Карпонько підъ вікно слухати:
А що буде Палазя казати?
Палажка суче нитку на колочку,
Шити-вишивати Сперидонові сорочку,
А Сперидонъ на торгъ на торжочокъ,
Куповати Палазі віночокъ,
На Палазі рутяний віночокъ,—
То жъ ій куповавъ Демъянишинъ синочокъ;
На Сперидонкові вишита сорочка,
Хто жъ ёму вишивавъ? Степанова дочка.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 9.

Ой чиє жито підъ горою стояло?
Иванькове жито підъ горою стояло;
Підъ горою зелененько, по місяцю видненько.
Молода Марѣічка, ходи жита жати!
Якъ я тебе возьму, жито жати научу.
Підъ горою зелененько, по місяцю видненько, серденько.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр. 84—85*).

## 10.

Сіяла зірочка, сіяла,
— «Зъ кимъ ти, Паулько, стояла?»
— «Съ тобою, Лукіянъ, съ тобою,
Я изъ ясною зорою».
— «По чімъ ти мене пізнала,
Що зорою назвала?»
— «По тобі, Лукіяне, по тобі,
Чорна шапочка на тобі».

(*Краснополка, Гайсинскаго уѣз.*).

## 11.

### А.

1) Ой мала нічка-петрівочка,
2) Не виспалась наша дівочка!
3) Не виспалась, не награлась,

4) Съ козаченькомъ не настоялась.
5) Къ череді йшла задрімала,
6) На пеньки ноги позбивала,
7) На шпички ноги позбивала,
8) На шпички очи повиймала.
9) А вже корови у дуброві,
10) А вже телята пасуть хлопъята,
11) А вже вівці на крутий гірці.

(*Быть Рус. Нар. Терещенко, часть III, стр. 80*).

### Б.

1 Б = 1 А Малая..., 2 Б = 2 А... Паулочка...,

3) Чомъ вона не виспалася?
4) Бо изъ Лукіяномъ женихалася.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

### В.

1 В = 1 Б, 2 В = 2 А... Хіма,

3) Ой спала,
4) Підъ черчикомъ (?) зелененькимъ,
5) Зъ Ехримомъ молоденькимъ.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 12.

### А.

1) Сонце сходить, грає—
2) Ивась коня сідлає.
3) Въ стремена ступає,
4) Въ сідельце сідає,
5) Тяжко вздихає.
6) Его батечко питає:
7) «Що ти, синочку, гадаєшъ,
8) На що коника сідлаєшъ?»
9) — Що, батечко, до того?
10) Я до тестя до свого.
11) Пущу коника на двіръ.
12) Ой у тестя новий двіръ,

13) Постелю барвінкомъ двіръ,
14) Василькомъ местиму двіръ,
15) Щобъ тещенька похвалила,
16) Щобъ дівчина полюбила.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 12—13*).

Б.

1 Б = 1 А... сходе..., 2 Б = 2 А Иванко коника..., 3 Б = 3 А На стременочка...,

4) На сіделечко злегає

5 Б = 5 А Тяженько, важенько..., 6 Б = 6 А А... батенько... 7 Б = 7 А 8 Б = 8 А.

9) Що тобі, батеньку, до сёго?—
10) Сідлаю коника не твого.

11 Б = 10 А Пойду..., 12 Б = 11 А... по двору,

13) Свому тестеві на хвору.

14 Б = 12 А... мого... 15 В = 13 А И барвіночкомъ сшили..., 16 Б = 14 А... мели..., 17 Б = 15 А... мене... хвалила, 18 Б = 16 А... мене любила.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть III, стр. 84*).

## 13.

Ой йшли дівочки и по ягодочки,
Съ тиі води чорна хмара на долині пала,
На улиці Купала на Ивана!
А въ перепілочки ніжки невеличкі,
Й на гору не зойде, на долині не стане,
Купала на Ивана!
Сёгодня Купала, а завтра Ивана,—
Чимъ мені, моя мати, торговати?
Повезу я свекорка продавати,
Рідного батенька куповати.
Здешевила свекорка, здешевила,
Рідного батенька не купила!
Сёгодня Купала, а завтра Ивана,—
Чимъ мені, моя мати, торговати?
Повезу я свекруху продавати,
Рідну матінку куповати.
Здешевила свекруху, здешевила,
Рідноі матеньки не купила!
Сёгодня Купала, а завтра Ивана,—

Чимъ мені, моя мати, торговати?
Повезу я діверка продавати,
Рідного братенька куповати.
Здешевила діверка, здешевила,
Рідного братенька не купила!
Сёгодня Купала, а завтра Ивана,—
Чимъ мені, моя мати, торговати?
Повезу я зовицю продавати,
Рідную сестричку куповати.
Здешевила зовицю, здешевила,
Рідної сестриці не купила!

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр. 81—82*).

## 14.

### А.

1) Ой не стій, вербо, надъ водою,
2) Не пускай зілле по Дунаю.
3) Ой Дунай море розливає,
4) И день и ночъ прибуває,
5) Въ вербі корень підмиває,
6) Зверху вершокъ усихає,
7) Зъ верби листте опадає;
8) Ой стань, вербо, на риночку,
9) Въ хрещатому барвиночку,
10) Въ запашному васплечку.

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 12*).

## 15.

Летіло полело̀
Черезъ наше село,
Стало спочивати
На Иванковій хаті.
Иванова хата
Запалилася,
Иванові голова
Засмалилася;
А Павлінка зъ радощами,
Носить воду пригорщами.

(*Дашковъ, Литинск. уѣз.*).

## 16.

Зійшло сонечко зъ стодолу —
Станови, Ригоре, комору високу,
Рубай віконця широкі,
Щобъ до мене соловейкі прилітали,
Щобъ мене раненько пробужали,
Бо у мене ненька не рідненька —
Вона мене раненько не збудить,
Піде до сусіда обсудить:
«Сумлива невістка, сумлива,
До роботи ленива;
Ще череда на полі,
А невісточка въ коморі:
Ще череда на стийлі,
А невістка на постелі.»

(*Краснополка, Гайсинскаго уѣз.*).

## 17.

Ой розвивайся, сухий дубе,
Бо вже на тебе морозъ буде.
А я морозу не боюся,
И въ Петрівочку розивъюся.
Не сподійся, дибровонько,
Зъ сухого дуба-зеленого.
А поростоньки відъ єдного.
Ой не сподійся, дибровонько,
И не сподійся ти, Ёвхимко,
Съ чужого села невісточки,
Бо въ Ивана єдна дочка,
То жъ тобі буде невісточка.
Не єденъ, не два сапъянъ стоптавъ,
Черезъ тещеньки двіръ учащавъ;
Щобъ ёго теща похвалила,
Дівка Храсинка полюбила.

(*Тальянка, Уманск. уѣз.*).

## 18.

Стояла Маръя підъ вінцемъ,
Розчесала русу косу гребінцемъ;

Прийшовъ Ёвхимко заплакавъ:
—«Хтось мою Марійку засватавъ!»

(*Тальянка, Уманск. уѣз.*)

## 19.

Не рости, дубе, край дороги,
Тобі жъ, дубе, горе буде.
Ой рости, дубе, въ садочку,
Въ хрещастімъ барвіночку,
Тобі, дубе, добре буде!
Якъ въ Ганнусі въ матінки,
Цілий тиждень у віночку,
Прийде неділя — у таночку.

(*Дашковъ, Литинск. уѣз.*).

## 20.

Посію я рожу,
Покладу сторожу
Батечка рідного.
Не добра сторожа —
Ощіпана рожа.
Посію я рожу,
Покладу сторожу
Нененьку-рідненьку.
Не добра сторожа —
Ощіпана рожа.
Посію я рожу,
Покладу сторожу
Братіка рідного.
Недобра сторожа —
Ощіпана рожа.
Посію я рожу,
Поставлю сторожу
Миленького свого.
Добра сторожа —
Повная рожа.

(*Перейма, Балтск. уѣз.*).

## 21.

Гусята, качата
Гречечку зъіли,
На панівъ ставочокъ
Нишки злетіли.
Ой у сіняхъ
За дверечками,
Стоіть ліжечко
Съ подушками.
На тимъ ліжку
Иванко седить,
На правій руці
Скрипочку держить;
Скрипочка грае,
Ажъ вимовляе:
«Десь моій Марійки
Дома немае».
Черезъ пень, черезъ пень,
Черезъ колоду
Скачи, Марійко,
По шию въ воду,
Бо якъ скочишъ,
Душу загубишъ —
Признайся, Марійко,
Кого ти любишъ?
«Люблю медочокъ,
Бо солоденькій,
Люблю Иванка,
Бо молоденькій,
У нёго носочокъ,
Якъ огірочокъ;
Его брівочкі,
Такъ якъ шнурочокъ;
Его борідка золотенькая,
Сама Марійка молоденькая.»

(*Тальянка, Уманск. уѣз.*).

## 22.

### А.

1) Пливала уточка підъ млиномъ.
2) Дала Марися ручку двомъ.

3) —«На тобі, Иване, ручку мою,
4) Я тебе другою обійму,
5) Да ще й до свого серденька пригорну.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 23.

Сходилось купало изъ долу до долу;
Часъ намъ, дівочки, до дому, до дому;
А єдна дівчинонька зостаньсь, зостаньсь,
Буде іхать парубокъ зъ Люблина, зъ Люблина,
Да привезе вінокъ зъ кадила, зъ кадила,
Щобъ здорова дівочка зносила, зносила.

(*Малор. Лит. Сборн. Мордовцева, стр. 35*).

## 24.

### А.

1) Кладу я кладку черезъ муравку
2) Вербову—
3) Часъ намъ, дівчатамъ, зъ уличеньки
4) До дому.
5) А ти, Олянко, зостаньсь,
6) Зъ Хведоромъ повінчайся.
7) Не будь, Хведорко, не будь панъ,
8) Возьми Олянку підъ жупанъ.
9) Я жупана не маю,
10) Підъ чугай сховаю.

(*Переймы, Балтск. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А Перекладу..., 2 Б = 2 А. 3 Б = 3 А... вамъ... зъ цей... 4 Б = 4 А 5 Б = 5 А... ...Храспно...

6) Прійде Ригорко, звінчайся.

### В.

1 В = 1 Б, 2 В = 2 А. 3 В = 3 Б... дівчатка зъ купайлочка. 4 В = 4 А 5 В = 5 А... Васило..., 6 Б = 6 А Зъ Марисёю...

7) Поіхавъ Василько до Львова,
8) Привізъ віночокъ съ кадила,
9) Щобъ Марися здорова
10) Сходила.

(*Данильченко, стр. 50*).

## 25.

### А.

1) Пібъ березою обметяно,
2) Ще й барвіночкомъ оплетяно;
3) Тамъ Семенъ зъ торгомъ седить,
4) Зъ якимъ торгомъ, — зъ биндочками.
5) Всімъ дівкамъ продає,
6) Домні дурно дає.
7) — Ой на тобі, Димнуню, серце моє,
8) Сподобалося личко твоє,
9) Не такъ личко, якъ ти сама,
10) На папері написана,
11) На папері, на листочку,
12) Чорни брівочки на шнурочку.

(*Дашковъ, Литинск. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А Коло криниці..., 2 Б = 2 А. 3 Б = 3 А... съ боромъ Лукіанъ стоявъ, 4 Б = 5 А... дівчатамъ запродувавъ.

5) А своій Паульці даромъ дававъ,
6) Даромъ, даромъ, дарицею,
7) Буде Паулька царицею;
8) Даромъ, даромъ,
9) Буде Лукіанъ царомъ.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 26.

Стояла тополя, въ-край чистого поля,
Стій, тополенько, стій, не розвивайся!
Войному вітроньку не поддавайся.
На нашей тополі — чотирі соколи:

Первий соколко — молодий Иванко,
А другий соколко — молодий Николко,
А третій соколко — молодий Михайло,
Четвертий соколко — молодий Василько.

(*Быть Рус. Нар. Терещенко, часть I, стр. 82*).

## 27.

### А.

1) Вітрець віє, повіває
2) И ворітечка поторкає.
3) Я думала, що то вітрець віє,
4) А то свекорко зъ торгу іде.
5) — «Одчинися, невісточко,
6) Одчинися, медведицё.»
7) Я ворітечка одчиняю,
8) Слізками личко умиваю.
9) Вітрець віє, повіває
10) И ворітечка поторкає.
11) А думала, що то вітрець віє,
12) А то свекруха зъ торгу іде.
13) — «Одчинися, невісточко,
14) Одчинися, похмурницё.»
15) Я ворітечка одчиняю,
16) Слізками личко умиваю.
17) Вітеръ віє, повіває
18) И ворітечка отчиняє.
19) Я думала, що то вітрець віє,
20) А то мій милий зъ торгу іде.
21) — «Одчинися, миленька,
22) Голубонько сивенька.»
23) Я ворітечка одчиняю,
24) До милого промовляю:
25) — «Я тобі, милий, миленька
26) И голубонька сивенька,
27) А твому батеньку — медведиця
28) А твоій матері — похмурниця.»
29) А вінъ каже:
30) — «Не уміла-сь, мила, згадати,
31) Що мому батеньку одказати,
32) Мому батеньку, а свому свекорку,

33) Моій матенці, а своій свекрусі:
34) У насъ медведиця въ лісі буває,
35) А похмурниця — чорна хмаронька.»

(*Волынь, Стецкого, Т. I, стр. 106*).

## Б.

1) Ой теперъ нуичка-купалночка,
2) Не виспалась наша панночка:
3) Сукала шнурки шовковиі
4) На черевички козловиі, (bis)
5) На панчишечки єдвабниі.

6 Б = 1 А Та не вітеръ..., 7 Б = 2 А. 8 Б = 4 А Тожъ муий....

9) Я не одчинюся, ліпше замкнуся,

10 Б = 9 А Да не вітеръ . . ., 11 Б = 10 А. 12 Б = 11 А . . . моя ....

13) То жъ моя суджона съ торгу іде.

14 Б = 16 А Ой. . .,

15) Я не одчинюся, ліпше замкнуся.

16 Б = 17 А Да не. . ., 22 Б = 10 А.

18) То жъ моі братіки зъ торгу ідуть.

19 Б = 14 А Ой...

20) Я не отчинюся, ліпше замкнуся.

21 Б = 17 А Да не..., 22 Б = 10 А.

23) То жъ моі зовиці зъ торгу ідуть,
24) То жъ моі суджені зъ торгу ідуть.

25 Б = 21 А Ой зеленухо!

26) Я не одчинюся, ліпше замкнуся».

27 Б = 17 А Та..., 28 Б = 10 А Я в... 29 Б = 20 А. 30 Б = 20 А... суджений... 31 Б = 21 А Ой... моя милая.

32) Ой одчинюся, муий миленькій.

33 Б = 2 А... подхмурниця, 34 Б = 28 А.

35) Твоімъ братікамъ клеветуха,
36) Твоімъ сестронькамъ зеленуха.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 82.

### А.

Andante.

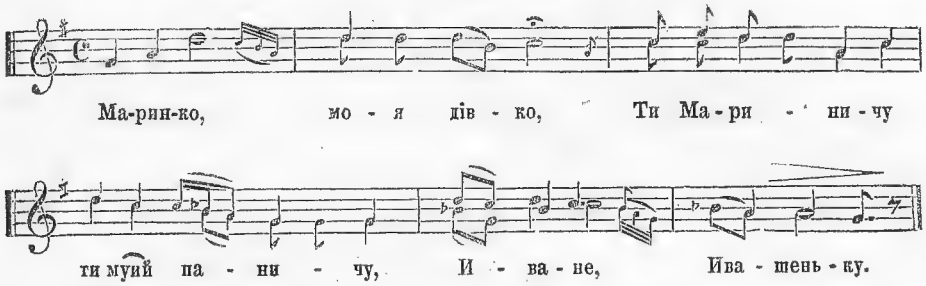


Торохъ, торохъ да по дорозі,
Голосъ, голосъ да по дуброві.
Що-жъ то за торохъ да по дорозі?
Що-жъ то за голосъ да по дуброві?
Ой то братъ сестру зарубать хоче,
А сестра брата да просилася:
«Ой, братіку муий, голубчику,
Не рубай ти мене и у субуитоньку —
Й у неділеньку рано-пораненьку;
Посічи ти мене да на друпбенъ макъ,
Да посій ти мене и у трохъ городочкахъ;
Й у трохъ городочкахъ, да на трохъ грядочкахъ
А й уродится да трой-зіллечко:
Що перве зілле то-жъ василечки,
А другеє зілле то-жъ барвіночокъ,
А третє зілле то-жъ любистокъ;
Що любистокъ за для любощей,
А барвіночокъ за для дівочокъ,
А василечки за для пахощей.
И до церкви йдуть и васильки несуть,
И васильки несуть и мене спомянуть,
И мене спомянуть и тебе прокленуть.

(*М. Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

### Б.

Порохъ, порохъ по дорозі!
Що за гомінъ по діброві?
Купала на Йвана.

Ой братъ сестру вбивать хоче.
Сестра въ брата прохалася:
— «Мій братчику, голубчику!
Не вбивай мене у лісочку,
Убий мене въ чистімъ полі.
Ой якъ убъешъ, поховай мене,
Обсади мене трёма зіллями:
Першимъ зіллємъ — гвоздичками,
Другимъ зіллємъ — васильками,
Третімъ зіллємъ — стрілочками.
Дівочки идуть — гвоздички рвуть
И мене спомянуть;
Молодички идуть — василечки рвуть
И мене спомянуть;
Парубочки идуть — стрілочки рвуть
И мене спомянуть.

(*Жегота Паули, стр. 30, и Бытъ Рус. Нар. Терещ. ч. V, стр. 86*).

## 29.

### А.

1) Ой вербо, вербо, вербиця!
2) Часъ тобі, вербиця, розвиться,
3) Ой ще ні часъ, ні пора.
4) Часъ тобі, Иванку, жениться.
5) Ой ще ні часъ, ні пора,
6) Ище жъ моя дівчина молода.
7) Та нехай до літа, до Йвана;
8) Що бъ моя дівчина погуляла,
9) Та нехай до літа, до Петра,
10) Що бъ моя дівчина підросла.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко часть V, стр. 85*).

### Б.

1 Б = 2 А... дубочку розвитись, 2 Б = 4 А... Евхимку, женитись, 3 Б = 5 А. 4 Б = 6 А Ще жъ... Марійка...

5) Зажди, моя ненько, до весни,
6) Дай моій Марійці підрости.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 30.

### А.

1) Наши подоляне церковъ збудовали,
2) Не такъ збудовали, якъ намалёвали;
3) Тай намалёвали три місяци яснихъ:
4) Ой первий місяць — молодий Иванко,
5) А другий місяць — молодий Василько,
6) А третій місяць — молодий Михайло.
7) Наши подоляне церковъ збудовали,
8) Не такъ збудовали, якъ намалёвали:
9) Та намалёвали три зірочки яснихъ,
10) Три дівочки краснихъ:
11) Ой перва зірочка — млада Марьічка,
12) А друга зірочка — млада Ганночка,
13) А третя зірочка — млада Варочка.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр. 84*).

### Б.

1) А въ нашоі церковці три короговці,

2 Б = 9 А А въ тихъ короговцяхъ..., 3 Б = 10 А.

4) Одна зірка ясна — Катерина красна,

5 Б = 12 А... зірка ясна — то Храсина красна, 6 Б = 13 А... зірка ясна — то жъ — то Хима красна.

7) А въ нашоі церковці три короговці,

8 Б = 3 А А въ тихъ короговцяхъ..., 9 Б = 4 А Одинъ... ясний — то Степанъ красний, 10 Б = 5 А... ясний — то Гриць красний. 11 Б = 6 А... ясний то Рігоръ красний.

(*Краснополка, Гайсинск. у.*).

### В.

1) Ой везли ми деревце
2) Черезъ наше сельце,
3) А зъ того деревця
4) Рублена церковця.

5 Г = 1 Б... тій..., 6 Г = 8 Б,

7) Три парубки краснихъ.
8) Ой везли ми деревце,
9) А зъ того деревця
10) Рублена церковця,

11 Г = 1 Б... тій..., 12 Г = 2 Б. 13 Г = 10 А. 14 Г = 4 Б Перша... Оляна..., 15 Г = 5 Б... Килина..., 16 Г = 6 Б... Храсина...

(*Перейма, Балтск. у.*).

## 31.

**Andante.**

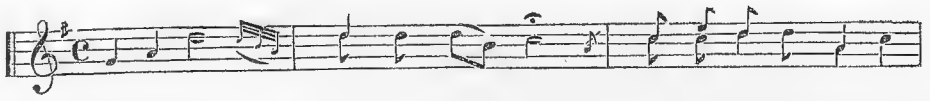

А на тій печі
Три деркачі:
Первий деркачко —
Павло Ткачко,
А другий деркачко —
Василенько Ткачко,
А третій деркачко —
То Ивашко Ткачко.
Да черезъ село
Пічъ везено,
А на тій печі
Да три зірочки:
Первая зірка —
То Софійка дівка,
А другая зірка —
То Онилка дівка,
А третяя зірка —

*) Первый стихъ повторяется послѣ каждыхъ двухъ строкъ.

То жъ Марушка дівка.
Що Павлусь каже:
— «Я Софійку люблю,
Я Софійку люблю,
И за себе возьму;
И за себе возьму,
Черевички куплю».
Василёнько каже:
— «Я Онилку люблю,
Я Онилку люблю,
И за себе возьму;
И за себе возьму,
Черевички куплю».
Що Ивашко каже:
— «Я Марушку люблю,
Я Марушку люблю,
И за себе возьму;
И за себе возьму,
Черевички куплю.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 32.

### А.

1) А въ борку на клинку,
2) Чий же то лёнъ не полотий?
3) Купала на Ивана!...
4) То Марисі лёнъ не полотий.
5) Чому жъ вона не виполола?
Купала на Ивана!
6) То за сімъ, то за тимъ,
7) То за сномъ товстимъ.
Купала на Ивана!
8) А въ борку, на клинку,
9) Чия жъ то сіножать не кошеная?
Купала на Ивана!
10) То Василя сіножать не кошеная.
11) Чому жъ вінъ іі не косивъ?
Купала на Ивана!
12) То за сімъ, то за тимъ,
13) То за сномъ товстимъ.
Купала на Ивана!

(*Жегота Паули, стр. 30—31*).

### Б.

1 Б = 1 А А въ лёнку...

2) Иване, Ивашеньку!

3 Б = 2 А Чомъ... да не виполотий? 4 Б = 5 А Молода Маръечко, чомъ.... 5 Б = 5 А Ой чомъ ти ёго да...? 6 Б = 6 А, 7 Б = 7 А.

8) Да за жениханнемъ,

9) Да за погуляннемъ.

*(Борисполь, Переяславск. уѣз.).*

### В.

Andante.

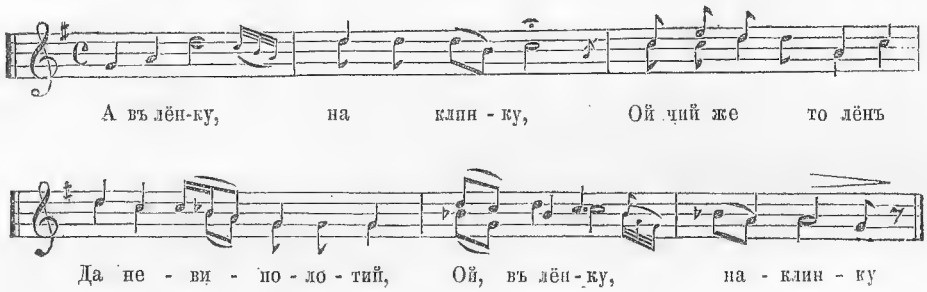


И не виполотий,
И не вибратий.
Молода Маръечко,
Чомъ не виполола?
Ой за чимъ ти его
Да не виполола?
До за сімъ, до за тимъ,
Да за сномъ товстимъ,
Да за жениханнемъ,
Да за погуляннемъ;
Чи дощикъ накрапавъ,
Чи Василько не дававъ;
Чи дощикъ бризкавъ,
Чи Василько близько.

*(М. Борисполь, Переяславск. уѣз.).*

## 33.

### А.

1) Ой лісомъ дубиною

2) Косила сіно сокірою,

3) Коцюбою громадила —
4) Хіма Ивана принадила, —
5) Ще буду громадити,
6) Щобъ кращого принадити.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

Б.

3 Б = 3 А Топорищемъ..., 4 Б = 4 А Собі Трохима...

5) Дала ёму принадочку,
6) Зъ черного шовку китаёчку.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 34.

Купала наша, купала,
Заграло сонечко на Йвана.
Де сходить сонце, сходить, тамъ грає;
Тамъ мій миленькій кониченька сідлає;
Сідлає кониченька при свічі,
А виходить на улицю у ночі.
Виіхавъ на улицю, посвиставъ,
Вже жъ вінъ свеі миленькоі не заставъ.
Чогось моя миленькая стала пишна,
Що до мене на улицю не вийшла.
Изъ вечора русу косу чесала,
А о-півночи черевички озувала,
А къ світові на улицю виходжала.

(*Волынь, Стецкого, Т. I, стр. 106*).

## 35.

Вітеръ петрушку подвіває,
Стратій Катерину підмовляє.
Будете, люде, дивитися,
Якъ я буду женитися.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 36.

Ой чомъ ти, дубе, не розвився?
Чомъ ти, Петре, не женився?
Не женився, бо не пора:
Моя Наталка ще молода.

(*Дашковъ, Латинск. уѣз.*).

## 37.

### А.

1) Пасеться коникъ підъ гречкою —
2) Стоіть Хведіръ зъ уздечкою.
3) — «Постий, коникъ, загнуздаю,
4) Та поідемъ до Дунаю;
5) До Дунаю води пити,
6) Завадовську дівку любити».
7) Въ Саражинці дощі йдуть,
8) А въ Перейму річки течуть.
9) Текли річки, побреніли
10) До Заводовськоі ажъ у сіни.
11) Тамъ хлопці збиралися,
12) На горілочку складалися;
13) А Хведіръ найбільше давъ,
14) Бо въ Завадовськоі дочку взявъ.

(*Переймы, Балтскаго уѣз.*).

### Б.

1) Підъ вербою виметено,

2 Б = 7 А Въ Легедзіні... 3 Б = 8 А. . наше село... біжать.

4) Бігли жъ вони ажъ бриніли,

5 Б = 10 А Да въ Храсинкі... 9 Б = 11 А... парубки... 7 Б = 12 А... медъ-горілку..., 8 Б = 13 А А той Евхимко...,

9) Бо вінъ Храсинку сподобавъ.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

### В.

1) Въ Ковачиці дощикъ иде,
2) Въ Краснопілку річка біжить,

3 В = 10 А До Иванка просто въ... 4 В = 6 Б... схожалися, 5 В = 7 Б. 6 В = 13 А Пелипъ..., 7 В = 14 А Павольку до себе. .

(*Краснополка, Гайсинск. у.*).

## 38.

На купалі огонь горить
Нашимъ хлопцямъ живуитъ болить;
Наши хлопці- жабокольці,
Скололи жабу на колодці.
Іхавъ Яковко по надъ гречкою,
Держить коника уздечкою,
Онъ іде на конику,
А дівчину везе.

(*Мал. Лит. Сборн. Мордовцева, стр. 352*).

## 39.

Ой въ ліску на бурку
Почипила колесо на шнурку;
Тамъ Яхремъ гойдався,
За свою Химу змагався:
Гойдайте мене ди височенько
Щобъ до меі тещеньки близенько.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 40.

**Andante.**

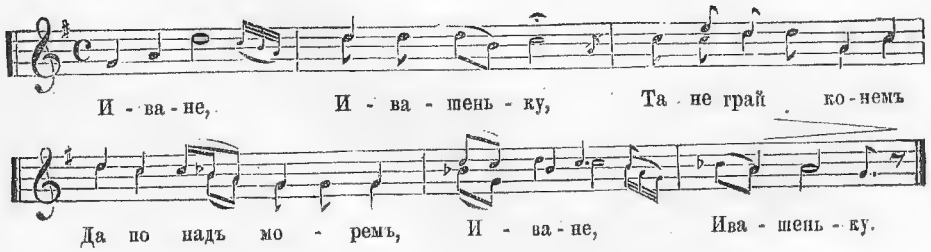

Да Дунай-море
Да й урічливе.
Урочу я тебе
И коня твого,
Коня вороного,
Тебе молодого.
Збрую твою
Да козацькую,
Красоту твою
Молодецькую.
Збрую твою
На возахъ везуть,
Красоту твою
На рукахъ несуть.
Въ збрую твою
Убіраються,
Украшаються.
Да за горою
Да за камъяною
Стоять коні
Да готовиі.
Посідлані,
И поуздані,
Тілько сісти
Да й поіхати
Да за гіроньку
По удівоньку;
Да удівоньку
Да легко брати,
Да легко брати,
А важко жити.
За горою
Да за камъяною
Стоять кони
Да готовиі—
И посідлані,
И поуздані
Тілько сісти
Да поіхати
Да зграницю
Да по дівицю.
Що дівицю
Да важко брати,
Важко брати,
А легко жити.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### 41.

Тонкий, невисокий дубокъ, —
А то й славний той Семенко парубокъ.
Тонка невисока ліщина,
Тамъ то славна Марійка дівчина.
Колибъ мені ту ліщину зрубать,
Коли бъ мені ту Марійку узять;
Якъ исхочу, то ліщину изломлю,
Якъ исхочу, то Марійку я возьму.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

### 42.

Ти, Храсинко, тайся, не тайся,
Таки тебе той Михалко взявся:
Коло тебе не наседится,
Вінъ на тебе не надивиця.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

29-го іюня; Петровка оканчивается къ этому дню пекутъ лепешки изъ сыра съ мукой и яйцами и этимъ разговляются. Эти лепешки называются „мандрики". „Зузули" крадутъ ихъ, жадно ѣдятъ и, подавившись ими, перестаютъ пѣть.

Женщины въ этотъ день празднуютъ „брикси".

Слѣдующій за тѣмъ день т. е. 30 іюня, называется Полу-Петро.

Въ этотъ день не работаютъ и священники собираютъ толоку для косовицы.

---

## ІЮЛЬ.

**19-го іюля. Св. Мокрины.** Если въ этотъ день будетъ дождь, вся осень будетъ дождлива и не будетъ орѣховъ — всѣ повымокаютъ.

**20-го іюля. Св. Ильи.** Думаютъ, что Илья владѣетъ грозою и громомъ, такъ какъ около этого дня или же въ этотъ самый день бываетъ гроза.

бываетъ гроза. Даже есть и пословица: „Илья, наробить гнилья“. Полагаютъ, что слово Илья произошло отъ слова лить. Въ этотъ день капусту накрываютъ горшкомъ, чтобы была бѣла.

До Ильи облака ходятъ за вѣтромъ, а послѣ Ильи противъ вѣтра.

Когда громъ гремитъ, это Илья по небесному мосту въ колесницѣ ѣздитъ. Когда громъ зажжетъ избу, ее должно тушить не водою, а молокомъ или „сироваткою“. Рои пчелъ, вылетѣвшіе послѣ Ильи, ненадежны, даже пчеловоды гонятъ прочь и чужой рой, къ нимъ залетѣвшій. Послѣ Ильи комары перестаютъ кусать.

Въ іюлѣ бываютъ сильныя грозы; грозныя ночи іюля и августа называютъ „горобиними“ потому, что громъ и молнія не даютъ заснуть и воробьямъ. Послѣ Ильи купаться нельзя, такъ какъ съ этого дня дьяволы начинаютъ жить въ водѣ.

**22-го іюля. Маріи Магдалины.** Народъ празднуетъ этотъ день, потому что, по его мнѣнію, въ распоряженіи Маріи Магдалины находится холера; за непразднованіе этого дня Марія Магдалина насылаетъ на людей холеру [143]).

Когда приходитъ время жатвы, крестьяне спрашиваютъ другъ друга „коли то будемъ зажинати?“ Зажинаютъ всѣ разомъ, но не въ понедѣльникъ, считающійся несчастнымъ днемъ. Преимущественно зажинаютъ въ среду и пятницу. День зажинокъ проводится какъ праздникъ; хозяйка приготовляетъ на обѣдъ вареники съ творогомъ. Послѣ обѣда вся семья отправляется въ поле, гдѣ хозяинъ первый начинаетъ жать съ словами: „Господи благослови“. Вечеромъ, передъ возвращеніемъ домой, одинъ изъ жнецовъ сжинаетъ немного ржи и кладетъ ее на землѣ крестообразно. Вечеромъ бываетъ угощеніе жницамъ.

**27-го іюля. „Паликопа“ или Палія, св. Пантелеймона.** Если кто въ этотъ день жнетъ или возитъ копны на гумно, то за такое неуваженіе къ празднику сгорятъ у него копны, а иногда и дворъ: ихъ сожжетъ „Поликопъ“. Въ этотъ день также постятся и молятся, чтобы охранить копны хлѣба, находящіяся еще на полѣ, отъ ударовъ грома. Въ день Паликопа преимущественно идутъ на толоку къ священнику, во-первыхъ, потому что священники въ этотъ день молятся за жнецовъ, и во-вторыхъ, объ этомъ днѣ ходятъ между простолюдинами суевѣрныя преданія. Говорятъ, напримѣръ, что какой-то помѣщикъ, поссорившись съ священникомъ

---

[143]) Уницкій.

въ день Пантелеймона приказалъ, собрать всѣхъ своихъ подданныхъ на свое поле и ни одного изъ нихъ не пустилъ къ священнику на толоку. За это помѣщикъ наказанъ былъ тѣмъ, что въ тотъ день у него сожгло молніей, не смотря на ясный день, весь хлѣбъ. Между тѣмъ хлѣбъ священника, находившійся по сосѣдству, остался цѣлъ. Съ тѣхъ поръ народъ въ день великомученика Пантелеймона ходитъ на толоку къ священнику.

---

## АВГУСТЪ.

**1-го августа. Маковія.** Въ день св. мучениковъ Маккавеевъ (происхожденіе честныхъ древъ) освящаютъ зелень и воду, причемъ водосвятіе сопровождается такими же обрядами, какъ и въ день Преполовенія. Въ этотъ же день преимущественно освящаютъ макъ „видюху“ (дикій макъ) и употребляютъ его какъ средство противъ вѣдьмъ; по народному вѣрованію, стоитъ только макомъ этимъ обсыпать домъ — и всѣ дѣйствія и хитрости вѣдьмъ останутся недѣйствительными [129]). Изъ маку пекутъ „шуляки“, коржи изъ пшеничнаго тѣста, облитые густою медовою „ситою“ (медъ, разведенный въ теплой водѣ), съ примѣсью растертаго мака [130]).

**6-го августа. „Спаса“ (Преображеніе Господне).** Въ этотъ день освящаютъ въ церкви яблоки, груши и проч. и также вновь подрѣзанные соты „сцілники“.

До этого дня ни мужчины, ни женщины (преимущественно послѣднія) не ѣдятъ яблокъ. Послѣ освященія раздаютъ фрукты всѣмъ, въ особенности нищимъ, въ томъ убѣжденіи, что за это „Матеръ Божая“ ихъ умершимъ дѣтямъ раздастъ въ этотъ день по яблоку, чего не удостоиваются умершія дѣти тѣхъ, которые до дня Спаса ѣдятъ яблоки и груши и не раздаютъ ихъ въ этотъ день дѣтямъ; [131]) дѣвушки не идутъ въ церковь, опасаясь, чтобы имъ не поднесли яблока, такъ какъ это они называютъ „соромъ“ [132]).

---

[129]) Соловьевка, Радом.
[130]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.
[131]) Данильченко.
[132]) С. Гнѣдино, Остерскаго.

Около этого времени оканчиваютъ обыкновенно жать рожь. Въ день окончанія жатвы бываетъ сельскій праздникъ — „обжинки“. Когда дожинаютъ рожь, жницы поютъ: „Жаловалася стодола“ и „Кружали женчики, кружали“. Когда дожинаютъ пшеницу: „Господиня калину ламала“. Дожавши до конца, жнецы оставляютъ несжатыми нѣсколько стеблей ржи, связываютъ изъ нихъ „Спасову бороду“, обращенную колосьями внизъ, выминаютъ изъ этихъ колосьевъ зерно и сѣютъ между корнями оставленныхъ стеблей, приговаривая: „роди, Боже, на всякого долю — и бідного, и багатого“. При этомъ заставляютъ парубковъ пролѣзать между стеблями бороды, давая имъ при этомъ довольно чувствительные пинки. — Также оставляютъ и „женю“ — для мышей, чтобы въ гумнѣ не ѣли хлѣба [133]). Слова: „роди, Боже, на всякого долю — й бідного, й багатого“ объясняются слѣдующей легендой. Когда Христосъ не ходилъ еще по землѣ, колосъ ржи и пшеницы былъ во всю длину соломы. Однажды Господь, съ апостолами Петромъ и Павломъ, пришелъ, въ видѣ нищаго, къ одному хозяину. — Вмѣсто хлѣба, хозяйка взяла сырого тѣста и бросила въ глаза Господу. Господь разсердился и сказалъ, что больше никогда не будетъ родиться хлѣбъ. Но собаки начали выть, Господь сжалился и оставилъ на ихъ долю колосокъ. По этому крестьяне говорятъ: „ми собачу долю імо, а колись колосъ йшовъ ажъ до землі [134]).

Покончивъ съ „бородою“, жнецы бросаютъ назадъ черезъ голову серпы; если чей серпъ воткнется въ землю, то этотъ жнецъ и на другой годъ будетъ жать у того же хозяина. Послѣ этого начинаютъ плести вѣнокъ, причемъ припѣваютъ: „Котиться житечко въ снопочокъ“. Одна изъ дѣвушекъ, по общему выбору, надѣваетъ вѣнокъ на голову и въ сопровожденіи жнецовъ идетъ къ дому хозяина.

При обжинкахъ поютъ:

## 1.

А въ неділоньку, рано-пораненьку,
Збірає женці коваленко;
Збірає женці а все прибірниі —

---

[133]) Чернелевка, Старокостан. уѣз.
[134]) С. Мельницы, Ковельского уѣз.

Дівки, парубки а все молодиі.
Та повівъ же іхъ на долину,
На пшениченьку на озіму:
— «Ой жніте, женці, розжинайтесь,
А назадъ себе не оглядайтесь!
Ажъ зъ-за гори орда иде,
За собою коваля веде.
Ёму руки позавъязовані,
Ёму очи позаглажовані.
«Отто жъ будешъ, ковалю, знати,
Якъ неділоньку шановати!»
«Ой дай, Боже, такую годину,
Щобъ забачити світъ хочъ на часину,
То буду вже знати,
Якъ неділоньку шанувати!»

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 324*).

## 2.

### А.

1) Ой чия жъ то борода
2) Срібромъ-злотомъ обвита?
3) Ой чуй, пані, чуй,
4) Вечерать готуй! *)
5) Срібромъ-злотомъ обвита,
6) Краснимъ шовкомъ обшита?
7) Нашоі пані борода
8) Срібромъ-злотомъ обвита;
9) Срібромъ-злотомъ обвита,
10) Краснимъ шовкомъ обшита.
11) А чужоі пані борода
12) Мочалкою обвита.

(*С. Лементаровка, Сосницкаго у.*).

### Б.

1) Сидить воронъ на копі,
2) Дивується бороді:
3) «Дивно мені

*) Припѣвъ повторяется послѣ каждыхъ двухъ стиховъ.

*

4) Зъ сеі бороди!...›
5) Ой чие жъ то жито въ полі
6) Зашуміло, стоя?
7) Иванове жито въ полі
8) Зашуміло, стоя!
9) Дивно мені
10) Зъ сеі бороди!..
11) Якимове поле
12) Зазвеніло, стоя.

13 Б = 1 А, 14 Б = 2 А Соломою....,

15) Водицею облита?

16 Б = 7 А Иванова...., 17 Б = 12 А Соломою....,

18) И водицею облита.

19 Б = 11 А Якимова....

(*С. Юриновка, Новгородсѣверскаго у.*).

## В.

1 В = 1 Б, 2 В = 2 Б, 3 В = 3 Б Ой...., 4 В = 4 Б Отсей.... 5 В = 5 Б... то поле, 6 В = 6 Б,

7) Якимове поле,

8 В = 8 Б Зазвеніло... 9 В = 1 А, 10 В = 14 Б, 11 В = 16 Б, 12 В = 17 Б, 13 В = 15 Б, 14 В = 19 Б, 15 В = 2 А Шовкомъ... 16 В = 18 Б Медомъ виномъ..,

(*С. Юриновка, Новгородсѣверскаго у.*).

## Г.

1) Ходе Илья по межі,

2 Г = 2 Б, 3 Г = 3 Б, 4 Г = 4 Б, 5 Г = 1 А.

6) Да золотомъ улита

7 Г = 6 А Чорнимъ... обвита? 8 Г = 7 А Ой Тихонова...,

9) Да золотомъ облита,

10 Г = 6 А Чорнимъ... обвита.

(*С. Юриновка, Новгородсѣверск. уѣз.*).

## Д.

1) Жито пожали,
2) Копи поклали.

3 Д = 1 Б... ведмідь..., 4 Д = 2 Б, 5 Д = 3 Б, 6 Д = 4 Б Да сій... 7 Д = 1 А, 8 Д = 2 А... улита. 9 Д = 6 А Чорнимъ... увита.

(*С. Лементаровка, Сосницк. уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 А, 2 Е = 7 Г... облита? 3 Е = 16 Б, 4 Е = 7 Г... облита. 5 Е = 1 Б... півень..., 6 Е = 2 Б. 7 Е = 3 В, 8 Е = 6 Д Об...!

9) Ой чий-же то челядинъ
10) Обжиночки нарядивъ?
11) Ой Иванівъ челядинъ
12) Обжиночки нарядивъ.
13) Ой нашъ, пане, нашъ,
14) Обжиночки въ насъ.

15 Е = 1 Б... півень на маковці

16) Та маковку пъе;
17) Сидить нашъ панъ на покуті,
18) Горілочку пъе.
19) А ми будемъ дивитися,
20) Коло ёго живитися.
21) Ой дай, пане, дай,
22) Горілочки намъ!
23) Зъ великоі праці
24) Горілки по чарці;
25) Зъ великоі муки
26) По дві чарки въ руки.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 325—326*).

# 3.

## А.

1) Отсе тобі, борода,
2) Хлібъ, сіль и вода.
3) Ой чиі жъ то женці
4) Да все шолудивці?
5) Иванови женці
6) Да все шолудивці:
7) Жита не пожали,
8) Серпи поломали.
9) Якимови женці

10) Да все чернобривці:
11) Жито пожали,
12) Серпівъ не ламали,
13) Таки свому пану
14) Слави доказали.

(*С. Юриновка, Новгородсьверск. уѣз.*).

Б.

3 Б = 5 А, 4 Б = 6 А, 5 Б = 11 А 6 Б = 12 А. 7 Б = 3 А, 8 Б = 14 А.

(*С. Юриновка, Новгородсьверск. уѣз.*).

4.

Ми-то, женчики, ми-то,
Пожали всейке жито,
А другіі лениві —
Стоіть жито на ниві.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

5.

Журилася стодоля,
Що не повна сторона.
Не журися, стодоле,
Буде повна сторона!
Якъ ми жито дожнемо,
Сторони докладемо.
Судивъ намъ Бу͡игъ дожати,
Суди, Боже, й пожити
Миромъ, въ покою,
Въ доброму здоровъю.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

6.

Уже сонце котиться —
Намъ до дому хочеться;

А мы не йдемо,
Приказу ждемо
Одъ пана свого,
Одъ молодого.

(*Борисполь, Переяславск. у.*)

7.

Нуте, нуте, до межі,
Варенички у діжі.

Ой нуте, робіть,
Себе не баріть!

Нуте, нуте, по пъять, —
Варенички киплять!

Ой, нуте, робіть,
Себе не баріть!

Не будете пильновать,
Тутъ будете ночувать.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни. Метлинск., стр. 327*).

8.

Нашъ панойко-виноградъ
Сіявъ жито черезъ ладъ,
Головойку торбувавъ,
Поки съ поля позбіравъ;
А ми свою клонили,
Поки жито пожали.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*).

Нашій господаръ хорішъ —
Не продамо вінка за грішъ.
За білні гроші,
Бо ми женці хороші.

(*Вел. Глуша, Ковельск. у.*)

## 9.

Котився віночокъ по полю —
Просився хозяєна въ стодолю:
— «Пускай, хозяінъ, въ стодолю,
Вже я набувся на полю;
Вже я на полю набувся,
Буйного вітру начувся,
Раннёі росп напився.
Я не довго полежу,
Заразъ на поле побіжу».

(*Вел. Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 10.

Колибъ, Господи, повечоріло, —
На моєму серденьку повеселіло.
Не заходь, сонце, не заходь,
Не великий переходъ.
Сонце за берізку,
А ми на доріжку;
Сонце за ялинку,
А ми черезъ нивку.

(*С. Лементаровка, Сосницкаго у.*).

## 11.

Ой котився нашъ віночокъ по полю,
Ой просився челядоньки до двору:
— «Возьми мене, челядонька, зъ собою,
Ой нехъ же сторононьки доповню;
Ой нехъ же я сторононьки домощу,
Ой нехъ же я въ свого пана погощу».

(*Полоски, Бѣльск. уѣз.*).

## 12.

Зашуміла дуброва,
Залящіла дорога,
Хозяєнови женці идуть,
Золотий вінокъ несуть.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 13.

Наше село веселе —
Ми віночка несемо,
Не зъ золота — зъ ярицї,
Зъ назімоі пшеницї;
Не зъ золота, но зъ жита,—
Намъ горілка налита;
Намъ горілка не мила,
Насъ нива втомила;
Не такъ нива, якъ гони,
Що широкі загони.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 14.

Коломъ, віноньку, коломъ
По надъ пановимъ полемъ.
Добриі женцї були
Дівчата й молодицї.

(*Чернелевка, Староконстантин. уѣз.*).

## 15.

Вінчику пелехатий,
Нашъ панъ багатий
На корови, на вівцї,
На талярі — червінцї.

(*Дашковцы, Литинск. у.*).

## 16.

### А.

1) Чиняй, панї, ворота, —
2) Иде твоя робота;
3) Чиняй, не бари —

4) Женці молоди *).
5) Чиняй, пані, сіни,
6) Щобъ женці посіли.
7) Чиняй, пані, хату —
8) Давай женцямъ плату.
9) Чиняй, пані, комору —
10) Давай женцямъ червону.
11) Чиняй, пані, клуню —
12) Давай женцямъ другу.

(*Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

## Б.

1) Наша пані пишна
2) На ворота вийшла;
3) И ноги помила,
4) И сама чорнобрива.

5 Б = 1 А, 6 Б = 2 А, 7 Б = 5 А, 8 Б = 16 А. 9 Б = 7 А, 10 Б = 8 А.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 Б... не..., 2 В = 2 Б За ворітечка...,
3) Ключами забрязчала,
4) Богу ся помолилась,
5) Що въ полі обробилась.

(*Дашковцы, Литинск. у.*).

## Г.

1 Г = 1 А Одчиняйте..., 2 Г = 2 А.... ваша... 3 Г = 5 А Одчиняйте..., 4 Г = 6 А. 5 Г = 7 А Одчиняйте..., 6 Г = 8 А
7) Хочъ по три копійки,
8) По чарці горілки.

(*С. Лементаровка, Сосницк. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 В, 2 Д = 2 Б Проти женчиківъ...

---

*) Припѣвъ послѣ каждыхъ двухъ стиховъ.

3) Взулась въ черевички,
4) Винесла горілочки.

Е.

1 Е = 1 В, 2 Е = 2 В, 3 Е = 3 В... подзвонила, 4 Е = 4 В.

(*Чернелевка, Староконстантиновск. уѣз.*).

## 17.

Наша пані охоча
Зібрала потолоча:
Житнеє й пшеничнеє —
Ми въ пані величниі.

(*Дашковцы, Литинск. у*).

## 18.

Чи не димъ ся то куритъ?
То наша пані журитъ,
Якъ пива наварити,
Горілки накурити,
Женчиківъ попоіти,

(*Дашковцы, Литинск. у.*).

## 19.

Наша пані домує,
Вечеряти готує.
Ой чуй, пані, чуй,
Вечерять готуй *).
Наша пані пишна
За ворота вишла;
Наша пані хупава
Разпустила рукова.

(*С. Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

---

*) Припѣвъ повторяется за каждыми двумя стихами.

## 20.

Ой якъ женці на порогъ —
Наша пані за пирогъ:
«Лінилися жать,
Ложитеся спать!»
— Панойку, не лінились,
Потомились!
Ой якъ женці за ложки —
Наша пані въ ладошки:
«Лінилися жать,
Недамъ вечерять!»
Наша пані висока
Зарізала гусака:
Сама не іла
И намъ не дала.

(*С. Юриновка, Новгородсѣверск. уѣз.*).

## 21.

У нашого пана жінка хороша,
Винесла горілки, якъ рожа....
У нашого пана жинка молоденька,
А въ неі ручка біленька,
А въ ручечці чарочка золотенька,
А въ чарочці горілочка солоденька.

(*Шандеревка, Каневск. у.*).

## 22.

Розгорися, вечерняя зоря, предъ раннёю стоя;
Приберися, наша господинька, передъ нами-жніями,
Одінь тиі куни, соболі, та білі горностоі.
— «Не гріють мене тиі куни, соболі, ні білиі горностоі,
А тилько гріє моє здоровъє,
Мужикове (мужнине) підворъє.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни Метлинскаго, стр. 322*).

## 23.

Ой чиє жъ то поле заспівало, стоя?
Заспівало, заспівало!...

Нашоі пані поле заспівало, стоя.
Ой чуй, пані, чуй,
Вечерять готуй!...
Ой чиє жъ то поле задрімало, стоя?
Задрімало, задрімало!
Чужоі пані поле задрімало, стоя.
Ой чуй, пані, чуй,
Вечерять готуй!

(*С. Маковъ, Глуховск. уѣз.*).

## 24.

### А.

1) А въ насъ женці, якъ женці —
2) Дівчата да хлопці;
3) А въ Оврама — якъ старці:
4) Торбинки побрали,
5) Хліба добували.
6) Чужі пани дукачи
7) Держать людей до ночи;
8) Нашъ панъ — соловейко,
9) Пускає раненько.

(*Чернелевка, Староконстантинов. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А.

3) Сами молоденькі,
4) Серпи золотенькі,
5) Жали - пильновали,
6) Серпи поламали.

### В.

1 В = 1 А Ой чиі жъ то...?

2) Дівки да молодці?
3) Ой паночку нашъ,
4) Обжиночки въ насъ!

5 В = 3 Б... молодні, 6 В = 4 Б... золотні.

(*С. Брытаны, Борзенскаго уѣз.*).

### Г.

1) На наші обжинки
2) Посціли ожинки.

3 Г = 4 В, 4 Г = 4 В.

(*Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

### Д.

1 Д = 1 В, 2 Д = 2 В, 3 Д = 3 В, 4 Д = 4 В, 5 Д = 5 В, 6 Д = 6 В, 7 Д = 5 В, 8 Д = 4 В,

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни Метлинскаго, стр. 323*).

## 25.

### А.

1) А нашъ панъ молоденький,
2) Підъ нимъ кінь вороненький.
3) Подъ гору кінь виграє,
4) Женчиківъ виглядає.
5) Десь вони забавляють,
6) Нивоньки дожинають.

(*Чернелевка, Староконстантинов. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А.

3) Нивоньку объізжає,
4) Щастя-доленьку має,
5) Рано зъ поля збірає.

(*Дашковцы, Литинск. у.*).

### В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 А,

3) Виіхавъ на нивоньку
4) Въ щасливу годиноньку;
5) Ставъ ся Богу молити,

6) Ставъ копоньки лічити.
7) «Слава тобі, Боже!
8) Моє житечко въ стоже».

(*Жегота Паули, стр. 49*).

## 26.

Лапала, лапала,
Копи не налапала —
Дитина плакала;
До дому прийшла,
Дверей не найшла,
Верхъ одиткнула,
Пудъ порогомъ заснула.

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

## 27.

### А.

1) Орішокъ зелененький, орішокъ зелененький,
2) Нашъ паночокъ молоденький,
3) На конику поізжає,
4) До двору женчиківъ займає;
5) Загоняє женчиківъ до двору,
6) Галёвали ціле літо по полю,
7) Не давали соловейкамъ спокою.

(*Мал. Лит. Сборн. Мордовцева, стр. 355*).

### Б.

1 Б = 1 А. 2 Б = 2 А... господаръ..., 3 Б = 3 А,

4) Добру долю має,
5) Зарання позбірає.
6) Єдна копонька въ возі,
7) А друга въ стозі.
8) Шістьдесятъ въ стодолі,
9) Намъ горілки доволі.

(*Вел. Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 28.

1) Закотилось та сонечко
2) За виноградний садъ —
3) Цілуєтся, милуєтся,
4) Та хто кому радъ!
5) Ой Маруся изъ Иваномъ
6) Ціловалась, миловалась,
7) И рученьку дала:
8) «Оце тобі, Ивасеньку,
9) Рученька моя!
10) Ой якъ дождешъ до осені,—
11) Буду я твоя.»

(*Жегота Паули, стр. 55*).

## 29.

Добра нивойка була:
Сто кіпъ жита зродила;
И ще ся похвалила —
Копу перечипила.
Запрягайте воли,
Поідемъ до діброви
Сосноньки витинити,
Копоньки підперати.

(*Жегота Паули, стр. 49*).

## 30.

### А.

1) Місяцю, місячейку!
2) Світи намъ дорожейку,
3) Жеби-сьмо не зблудили,
4) Вінойка не згубили;
5) Бо нашъ вінойко красний,
6) Якъ місячейко ясний,
7) Ище вижший відъ плота,
8) Ще дорожший відъ злота;
9) Ище вижший відъ гори,
10) Ще яснійший відъ зорі.

(*Жегота Паули, стр. 50*).

**Б.**

1 Б = 1 А... рогозоньку, 2 Б = 2 А... на..., 3 Б = 3 А Щобъ ми ся... 4 Б = 4 А.

(*С. Дашковцы, Латинск. уѣз.*).

## 31.

Ой добра-нічъ, широкеє поле,
Жито ядрянеє!
Добра-нічъ, на здоровъя.
Жниці молодиі, серпи золотиі!
Приходьте завтра раненько,
Якъ сонейко зійде, росиця опаде;
Та приносьте по бохопу хліба,
По білому сиру.
Вже сонейко зійшло, росиця опала,
А моі жнійки не бували.
Чи повтомилися, чи поморилися,
Чи на мене, нивку, забулися?
Ми не позморилися, не повтомлялися,
И на тебе, нивку, не забувалися,

(*Нар. Юж. Рус. Пѣсни Метлинскаго, стр. 322*).

## 32.

Доломъ, женчикі, доломъ,
До панойка зъ поклономъ.
Не сами ми йдемо,
Ми вінойко несемо.
У нашого панойка
Золотая брамойка;
Треба ся поклонити,
Жеби єі відтворити.
Подвіра коби крилля
Не треба му Поділья.
Чи ви насъ не видіте,
Що до насъ не вийдете!
Вийдітъ, панойку, до насъ,
Викупіть вінойко у насъ;

Не зъ великимъ даромъ —
Ино зъ битимъ таляромъ.
И мосцюнейка пишна
За воротонька вишла,
Ключиками подзвонила,
Богу ся помолила:
— «Слава жъ тобі, Боже!
Мое житейко въ стоже.

(*Жегота Паули, стр. 50—51*).

## 33.

Ой не ідь, пане, въ поле,
Бо стерня въ ноги коле;
Бо ми жито вижали,
У копоньки поскладали,
Вже до дому йдемъ.

(*Дашковцы, Литинск. у.*).

## 34.

Нашъ панъ добрий, нашъ панъ добрий;
Пані не така, пані не така:
Нашъ панъ дае по гривенці,
Пані пъятака, пані пъятака!

(*Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

## 35.

### А.

1) Ой чие жъ то поле
2) Зажовтіло, стоя?
3) Иванове поле
4) Зажовтіло, стоя.
5) Женці молодиі,
6) Серпи золотиі!
7) Ой чие жъ то поле
8) Задрімало; стоя?
9) Женці все стариі,

10) Серпи все изломані!
11) А ми своёму пану
12) Изробили славу:
13) Житечко пожали,
14) Въ снопи повъязали,
15) У копи склали.
16) А ми своёму пану
17) Изробили славу.
18) Ой, паноньку нашъ,
19) Обжиночківъ часъ!
20) Благослови жъ, Боже!
21) Обжиночківъ часъ.

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр. 122—123*).

## 36.

Немае пана въ-дома,
Поіхавъ до Вільвова
Чарочокъ куповати,
Женчиківъ частовати.
Чарочки золотні,
Женчики молодні.

(*Шендеревка, Каневск. уѣз.*).

## 37.

Чуй ся, паночку, въ силі (2)
Продай коники сиві,
И зъ курчатами квочку (2)
На горілочки бочку.

(*Чернелевка, Староконстантиновск. у.*).

## 38.

Ходить панойко по сіняхъ,
Держить рученьку въ кешені —
Ой сто злотихъ виймуе,

*

Своій челядці дарує:
— «Тобі, челядко, за тоє, за тоє,
За моє жито святоє.

(*Полоски, Бѣльск. уѣз.*).

## 39.

А вь лісі ожиноньки, —
А въ пана обжиноньки:
И житні, и пшенишні —
Ми въ пана велишні.

(*С. Дашковцы, Литинск. уѣз.*).

## 40.

Не лякайся насъ, пане,
Не багацько насъ стане —
Тридцятеро й троє,
На подвіръячко двоє.

(*Дашковцы, Литинск. уѣз.*).

## 41.

А въ нашого пана
Голова кудрява;
Якъ кудрями потрясе,
То й горілки принесе;
А въ чужого — лиса,
Якъ у того біса. —

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 42.

А въ нашого пана
Золотая брама,
Миті одвірки —
Дай намъ, пане, горілки. —

(*Дашковцы, Литинск. уѣз.*).

## 43.

Уже сонце надъ дубами, —
Трясуть коні поводами.
Трясіть, не трясіть,
Да до дому везіть!
Ой вже сонечко надъ рікою, —
Трясе нашъ панъ калиткою.
Тряси, не тряси,
По гривні даси!

(*С. Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

## 44.

Ой лугами, паночку, лугами,
Виносьте намъ мисочку зъ пирогами.
Одчиняй, нашъ паночку, квартирку,
Подивися, нашъ паночку, на нивку.
Килько на ниві кіпочокъ,
Тилько на небі зірочокъ.

(*С. Дудари, Каневск. уѣз.*).

## 45.

Оте жъ тобі, нашъ паноньку, обжинокъ —
Та не жалуй сто талярівъ на вінокъ.
Оте жъ тобі, нашъ паноньку, обжинки —
Та не жалуй челядонці горілки.

(*Полоски, Бѣльск. уѣз.*).

## 46.

### А.

1) А ми жито дожали,
2) Щобъ ще за рокъ дождали.

3) Кілько на небі зірочокъ,
4) Тілько на полі кіпочокъ.
5) Суди, Боже, звозити,
6) Въ велику скирту зложити,
7) И зъ панами добрими спожити.
8) Ой обжинки, нашъ паночку, обжинки —
9) Дай намъ меду й горілки;
10) Прочиняй, паночку, ворота —
11) Несемъ тобі вінка изъ злота.

(*Болшая Горбоша, Новоградволынск у.*).

## Б.

1) А въ нашого пана злотий поясъ —
2) Дожавъ жита въ добрий часъ,
3) Дожала его дзівечка
4) За ясного сонечка.

5 Б = 3 А, 6 Б = 4 А.

7) Зороньки світили,
8) Копоньки поле укрили.

(*Полоски, Бѣльск. у.*).

## В.

1 В = 10 А Ой одчиняй... браму, 2 В = 11 А Бо... віночокъ зъ перлами. 3 В = 10 А Ой одчиняй, нашъ... новий двіръ, 4 В = 11 А Бо... віночка на розвідъ. 5 В = 10 А Ой одчиняй, нашъ..., 6 В = 11 А... віночка краще.

## Г.

1 Г = 1 В... хозяінъ, квартиру,

2) Глянь на небо и на ниву

3 Г = 3 А... зорокъ, 4 Г = 4 А... ниві копокъ, 5 Г = 3 А... крупівъ 6 Г = 4 А... стогівъ.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 47.

### А.

1) Наша пані чорнобрива
2) Борщу, каші наварила,
3) Наварила намъ,
4) Хорошимъ женцямъ.
5) Чужа пані рудобрива
6) Борщу, каші наварила,
7) Поставила на припечку, —
8) Муха пролила.
9) Бодай тобі, мухо,
10) Розсілося брухо,
11) И намъ не дала,
12) Сама спожила!
13) Наша пані велика
14) Зарубала индика,
15) Зарубала намъ,
16) Хорошимъ женцямъ....

(*С. Мановъ, Глуховск. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 13 А, 2 Б = 14 А Зарізала... 3 Б = 12 А, 4 Б = 11 А А... 5 Б = 13 А... голубочка,

6) Вийшла проти насъ,
7) Да винесла три скрипочки,
8) А четвертий басъ.
9) Всімъ дівчаткамъ по скрипці,
10) А сироті басъ.
11) Всі дівчата въ скоки-въ боки,
12) А сирота въ плачъ:
13) «Чи я въ тебе, моя пані,
14) Діла не робила,
15) Що я въ тебе да скрипочки
16) Дай не заробила?»

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 48.

1) Закотилось да сонечко
2) За зелений буиръ —

3) Ми поідемо вечеряти
4) У багатий двуиръ.
5) А въ багатому дворі
6) Хліба, солі на столі,
7) И хліба, и солі —
8) И всёго доволі,
9) Вареники въ маслі,
10) Горілочка въ пляшці.
11) Закотилося сонечко
12) Да за новий млинъ —
13) Цілуйтеся, милуйтеся,
14) Якъ хто кому милъ.
15) Закотилось да сонечко
16) Да за два млинки —
17) Ми поідемъ вечеряти,
18) Де два паробки.

(*М. Борисполь, Переяславск. у.*).

**Б.**

1) Задзвонили въ Боришполі
2) У великій дзвуинъ,

3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А. 5 Б = 5 А У..., 6 Б = 6 А Вареники..., 7 Б = 9 А, Б 8 = 10 А.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 49.

**А.**

1) Уже сонце на лану —
2) Я до дому полену!
3) Поленула бъ я,
4) Неволя моя.
5) Чуй, пані, чуй,
6) Вечерять готуй!
7) Ой якъ готовенька,
8) Сиди веселенька;
9) А якъ не готова,
10) То не сиди дома!

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А а вже..., 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А. 4 Б = 4 А.

5) Приказу ждемо
6) Одъ пана свого,
7) Одъ молодого,
8) Да хорошого;
9) Поки прийде панъ,
10) Да прикаже намъ.

(*С. Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

### В.

1) Наша пані тетера,
2) Чи готова вечера?

3 В = 9 А Коли..., 4 В = 10 А; 5 В = 7 А Коли..., 6 В = 8 А.

7) Ой нашъ, пане, нашъ,
8) Обжиночки въ насъ!

(*Брытаны, Борзенск. уѣз.*).

### Г.

1 Г = 1 А... дома, 2 Г = 2 В Готова...

3) Ой чуй, пані, чуй,
4) Вечерать готуй!

5 Г = 7 А, 6 Г = 8 А;

7) Ніжки підобгай,
8) Дай насъ дожидай!

9 Г = 9 А Якъ же..., 10 Г = 10 А Дакъ...,

11) Одчиняй ворота,
12) Да біжи въ болота.

(*С. Юриновка, Новоградсьверск. уѣз.*).

## 50.

Звеліла мені мати
Ячменю жати.
— «Жни, жни, моя доненько;
Жни, жни, моє серденько!»

Ячміню не жала,
На межи лежала.

— «Лежи, лежи, моя доненько;
Лежи, лежи, моє серденько!»

Снопочокъ нажала,
Къ сердечку прижала.

— «Жми, жми, моя доненько;
Жми, жми, моє серденько!»

Ячміннеє зернячко
Укололо сердячко.

— «Терпи, моя доненько;
Терпи, терпи, моє серденько!»

«Ой я жъ терпіла,
Да вже замліла».

— «Млій, млій, моя доненько;
Млій, млій, моє серденько!»

«Щобъ серце злічити,
Треба козака любити».

— «Люби, люби, моя доненько;
Люби, люби, моє серденько!»

«Щобъ, моя мати,
Съ козакомъ мені гуляти».

— «Гуляй, гуляй, моя доненько;
Гуляй, гуляй, моє серденько!»

«Ище жъ, моя мати,
И волю ёму давати»...

(*Бытъ Рус. Нар. Терещенко, часть V, стр 127—128*).

## 51.

Ой зазвеніли стодолі, стодолі;
Що не повниі сторони, сторони.
Ой не звеніте, стодолі, стодолі,
Будуть повниі сторони, сторони.
Скілько на небі зорочокъ,
Тілько на полю копочокъ;
Зороньки небо світили,
Копоньки поле укрили.

(*Полоски, Бѣльск. уѣз.*).

## 52.

Ой літає соколонько по полю,
Заганяє челядоньку до дому:
«Ой до дому, челядонько, до дому,
Вигуляла все літечко по полю;
Вигуляла все літечко и жнива —
Не боліла головонька и спина.
Широкая нива втомила,
Що й вечеря теперенька не мила.

(*Д. Дудари, Каневск. у.*).

## 53.

Ой літала сива каня по полю,
Заганяла дрібни пташки до бору:
— «Ой до бору, дрібни пташки, до бору,
Не роніте рабихъ піръевъ по полю».
— Ой вже жъ ми рабее піръе поронили,
Летаючи по горонькахъ, по долинахъ.
Ой іздило пахолятко по полю,
Запрошало челядоньку до двору:
— «Ой до двору, челядонька, до двору,
Не запалюй білого личка на полю».
— «Ой вже жъ бо ми біле личко запалили,
Ой ходячи ранесенько та на жниво.

(*Полоски, Бѣльск. уѣз.*).

## 54.

Сива пава літала,
Крилами двіръ мітала,
Сподівалася вінця
До свого гуменця.
Замітайте двори,
Застілайте столи,
Сподівайтеся вінця
До свого гуменця.

(*Жгота Паули, стр. 51.*).

Вийди, панойко, до насъ,
Возьми віночка одъ насъ;
Віночокъ на колочокъ —
Намъ медъ-вино на столочокъ;
Віночокъ на стодолі —
Намъ горілки доволі.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 55.

Бігай, коню, по полю,
Збірай женці до дому.
— «Съ поля, женчики, съ поля,
До мого ойца двора;
У мого ойца двора,
Медъ-горілойка у стола.»

(*Великая Глуша, Ковельск. у.*).

## 56.

Стався, панойку, стався,
Женчиківъ не стидайся;
Якъ ми ся не встидали
Нивоньку дожинали.
Слава панойку, слава:
Вся челядонька пъяна;
Ино тая не пила,
Що зъ нами не робила,
Підъ межею лежала,
А житейка не жала.
Де ми вінойку вили,
Мідъ, горілойку пили,
Ди-сьмо го доплітали
Мідъ, вино розливали.

(*Жегота Паули, стр. 52.*).

Возвратившись домой, поздравляютъ хозяина и хозяйку съ обжинками. Дѣвушка съ вѣнкомъ на головѣ выходитъ впередъ, кланяется хозяину и, отдавая ему вѣнокъ, говоритъ: „а дай, Боже, щобъ ми на другий рікъ дождали жито жати и вінка вамъ принести“. Хозяинъ беретъ вѣнокъ, даетъ дѣвушкѣ деньги и говоритъ ей: Дай, Боже, щобъ на тебе въ церкві вложили вінець“.

Затѣмъ начинается угощеніе женщинъ и нерѣдко играетъ музыка до полуночи. Все описанное соблюдается, когда обжинки дѣлаются „толокою“, т. е. помочью. Толока обыкновенно бываетъ въ небольшіе праздники, „присвятки“. Крестьяне идутъ на толоку „помогати хліба святого збірати“ безплатно, за одно только угощеніе, сопровождаемое иногда музыкою. На толоку обыкновенно идетъ молодежь съ охотой, а въ особенности тогда, когда съ нею соединяются обжинки.

До Спаса обжинаются почти всѣ хозяева и въ этотъ день приносятъ въ церковь ржаные вѣнки; священникъ освящаетъ ихъ вмѣстѣ съ плодами. Вѣнки эти тщательно сберегаются, и зернами изъ нихъ начинаютъ засѣвать озимыя поля.

**15-го августа, Перва Пречиста, Успеніе Присвятой Богородицы.** Въ празднованіи этого дня нѣтъ никакихъ особенностей [135]). Есть пѣсни, относящіяся къ этому празднику.

Радуйтеся, янголівъ лики,
Идетъ до раю Матіръ Владики.
Гавріилъ тобі вість принесе:
Зоветъ тебе Синъ на небесе.
Теперъ прийди відъ Лівана,
Божія Матіръ, пречистая Панна.
Янголи усі изъ слізами,
Восхіщени усі облаками.
У Гевсиманьськее село пристали,
Объ цариці тамъ ридали:
— «Идешъ відъ насъ, о царице!...
Иди, иди, голубице!»
Якъ тіло на плечи узяли,
Янголи іі тамъ пісьню заспівали:
«Возьміть врата, князі, ваша

---

135) Чернелевка, Староконстан. у.

Идеть до васъ утіха наша,
Давно відъ васъ бажаемая Божая Мати,
Пресвітлая Панна!»
Пречистую Панну во триумхвахъ въ небо проводивши,
Биля Тройческього трону посадивши,
Вінчали короною у престола Тройческькаго, —
Наветъ изъ очей сонце стало! —
И у піднижьжа ій місяць дано.
Ангельськи сили гарно восьпівали:
«Величимъ тя, царице славна, воеводо избранна,
Синомъ Божимъ посажденна,
Небесною царицею утверждена,
Во вікъ царствувати,
За насъ Христа ублагати.
Ублагай о насъ, Мати благая,
Триблагого Бога родшая;
У твоімъ днесь успеніі
Да пребудемъ у спасеніі,
Предстательствомъ твоімъ у того
Сина твого наймилійшого.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша, Харьковъ*).

**29-го августа. День усѣкновенія главы Іоанна Крестителя,** называется въ народѣ „Головосікою“. Въ этотъ день строго постятся; весь день ничего не варятъ, не берутъ ножа въ руки, считая большимъ преступленіемъ рѣзать что нибудь, а особенно круглое, похожее на голову. Говорятъ, напримѣръ, если въ этотъ день рѣзать капусту, то изъ нее потечетъ непремѣнно кровь. Также и ѣсть нельзя вещей, напоминающихъ собою голову, потому что отъ этого будутъ чиряки (вереды). Разсказываютъ, что одна женщина срубила головку капусты, но когда внесла ее въ хату, то увидѣла, вмѣсто головки капусты, голову своего ребенка.

---

## СЕНТЯБРЬ.

**1-го сентября.** Въ день Симона Столпника ласточки прячутся въ колодезь.

Чортъ мѣряетъ воробьевъ мѣркою: сколько взять себѣ, а сколько вы-

пустить. — Для этого воробьи собираются къ нему, и потому-то ихъ въ этотъ день нельзя видѣть [136]).

Начинаютъ копать картофель и буряки; снимаютъ съ баштановъ дыни и „кавуни“ (арбузы).

**8-го сентября. Рождество Богородицы — друга Пречиста.** Ужи сушатся на дорогахъ и потому опасно ходить.

Похвалімо, похвалімо Царя Христа,
Прибитого, прибитого до хреста! (2)
За насъ, за насъ страсти претерпівший (2)
И відъ вічнихъ мукъ, відъ вічнихъ мукъ визволивший. (2)
Похвалімо, похвалімо Матіръ ёго,
Да избудешъ, да избудешъ огню вічного! (2)
Матіръ ёго, Матіръ ёго пречистая —
Зірка у небі, зірка у небі пресвітлая! (2)
Скорая, скорая намъ помошнице,
У бідахъ и скорбяхъ наша заступнице, (2)
Поручниця, поручниця за насъ грішнихъ,
Визволить, визволить насъ відъ мукъ вічнихъ! (2)
Алилуія, восьпіваймо,
Матіръ цареву, Матіръ цареву днесь величаймо. (2)

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша, Харьковъ*).

**14-го сентября, Воздвиженіе животворящаго креста Господня.** Птицы начинаютъ улетать, а „гадюки“ ползутъ на зиму въ „вирай“, поэтому въ лѣсъ ходить нельзя, (въ противномъ случаѣ предстоитъ опасность быть ужаленнымъ змѣей. Но не всѣ змѣи уползаютъ; тѣ, которыя кого нибудь укусили, въ наказаніе остаются мерзнуть въ холодные дни.

„Вирай“ — это дивная теплая сторона, гдѣ-то далеко у моря, доступная однимъ птицамъ и змѣямъ.

Первою улетаетъ туда и послѣднею возвращается оттуда зозуля, т. е. кукушка; это оттого, что зозуля ключница „вирая“.

**26-го сентября, Ивана.** Не ѣдятъ цибули и луку, опасаясь имѣть чиряки (чири).

---

[136]) Чернелевка, Старокостантиновск. у.

# ОКТЯБРЬ.

**1-го октября, Покрова.** Молятся, особенно дѣвушки, желающія выйти замужъ; молитвы ихъ всегда почти сопровождаются словами:

„Свята Покривочка, покрий мині головоньку, хочъ ганчіркою (тряпкою), аби не зоставалась дівкою“. Со дня „Покрови“ начинается бабье лѣто, продолжающееся двѣ недѣли. Время это не сопровождается никакими обрядами. Утверждаютъ только, что въ теченіи бабьяго лѣта непремѣнно должно быть хотя нѣсколько теплыхъ дней.

Если на „Покрову“ вѣтеръ съ сѣвера, то будетъ зима очень холодная и съ метелями. Если съ юга, то теплая.

**18-го октября, Евангелиста Луки.** „На Луки — нема хліба, ні муки“.

Пословица основана на томъ, что во время неурожая крестьяне, засѣявъ поля на будущій годъ, не имѣютъ хлѣба.

**22-го октября, Казанской иконы Божей Матери.**

**26-го октября. Димитрія Мироточиваго.** „До Дмитра дівка хитра; а по Дмитрі, хоть комінъ витри“. — До этого времени „хлопці“ сватаютъ „дівокъ“, что дѣлается уже рѣдко послѣ Димитрія.

**28-го октября. Парасковіи.** Въ этотъ день не прядутъ. Въ концѣ октября собираютъ и шаткуютъ капусту, и квасятъ буряки.

Въ понедѣльникъ не нужно перемѣнять рубашки: „напасть буде“.

Въ понедѣльникъ многіе не ѣдятъ скоромнаго.

Въ пятницу нельзя золить бѣлья, а то на томъ свѣтѣ пятница будетъ гоняться.

Нѣкоторыя женщины даютъ обѣтъ не работать въ пятницу.

Въ субботу хорошо начинать какое-нибудь дѣло.

# НОЯБРЬ.

**8-го ноября.** Если уже упалъ снѣгъ, то говорятъ: „Михайло приіхавъ на білому коні“.

**21-го ноября. Введеніе во храмъ Пресвятыя Богородицы.** Если корова бьется ногами, то пекутъ хлѣбъ, вложивши въ него предварительно нѣсколько „стоногъ“, мокрицъ. Испекши, обходятъ три раза вокругъ коровы и даютъ ей по куску, говоря: „іжъ, корово, стоноги, да стій на всі чотирі ноги“.

Если отелится первый разъ корова, то хозяйка отрываетъ нижній рубецъ своей рубашки и обматываетъ вокругъ роговъ коровы.

Хрѣнъ и морковь святятъ отъ „курячої сліпоти“.

Вечерницы въ дни Екатерины и Андрея 24 и 29 ноября имѣютъ особенную важность. Гаданья въ оба эти праздника имѣютъ близкое отношеніе другъ къ другу. Въ день Екатерины дѣвушки призываютъ долю, на Андрея доля показываетъ имъ свои дары. Призваніе доли заключается въ томъ, что дѣвушки, собравшись въ какой нибудь домъ, варятъ кашу изъ пшена и мака и поочередно лазятъ на ворота, приговаривая: „Доле, ходи до насъ вечеряти“.

Дѣвушки ставятъ въ воду нѣсколько вишневыхъ прутьевъ; если они къ Рождеству разцвѣтутъ, то гадающая выйдетъ въ этомъ году замужъ. Еще на канунѣ Андрея, 28-го ноября, дѣвушки гадаютъ у себя дома. Гаданья эти заключаются въ слѣдующемъ.

Берутъ извѣстное количество коноплянаго сѣмени, выходятъ въ полночь на дворъ, три раза обходятъ вокругъ хаты, сѣютъ и приговариваютъ:

«Я, святий Андрію,
Конопельки сію:
Дай же, Боже, знати,
Съ кимъ весілле грати» [137]).

или:

«Андрію, Андрію,
Я на тебе коноплі сію,
А запаскою волочу,
Бо я заміжъ хочу»...

Суженый приснится ей непремѣнно.

До восхода солнца, тайно отъ всѣхъ, берутъ горсть коноплянаго сѣмени,

---

[137]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.

завязываютъ въ рубашку и носятъ цѣлый день; вечеромъ сѣютъ его, „скородять“ рубахой и говорятъ при этомъ: „хто мій сужений, той прийде зо мною конопельки брать“. Суженый непремѣнно придетъ ночью дергать конопель.

Гадаютъ также и на канунѣ новаго года.

Берутъ на тарелку соли и пшеничной муки, разбалтываютъ водою и передъ вечеромъ выпиваютъ. Ночью непремѣнно захочется пить, и суженый подастъ воды.

Изъ соли, муки и воды пекутъ коржикъ; ложась спать, одну половину коржика должно съѣсть, а другую положить подъ подушку; суженый придетъ, чтобы съѣсть оставшійся кусокъ.

Нужно спечь большой соленый коржъ и съѣсть на ночь; суженый подастъ пить.

Кладутъ кусокъ хлѣба съ солью подъ подушку; — суженый придетъ подѣлиться.

Выдергиваютъ изъ крыши стебель соломы, и если въ колоскѣ найдется зерно, — женихъ будетъ богатый; если не будетъ зерна — бѣдный; если солома безъ колоска, то жениха въ этомъ году не будетъ.

Наливаютъ въ тарелку воды, кладутъ на нее нѣсколько соломинокъ въ видѣ мостика и ставятъ себѣ подъ кровать: суженый придетъ перевести невѣсту чрезъ мостъ [138]).

Паробокъ или „дівчина“ вечеромъ выходитъ за ворота и прислушивается къ лаю собакъ. Съ какой стороны услышитъ лай, оттуда будетъ или жениху невѣста или невѣстѣ женихъ [139]).

**30-го ноября. Св. Андрея.** Празднованіе дня св. Андрея состоитъ въ томъ, что молодые люди обоего пола, собравшись въ извѣстный домъ, занимаются гаданіемъ о своей будущности. Употребительнѣйшій способъ гаданія „балабушки“ или „кукилки“ — маленькія булочки. Одна изъ дѣвушекъ приноситъ воды, набираетъ ее въ ротъ и выливаетъ въ тѣсто, изъ котораго дѣлаютъ „кукилки“. — Балабушки приготовляютъ по числу дѣвушекъ, сверху мажутъ ихъ саломъ и кладутъ на „ослоні“ или же на „заслонці“. — Каждую пару называютъ именами предполагаемыхъ жениха и невѣсты [140]). Когда эти балабушки разставлены въ извѣстномъ порядкѣ, въ хату впускаютъ собаку, обыкновенно не ѣвшую въ этотъ день. Дѣвушка, „пампушку“ которой собака схватитъ раньше всѣхъ, прежде другихъ выйдетъ замужъ. Несъѣденная „пампушка“ означаетъ, что дѣвушка въ этомъ году не выйдетъ замужъ [141]).

---

[138]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.

[139]) С. Красноселка, Староконст. уѣз.

[140]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.

[141]) Курмань, Новградоволынск. уѣз., Красноселка и Чернелевка, Староконст. уѣз.

Послѣ этого перевязываютъ собаку соломяннымъ „перевесломъ“ и съ почестями выводятъ изъ хаты [142]).

Еще дѣлаютъ такъ: вколачиваютъ въ потолокъ гвоздь и на ниткѣ привѣшиваютъ къ нему коржъ, намазанный медомъ и называемый „калетою“ (королемъ); онъ виситъ на разстояніи человѣческаго роста отъ земли. Около коржа садится „паробокъ — писарь“, которому даютъ въ руки „квачъ“, обмоченный въ воду, разболтанную сажей. Остальная компанія поочередно подъѣзжаетъ къ коржу верхомъ на кочергѣ. — Ѣдущіе, по возможности, стараются представить дѣйствительныхъ всадниковъ, сидящихъ на настоящихъ живыхъ хяконъ; при этомъ каждый изъ нихъ говоритъ: „Іду, іду калети кусати!“ „Ой не смійся, братіку, говоритъ другой писарь, бо я буду по зубахъ писати!“ Если ѣдущій не засмѣется, то откусываетъ „калети“; если же засмѣется, то дѣйствительно писарь мажетъ его по зубамъ ко всеобщему удовольствію. Незасмѣявшіяся выйдутъ въ этомъ году замужъ, и наоборотъ [143]). Если послѣ гаданья останется еще кусокъ „калети“, то дѣвушки разламываютъ ее на части и раздаютъ всѣмъ присутствующимъ, говоря при этомъ: „калета, калета солодка була, теперъ ми іі зъіли, за женихомъ полетіли“ [144]).

Ставятъ также на столъ деревянную тарелку, покрываютъ ее большимъ платкомъ, а на платокъ кладутъ кусокъ хлѣба съ солью и уголь. Затѣмъ каждая дѣвушка кладетъ на тарелку свое кольцо, или какую нибудь другую вещь. Потомъ разламываютъ хлѣбъ и уголь на кусочки, которые каждая дѣвушка завертываетъ въ рукавъ рубашки и ложится спать, въ надеждѣ увидѣть во снѣ своего суженаго [145]).

Ходятъ въ амбаръ и берутъ оттуда по нѣскольку зеренъ ржи; четное число взятыхъ зеренъ означаетъ скорое замужество, и на оборотъ [146]).

Сѣютъ около колодезя ленъ и каждая дѣвушка замѣчаетъ свое мѣсто; чей ленъ весною выростетъ скорѣе, та выйдетъ скорѣе замужъ [147]).

Носятъ изъ ручья воду, наливаютъ въ миску и пускаютъ на воду небольшія восковыя свѣчи, приклеенныя къ скорлупамъ орѣха. Если свѣча

---

[142]) Соловьева, Радомысльск. уѣз.
[143]) Полонное, Новградоволынск. уѣз.
[144]) С. Курное, Новградоволынск. уѣз.
[145]) Шумскъ, Кременецк. уѣз.
[146]) Строки, Староконстант. уѣз.
[147]) С. Сельцы, Житомірск. уѣз.

дѣвушки столкнется со свѣчей „парубка“, то значитъ они обвѣнчаются. По окончаніи гаданія воду выливаютъ обратно въ ручей [148]).

Берутъ охапку дровъ и считаютъ полѣнья: четное число предвѣщаетъ свадьбу, и на оборотъ [149]).

Считаютъ колья, въ плетнѣ или „частоколѣ“, называя одинъ колышекъ „молодцемъ,“ а другой „вдовцемъ“. Смотря потому, съ какимъ названіемъ будетъ послѣдній колышекъ — дѣвица выйдетъ или за молодца, или за вдовца [150]).

Въ чашку съ водою впускаютъ свои кольца и заставляютъ парубковъ вынимать ихъ оттуда губами; дѣвица, кольцо которой вынетъ парубокъ, выйдетъ за него за мужъ [151]).

Ставятъ на столъ воду, уголь и „коралі“ и закрываютъ полотенцемъ незамѣтно для дѣвушекъ, которыя затѣмъ наугадъ берутъ какой либо изъ этихъ предметовъ. Взявшая воду выйдетъ замужъ за водоноса, взявшая уголь — за цыгана, коралі — будетъ монахинею.

Кладутъ секретно подъ разныя миски кольцо, чепецъ и куклу. Дѣвица, поднявшая миску съ кольцомъ или чепцомъ, выйдетъ замужъ, а съ куклой — родитъ ребенка.

Узнаютъ также имя суженаго, спрашивая перваго встрѣченнаго объ его имени [152]).

Ходятъ въ овчарню и ловятъ овецъ; если дѣвушка поймаетъ черезъ засовъ барана, выйдетъ въ этомъ году замужъ.

Смотрятъ ночью въ зеркало, желая увидѣть тамъ суженаго.

Топятъ воскъ и олово въ черепкѣ и выливаютъ на воду. Если воскъ приметъ въ водѣ подобіе вѣнца, то дѣвушка выйдетъ замужъ.

Подслушиваютъ подъ окнами у сосѣдей; если услышатъ слово „иди“, то дѣвушка выйдетъ замужъ. — Бросаютъ за ворота сапогъ; если сапогъ станетъ носкомъ къ воротамъ, то дѣвушка не выйдетъ замужъ, въ противномъ случаѣ, выйдетъ замужъ въ ту сторону, куда обращенъ носокъ сапога [153]).

Идутъ къ церкви и смотрятъ въ нее чрезъ замочную скважину. Если дѣвушка увидитъ вѣнчающихся, то выйдетъ замужъ, если же увидитъ гробъ, то умретъ въ этомъ году.

Входятъ ночью въ сарай и берутъ полѣно. Если оно гладкое, — то

---

[148]) С. Мокраны, Новградоволынск. уѣз.
[149]) С. Новоселки, Владимірск. уѣз.
[150]) Курмань, Новградоволынск. уѣз.
[151]) Карповецъ, Житомирск. уѣз.
[152]) С. Козароги, Дубенск. уѣз.
[153]) М. Шумскъ, Кременецк. уѣз.

мужъ будетъ молодой и добрый; если же суковатое, то старый и сердитый. Иногда впрочемъ гадаютъ и такимъ образомъ, что гладкое полѣно предвѣщаетъ мужа бѣднаго, а суковатое — богатаго. [154]).

Завязываютъ лошади глаза и садятъ на нее дѣвушку — въ какую сторону пойдетъ лошадь, въ ту сторону дѣвушка выйдетъ замужъ [155]).

Прокалываютъ острый конецъ яйца и выпускаютъ изъ него бѣлокъ въ стаканъ съ водой; если бѣлокъ приметъ въ водѣ подобіе зданія, то дѣвица выйдетъ замужъ за богатого, если форму травы — то за бѣднаго. [156])

Посадятъ „півня въ діжу“ и поставятъ на „покуті“, на полу поставятъ миску съ водой, и тутъ же посыплютъ кучки проса, ржи, гречихи. Если пѣтухъ изъ „діжи“ кинется на зерно, женихъ будетъ славный хозяинъ, если къ водѣ, пьяница [157]).

Сажаютъ подъ рѣшето пѣтуха съ курицею, связанныхъ хвостами, и, немного погодя, выпускаютъ оттуда. Если при этомъ пѣтухъ потянетъ курицу, то мужъ будетъ властвовать надъ женой, въ противномъ случаѣ жена будетъ имѣть вліяніе на мужа.

Ночью снимаютъ куръ съ „сідала“, даютъ имъ по счету нѣсколько зеренъ пшеницы; если курица съѣстъ четное число, то дѣвушка выйдетъ замужъ.

Сидя у окна, говорятъ: „сужений, ряжений, иди коло вікна“. Если послѣ этого услышатъ на улицѣ шумъ, то это предвѣщаетъ веселую и хорошую замужнюю жизнь.

Ночью вывѣшиваютъ черезъ окно полотенце, приговаривая: „сужений, ряжений, прийди сюди и утрись“. Если въ скоромъ времени полотенце будетъ мокрое, то дѣвушка выйдетъ замужъ въ этомъ году.

Ходятъ на перекрестокъ съ зеркаломъ и наводятъ его на луну, приговаривая: „сужений мій, ряжений, вийди до мене и поговори зо мною“. Женихъ долженъ явиться въ зеркалѣ.

Ходятъ къ житницѣ и прислушиваются: если тамъ слышенъ шумъ и пересыпка хлѣба, то дѣвушки будутъ жить замужемъ богато.

Выходятъ на дворъ и кричатъ: въ которой сторонѣ послышится эхо, въ ту сторону дѣвушка выйдетъ замужъ.

Ложатся спиной на снѣгъ и по утру смотрятъ на это мѣсто: если по въ полосахъ, то мужъ будетъ вздорный и драчунъ, если гладкое, то тихій и смирный.

---

[154]) М. Шумскъ, Кременецк. уѣз.
[155]) С. Дермань, Дубенск. уѣз.
[156]) М. Шумскъ, Кременец. уѣз.
[157]) Обыч. и Пов. Мал. Маркевича.

Сучатъ нитку и спускаютъ ее въ воду: если нитка крутится въ водѣ, то замужняя жизнь будетъ хорошая; если остается въ такомъ видѣ въ какомъ опущена, то жизнь будетъ скверная.

Выходятъ на дворъ и говорятъ: „Залай, залай, собаченько, завий, завий, сірий вовче“! Въ какой сторонѣ залаетъ собака въ ту выйдетъ замужъ гадающая дѣвушка.

Вывѣшиваютъ за окно ключи: если они зазвенятъ, то дѣвушка выйдетъ замужъ.

Ходятъ къ рѣкѣ и чрезъ прорубь вытаскиваютъ со дна что попадется: если дѣвушка вынетъ кусокъ кожи, то ея мужъ будетъ сапожникъ, если кусокъ черепка — „гончарь“, и т. п. [158]).

Въ нѣкоторыхъ мѣстахъ въ день Андрея не гадаютъ [159]).

---

## ДЕКАБРЬ.

**На Варвары, 4-го декабря.** Около этого времени зима прочно устанавливается „Варвара ночи ввірвала, дня приточила,“ говоритъ народъ.

**Зачатіе св. Анны 9-го декабря.**—Волки начинаютъ бѣгать стаями. Ходятъ въ погребъ къ пчеламъ, чтобы хорошо „роілись“.

**Вилія.** Вечеръ 24-го декабря носитъ названіе „багатоі куті“, „виліі“ или „коляди“.

Если „на багату кутю буде зоряно“ (звѣздная ночь), то въ этомъ году будетъ урожай.

Хозяинъ въ этотъ день заботится о томъ, чтобы никакая вещь „не світувала“, т. е. не была до утра въ чужомъ домѣ; всѣ свои деревья обвязываетъ „соломянымъ перевесломъ“, чтобы хорошо „родили“.

Еще съ половины дня начинаютъ готовить ужинъ, на которомъ, кромѣ другихъ яствъ, должна быть непремѣнно „кутя“ съ медомъ или съ макомъ, растертымъ и разведеннымъ въ подслащенной водѣ, и „узваръ“ изъ сушеныхъ яблокъ, грушъ и другихъ плодовъ. Подъ вечеръ хозяинъ дома отправляется

---

[158]) М. Шумскъ, Кременецк. уѣз.
[159]) Мараны, Кобринск. уѣз.

на гумно и съ молитвою беретъ связку сѣна и снопъ ржи, ячменя, гречихи и соломы, и все это приноситъ въ хату; хозяйка садится, обкладывается соломой и „квокче“, это дѣлается для того, чтобы велась въ домѣ птица.

Сѣно кладутъ на столъ и закрываютъ „убрусомъ“ (скатерью), а снопъ ставятъ на „покуті“, подославъ немножко сѣна. — Иногда на столъ кладутъ плугъ и упряжь [160]).

На покути ставятъ также горшокъ съ „кутею“, покрытый „книшемъ“; надъ этимъ горшкомъ на возвышенномъ мѣстѣ зажигается свѣча. Затѣмъ семья одѣвается въ чистое платье и, съ появленіемъ звѣзды, начинаетъ ужинъ, въ которомъ участвуетъ и прислуга. Хозяинъ пьетъ водку, приговаривая: „Дай же, Боже, въ добрімъ здоровъі сі святки провести, ще и на той рікъ дождати!“

Затѣмъ начинается ужинъ, заканчивающійся кутьей. Когда на столъ подадутъ кутю, хозяинъ набираетъ ее въ ложку, подходитъ къ окну или выходитъ на дворъ и говоритъ: „Морозе, морозе, ходи до насъ куті істи, а коли не идешъ, то не йди й на жито, пшеницю и всяку пашницю [161]). Послѣднюю ложку кути бросаетъ въ потолокъ, „щобъ бджоли роілись“, и по количеству прилѣпившейся къ потолку кути предугадываетъ, хорошо ли проживутъ пчелы зиму и будутъ ли роиться лѣтомъ [162]).

Послѣ перваго кушанья хозяинъ, закрывъ глаза, вытаскиваетъ изъ сѣна стебель; если онъ окажется длинный, то будетъ хорошій урожай, въ противномъ случаѣ плохой.

Во время ужина кладутъ подъ столъ топоръ, и если у кого въ ногѣ зудъ (подбігъ), то тотъ ставитъ ногу на топоръ.

Когда съѣдятъ кутю, семья садится „на покуті“ на сѣнѣ, гдѣ стояла кутя, и „квокче: т. е. подражаютъ курицѣ, сидящей на яйцахъ, для того, чтобы „квочка“ выводила хорошо цыплятъ: потомъ сгребаютъ со стола немного сѣна и кладутъ въ то мѣсто, гдѣ будетъ сидѣть квочка (насѣдка); [163]) часть сѣна даютъ также скоту. Остальное сѣно лежитъ до новаго года, а снопъ ржи остается на „покуті“ до Крещенія. Сору до новаго года не выбрасываютъ на дворъ, а сметаютъ въ кучу подъ „покутя“ [164]).

Ложки въ кутьѣ оставляютъ на цѣлую ночь. Дѣлаютъ это въ ожиданіи

---

[160]) Данильченко.
[161]) С. Дворца, Засловск. уѣз.
[162]) Могильна, Владимірволынск. уѣз.
[163]) Сборн. Маркевича.
[164]) Шендеревка, Каневск. уѣз.

посѣщенія умершихъ родственниковъ, или же гадая о своемъ долголѣтіи. Если по утру чья либо ложка окажется перевернутою вверхъ, то онъ умретъ въ текущемъ году. [165])

Послѣ ужина нѣкоторые члены семейства, преимущественно дѣти, посылаются къ священнику, повивальной бабкѣ и родственникамъ. Они приносятъ съ поздравленіемъ „книші“, рыбу и пр. Священникъ даритъ ихъ просфорою, а крестьяне деньгами. [166])

Въ нѣкоторыхъ семействахъ приступаютъ къ ужину не иначе, какъ съѣвши предварительно кусочекъ просфоры, принесенной отъ священника, а для этого посылаютъ священнику подарки предъ ужиномъ [167]). Послѣ ужина моютъ посуду и часть помоевъ хозяинъ сливаетъ въ бутылку и прячетъ, въ увѣренности, что это хорошее лекарство отъ „сглаза“.

Въ ночь на канунѣ Рождества всѣ кладутъ на свои постели сѣно и сидятъ по большей части въ „стані“ (конюшнѣ); здѣсь они прислушиваются къ тому, что дѣлаютъ волы, потому что существуетъ повѣрье, будто въ эту ночь волы говорятъ между собою о рожденіи Христа. Воламъ и вообще скоту даютъ въ эту ночь обильный кормъ. [168])

**Праздникъ Рождества Христова.** Утромъ, въ праздникъ Рождества дьячекъ, взявъ изъ церкви образъ, идетъ по домамъ и читаетъ молитвы, за что ему даютъ хлѣбъ, крупы, сало и пр. [169])

Или же старики идутъ сами къ священнику послѣ богослуженія и несутъ ему подарки. Священникъ благодаритъ ихъ и угощаетъ. Хозяева замѣчаютъ, въ какой день Рождество: по ихъ убѣжденію, въ такой же день слѣдуетъ начинать уборку хлѣба. [170]) Съ вечера перваго дня праздника начинается „колядованнє“ и продолжается до праздника Богоявленія.— Дѣвушки и дѣти колядуютъ передъ окнами богатыхъ крестьянъ и въ своихъ „колядкахъ“ величаютъ хозяина и его семью.

Когда пропоютъ колядку, дѣти и дѣвушки привѣтствуютъ хозяина; ихъ дарятъ пирогами или деньгами, на которыя они покупаютъ себѣ различныя вещи и тщательно сберегаютъ ихъ. — Колядники нерѣдко ходятъ съ фонаремъ, сдѣланнымъ изъ бумаги въ видѣ луны или звѣзды. На одной сторонѣ фонаря изображается св. Варвара. [171])

Молодые люди ходятъ колядовать съ козой. — Козу дѣлаютъ

---

[165]) С. Могильна, Владимірволынск. уѣз.
[166]) С. Яновка, Ковельск. уѣз.
[167]) Дерманъ, Осторожск. уѣз.
[168]) С. Дерьманъ, Осторожск. уѣз.
[169]) С. Щасновка, Козелецк. уѣз.
[170]) М. Мирополь, Новградволынск. уѣз.
[171]) С. Тулина, Житомірск. уѣз.

изъ дерева и туловище покрываютъ шубой; ее поддерживаетъ скрытый подъ шубой мужикъ. Козу водятъ съ музыкой, подъ звуки которой она пляшетъ [172]). Члены младшаго братства колядуютъ особеннымъ образомъ. Они идутъ съ начала къ священнику, поютъ колядную пѣснь и записываются здѣсь внести въ пользу церкви небольшую сумму независимо отъ того, что будетъ „виколядовано". Испросивъ у священника благословеніе, берутъ у старосты церковный колокольчикъ и съ этимъ колокольчикомъ, нерѣдко вмѣстѣ съ старостой, идутъ колядовать и выколядованное или отдаютъ въ пользу церкви, или покупаютъ воскъ и дѣлаютъ большую братскую свѣчу, которая зажигается во всѣ праздничные дни, при каждомъ богослуженіи. [173]) Пришедши въ домъ, колядники спрашиваютъ прежде позволенія: „чи позволите, пане-господину, заколядовати, сей домъ развеселити, Ирода засмутити?" И начинаютъ пѣть. Колядющіе съ козой поютъ:

## 1.

### А.

1) Го-го-го, коза, го-го-го, сіра,
2) Ой розходися, розвеселися,
3) При свому двору, при господару!
4) Де коза ходить, тамъ жито родить,
5) Де не буває, тамъ вилягає;
6) Де коза тупъ, тупъ,
7) Тамъ жита сімъ купъ;
8) Де коза рогомъ,
9) Тамъ жито стогомъ!
10) Де коза хвостомъ,
11) Тамъ жито кустомъ.
12) На горі коза зъ козенятами,
13) Въ долині вовчокъ зъ вовченятами.
14) Вискочивъ вовчокъ, за козу чок-чокъ,
15) А вовченята за козенята.
16) Вискочивъ заєць,
17) Ставъ козу лаять:
18) «Дурная коза, нерозумная,
19) Своімъ діточкамъ не господиня,

---

[172]) С. Юськовцы, Кременецк. уѣз.
[173]) С. Тулина, Житомірск. уѣз.

20) Своіхъ діточокъ не покормила!
21) Вхопила-бъ серпокъ, побігла въ лісокъ,
22) Нажала травиці зъ овсяний стожокъ,
23) Своіхъ діточокъ да й покормила,
24) Въ чистимъ озері да й попоіла.
25) Не ходи, коза, у тее сельце,
26) Да въ тее сельце, да въ Михайловку.
27) А въ Михайловці всі люде стрельці,
28) Встрелили козу въ правее ухо,
29) Крозь полотенце да въ щире серце.
30) Пуць, коза впала, не жива стала.
31) А міхоноша бери дудочку,
32) Дуй козі въ жилу.
33) Надимае жила — будь, коза, жива.
34) Да уставъ нашъ козелъ,
35) Да пошовъ нашъ козелъ
36) Да на ноженькахъ, да на роженькахъ,
37) Да микаючи, да рикаючи,
38) Короля въ полі да шукаючи,
39) Господина въ домі да питаючи,
40) Щобъ сёму господину и коровки були
41) И неврочливиі, и молочливиі,
42) И овесъ-самосій, и ячмінь-колосій,
43) И пшениця-сочевиця,
44) И горохъ ве....

(*С. Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 25 А... підъ..., 3 Б = 26 А Підъ.... підъ Чечировку, 4 Б = 27 А А Е Чечировку добриі...,

5) Добриі молодці;

6 Б = 28 А Стреляли.... у праве. ...,

7) А въ праве ухо, потекло юхо.

8 Б = 30 А... пуць, коза пропала. 9 Б = 31 А... ти.. дми козі підъ хвість: 10 Б = 33 А Якъ подмуться жили...

11) Ой ти, козухна, ой ти, матухна,

12 Б = 2 А Ти...,

13) Старшому пану у ноги поклонися.
14) Онъ и панъ иде,
15) Коляду несе.

16) Коробку овса,
17) Наверхъ ковбаса;
18) А ще того мало,
19) Дайте кусокъ сала!

20 Б = 12 А, 21 Б = 13 А... вовкъ... 22 Б = 14 А Ой прибігъ..., 23 Б = 15 А. 24 Б = 16 А Ой устрівъ..., 25 Б = 17 А Дай...

26) Ой ти, козухна, ой ти, матухна,

27 Б = 19 А Десь ти..... діткамъ...., 28 Б = 20 А Що ти.... дітокъ.... 29 Б = 21 А Взяла-бъ.... нажала снопокъ.

30) Да й покормила своіхъ дітокъ.

(*С. Лементаровка, Сосницк. у.*).

## В.

1 В = 1 А!

2) Сказилася, повалилася.

3 В = 2 А 4 В = 21 Б Підъ горою..... 5 В = 22 Б... 6 В = 15 А, 7 В = 16 А Прибіжавъ..., 8 В = 17 А. 9 В = 18 А, 10 В = 19 А; 11 В = 21 А Вхватила-бъ..., 12 В = 22 А... трави..., 13 В = 23 А... погодовала-бъ.

14) Раннёю росою понаповала-бъ.

15 В = 4 А. 16 В = 5 А... вижечає. 17 В = 8 А, 18 В = 9 А, 19 В = 6 А, 20 В = 9 А. 21 В = 25 А, 22 В = 3 Б. 23 В = 26 А... Юриновку. 24 В = 27 А.. Юриновці.

25) Я не боюся тихъ людей стрельцівъ,
26) Тилько боюся старого діда,
27) Що въ того діда
28) Борода сіда,
29) Устреливъ козу
30) Підъ праве ребро.

31 В = 18 Б.

32) Наша козонька,

33 В = 30 А Підъ сіно..., 34 В = 9 Б... въ рило: 35 В = 33 А Надмися.. 36 В = 34 А, 37 В = 3 А,

38) Да й на копиточкахъ,
39) Да й на золотенькихъ;

40 В = 35 А.. побігъ.., 41 В = 37 А, 42 В = 38 А.

43) Сочевиця-стручевиця,

44 В = 44 А. 45 В = 2 А Ой ти, козонька, 46 В = 13 Б... вклонися.

(*С. Юриновка, Новгродволынск. у.*).

2.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!
Ой розходися,
Розвеселися
По свому дому
По веселому;
Ой поклонися
Свому господару
И жінці ёго,
И дітямъ ёго.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!

Де коза топою,
Тамъ жито копою,
Де коза рогомъ,
Тамъ жито стогомъ;
Де коза ходить,
Тамъ жито родить.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!

Послухай, козуню,
Де въ звони звонять,
Де въ бубни бубнять,
Де скрипки грають.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!

Погляди на гради,
Чи нема здради?
Старая баба,
То тая здрада, —
Солому січе,
Пироги пече,
А сіно смажить,
Пироги мастить.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!

Вискочивъ вовчокъ,
За козу чопъ, чопъ,
А вовченята
За козенята.
Мудрая козуня
Догадалася,
Въ темнні лози
Сховалася.
Уже небійся
Ні въ полі ловця,
Ні въ лісі стравця.
— Оно боюся
Старого діда
Сивобородого,
Той мене забъє
Зъ тугого лучка,
Зъ праваго плечка.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька
Гопъ, гопъ, біленька!

У нашей козеньки
Чотире ноженьки.

Гопъ, гопъ, козуню,
Гопъ, гопъ, сіренька,
Гопъ, гопъ, біленька!

(*Волынь. Стецкаго, т. I, стр. 98—101*).

---

# КОЛЯДКИ.

## 1.

### А.

1) Мати сина да народила,
2) А народивши, згодовала,
3) А згодовавши, въ військо послала,
4) Въ військо послала дай научала:
5) «Ой мій синочку, мій козаченьку!
6) Якъ пійдешъ же ти да цару служити,
7) Да не вихвачуйся да попередъ війська,
8) Не зоставайся да позадъ війська.
9) Що попередъ війська да січуть, рубають,
10) А позаду війська да мечемъ махають.»
11) Ой синъ матері дай не послухавсь,
12) Да попередъ війська да конемъ виграє,
13) А позадъ війська да мечемъ махає.
14) Якъ загледівъ ёго да турецький король:
15) «Колибъ же я знавъ чий синъ конемъ гравъ,
16) До бъ я за ёго свою дочку оддавъ,
17) Свою дочку оддавъ, половину царства давъ,
18) Половину царства давъ, половину панства давъ?»
19) —«Я жъ твоєі царівни самъ не хочу,
20) Я твоє царствечко да коникомъ витопчу,
21) Я твоє панствечко да мечемъ висічу.
22) Я зъ тобою воєнъ-цару да на войну пойду,
23) Да на войну пойду, да на стороженьку.»
24) Да стерігъ я нічку, да стерігъ я другу,
25) А на третю нічъ да поймавъ я звіра,
26) Поймавъ я звіра — турського короля,
27) Да привьязавъ ёго поближше коня,
28) Да повівъ же ёго да по-підъ жаречкомъ.
29) Да пожаръ ноженьки да поподпікувавъ,
30) Да кровця слідочки да позаливала.
31) Ой вінъ же ёго хорошенько просивъ:
32) «Ти жъ, пане козаченьку, або мене зотни,
33) Або мене зотни, або живцемъ пусти.»
34) —«Я жъ тебе не зотну, живимъ не пущу,
35) Да поведу жъ я тебе до свого цара,
36) Буде жъ мені одъ цара дара,

37) Одъ цара дара, одъ війська слава,
38) Одъ війська слава, одъ панівъ увага.»

(*С. Плиски, Борзенскаго уѣзда*).

## Б.

1) Пишний, гордий, славний паничу,
2) Славний паничу, добрий Иване,
3) Молодъ же ти въ військо ходити.
4) Є въ ёго ненька, ненька руйдненька.
5) Якъ виправляла, то научала:
6) «Синку жъ муий, синку, синку Иванку,
7) Ой якъ підешъ молодъ до вуйська,
8) Да не вихвачуйся да попередъ вуйська,
9) Да не зоставайся да позадъ вуйська:
10) Держися вуйська все середнёго.»
11) А винъ же неньки дай не послухавъ,
12) Скоро на коника впавъ — половину вуйска ставъ.
13) Вибивъ города Цари-города,
14) Турського цара, турокъ извъязавъ.
15) «Ой колибъ я знавъ чий синъ то сивимъ конемъ гравъ,
16) Ой то бъ я ему посаги дававъ,
17) Давъ ёму поля неміраного,
18) Давъ ёму бору несходимого,
19) Давъ ёму грошня несчисленного,
20) Давъ ёму вуйска одбіраного,
21) Давъ ёму лучокъ и стрілокъ пучокъ,
22) Давъ ёму стрілку — царуйвну дівку.»
23) — «Я жъ тее поле копъемъ скопаю,
24) Копъемъ скопаю и стрілками всію,
25) Я жъ тиі бори вуйскомъ поламлю,
26) Вуйскомъ поламлю и огнемъ попалю,
27) Я жъ тиі гроши розумомъ розсчислю,
28) Молоду царуйвну за себе вуизьму.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

## В.

1 В) Ой рано, рано курі запіли, 2) А ще ранійше Ивашко вставъ, 3) Ивашко вставъ лучкомъ забрязчавъ, 4) Лучкомъ забрязчавъ братівъ пробужавъ: 5) «Ой вставайте, братці, коні сідлайте. 6) Да поідемо на прогуляння» 7) Ой вийшла ненька да вельми старенька, 8 В = 4 А Випроважала . . . . . 9 В = 5 А Ідь . . . . ідь . . . . соколе, 10 В = 8 Б . . . . . не виривайся, 11 В = 9 Б, — 12 Б = 9 А . . . . . .

мечемъ зарубають, 13 В = 10 А.... куля убъє.» 14) А Ивась молоденький не послухавъ неньки. 15 = В 12 А..... іграє, 16 В = 13 А. 17) Вийшовъ проти нёго да турецький царъ: 18 В = 15 А. 19 В = 16 А.... царівну..... 20 В = 17 А царівну....., 21 В = 18 А.... давъ... государства давъ. 22 В = 19 А..... твоій.... зовсімъ..... 23) А теє царство мечемъ ізсічу. 24) Да бувай же здоровъ, молоденький Ивась, 25) Поздавляємъ изъ милимъ Богомъ, 26) Изъ усімъ родомъ, 27) Изъ Исусомъ Христомъ, 28) Изъ Святимъ Рожествомъ, 29) Добрий вечоръ!

## Г.

1 Г = 1 В, 2 Г = 2 В..... Василько..., 3 Г = 3 В Василько..... 4 Г = 4 В..... позбужавъ: 5 Г = 5 В...., 6 Г = 6 В Та..... въ чистеє поле, 7) Въ чистеє поле на полёваннє. 8) Тамъ я познавъ кунку въ дереві, 9) Кунку въ дереві, панну въ теремі. 10) Тобі буде кунка на шубу. 11) А мені буде панна до шлюбу.

(*С. Тальянка, Уманьскаго уѣзда*).

## Д.

1) Ой зъ за гори, гори, голуби гули. 2) То жъ не голуби—то коней пара, 3) То коней пара, жупанивъ хмара. 4) Тамъ панъ Василько пройіжджавъ, 5 Д = 4 В.... побрязчавъ.... 6 Д = 5 Г.... 7) Коні сідлайте, хартівъ склпкайте, 8 Д = 7 Г..... на прогулянне виїзджайте, 9 Д = 7 В Его.... барзо.... 10 Д = 8 В: 11 Д = 6 Б Ой..... Васильку, 12 Д = 8 Б, 13 Д = 9 Б.... позадъ....» 14 Д = 14 В... вінъ..... 15 Д = 15 В.... коникомъ..... 16 Д = 16 В. 17 Д = 14 А.... царъ: 18 Д = 18 В.... то.... гулявъ, 19 Д = 19 В, 20 Д = 21 Б..... 21) А за цімъ словомъ бувай здоровъ. 22) А ти святий, святий здоровъ!

(*С. Черняховъ, Кіевскаго уѣзда*).

## Е.

1) Ой у неділеньку, нічей пораненьку, 2) Ой загадали всімъ на войну йти, 2) Молодому Ивашку передъ вести. 4 Е = А в....., ненька.... 5) Сестра маленька коня сідлає, 6) Ненька старенька дай научає: 7 Е = 6 Б Ой... мій, ....., 8 Е = 12 Д..... вимикайся, 9 Е = 13 Д. 10 Е = 14 Д, 11 Е = 15 В, 12 Е = 16 В та..... копъємъ.... 13 Е = 17 В. Забачивъ теє..... 14 Е = 18 Д .....іграв, 15 Е = 19 Д, 16 Е = 20 В..... щастємъ дарувавъ, 17) Щастємъ дарувавъ, долею посилавъ.

(*Горностайполь, Радомысльскій уѣздъ*).

## Ж.

1) А въ неділечку да й пораночку, 2) Загадують намъ волёчку, 3) А въ нашої пані-маточки, 4) Одинъ синчичокъ, якъ одинчичокъ. 5 Ж = 10 Д Вона ёго..... 6 Ж = 8 Е Напередъ.... 7 Ж = 9 Е... назадъ.... 8 Ж = 10 Е...., 9) Напередъ вуйська струженькомъ струже, 10) А назадъ вуйська на коні грає 11) На коні грає вуйсько рубає. 12) А дорубався Цару-городу. 13) А царъ каже: «не рубай мене, 14) Не рубай мене, не стреляй мене. 15 Ж = 17 Б Дамъ тобі сукна...., 16) Дамъ тобі ліса не схожонаго, 17) Дамъ тобі грошей сочованнихъ (сочесть).

*(Рокитно, Овручскаго уѣзда).*

## З.

1) Ой заказано и загадано. 2) Святий вечоръ! 3) Слава тобі, милий Боже! 4) Всімъ козаченькамъ у військо йти, 5) Пану Ивашку короговъ нести. 6 З = 4 Е....., 7 З = 8 В....тай.... 8 З = 6 Б Ой....., 9 З = 7 А Не попережай....., 10 З = 8 А....позаді...., 11 З = 10 Б, 12) И козаченька все статечнаго. 13) Молодий Ивашко.....своєі. 14 З = 15 А, 15 З = 16 В, 16) Угляне самъ царъ на креслі. 17 З = 18 Д, 18 З = 16 А, 19 З = 18 А..... ёму би оддавъ.

*(С. Лукашевка).*

## И.

1) Съ суботи на неділю заказали на війну, 2) Заказали на війну — хто сина має, 3) А хто не має, нехай наймає. 4) Ой дай, Боже. 5) Мала ненька одного синка Иванка, 6) Та й висилала, та й научала: 7) «Ой ідь, синочку, на ту війночку, 8 И = 10 В, 9 И = 7 Ж.... не лишайся, 10) А посередъ війська трімайся. 11 И = 11 Б А неньківъ синокъ...., 12 И = 15 В.....коникомъ...., 13) Мечомъ ввиває, військо рубає. 14 И = 17 В.....царъ турецький, 15) Ой чий то синокъ коникомъ грає, 16) Мечомъ ввиває, військо рубає? 17) Ой колибъ я ёго знавъ, 18 И = 19 Д.....дочку..... 19) Ой твоя дочка не мені рівня, 20) Ой мені рівня сама царівна. 21) Твоя дочка погана віра. 22) Ой дай, Боже.

*(Ушицкій уѣз.).*

## Ї.

А зъ гори, зъ долу вітеръ повіває,
Дунай висихає, зіллємъ заростає,
Зіллємъ трепеттёмъ, вшелякимъ цвітомъ.
Дивное звіръє спасає зілле,

Спасає зілле сивий оленець,
На тимъ оленці пятьдесятъ ріжківъ,
Пятьдесятъ ріжківъ й еденъ тарелець,
На тимъ тарелці золотий стільчикъ,
На тимъ стільчику чемний молодець.
На гуслі грає, красно співає.
Надийшовъ дъ нему батенко ёго:
«Ти, сину, сидишъ, а нічъ не видишъ,
Турки, татари Подгірья взяли,
Полонъ забрали, далій пігнали.»
— Сідлаймо, тату, коня бистрого,
Злагодь мі тату меча острого;
Най я поіду турки догоню,
Моє Підгірья назадъ обороню,
Назадъ оберну, краще осажу.
Ой якъ іхъ догонивъ, тай іхъ розрознивъ,
Своє Підгірья назадъ обернувъ,
Назадъ обернувъ, краще осадивъ.
Ой осадивъ вінъ три села людьми:
Ой та едно село старими людьми,
А друге село парубочками,
А третє село дівчиноньками.
Старні люде усімъ судили,
А парубочки въ війську служили,
А дівчиноньки шитойки шили.

*(Русалка Днѣстров. 57 — 58).*

## 3.

А у полі, полі, да край дороги
Ой тамъ ходить вороная стада;
Поміжъ тий стаді сивий кінь ходить.
Ніхто того коня да не поймає,
Да ні поймає, ні осідлає,
Тилько поймає, да осідлає Иванко:
— Яжъ того, коня маю-поймаю,
Маю-поймаю, дай осідлаю,
Дай поіду я къ тестеньку въ гості.
Ой люде скажуть, що соколъ летить,
Тестенько скаже: «се мій зять іде».
— Одчиняй, тестеньку, тесові ворота,
Стели мойму коню да просту солому,

Да дай мойму коню сіна да овса,
Мені молодому пухові подушки,
Дай мені молодому меда да вина.
Да бувай здоровъ, злишний паничу,
Зъ свею мамкою да зъ сестрицею.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск., стр. 334*).

## 4.

Да пане Иване обмуровавъ двіръ.
Святий вечеръ. *)
Обмуровавъ двіръ білимъ каменемъ,
А ворітечка зъ жовтоі меді.
А по тий меді стоять намети,
Стоять намети, якъ біль біленькі,
А въ тихъ наметахъ сидить панъ Иванъ,
Стрілочки струже да въ лучокъ кладе,
А зъ лучка бере, да й заправляе.
Ой стучить-гремить зъ поля сторожа,
Да вдариться въ жовтиі ворота.
«Пане Иване, чи спишъ, чи не спишъ?
Ой коли жъ ти спишъ, Господь зъ тобою,
А коли не спишъ промовъ зо мною;
Що въ наші города турки вступили,
Турки вступили пополамъ зъ татарми,
Пополамъ зъ татарми, зъ кіньми зъ сто парми,
«А я-жъ тихъ турківъ да й не боюся:
Ой я зъ іми въ пилъ перебъюся!
Ой дайте мені коня воронця,
Коня воронця й гострого меча!»
Его матінка випроважала,
Випровожаючи, дай научала:
«Сину Ивасю! Якъ пойдешъ съ королемъ на войну,
То не вихвачуйся попередъ вийська,
Да зоставайся позаду вийська!»
А вінъ матюнки да не послухавъ:
Попередъ вийська конемъ играе,
А позадъ вийська мечемъ рубае;
Хвалиться конемъ передъ королемъ,
Передъ панною гострою шаблею.
«Ой чий то синокъ, синокъ Иванокъ,
Попередъ вийська конемъ играе,

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

А позадъ війська мечемъ рубає,
Хвалиться конемъ передъ королемъ,
Передъ панною гострою шаблею?
Ой дамъ я ёму половину царства и свого панства,
И свою дочку-королівничку.

(*Нар. Южн. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 338*).

## 5.

Тамъ військо ішло и ладу не найшло
Святий вечоръ! *)
Иванко ишовъ, ладъ війську найшовъ,
Велівъ гармати порихтувати,
На Вирвинъ городъ стріли спускати.
Всі міщаночки полякалися,
По ринку ходять, рученьки ломять,
Рученьки ломять й радоньку радять:
Що тсёму паняті за дару дати?
Винесли ёму мпсу червонцівъ,
А вінъ на той даръ и не споглянувъ,
Не поклонився, не покорився;
Шапочки не знявъ, не подяковавъ;
Велівъ гармати порихтувати,
На Вирвинъ городъ стріли спускати.
Всі міщаночки полякалися,
По ринку ходять, рученьки ломять,
Рученьки ломять, радоньку радять:
Що сёму паняти за дару дати?
Вивели ёму коня въ наряді,
А вінъ на той даръ и не споглянувъ,
Не поклонився, не покорився;
Шапочки не знявъ, не подяковавъ;
Велівъ гармати порихтовати,
На Вирвинъ городъ стріли спускати.
Всі міщаночки полякалися,
По ринку ходять, рученьки ломять;
Рученьки ломять, радоньку радять:
Що тсёму паняті за дару дати?
Вивели ёму панну въ наряді,
А вінъ на той даръ и споглянувъ,
Шапочку знявъ и подяковавъ,
И поклонився, и покорився.

---

* Повторяется послѣ каждаго стиха.

За сімъ же словомъ тай бувай здоровъ!
Не самъ зъ особою — зъ отцемъ, зъ маткою,
И зъ милимъ Богомъ, и зъ усімъ родомъ.

*(Народ. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск., стр. 335).*

## 6.

«Молодий Ивасенько, чи є въ тебе батенко?»
— Не бувъ я дома, служивъ я въ пана гетьмана. *)
«Молодий Ивасенько, чи є въ тебе матінка?
Молодий Ивасенько, чи є въ тебе братічокъ?
Молодий Ивасенько, чи є въ тебе сестриця?
Молодий Ивасенько, чи є въ тебе миленька?»
— Въ мене батенько — кінь вороненький,
Не чорнеє перо по кончику полегло! **)
Въ мене братічокъ — тугенькій лучокъ;
Въ мене сестриця — ясна рушниця;
Въ мене миленька — постіль біленька.

*(Народ. Юж. Рус. Пѣсни Метлинскаго, стр. 337).*

## 7.

А въ полі, въ полі, й у виноколі,
Стоять намети зъ білого шовку;
А въ тіхъ паметахъ все столи стоять;
Все столи стоять позастилани,
Позастилани все килимами;
А на тіхъ столахъ все кубки стоять,
Все кубки стоять понаповняни.
По за столами все пани сидять;
Межъ тіми панами красний паничу,
Красний паничу, пане Иване.
Передъ паничемъ вірниі слуги;
Просяться вони у Невіръ-землю:
«Пусти насъ, пане, у Невіръ-землю!
Пустимо стрілку, якъ гримъ по небу;
Пустимось кіньми, якъ дрібенъ дощикъ;
Блиснемъ шаблями, якъ сонце въ хмарі».

*(Народ. Юж. Русс. Пѣсни Метлинск., стр. 338).*

---

*) и **) Повторяются послѣ каждаго изъ слѣдующихъ за ними стиховъ.

## 8.

А съ поля, поля да туманъ устае,
Святий вечеръ! *)
А зъ-за того туману Иванко йде;
Дай підъізжае підъ Царевъ-городъ.
Дай викликае цара зъ города:
— «Турецкий цару, виідь на войну,
Воєватися, муштроватися!»
Якъ изъіхались, такъ и вдарились:
Ударивъ копитами, якъ гримъ по небі,
Засяяли саблі, якъ сонце зъ хмари;
Підъ іми коні поприпадали,
Золотиі гриви поприлягали.
Турецькій царъ другимъ наказавъ:
— «Колибъ я знавъ, чий то синъ воювавъ,
Тобъ я за ёго свою дочеръ оддавъ,
Свою дочеръ оддавъ, царство отписавъ, —
Половину царства, трейтину щастя».

(*Народ. Юж. Рус. пѣсни Метлинск., ст. 339*).

## 9 **).

Въ полі, полі, близько дороги,
Могила сяе, військо гуляе,
Військо гуляе, ради не знае.
Ивась прийшовъ, ладъ війську найшовъ,
Ладъ війську найшовъ, попереду пійшовъ.
А его пенька барзо старенька,
Якъ випровожала той научала:
«Ой сину, сину, сину, Иване,
Попередъ війська не вихвачайся,
А позадъ війська не зоставайся;
Держися війська все середнёго».
Вінъ молоденький не слухавъ неньки:
Попередъ війська коникомъ грае,
А позадъ війська мечемъ махае.
Стукнули, грякнули, мовъ великий дзвінъ,
Приіхали ажъ до цара въ двіръ.

---

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.
**) См. № 1 и 5.

Царъ самъ питає: «чий то синъ гуляє?»
Тожъ гуляє синъ старця Ивана,
Самъ молоденький, непокірненький.
Вивели ему коня въ наряді,
А вінъ на теє не подивився,
Шапочки не знявъ, не поклонився.
Винесли ему миску червонцівъ,
А вінъ на теє не подивився,
Шапочки не знявъ, не поклонився.
Вивели ему панну въ наряді,
А вінъ на неі и подивився,
Шапочку изнявъ, спасибі сказавъ.

(*Великіе Снитинки, Васильковск. уѣз.*).

## 10 *).

А въ полі, въ полі, близько дороги,
Намета стоіть;
А въ той наметі Иванъ сидить.
А коло ёго все слуги ёго,
Держать шапочки за околички.
— «Да паничу, паничу, паничу, Иване,
Чи самъ поідешъ, чи й насъ заберешъ,
Икъ турецькому цару на войну».
— «И самъ поіду и васъ заберу,
И васъ заберу у Турещину».
Ой приіхали у Турещину,
Стукнули, грякнули, якъ грімъ загремівъ,
Блиснули шаблями, якъ блискавиця.
Виіхавъ къ нему самъ турецький царъ:
— «Хто кого спограє, той того споймає».
А Иванъ спогравъ, дай цара споймавъ.
Привъязавъ царя коню до хвоста,
А пустивъ коня по пожарищі;
А пожаръ ніжки все поджигає,
Крівця слідки заливає.
— «Паничу, паничу, паничу, Иване,
Або мене зотни, або мене пусти».
— «Я жъ тебе не зотну, я жъ тебе не пущу,
Повезу тебе у свою землю
Батькові на славу, ворогамъ на кару.

(*Великіе Снитинки, Васильковск. уѣз.*).

*) См. № 1.

## 11.

Іздивъ Василько въ військо служити,
Заслуживъ собі три свістілойки:
Єдную — золотую,
А другую — мідяную,
А третюю — роговую.
Якъ заграє въ роговую,
То буде чути въ ёго батейка на дворі.
Якъ заграє въ мідяную,
То буде чути ёго матюнка у сіняхъ.
Якъ заграє въ золотую,
То буде чути въ ёго дівойки въ коморі.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 12.

Іздивъ Иванъ на сивімъ коні.
Грай, коню, грай, коничейку,
Сивий малейкий, по полю
Ідучи, камень рубає,
Церкву будує съ трёма верхами,
Съ трёмя окнами:
У першімъ окні — ясний місяць,
У другімъ окні — яснеє сонце,
У третімъ окні — ясная зірка.
Ясне сонейко — ёго матюнка,
Ясний місяць — ёго батейко,
Ясна зірка — ёго дівка.

(*Великая Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 13.

Шо въ пана козаченька, на ёго дворі,
На ёго дворі да сади зацвіли,
Да сади зацвіли, пташечки запіли.
Десь узявся да ясненький соколъ,
Сади поломавъ и пташечки разогнавъ.
— «Ти жъ, пане козаченьку, да ідь до короля,
Да ідь до короля, позивать сокола.

Дасть тобі король червоную короговъ,
А королиха — полумисокъ червонцівъ,
А короленко — вороного коня,
А королівна — зъ підъ злота хусточку.
Якъ поіхавъ козаченько да по за Борзною,
Да по за Борзною, зъ червоною корогвою,
А за нимъ погоня одъ самого короля:
«Ти жъ, пане козаченьку, да верни короговъ,
Да верни короговъ да королевськую.»
— Я верну тебе да копьемъ у груди,
А мечемъ у зуби.
Тамъ пани стояли да шапки знімали,
Да шапки знімали да ёго питали:
— «Чи ти царенко, а чи короленко?»
— «Я не царенко, не короленко;
Я жъ отецький синокъ,
Да панокъ козачокъ».

(*С. Плиска, Борзенск. уѣз.*).

## 14.

Ой у Вілбові на Оболоні, грай коню,
Грай кониченьку підъ молоденькимъ Богданкомъ!
Ой тамъ Богданко конемъ виграє,
Конемъ виграє, військо збірає.
Якъ подъіхавъ вінъ на паненьський двіръ,—
Павлине перо на кониченьку.

(*С. Калита, Острогскаго уѣз.*).

## 15.

Ні світъ, ні зора занімається, —
Молодий Василь прибірається
На королевский двіръ королівну сватать.
Одказала жъ ёму да королівна:
— «Не ідь мене, не сватай мене,
Я къ тобі да сама прибуду
Рано въ неділю,
Черезъ чистеє поле темною хмаркою,
Черезъ синеє море сірою уткою,
Надъ твоімъ дворцомъ дрібненькимъ дощомъ;

Въ сіни війду ясною зорою,
А въ хату війду ясною свічкою,
За столомъ сяду пишною панною».
Свекоръ каже: невістко моя,
Свекруха каже: послужка моя,
Молодий Василь каже: се невіста моя,
Къ мені въ гости прибула.

## 6 *).

Ой у полі, полі військо стояло,
Соколе ясний, паничу красний, Иване!
Військо стояло, ради не знало,
Ради не знало, Ивана прохало.
Привели ёму коня въ наряді;
Вінъ коника взявъ, шапочки не знявъ.
Ой у полі, полі и т. д.
Ради не знало, Ивана прохало.
Винесли ёму шапку червонцівъ;
Вінъ червонці взявъ, шапочки не знявъ.
Ой у полі, полі и т. д.
Вивели ёму дівку въ наряді;
Вінъ дівку взявъ, шапочку знявъ.
Соколе ясний. паничу красний, Иване!

*(Въ сѣверныхъ уѣз. Черниговск. губ.).*

## 7 **).

По полю, полю, по полю хмара,
Ой то не хмара, то съ коня пара.
Тамъ Иванко коника гонивъ,
Коника гонивъ, короля ловивъ.
Погнавъ короля попередъ коня,
По чагарочку и по пожарочку:
А пожаръ ножки да й поджигае;
А кровъ слідочки да й заливае.
А въ ёго король сильне прохався:

---

*) См. № 5.
**) См. № 1.

—«Або мене зотни, або мене пусти.»
—«Я жъ тебе не зотну, я жъ тебе не пущу:
Повезу тебе у свою землю,
А въ нашоі землі нема короля,
Ти будешъ королемъ, ти славенъ будешъ.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣзд.*).

## 8 *).

Ой рано, рано курі запіли.
Святий вечоръ!
А ще ранійше Иванъ уставъ,
Иванъ уставъ, лучкомъ забрязчавъ,
Лучкомъ забрязчавъ, бративъ розбужавъ:
— «Вставайте, братці, коні сідлайте,
Коні сідлайте, хортивъ скликайте,
Да поідемъ, братці, у чистеє поле,
У чистеє поле куну ловити,
Куну въ дереві, дівку въ теремі.
Отъ же вамъ, братці, куна въ дереві,
А мені, братці, дівка въ теремі.
Святий вечоръ!

(*Въ Сѣверныхъ уѣз. Черниговск. губ.*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2) Ранійшъ же того Иванко вставъ, 3 Б = 4 А По двору походивъ.... подзвонивъ, 4 Б = 5 А.... подзвонивъ... побудивъ: 5 Б = 6 А... братки..., 6) Поідемо на влови въ зелениі дуброви. 7) Тамъ я навідавъ куну въ дереві, 8 Б = 10 А... панну... 9 Б = 11 А Вамъ, братки, буде...., 10 Б = 12 А... буде панна.... 11) За сімъ же словомъ бувай здоровъ.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

### В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 А, 3 В = 3 А... панъ..., 4 В = 5 А,... побужавъ: 5 В = 6 А Да.... же, браття..., 6 В = 7 А Коні... хорти..., 7 В = 8 А... братці... на прогулянне, 8) На розгляданне. 9 В = 7 Б Да найдемо, браття...., 10 В = 10 А. 11 В = 11 А.. се..., браття..., 12 В = 12 А.... браття....

(*Рукоп. Сборн. Лукашевича*).

---

*) См. № 1, Г.

## Г.

1 Г = 1 А, 2 Г = 3 А... панъ Василько..., 3 Г = 4 А Панъ Василько... звонкомъ...: 4 Г = 5 В, 5 Г = 6 В, 6 Г = 7 В.... въ чистеє поле..., 7 Г = 9 В..... поймемо..., 8 Г = 10 В, 9 Г = 11 В Ой,.., 10 Г = 12 В.

*(С. Черняховъ, Кіевск. уѣз.).*

## Д.

1 Д = 1 А. 2 Д = 2 А. 3 Д = 3 А Ранній же того..., 4) Три свічи ссукавъ 5) Перву запаливъ — личенько умивъ, 6 Д = 4 Б Другу запаливъ — братівъ..., 7) Третю запаливъ — по двору походивъ. 8 Д = 6 А..... коней..., 9 Д = 7 А. 10 Д = 6 Б, 11 Д = 7 Б Побачимо..., 12 Д = 11 А, 13 Д = 10 Б... молодцю....

*(С. Колошовка, Черниговск. уѣз.).*

## Е.

1 Е = 9 Д... въ зелені дуброви, 2) Товаришу мій! 3 Е = 9 Д Поідемо на влови..., 4) Ажъ тамъ біжить заєць. 5) Пускай хорти на влови, 6) Нехай зайця уловлять. 7) По зеленій дуброві. 8 Е = 9 Д.... въ зелениі дуброви. 9) Ажъ тамъ біжить лисиця. 10 Е = 9 Д.... въ зелениі дуброви. 11) А жъ біжить «тейнъ (?)». 12) Пускай хорти на влови. 12) Нехай «тейнъ» уловлять, 14) По зеленій дуброві. 15 Е = 9 Д.... въ зелениі дуброви. 16) А жъ тамъ біжить сарна. 17 Е = 9 Д.... въ зелениі дуброви.

18) Ажъ тамъ біжить панна.
19) Пускай слуги на влови,
20) Нехай панну уловлять;
21) Та будемъ ділиться:
22) Тобі «тейнъ» и сарна,
23) Мені красна панна.
24) Тобі сідло и кінь, —
25) Ступай къ бісу, не стій,
26) Товаришу мій!

## Ж.

1 Ж = 1 А. 2) Ой дай, Боже! *) 3 Ж = 3 В, 4 Ж = 4 Д Панъ Иванъ вставъ...., 5 Ж = 4 Д При єдній свічі..., 6) При другій свічі — коника сідлавъ,

*) Послѣ каждаго стиха.

7 Ж = 5 А При третій свічі.... 8 Ж = 6 А, 9 Ж = 8 А..... братці..., 10 Ж = 9 А... на полеванне; 11 Ж = 9 В Ой познавъ же я..., 12 Ж = 8 Б. 13 Ж = 9 Б... буде, браття, на шубу, 14 Ж = 10 Б..... до шлюбу. 15 Ж = 11 Б... за цёго слова...,

16) Бувай же здоровъ, кгречний молодче,
17) Кгречний молодче, Иване хлопче,
18) А ці святки святкуй здоровъ,
19) Другихъ у Бога дожидай здоровъ.
20) Здоровля въ сей домъ на челядоньку,
21) Щастячка на двіръ, на худобоньку,
22) На худобоньку на роговую,
23) На челядоньку на молодую.

(*М. Тыровъ, Винницк. уѣзд.*).

### 3.

1 З = 1 А... куроньки поють, 2) Ой дай, Боже! 3 З = 3 В... найраньше..., 4 З = 4 Д Ой рано вставши..., 5 З = 4 Д. 6) При первій свічці коника сідлавъ, 7 З = 6 Ж... збрую убіравъ.

(*Уманцкій уѣз.*).

## 19.

### А.

1) Ой рано, рано курі запіли,
2) А ще ранійше панъ Василько вставъ,
3) Три свічки зсукавъ.
4) При первій свічці лице умивавъ,
5) При другій свічці сукню убіравъ,
6) При третій свічці коника сідлавъ,
7) Збрую забіравъ, на війну виїзжавъ.
8) Хвалився конемъ передъ королемъ:
9) «Нема въ короля такого коня —
10) У мого коня золота грива,
11) Золота грива, срібни копита,
12) Срібни копита, шовковий хвостикъ,
13) Шовковий хвостикъ, очи тернови,
14) Очи тернови, вушка листови.
15) Золота грива — персі покрила,
16) Срібни копита — камінь лупають,
17) Шовковий хвостикъ — слідъ замітає,

18) Тернови очи — пісьмо читають,
19) Листови ушка — пісьма слухають.
20) Ой, коню, я тебе продамъ!
21) — «Ой, пане, жаль тобі буде.
22) А знаєшъ, пане, якъ ми втікали,
23) Якъ насъ погнали турки, татари,
24) Краємъ Дунаємъ, крутимъ берегомъ.
25) Не такі були - не доскочили, —
26) Я якъ скочивъ той перескочивъ,
27) Стременъ не вмочивъ,
28) Стременця золотця и тебе молодця.»
29) За сімъ же словомъ бувай здоровъ,
30) Бувай здоровъ, гречний молодче;
31) Віншуємъ тебе сею колядкою.
32) Дай же ти, Боже, чого жадаєшъ:
33) Щастя, здоровля.
34) Здоровля въ твій домъ, на челядочку,
35) Щастя на двіръ, на худобочку.
36) На челядочку на домовую,
37) На худобочку на роговую,
38) На роговую на вшелякую.

(*Ушицкій уѣзд.*).

## Б.

1 Б = 1 А, А ще ранійше встала гречная панна Ганна. 3 Б = 3 Д Ой вона встала три свічки ссукала; 4) При єдній свічі—косу чесала, 5) При другій свічці сукню вбірала.

6) При третій свічі — личко вмивала,
7) Ишла до церкви — стежка сіяла,
8) Війшла до церкви — церква палала.
9) А за сімъ словомъ будьте здорови.
10) Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣзд.*).

## В.

1) Ой рано, рано півні співали. 2 В = 2 А..! 3 В = 3 А.... панонько встававъ. 4) Ой дай, Боже!

5) Панонько встававъ, коника сідлавъ,
6) Коника сідлавъ и хорти скликавъ.

7) Ой даже, Боже.

(*Жегота Паули*).

### Г.

1 Г = 1 А, 2 Г = 3 А, 3 Г = 3 А Ой уставъ, уставъ.... 4 Г = 4 А... умнавъ, 5 Г = 5 А... шатоньки убіравъ, 6 Г = 6 А... третій...,

7) Ой сідлавъ, сідлавъ, въ поле виізжавъ,
8) Въ поле виізжавъ, съ конёмъ размовлявъ:
9) — «Ти, коню сивий, будь же щасливий,
10) Будь ти щасливий на три дороги,
11) На три дороги, дай у три землі:
12) Одна дорога та въ Волоськую,
13) Друга дорога та въ Німецькую,
14) Третя дорога та въ Турецькую.
15) Зъ Волощини иде — волики веде,
16) Зъ Німеччини иде — грошики несе.
17) Та воликами на хлібъ робити,
18) А грошиками війську платити,
19) А кониками зъ військомъ ся бити.

*(Русалка Днѣстровская).*

## 20 *).

### А.

1) А въ полі, въ полі береза стоіть,
2) А підъ березою громада стоіть.
3) А въ тий громаді Иванъ у наряді,
4) Хвалиться конемъ передъ королемъ,
5) Хвалиться мечемъ передъ паничемъ,
6) Хвалиться лукомъ передъ гайдукомъ,
7) Хвалиться миромъ (?) передъ жовніромъ:
8) «Нема въ короля такого коня,
9) Нема въ панича такого меча,
10) Нема въ гайдука такого лука,
11) Нема въ жовніра такого мира.»
12) А за сімъ же словомъ да й бувай здоровъ.

*(Дымеръ, Кіевск. уѣзд.).*

---

*) См. № 19.

### Б.

1) Изъ за гори, изъ за крутоі,
2) Святий вечоръ!
3) Да відтиля виступае велике військо,
4) А попереду панъ Иванъ иде,
5) Панъ Иванъ иде, коника веде.

6 Б = 4 А, 7 Б = 8 А Да..., 8) Якъ у самого пана Ивана. 9 Б = 6 А... стрілкою.... дружинкою.

10) Да нема у дружини такоі стріли,
11) Якъ у самого пана Ивана.

12 Б = 6 А, 13 Б = 10 А Да...,

14) Якъ у самого пана Ивана.
15) Да бувай же здоровъ, пане Иване!
16) Не самъ собою,
17) Зъ отцемъ, зъ матерью,
18) Зо всімъ родомъ,
19) Живіте зъ Богомъ.

(*Руск. Сборникъ Лукащевича*).

### Б.

1 В = 1 Б.... каменноі, 2 В = 2 Б! 3 В = 3 Б, 4 В = 4 Б... Ивашко... 5 В = 5 Б.... Ивашко.... 6 В = 4 А; 7 В = 8 А, 8 В = 8 Б... нашого... Ивашка 9 В = 7 А.... стрілою... дружиною; 10 В = 10 Б, 11 В = 11 Б... нашого... Ивашка. 12 В = 6 А, 13 В = 10 А Да.., 14 В = 14 Б... нашого... Ивашка. 15 В = 15 Б.. Ивашку, 16 В = 16 Б, 17 В = 17 Б, 18 В = 18 Б, 19 В = 19 Б Изъ милимъ..., 20 В = 2 Б!

(*Обыч. и Пов. Мал. Маркевича, стр. 25*).

## 21 *).

Стояла сосна високаго росту,
Підъ тою сосною громада людей,
А межъ ними гречний панъ ходить,
Свого коня въ рученькахъ водить.

---

*) См. № 19.

А въ того коня звіздові очи,
А въ того коня золотиі вушка,
А въ того коня шовковий хвостикъ.
Срібная грива груді покриває,
Звіздові очи далеко видять,
Золоті вушка далеко чують,
Шовковий хвостикъ слідъ замітає.
Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣзд.*).

## 22 *).

Ой по-підъ лісокъ, по-підъ темненький,
Тамъ ходить стадце сиве-вороне,
А за нимъ ходить гречний молодчикъ;
Ой ходить, ходить, завертає ёго
На тихий Дунай, на крутий берігъ,
На крутий берігъ, на золотий містъ.
Ой тамъ була половина мосту,
Ой потонуло шо півъ-ста коней.
Ой не такъ мені жаль за півъ-ста кіньми,
Ой якъ мені жаль за моімъ конемъ.
Да въ того коня золота грива,
Золота грива груди покриває,
Шовковий хвостикъ слідъ замітає,
Тернові очка звізди рахують,
Лосёви ушка ради слухають,
Срібні копита камінь лупають.
Ой дай, Боже!

## 23.

Нашъ Ивасенько, молодий паненько,
Пасъ коня свого вороного.
Коня пасучи, твердо заснучи.
Ой прилетіло три зозуленьки:

*) См. № 19.

Єдная сіла тай въ головахъ,
Другая сіла тай въ ніженькахъ,
Третяя сіла въ краю серденька.
Що въ головонькахъ—то матінка,
Що въ ніженькахъ—то батенько,
Що зъ краю серденька — то миленька.
Ой дай, Боже!
Ой рано, рано панъ Иванъ вставъ,
А ще раненько три свічі всукавъ:
При першій свічі — коника сідлавъ,
При другій свічі — личенько вмивавъ,
При третій свічі — въ сукню ся вбіравъ.
Коника сідлавъ и думку думавъ,
Бо іхавъ далеко ажъ за гороньки,
Ой іхавъ далеко ажи до милоі.
Ой дай, Боже!
Єго матінка випроважала,
Випроважала, випитувала:
— «Ой дежъ ти ідешъ, о, мій синочку?»
— «Іду въ гороньки ажъ до дівоньки,
А та дівонька дуже богата:
Шуба на ній за сто золотихъ,
За сто золотихъ за червонниихъ,
Та й за пару коней воронихъ.
Буде хуста прала въ краю Дунаю,
Буде іхъ сушила въ горахъ на горахъ,
Буде іхъ качала въ краглю на столі,
Буде ся вбірала въ Бога за дверми
Ой дай, Боже!
Ой красна, красна калина въ лузі,
А Ганнуся краща у батенька:
По дворі ходить, якъ місяць сходить,
До сіней війшла, якъ зора зійшла,
До хати війшла та й панёю стала.
Передъ нею шапку паничъ здиймає,
Шапку здиймає, єі ся питає.
— «Чи ти панівна, чи королівна?»
— «Ні я панівна, ні королівна—
Батькова дочка, вихованочка.
Ой дай же, Боже, въ городі зілле,
Въ городі зілле, по Різдві весілле.
А за тимъ словомъ бувай же здоровий,
Бувай же здоровий, гречний паноньку,
Гречний паноньку, пане Иванку.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 24 *).

Ой підъ турецькій городъ, тамъ конемъ грає,
Ой грає, грає тай вигравае...
Ой дай, Боже!
— «Ой вийди, турецкий цару, непріятелю!»
Скоро зійшлися, заразъ ся стяли;
А жъ імъ коники поприлягали, та й заржали,
Вдарили копитцями, якъ грімъ по небі,
Блеснули мечами, якъ сонце зъ хмари.
Взявъ царъ цара по підля коня,
Близько стремена.
Взявся той царъ хороше просити:
— «Або мя зотни, або мя пусти.»
Ой дай, Боже!
— «Я-жъ тя не зитну, я-жъ тя не пущу,
Ой дай, Боже!
А въ нашоі землі короля нема,
Ти въ нашоі землі королемъ будешъ,
Порадокъ найдешъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 25.

Ой изъ-за гори, зъ-за зеленоі
Виходить же намъ чорна хмара,
Але не є то чорна хмара,
Але но є то Напередовець,
Напередовець, красний молодець.
Заперезався чорною ожиною,
За тою ожиною та три трубоньки:
Перша трубонька та роговая,
Друга трубонька та золотая,
Третя трубонька та жубровая.
Та якъ затрубить та въ роговую,
Та врадує ся вся звіри въ полі;
Та якъ затрубить та въ золотую,

*) См. №. 19.

*

Та врадує ся вся риба въ морі;
Та якъ затрубить та въ жубровую,
Та врадує ся весь миръ на землі.

(*Жегота Паули*).

## 26.

### А.

1) Ой въ Ильвові та на риночку,
2) Та на жовтімъ пісочку,
3) Тамъ дівочка садъ сажала,
4) Садъ сажала — поливала,
5) Поливаючи, примовляла:
6) «Рости, саду, вище мене,
7) Вище мене, краще мене!»
8) Въ тому саду три користоньки:
9) Перша користь — то орішеньки,
10) Друга користь—то вишеньки,
11) Третя користь — то яблучки.
12) Орішками — чечоватися,
13) Вишеньками — забавлятися,
14) Яблучками підкидатися.

(*Zegota Pauli*).

### Б.

1Б=1А У Києві..., 2Б=2А, 3Б=3А... дівчина..., 4Б=4А, 5Б=А5 Поливавши...: 6Б=6А, 7Б=7А. 8Б=8А... тому...: 9Б=9А, 10Б=10А, 11Б=11А. 12Б=12А, 13Б=13А, 14Б=14А.

15) Да бувай здорова зъ отцемъ, зъ матерью,
16) Изъ милимъ Богомъ и зо всімъ родомъ,
17) Исусомъ Христомъ, Святимъ Рожествомъ.

(*Обыч. и Пов. Маркевича, стр. 27.*).

## 27 *).

### А.

1) Ой въ горі, въ шовковій траві,
2) А въ тій травоньці стоіть наметець,

*) См. № 19.

3) На тимъ наметьці — золотий столець,
4) А на тимъ стильці — можний панонько.
5) Сидить же, сидить, далеко видить,
6) Двома яблучки підкидаючи,
7) Трома горішки та цітаючи;
8) Вицітавъ коня та зъ-підъ короля.
9) А въ того коня золота грива,
10) Золота грива, шовковий хвостикъ,
11) Шовковий хвостикъ, срібни копита.
12) Золота грива — коня окрила,
13) Шовковий хвостикъ — слідъ замітає,
14) Срібни копита кремінь лупають;
15) Кремінь лупають, церковъ мурують,
16) Мурують же єі зъ трома верхома,
17) Зъ трома верхома, двома віконци:
18) Въ одно віконце — изходить сонце,
19) Въ друге віконце — місяць заходить.

(*Zegota Pauli*).

**Б.**

1 Б = 1 А... въ горі..., 2 Б = 2 А... травиці.., 3 Б = 3 А... стильчикъ 4 Б = 4 А... стільчику.., 5 Б = 7 А Двома..., 6 Б = 6 А Трома..., 7 Б = 8 А, 8 Б = 9 А, 9 Б = 11 А, 10 Б = 13 А, 11 Б = 14 А, 12 Б = 15 А, 13 Б = 16 А, 14 Б = 17 А..... віконцями. 15 Б = 18 А, 16 В = 19 А.

17) А въ райські двері самъ Господь ходить,
18) Самъ Господь ходить, службоньку служить,
19) Службоньку служить найперше Богу,
20) А по Богові — Божой Матері,
21) А по матері — господареві.

(*Русалка Днѣстровая*).

**28.**

Ой вийду жъ я на гору високу,
Та затрублю въ три роги:
Та затрублю въ мідяний —
Та чути ми до родини;
Та затрублю въ рігъ золотий —
Та чути ми до дівчини;
Та затрублю въ рігъ жубровий —
Та чути ми на весь світъ.

(*Zegota Pauli*).

## 29.

Ой паничъ гордий, молодий Иване,
Святий вечоръ!
Ой задумавъ зъ молоду, задумавъ жениться.
Засідлавъ собі коника гетьманського,
Коника гетьманськаго, сідло королевськое.
Отъ люде кажуть: «панъ гетманъ іде;»
А мати каже: «стойте, добрі люде!
Стойте, добрі люде, да не вгадуйте,
Я свого сина сама вгадаю —
По стрільці-пірці, по красний дівці.»
Будь же ти здоровъ, молодець Иване,
Зо всімъ народомъ, зъ Исусомъ Христомъ,
Ми тебе уважаемъ,
Святимъ Рождествомъ поздоровляемъ.
Святий вечоръ!

*(Въ сѣверныхъ уѣз. Черниговской губ.).*

## 30.

Учора зъ вечора зъ Москви приіхавъ.
Соколе ясний, паничу красний, Иване!
Ой привізъ же вінъ три радощи въ двіръ:
Першую радощъ — зелений жупанъ,
Другую радощъ — золотий поясъ,
Третюю радощъ — боброву шапку.
Дарить не барить:
Короткпі свитки,
Померзнуть литки

*(Въ сѣверныхъ уѣз. Черниговской губ.).*

## 31 *).

Ой славенъ, пишонъ, молодъ женишокъ:
Ой чимъ же вінъ да й ославився?
— Огородивъ двіръ щиримъ залізомъ,

*) См. № 22.

Зробивъ ворітця изъ щирого злітця,
Изробивъ криселко малеванее.
На тимъ криселку самъ паничъ сидить.
Прийшло до ёго три козаченьки,
Три козаченьки, три рибаченьки,
Хваляться ёму, якъ пану свому:
—«Ой позволь, пане, землю міряти,
Землю міряти, мости мостити,
Воронее стадо дай переганяти:
Исходилися вітри буйніі,
Дай поламали зелений містъ,
Воронее стадо дай потонуло».
—«Ой не жаль же мні вороного стада,
Да якъ жаль же мені сивця-воронця,
Сивця-воронця, білого копитця.
Що й копитцемъ лугъ пробігае,
А хвостиченькомъ землю замітае,
А гривонькою все поле вкривае,
А ушицями всі слухи слишить.
А за тимъ словомъ будь, пане, здоровъ.

*(Святая Воля, Пинск. уѣз.).*

## 32 *).

### А.

1) По підъ Каменець сбитий гостинець.
2) Тамъ військо стоіть, ладу не знае;
3) Панъ Цизьо прийшовъ, ладъ імъ найшовъ,
4) Самъ звивъ корогву, тай берегомъ пішовъ.
5) Ставъ побоемъ передъ Хотиномъ.
6) Якъ бъе, такъ бъе въ місто Хотинъ. —
7) Вийшли до ёго всі хотинчане,
8) Зъ міста міщане;
9) Винесли ёму тацу червонних.
10) Вінъ же на тое не подивився,
11) Шапочки не знявъ, та й не поклонився,
12) Звивъ корогву та й пішовъ берегомъ,
13) Ставъ побоемъ та й передъ Дзвонівъ.
14) Вийшли до нёго всі звончане,

*) См. № 5.

15) Всі звончане, зъ міста міщане,
16) Вивели ёму коня въ броні.
17) Вінъ же на тоє не подивився,
18) Шапочки не знявъ, не поклонився.
19) Звивъ корогву та пішовъ берегомъ,
20) Ставъ побоємъ, якъ бъє, такъ бъє,
21) Въ місто Каменець.
22) Вийшли до нёго всі каменчане,
23) Зъ міста міщане,
24) Вивели ёму гречную панну.
25) Вінъ же на неі та й подивився.
26) Скинувъ шапочку та й поклонився.
27) Дай же тя, Боже, веселитися,
28) А намъ, гречнимъ молодцямъ, подивитися.
29) За сімъ же словомъ бувай же здоровъ.
Добрий вечоръ!

## Б.

1) Гречний паничу, що починаєшъ.
2) По надъ Міеръ місто коникомъ граєшъ.
3) Ой дай, Боже!
4) Коникомъ граєшъ, військо завертаєшъ.
5) Завернувъ військо, ажъ землі тяжко.
6 Б = 7 А... зъ міста міщане. 7 Б = 8 А... зъ села селяне.
8) Ой стали вони раду радити,
9) Раду радити, щоби ёму дати.

10 Б = 17 А... коника въ сріблі, 11 Б = 10 А А вінъ..., 12 Б = 11 А Не знявъ шапоньки... 13 Б = 9 А... миску..., 14 Б = 10 А А вінъ..., 15 Б = 11 А Не знявъ шапоньки... 16 Б = 25 А, 17 Б = 26 А А вінъ на..., 18 Б = 27 А Изнявъ шапоньку... 19) Ой дай, Боже!

*(Ушицкій уѣз.).*

## В.

1) Ой въ полі, въ полі, дай въ винколи,
2) Святий вечоръ! *).
3) Грай, коню, підъ молоденькимъ Ивасёмъ!
4) Ой тамъ Ивась полемъ играє, копъє вихає,
5) Да підъізжає підъ Вижгорода;
6 В = 7 А... къ ёму... городяне, 7 В = 17 А... въ паряді:
8) Вінъ теє принявъ, шапочки не знявъ,

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

9 В = 11 А... не подяковавъ.

10) У Вільбові на оболоні,
11) Грай, коню, підъ молоденькимъ Йвасемъ!
12) Ой тамъ Ивась конемъ играе, копъемъ вихае,
13) Да підъізжае підъ Вижгорода;

14 В = 15 А... къ ёму... городяне, 15 В = 13 Б... червонцівъ:

16) Вінъ тее приннявъ, шапочки не знявъ,

17 В = 19 А... не подяковавъ.

18) У Вільбові на оболоні,
19) Грай, коню, підъ молоденькимъ Ивасемъ!
20) Ой тамъ Ивась конемъ играе, копъе вихае,
21) Да подъізжае підъ Вижгорода;

22 В = 23 А... къ ёму... городяне, 23 В = 25 А... панну въ наряді:

24) Вінъ тее приннявъ, шапочку знявъ,
25) Шапочку знявъ, дай подяковавъ.

(*Нар. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 334*).

## 33.

Ишли молодці коло церковці,
Ой дай, Боже! *)
Радили раду молодецьку:
— «Не купуймо, браття, на дівки вінківъ,
Але купімо золотий човенъ, срібне весло,
Та пустимось краемъ Дунаемъ,
Ми тамъ чуемо доброго пана,
Ми ёму будемо вірне служити,
А вінъ намъ буде добре платити:
Дасть намъ по конику и по сідельці,
По ясній стрільці, по хорошой дівці».
А за сімъ словомъ будьте здорови,
Гречний молодчикъ, тобі колядочка,
А намъ пива бочка,
Бочка — не бочка, хоць коновочка,
А зъ того жарту горілки кварту,
Кварту — не кварточку, хоць кватирочку
За колядочку.
Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

*) Послѣ каждаго стиха.

Ой въ чистімъ полі, близько дороги,
Стоіть наметъ зъ білого шовку.
Ой дай, Боже!
А въ тимъ наметі золотий стильчикъ,
На тимъ стильчику гречний молодчикъ,
Въ китайку (?) грає, краще співає.
Ой дай, Боже!
Идуть панове зъ міста зъ Вильвова,
Шапки скідають, ёго ся питають:
— «Хто тебе навчивъ въ китайку грати,
Краще співати».
Ой дай, Боже!
— «Навчила мене мати темненькоі ночи,
При ясній свічі.»
Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 34.

Ой тамъ на горі високій,
Ой дай, Боже!
Тамъ три товариша кіньми виграють,
Ой шо сливмъ грає, то визиває:
— «Ой вийди, вийди, гречная панно,
Я жъ тобі скажу дивное диво:
Ой въ насъ теперъ Дунай стявся».
— «Я жъ тобі скажу ще й дивнійше:
Ой що въ насъ на Різдво роза зацвіла,
Ой сама жъ бо я тиі квітки збирала,
За косп клала.»
— «Ой не чужую жъ повідь повідаю,
Самъ же я ту полонку рубавъ,
Копя напувавъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 35.

Въ лісі, на жовтімъ піску висока сосна,
Тонка, висока, сріблом оброcла,
Листомъ широкимъ
Дуже високо.

На тій сосні сивъ сокілъ сидить,
Далеко видить.
Ой дай, Боже!
Далеко видить на сине море;
На синімъ морі
Корабль пливе.

## 36.

### А.

1) Хвалилася біла береза
2) Своімъ цвітомъ передъ лісами.
3) Гой дай, Боже!
4) Не ти то ті квіти кохала —
5) Кохали вітри буйниі, дощі дрібниі,
Гой дай, Боже!
6) Ой хвалилася гречная панна
7) Своіми косами передъ дружками;
Гой дай, Боже.
8) Ой не хвалися, не ти жъ іхъ кохала,
9) Кохала ненька старенька
10) Ясного сонця противъ віконця,
11) Ясноі днини противъ кватири.
12) А за сімъ словомъ бувай же здорова,
13) Не сама собою, зъ отцемъ и маткою,
14) И зъ свею челядкою.
15) Добри - вечиръ!

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А,

2) Межи дубами своіми гіллячками.

3 Б = 6 А, 4 Б = 7 А... межи дівками. 5 Б = 6 А, 6 Б = 8 А, 7 Б = 9 А... іхъ.., 8 Б = 10 А... коло...,

9) Темноі ночи, коло тебе несплючи.

(*Ушицкій уѣз.*)

## 37.

### А.

1) Ой въ ліску, въ ліску, да на жовтімъ піску,
2) Пава ходила, піръе губила.
3) За нею иде красная панна,
4) Красная панна, панна Катречка.
5) Піръечко бере, на столець кладе,
6) А зъ стольця бере да въ віночокъ въе;
7) Звила віночокъ, пошла въ таночокъ.
8) Де узялись буйниі вітри,
9) Да й скинули вінокъ зъ голови,
10) Дай укинули у тихий Дунай.
11) Ой пойду жъ бо я лужкомъ, бережкомъ,
12) Да й зустріну я три рибалочки:
13) «Ви рибалочки, ви молодиі,
14) Да й закиньте жъ ви шовковий неводъ,
15) Да й вловіть мені перловий вінокъ, —
16) Я жъ вамъ, рибалочки, дорого заплачу:
17) Одному рибалочці — золотий перстень,
18) Другому рибалочці — перловий вінокъ,
19) Третёму рибалочці — сама молода,
20) Сама молода да й зарученая.»

*(С. Юриновка, Новгородсѣверск. уѣз.).*

### Б.

1) Прала Параска шовкове хустте на лёду,
2) Гей же на леду, на тихесейкумъ Дунаю!
3) Загубила шовкову хусту на лёду,
4) Зобачила три невуднечки на лёду:
5) «Вите жъ, моі три невуднечки, три молодчики,

6 Б = 14 А Роспустіте...,

7) Затягніте шовкову хусту на лёду.»
8) — Що жъ ти намъ мінишъ, красная панно?
9) Єдному міна — шовкова хуста,

10 Б = 17 А Другому міна..., 11 Б = 19 А. . міна..., 12 Б = 20 А... отъ якъ ягода,

13) Сама пишна, якъ у саду вишня.

*(Великая Глуша, Ковельск. уѣз.).*

## В.

1) По горі, горі, пава ходила.
2) Гой дай, Боже!

3 В = 2 А, 4 В = 3 А... ходить кгречная...

5) Піръя збірала въ рукавець клала.
6) Пішла въ городець рвала барвінець,
7) Рвала барвінокъ, та й плела вінокъ.
8) Ой дай намъ, Боже, въ городі зілля,
9) Въ дому весілля.
10) Въ городі зілля зелененьке,
11) Въ дому весілля веселеньке.
12) А за симъ же словомъ бувай здорова.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 В... павоньки ходять,

2) Павоньки ходять и піръя ронять.

3 Г = 4 В... ними.., 4 Г = 4 А Гречная.... Анна. 5 Г = 5 В... збірає..... складає, 6 Г = 5 А Зъ рукава бере..., 7 Г = 6 А Зо стола... плете,

8) Въ віночокъ вплела на головку вбрала:
9) — Дивися, ненько, чи хорошенько?
10) А жъ де ся взявъ буйненький вітрець,
11) Занісъ той вінець ажъ на Дунаєць.
12) Ажъ тутъ підийшли три молодчики,
13) Три молодчики, кгречни хлопчики.
14) — «Которий молодець зловить мій вінець,
15) То той зо мною піде въ танець».
16) Ой єденъ попливъ — вінця не допливъ,
17) Вінця не допливъ, самъ ся втопивъ.
18) Ой другий попливъ — вінця не допливъ,
19) Вінця не допливъ, самъ ся втопивъ.
20) Ой третій попливъ — віночка допливъ,
21) Взявъ вінъ той вінець, пішовъ зъ нею въ танець...
22) А сеі колядки зовсімъ кінець.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 Г, 2 Д = 2 Г, 3 Д = 3 Г, 4 Д = 4 Г. 5 Д = 5 Г.... ховає, 6 Д = 6 Г... столикъ... 7 Д = 7 Г, 8 Д = 7 А Виплела...:

9) Дивися, ненько, чи хорошенько,
10) Чи хорошенько и подібненько?

11 Д = 8 А А де жъ ся взяли...,

12) Звіяли вінець, вінець павъяний,
13) Звіяли ёго въ тихий Дунаець,

14 Д = 14 Г... пійме...

15) Першому буде вінець павъяний,
16) Другому буде сама молода,
17) Третёму буде золотий перстень.
18) Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 Г Ой въ садоньку павоньки..., 2 Е = 2 Г... піръенька... 3 Е = 3 А ходить за ними... дівонька. 4 Е = 5 Г, 5 Е = 6 Д, 6 Е = 7 Г Зъ столика....

7) Павовий вінокъ, чистий барвінокъ.
8) Все примірає на голивоньку.

9 Е = 9 Д.

10) Пошла дівчина рано по воду.

11 Е = 8 А Та зірвалися...,

12) Шальни дощечки искинули вінокъ,
13) Підъ крутий берегъ, въ глибокий Дунай.
14) Пливе віночокъ краємъ Дунаємъ,
15) А вона за нимъ все берегомъ.
16) Та й здибає вона три риболови,
17) Три риболови, паньськиі слуги.
18) — «Помагай Бігъ, три риболови,
19) Чи не стрічали, чи не спіймали,
20) Павъяний вінокъ, чистий барвінокъ?»
21) — «Ой ми стрічали, ой ми спіймали,
22) Та що жъ намъ буде за перейми?»

23 Е = 17 А... буде..,

24) Золотий перстень зъ білого пальця.

25 Е = 18 А.. буде шовкова хустка, 26 Е = 19 А... буде.., 27 Е = 20 А.... такъ якъ ягода.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Ж.

1) Въ чистимъ полі виросла сосна,
2) А на тій сосні золота квітка.
3) Узнала жъ еі гречная панна Марія —
4) Квітку зірвала, за голову клала,

5 Ж = 8 А,

6) Кинули квітку на бистру річку.
7) Де жъ ся взяли три риболовці,
8) Всі три молодці.
9) — «Перейміть квітку, перейма буде.

10 Ж = 9 Б... буде..., 11 Ж = 10 Б.. буде.., 12 Ж = 11 Б... буде.., 13 Ж = 20 А,

14) Зарученая ще й за поповича.

(*Ушицкій уѣз.*).

## З.

1 З = 1 Ж... близько дороги. 2 З = 2 В.

3) Виросла сосна золота, рясна.

4 З = 2 Ж... вершечку.., 5 З = 3 Ж Зазнала жъ...

6) Скоро зазнала, заразъ зірвала,
7) За косп клала.

8 З = 8 А

9) Тай зірвали квітку,

10 З = 10 А... занесли квітку...

11) За крутий берегъ.

12 З = 9 Ж... 13 З = 23 Е... золота квітка, 14 З = 17 А А другому буде.. 15 З = 26 Е, 16 З = 20 А, 17 З = 14 Ж За панича...

(*Ушицкій уѣз.*).

## И.

1 И = 1 Г, 2 И = 2 Г... піръенько... 3 И = 3 Е... дівонька, 4 И = 5 Г... кладе, 5 И = 6 Г... столикъ...; 6 И = 7 Г Зъ столика..., 7 И = 7 Е Павъяний..., 8 И = 8 Е, 9 И = 9 Д... оздібонька? 10 И = 10 Е, 11 И = 11 Е... вітрове,

12) Буйні вітрове, тайні дожджове,
13) Шайнули вінокъ підъ крутий берегъ,

14 И = 13 Е, 15 И = 14 Е, 16 И = 15 Е... за нею.... берегою. 17 И = 16 Е, 18 И = 17 Е. 19 И = 18 Е... помагай, Бігъ... 20 И = 17 Е, 21 И = 19 Е, 22 И = 20 Е? 23 И = 21 Е... та й.., 24 И = 20 Е, 25 И = 22 Е? 26 И = 17 А... буде.., 27 И = 24 Е, 28 И = 25 Е,

29) Хустка шовкова зъ білоі шиі,

30 И = 26 Е, 31 И = 27 Е.

(*Жегота Паули*).

## К.

1) Рано въ неділю зелене вино саджене,
2) А въ неі,
3) Стратили літенько гречниі молодці
4) За неі.
5) Прийшли жъ до неі три гостоньки,
6) А въ неі,
7) Поприносили до неі красни подарки,
8) До неі.

9 К = 22 Е... мені... переймець,

10) Відъ неі.

11 К = 23 Е Ой тобі...

12) У неі.

13 К = 22 Е.. мені... переймець,

14) Відъ неі.
15) Ой тобі буде кований поясъ.
16) У неі.

17 К = 22 Е.. мені... переймець,

18) Відъ неі.

19 К = 26 Е Ой тобі...,

20) Відъ неі.

(*Жегота Паули*).

## Л.

1 Л = 1 Е, 2 Л = 2 Е, 3 Л = 3 Е, 4 Л = 5 Г... кладе, 5 Л = 6 Г, 6 Л = 6 И,

7) Все примірає на головоньку.

8 Л = 9 И?

9) Пошла дівчина рано по воду.
10) Та схопилися буйниі вітрове,

11 Л = 12 И, 12 Л = 13 И, 13 Л = 14 И, 14 Л = 15 И, 15 Л = 16 И? 16 Л = 17 И, 17 Л = 18 И, 18 Л = 19 И, 19 Л = 20 И! 20 Л = 21 И, 21 Л = 22 И, 22 Л = 23 И, 23 Л = 25 И... переймець? 24 Л = 23 Е, 25 Л = 25 Е... хустка відъ боку, 26 Л = 30 И, 27 Л = 31 И.

(*Русалка Днѣстровая*).

### М.

1 М = 1 А,

2) Святий вечоръ.

3 М = 2 А Тамъ... ронила,

4) За єю иде панна Маръєчка,

5 М = 5 В... да въ рукавъ...; 6 М = 6 Г.... брала на скамъі клала,

7) А зъ скамъі брала, да вінокъ плела;

8 М = 7 А... вінець... въ танець. 9 М = 8 А Ой... да.., 10 М = 10 А.... вінокъ... 11 М = 11 А... пішла жъ вона..,

12) Та й устріла вона три рибалочки.

13 М = 13 А! 14 М = 14 А... мені..,

15) Шовковий неводъ да въ тихий Дунай.

16 М = 18 А Поймайте мені...,

17) Я вамъ, молода, даромъ не схочу:

18 М = 18 А Первому..., 19 М = 17 А Другому щирозлотній....; 20 М = 19 А!

21) Да бувай же здорова, красная панна!

(*Народ. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 332*).

## 38.

### А.

1) А въ бору, въ бору волохи гудуть,
2) Церковъ будують.
3) Збудовали церковъ зъ трома верхами,
4) Зъ двома окнами.
5) Въ перве оконце вдарило сонце,
6) Въ друге оконце ангелъ линувъ,
7) Ангелъ линувъ, слёзу уронивъ;
8) А зъ тоі слёзи ручаєць потікъ,

9) Зъ того ручайця річенька біжить,
10) На той річеньці корабель пливе,
11) А на томъ кораблі Иванъ молодий.
12) Що жъ вуинъ робить? Листоньки пише,
13) Книги читає. Хто жъ ёго навчивъ
14) Листовъ писати, книговъ читати?
15) Навчила ёго руидная мати,
16) Въ кудрявимъ пиві викупаючи,
17) Въ дорогу крамнину сповиваючи.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А... саду; въ саду... пъють, 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А... измалёвали... углами, 4 Б = 4 А. 5 Б = 5 А.. одно... вскочило.., 6 Б = 6 А... летівъ,

7) На престолі сівъ.

8 Б = 7 А На престолі сівъ..., 9 Б = 8 А... Дунай розлився,

10) На туимъ Дунаю хицькиі кладки.
11) Ой тамъ Улітка пшеницю мила,
12) Зъ гоголёмъ говорила:
13) «Гоголю, гоголю, припливи къ берегу,
14) Хорошенько вряжу:
15) Твоі крилечки шовкомъ обовъю,
16) Твоі нуиженьки злотомъ обкую».

(*Горностайполь, Радомысльск. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А Що.... пъють, 2 В = 2 А Да волохи пъють, церковку.... 3 В = 3А, 4 В = 4 А Зъ трома верхами, зъ трома... 5 В = 5 А Що... да... що сходить..., 6 В = 6 А А... ясному місяцю, 7 В = 6 А А въ трете да..., 8 В = 7 Б Янголъ улинувъ... 9 В = 7 А И головку склонивъ, и слізоньку...; 10 В = 8 А... слізоньки да стало озеро, 11 В = 11 А... озері да човничокъ плаває.

12) А у тому човнику да красная панна.
13) Що жъ вона діе? Тирипочки шпе,
14) Да шила-пошила да три тирипочки,
15) Да три хустиночки.
16) Що перву шила срібломъ да злотомъ,
17) А другому шила разненькимъ шовкомъ.

(*С. Плиска, Борзенск. уѣз.*).

### Г.

1) Добри-вечіръ, пане господару!
2) Радуйся, земле, що Сусъ Христосъ намъ народився.

3 Г = 2 А Що въ твоімъ дворі..., 4 Г = 4 В... дверами..., 5 Г = 5 В Що..., якъ.., 6 Г = 6 В... якъ заходить сонце, 7 Г = 7 В... да... влітає, 8 Г = 8 В... влітає... сідає,

9) На престолі сідає; сильненько ридає.
10) А въ тихъ слізонькахъ самъ Богъ купався,
11) Самъ Богъ купався изъ Петромъ.
12) Петро каже: земля буильша,
13) Господь каже: небо буильше.
14) Посучимъ шнуръ да зміраємъ небо.
15) Небо буильшъ, що скруизь руивне,
16) А земля маленька, що гори да долини,
17) Гори й долини, всякі могили.

(*Хабны, Радомысльск. уѣз.*).

### Д.

1 Д = 1 А Ой..., 2 Д = 2 В... гудуть..., 3 Д = 4 В. 4 Д = 5 А... сходило... 5 Д = 6 В... ясенъ місяць, 6 Д = 7 Г... соловей влетівъ. 7 Д = 8 В Соловейко влетівъ...

8) Конець престола сидить Микола,
9) Ризами вкрився, слізми умився.

10 Д = 9 Б, 11 Д = 10 Г... тимъ Дунаю... 12 Д = 11 Г Христосъ... святимъ.....

13) Ой купалися та й змагалися.

14 Д = 14 Г, 15 Д = 13 Г,

16) Ой цить же, Петро, не змагайся;
17) Пошли жъ ангела, нехай злітає,
18) Нехай злітає, нехай зміраe.

19 Д = 16 Г Тимъ..., 20 Д = 17 Г Тимъ... меньша..

(*Великіе Снитинки, Васильковск. уѣз.*).

## 39.

### А.

1) Въ пана господара, на ёго дворі,
2) Стояла калина, сильне родила;

*

3) Тамъ пудъ калиною Микита стоявъ,
4) Микита стоявъ, зъ конемъ розмовлявъ:
5) — «Коню жъ мій, коню, продамъ я тебе
6) Далеко одъ себе — у чужу землю,
7) Турському королю; у чужу землю,
8) Турському королю, туркамъ на войну».
9) — «Пане жъ мій, пане, не продай мене
10) Далеко одъ себе.
11) Издумай, пане, свою пригоду,
12) А мою вигоду.
13) Якъ насъ турки за Дунай загнали, —
14) Більшъ потопали, якъ винирали;
15) А ти, мій пане, и чоботка не вмочивъ,
16) Ні чоботка, ні стременочка,
17) Ні стременочка, ні сіделочка...»
18) За сімъ же словомъ, да бувай же здоровъ!

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

## Б.

1) По за лугами — димми стовпами,
2) Ой то не дими, то зъ коней пара.
3) Ой тамъ Иванко зъ вуйскомъ стоявъ,

4 Б = 4 А Зъ вуйськомъ...: 5 Б = 4 А Ой... муий..,

6) Продамъ я тебе далеко одъ себе;

7 Б = 9 А Ой.. муий... молодий Иване, 8 Б = 10 А Не продавай мене..., 9 Б = 11 А... же ти къ своій пригоді,

10) Къ своій пригоді, моій вигоді.

13 Б = 13 А О...,

12) Ой були тиі, що й потопали,
13) Я тебе молодого по вершечку нюисъ,

14 Б = 17 А Не вмочивъ же ти...;

15) Не сіделечка, не стременечка,
16) Не чоботця, а не тебе, молодця.

(*Горностайполь, Радомысльск. уѣз.*).

## В.

1) Що въ саду, въ саду, да винограду
2) Тамъ козаченько ходить, кониченька водить,
3) Кониченька водить, и зъ коникомъ говорить:

4 В = 5 Б... заподілле моє. 5 В = 5 Б Заподілле моє да..., 6 В = 7 А Запродамъ я тебе.., 7 В = 8 А... у чужу землю.

8) За велику ціну, за сто червонцівъ,
9) За бочку вина, за другу пива.
10) Ти жъ, пане козаченьку, не продавай мене,
11) Спогадай на себе.
12) Спогадай на се, якъ ми зъ тобою
13) Да були въ побою:
14) У першому да побою — въ Татарщині,
15) У другому да побою — въ Німещині.
16) А въ третёму да побою — въ Турещині.
17) Якъ побили насъ пополамъ зъ татарми,
18) Да якъ пригнали насъ до тихого Дунаю.
19) Я, якъ скочивъ,
20) Дунай перескочивъ,

21 В = 15 А Дунай перескочивъ нічого...,

22) И нічого не вмочивъ — ні поли жупана,
23) Ні поли жупана, ні чоботка сапъяна,
24) И ні щуръ-сідельця,
25) И ні тебе, молодця.

(*С. Плиска, Борзенск. уѣз.*).

ОБЩЕСТВО ИМПЕРАТОРСКОЕ РУССКОЕ ГЕОГРАФИЧЕСКОЕ 17 МАЙ 74

## Г. *).

1) По за лісомъ, лісомъ темненькимъ,
2) Виступала чорна хмара.
3) Святий вечоръ!

4 Г = 2 Б... хмара... зъ війська.... 5 Г = 3 Б... коникомъ гравъ,

6) Мечемъ воёвавъ,
7) Мечемъ воёвавъ да й вихвалявся:
8) — «Нема въ короля такого коня;
9) А у мого коня золота грива,
10) Золота грива, сребраний копитъ,
11) Сребраний копитъ, жемчужний хвостикъ.
12) Золота грива ясно світила,
13) Сребраний копитъ камень рубає,
14) Жемчужний хвостикъ слідъ замітає.
15) Будь же ти здоровъ, молодець Иване!
16) Да не самъ собою—зъ отцемъ, матерью,
17) И зъ милимъ Богомъ, и зъ усімъ родомъ.

(*Въ сѣверн. уѣз. Черниговск. губ.*).

---

*) См. №№ 1 и 19.

Д. *).

1) Ой изъ-за гори, зъ-за туману...

2 Д = 3 Г!

3) То жъ не тумани — коні вороніі.
4) Молодий Вікторко изъ війська йде,
5) Изъ війська йде, пару коней веде.
6) Попередъ коня веде короля.

7 Д = 7 Г Веде короля..., 8 Д = 8 Г.

9) Да король проспвся, король молився:
10) — «Да пусти жъ мене, молодий Вікторку.»
11) — «Не пущу тебе, самий старший король,
12) Поведу я тебе панамъ на хвалу,
13) Панамъ на хвалу, а намъ на славу.

*(Иваньковъ, Переяславск. уѣз.).*

## 40.

Черезъ наше село
Везли кленъ-дерево...
Ой дерево, кленъ-дерево,
Дрібне, зелененьке.
А съ того деревця
Висока церковця.
Ой дерево и проч.
А въ тий церковці
Штирі-три короговці.
Ой дерево и проч.
Перша короговця
Ивана молодця...
Стій, калиночко, стій,
Недалеко чути дзвінъ...
Друга короговця
Василька молодця;
Стій и проч.
Третя короговця
Григорка молодця.
Стій и проч.

*) См. № 1.

Четверта короговця
Клима молодця.
А у тий церковці
Три свічі яснихъ:
Перша свіча ясна —
То Ганнуся красна;
Друга свіча ясна —
То Фрасина красна;
Третя свіча ясна —
То Єринка красна.
А у тий церковці
Три дзвони голосні:
Перший дзвінъ голосний —
То Хведорко красний;
Другий дзвінъ голосний—
То Андрійко красний;
Третій дзвінъ голосний —
То Захарко красний.
Ой дерево, кленъ-дерево,
Дрібне, зелененьке.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 41.

### А.

1) Ой въ ліску, въ ліску на жовтімъ піску,
2) Росла яблунька тонка та висока,
3) Тонка висока, листомъ широка.
4) Зродила вона золоти ябка;
5) Ябка стерегла гречная панна,
6) Гречная панна, панна Анна.
7) Приходитъ до неі батенько єі:
8) — «Ой здийми, доню, золоти ябка.»
9) — «Бігъ-ме, не здийму, милому держу.»
10) Приходитъ до неі матінка єі:
11) — «Ой здийми, доню, золоти ябка».
12) — «Бігъ-ме, не здійму, милому держу.»
13) Приходитъ до неі братенько єі:
14) — «Ой збери, сестро, золоти ябка.
15) — «Бігъ-ме, не зберу, милому держу.»
16) Приходитъ до неі миленький єі:

17) — «Ой зберп, серце, золоти ябка».
18) — «Ой теперъ зберу, бо тобі держу».
19) Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) Въ саду-винограду зродила яблуня,
2) Золоти ябка.

3 Б = 5 А Іхъ...,

4) Шитъячко шила, твердо заснула.

5 Б = 7 А Прийшовъ...,

5) — «Доню, зірви золоти яблучка.»

7 Б = 12 А... не зірву... 8 Б = 10 А Прийшла...; 9 Б = 11 А... зірви..., 10 Б = 12 А.... зірву.., 11 Б = 16 А Прийшовъ...: 12 Б = 17 А Ой зірви....» 13 Б = 18 А... зірву...

(*Ушицкій уѣз.*).

### В.

1) Ой въ саду, въ саду, й а въ винограду,
2) Ой тамъ виросла єдная яблоня,

3 В = 4 А.... єдне яблучко, 4 В = 5 А Ой... єго... 5 В = 7 А, 6 В = 9 А... зірву..., 7 В = 16 А,

8) Заразъ зірвала, милому дала.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 42.

Въ славнімъ селі NN.
Стоітъ-постоітъ шовковий наметъ (знамень),
А тимъ знамені кгречний молодець.
Підъ нимъ стоятъ служечки єго.
Ой дай, Боже!
Шапочки держатъ, въ нёго ся просятъ,
Й а въ вечіръ на війну.
Ой дай, Боже!
— «Я васъ не пущу, бо самъ зъ вами піду.
Ой дай, Боже!

Ой ходімо ми на першую, ударимъ зъ гармати,
Якъ грімъ по небі, щобъ ся паркани поздрігали.
Ой дай, Боже!
Щобъ ся міщане полякали,
А всі міщане, всі покамъянщане.
Ой дай, Боже!
Ой ходімо ми та й на другую,
Пустимъ зъ гармати, якъ дрібенъ дощикъ.
Ой дай, Боже!
Щобъ ся паркане поздрігали,
Щобъ ся міщане полякали
А всі камъянщане.
Ой дай, Боже!
Ой ходімо на третю—пустимъ зъ гармати,
Якъ грімъ на небі....
Ой дай, Боже!
Щобъ ся паркани поздрігали,
Щобъ ся міщане полякали,
А всі міщане-камъянщане
Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 43.

### А.

1) Ой въ Днестрі, Днестрі да перевозі
2) Гой дай, Боже! *)
3) Держитъ перевізъ кгречная панна,
4) Кгречная панна, панна Марія.
5) Приіхавъ до неі батько въ гості,
6) Привізъ ій три подарочки:
7) Первий подарочокъ — золотий перстень,
8) Другий подарочокъ — шовковий поясъ,
9) Третій подарочокъ — лисова шуба.
10) Золотий перстень на пальці сіяє,
11) Шовковий поясъ боки вкриває,
12) Лисова шуба слідъ замітає.
13) А за сімъ словомъ бувай здорова,

*) Повторяется послѣ каждой строки.

14) Кгречная панно, панно Маріё!
15) Въ городі зілля — въ хаті весілля,
16) Въ городі рутку — а въ хаті душку,
17) Въ городі липку — а въ хаті скрипку.
18) Дай же ти, Боже, веселитися,
19) А намъ, хлопцямъ, подивитися.
20) Добрий вечіръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) «Да чому ти, дівчино, гуляти не йдешъ?»
2) — «Ой якъ мені, дівчині, гуляти пойти,
3) Що мої братіки зъ війська приіхали,

4 Б = 6 А Привезли мені...: 5 Б = 7 А Перший.., 6 Б = 8 А... подарокъ— зелена сукня, 7 Б = 9 А... подарокъ—перлова нитка. 8 Б = 10 А... якъ огонь... 9 Б = 12 А Зеленая сукня..,

10) Перлова нитка голову обвязує,

(*Обыч. и Пов. Малор. Маркевича, стр. 23*).

### В.

1 В = 1 Б? 2 В = 2 Б... дівчині..., 3 В = 3 Б, 4 В = 4 Б: 5 В = 5 Б, 6 В = 6 Б, 7 В = 7 Б. 8 В = 8 Б, 9 В = 9 Б, 10 В = 10 Б.

11) Бувай здорова зъ батькомъ, зъ матерью,
12) И зъ милимъ Богомъ, и зо всімъ родомъ,
13) Исусомъ Христомъ, святимъ Рожествомъ.

(*Zegota Pauli*).

## 44.

### А.

1) Ой зъ-за гори високоі
2) Ой дай, Боже! *)
3) Відти іде три колясочки:
4) Перша колясочка багровенькая,

---

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

5) Друга колясочка червоненькая,
6) Третя колясочка золотенькая.
7) А въ тий багровенькій сиділи єі служеньки,
8) А въ тий червоненькій кгречная панна,
9) А въ тий золотій єі миленький.
10) «Зажди, зажди, кгречная панно,
11) Загадаю тобі три загадки,
12) Якъ вгадаєшъ, то моя будешъ,
13) Якъ не згадаєшъ, то людськая будешъ.
14) Перша загадка: що безъ коріння росте?
15) Друга загадка: а що цвіте безъ насіння?
16) А що горить безъ жаріння?»
17) — «Камінь росте безъ коріння,
18) Папороть цвіте безъ насіння,
19) Вогонь горить безъ жаріння».
20) А відъ сёго слова, та бувай здорова,
21) Кгречная панно, панно Ганно,
22) Не сама собою — зъ отцемъ, маткою;
23) Дай же тобі, Боже, чого жадаєшъ.
24) Жадаю въ Бога щастя, здоровля.
25) Дай же тобі, Боже, на худибочку,
26) На челядочку, на малую.
27) Дай же ти, Боже, въ городі липку,
28) А въ хаті скрипку.
29) А відъ сёго слова бувай же здорова,
30) Не сама собою — зъ отцемъ, маткою,
31) И зо всею челядкою.
32) Добри-вечіръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Б.

1) Ой припавъ сніжокъ на буки листокъ,
2) А буковина на ту панянку,
3) А паняночка на ту стежку.
5) Туда ходила кгречная панна Ганна,
6) За нею ходивъ кгречний молодець,
7) Слідивъ-прослідивъ ажъ до світлоньки.
8) Ой кивнувъ я, кивнувъ я въ кватирочку.

9 Б = 10 А Вийди ти до насъ..., 10 Б = 11 А Загадаємъ.., 11 Б = 12 А... матчина..., 12 Б = 13 А.... наша.... 13 Б = 14 А, 14 Б = 15 А... синёцвіту, 15 Б = 16 А..... поломіння. 16 Б = 17 А Білъ...; 17 Б = 18 А... синёцвіту, 18 Б = 19 А Золото... поломіння. (*Ушицкій уѣз.*).

## 45 *).

### А.

1) У брода, въ брода да въ перевоза,
2) Тамъ Марьечка да перевозъ держала,
3) И одъ перевозу по червонному брала;
4) А туди йшло сімъ сотъ молодцівъ
5) Білоцерковцівъ.
6) — «Красная панно, перевези насъ!»
7) — «Не перевезу, не маю часу,
8) Не часиночки, не годиночки!
9) Теперъ муий братко изъ вуйська приіхавъ,
10) А привуизъ мені да три радощі:
11) Первая радощъ — перловий вінокъ,
12) Другая радощъ — муий золотъ перстень,
13) Третя радощъ — дорога суконка.
14) Перловий вінокъ головку клонить,
15) Муий золотъ перстень—рученьку ломить,
16) Дорога суконка слідъ замітає.
17) За сімъ же словомъ, бувай здорова.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

### Б.

1) Више Киева, ниже й города,
2 Б = 2 А Ой... Мотречка...,
3) Перевозъ держала, перевозила.
4 Б = 4 А Ой пришли къ ій...,
5) Ще й паробцівъ.
6 Б = 6 А Молода Мотречко..... 7 Б = 7 А.

(*Горностайполь, Радомысльск. уѣз.*).

### В. **).

1) Ой у тихого Дунаечку, у крутого бережечку.
2) Святий вечеръ.

---

*) См. №№ 43.
**) См. № 34.

3 В = 2 А... Варочка..., 4 В = 3 Б.

5) Ой прийшовъ къ ней слічний паничъ,
6) Слічний паничъ, королевичъ:

7 В = 6 Б Дівочко Варочко....;

8) Скажу я тобі диво дивноє,
9) Що о Петрі Дунай замерзавъ.
10) Хорошая панно, повіришъ мені?
11) Коли жъ не ймешъ віри,
12) Я самъ тамъ бувавъ,
13) Я самъ тамъ бувавъ, коникомъ гулявъ,
14) Коникомъ гулявъ, Дунай пробивавъ.»
15) — «Слічний паничу, королевичу,
16) Скажу я тобі ще дивнійше:
17) Що у насъ одъ Рожества рожа зацвіла.
18) Слічний паничу, королевичу,
19) Коли не ймешъ віри, я сама тамъ була,
20) Сама тамъ була, рожу щипала.

(*Въ сѣверн. уѣз. Черниговской губ.*).

## Г.

1) У Києві да на перевозі,

2 Г = 3 В, 3 Г = 4 В... да... 4 Г = 4 Б Якъ.. до єі да...,

5) Да сімъ сотъ молодцівъ, да все запорожці,

6 Г = 6 А Да..., 7 Г = 7 А Да... бо...; 8 Г = 9 А... братокъ.. прийшовъ,

9) Изъ війська прийшовъ, зъ войни приіхавъ,

10 Г = 10 А Да... же... подарочки:

11) Первий подарочокъ—золотий перстенчокъ,
12) Другий подарочокъ — перлова тканка,
13) А третій подарочокъ — зелена суконка.
14) Золотий перстничокъ всю рученьку сяє,

15 Г = 16 А Зеленая.... 16 Г = 14 А Перлова тканка....

(*Борзенск. уѣз. С. Плиска.*).

## Д.

1 Д = 2 Г Дівка Ориночка..., 2 Д = 2 В!

3) Перевозила царівъ, та панівъ, та отецькихъ синівъ.

4 Д = 4 Б Наіхало...: 5 Д = 6 А.... дівко Оришечко!

6) Коли жъ мені васъ та перевозить?
7) Приіхавъ до мене братікъ зъ війська-дороги;

8 Д = 10 Г... радости:

9) Первая радость — зелена сукня,

10 Д = 11 Г Другая радость.... перстень; 11 Д = 12 Г Третяя радость.... камка..., 12 Д = 15 Г... сукня...; 13 Д = 14 Г... перстень на руці...; 14 Д = 16 Г.. камка...!

15) Та бувай здорова, дівко Оринко,
16) Не сама собою — зъ отцемъ, зъ ненькою,
17) И зъ милимъ Богомъ, и зъ усімъ родомъ.
18) Боже, дай вечіръ добрий!
19) Та давайте дохідъ довгий.

(*Народ. Юж. Рус. Пѣс. Метлинск. стр. 333*).

## 46 *).

### А.

1) А нашъ козаченько,
3) Молодъ паниченько,
3) Молодий панъ
4) Въ молодоі пані
5) А все въ карти грає.
6) Ой вигравъ вінъ собі
7) Коня вороного.
8) Коня взявши,
9) Не дзінькувавши.
10) Ой вигравъ вінъ собі
11) Дротянку нагайку.
12) Дротянку взявши,
13) Не дзінькувавши.
14) Ой вигравъ вінъ собі
15) Шовкову хустину.
16) Хусточку взявши,
17) Не дзінькувавши.
18) Ой вигравъ вінъ собі
19) Молодую паню.
20) Вінъ паню взявши,
21) Подзінькувавши.

(*Ушицкій уѣз.*).

*) См. № 5.

Б.

1 Б = 1 А... паниченько,

2) Молодий панъ,
3) Зъ молодою панею
4) Въ карти гравъ.

5 Б = 6 А, 6 Б = 7 А, 7 Б = 1 А... паниченько, 8 Б = 10 А,

9) Нагайку дротянку.

10 Б = 12 А Вінъ., 11 Б = 13 А Та..., 12 Б = 14 А,

13) Добрий сурдутъ.

14 Б = 16 А Вінъ сурдутъ.... 15 Б = 17 А Та....

16) Винесли ёму нову шапочку.
17) Нову шапочку взявъ,
18) Дай не дзінькувавъ.
19) Вивели ёму
20) Гречную панну Ганну.
21) А вінъ панну взявъ,
22) Та й подзінькувавъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 47.

Грали цимбали
Въ вдови на подвірью:
—«Вийди, вдово, вийди, небого»!
—«Почекайте мене
Хоць годиночку єдную,
На йся въ коралики вбриндую».
Грали цимбали
Въ вдови на подвірью:
«Вийди, вдово, вийди, небого»!
—«Почекайте мене,
Хоць годиноньку єдную,
На йся въ сорочку вбриндую.
Грали.....
Най ся въ спідницю вбриндую.
Грали.....
Най ся въ пончохи вбриндую.
Грали.....

Най ся въ еревички вбриндую.
Грали.....
Най ся въ хустку вбриндую.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 48.

Тамъ, за горою високою,
Тамъ дзвінъ дзвонитъ,
Місяць сходитъ, —
Тамъ Гандзюненька говорила:
— «Нема кому дати
До батенька знати,
Нехай приїзжає
Біль забірати».
Батько каже: «не поіду —
Въ мене сані не латани».
— «Поідь, батько, тамъ, де рідная мати.»
Матінка каже: «я не поіду,
Въ мене коні не заложени».
Сестра каже: «я непоіду,
Въ мене коні не ковани,
Сані поломани.»

(*Ушицкій уѣз.*).

## 49.

Въ сіняхъ, въ сіняхъ та й на покояхъ,
Ой туди ходятъ статечни жони,
Ой ходятъ, ходятъ, ключами дзвонятъ.
Ой дай, Боже!
Ой ключики, не брязчатъ,
Мого миленького не розбудятъ,—
Миленькій бардзо стружений.
Ой дай, Боже!
Приіхавъ зъ Одеси, три дари привізъ:
Ой дай, Боже!

Єденъ дарунокъ кунова шуба;
Другий дарунокъ злоцістий перстень,
Третій дарунокъ шовкова хустка.

Ой дай, Боже!

Кунова шуба слідъ замітає,
Шовкова хустка голову клонитъ,
Злоцістий перстень пальці ломитъ.

Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 50.

### А.

1) У сей дворъ Богъ навітавъ:
2) Исусъ Христосъ народився,
3) Всему світу знадобився.
4) Святий вечеръ!
5) Взяла ёго мати подъ уста,
6) Піднесла ёго мати підъ небеса,
7) Дала ёму мати житяную пужку, —
8) Де пужкою махне,
9) А тамъ жито росте.
10) Святий вечеръ!
11) А хто дає пирігъ,
12) То спасе ёго Богъ;
13) Хто не дасть пирігъ, —
14) Озьму вола за рігъ,
15) Я виведу на мурігъ,
16) Я викручу ёму рігъ.
Святий вечеръ!
18) Якъ пошовъ же той волъ,
19) По німецкимъ городамъ,
20) По німецкимъ деревнямъ,
21) Та питавъ вінъ, та шукавъ государева двора.
22) А государівъ двіръ на семіхъ стовпахъ,
23) На семи воротахъ.
Святий вечеръ!
Добрий вечеръ!

(*Въ сѣверныхъ уѣз. Черниговъ. губ.*).

## Б.

1 Б = 2 А що, 2 Б = 3 А По..... объявився.

3) Его мати весела була,

4 Б = 6 А. Понесла..... 5 Б = 7 А..... мати пужку житяную. 6 Б = 8 А Куди пужкою..... 7 Б = 9 А...

8) Якъ очеретъ;
9) А копочки, якъ зорочки
10) На въ нивці;
11) А стожочки, якъ соколочки
12) На гумні.
13) Да бувай же здоровъ, пане господару, у домочку
14) Зъ своіми дітками у раёчку!..

(*Юрыновка, Новгородсѣв. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А.... домъ завітавъ Богъ. 2 В = 2 А.

3) Сіі святки звеселивъ. —

4 В = 3 В будь..... була...

5) Що ти свого сина
6) По пудъ небесами носила,
7) Золотимъ хрестомъ хрестила.

8 В = 5 Б.... 9 В = 6 Б.... 10 В = 7 Б...., 11 В = 9 Б И..... на небі 13 В = 11 Б Якъ божочки. 14 В = 12 Б..... 15 В = 14 А Якъ не дасте пирога...., рога, 16 В = 15 А Да..... 17 В = 16 А Да.....

18) Рогомъ буду трубити,
19) Воломъ діло робити.

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 Б, 2 Г = 2 Б; 3 Г = 3 Б: 4 Г = 4 Б, 5 Г = 5 Б, 6 Г = 6 Б, 7 Г = 7 Б. 8 Г = 8 Б. 8 Г = 8 Б, 9 Г = 9 Б. 10 Г = 11 Б.... 11 Г = 13 Б..... у домочку. 12 Г = 15 Б...

(*Юрыновка, Новгородсѣверск. уѣз.*).

## 51.

### А.

1) На Ордані тиха вода стояла.
2) Тамъ Пречиста свого сина купала,
3) А скупавши, въ шовковеє сповила,
4) А сповивши, въ яселечко вложила.
5) Надъ нимъ воли своімъ духомъ дихали.
6) Туди ишло три цари, три цари,
7) А принесли три дари, три дари.
8) То перший царъ святимъ Петромъ назвавъ,
9) А другий царъ святимъ Рожествомъ назвавъ,
10) А третій царъ квіточкою дарувавъ;
11) То жъ не квітка, то жъ Святеє Рожество.
12) Сімъ хозяямъ много літа множество.
13) Дай, Боже, вечеръ добрий!

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А;

5) Да надъ домомъ ангелочки літали,
6) Исуса Христа въ ризи сповивали:

7 Б = 7 А.. йшли

8) Нарікали три слові, три слові:
9) Що первий царъ насъ миромъ мировавъ;

10 Б = 9 А..... Исусомъ нарікавъ. 11 Б = 10 А:

12) Да не єсть пресвятая квіточка,

13 Б = 11 А: Да єсть пресвятоє...: 14 Б = 13 А. А всёму мирові....

(*С. Иванково, Переяславск. у.*).

### В.

1 В = 1 А. Ой на річці..., 2 В = 2 А: Марія Суса Христа.... 3 В = 3 А... въ святи ризи..... 4 В = 4 А..

5) Надъ яслами воли стояли.
7) То жъ не воли, то два янголи.

6 В = 5 А. Божимъ.

8) Сусу Христу пменнячко принесли.

9 В = 9 Б. Перший янголъ святимъ.

10) Другий янголъ Сусомъ Христомъ називавъ;

11 В = 11 Б. Янголъ..... 12 В = 11 А.

13) По всёму світу, всему миру рознесло. —

*(Дудари, Каневск. уѣз.).*

## Г.

1 Г = 1 А. Ой..., тамъ..., 2 Г = 2 А. Божа мати.....

3) А біленькиі пелюшечки сповивала,
4) А зъ девятого шовку сповивачикъ сукала,
5) А зъ сребра-злата приголовочокъ прикладала.
6) Ой на сходъ сонця приіхало три царі,
7) Стали гадати, чимъ тее дитя дарувати:
8) Ой еденъ дарує святимъ миромъ и кадиломъ,
9) А другий дарує — Сусомъ Христомъ имя давъ.
10) А третій дарує — золотую квітку въ ручку давъ.
11) Ой, квіто, квіто, ти, малее дитя, изъ нами
12) Тую квітку по всему світу разославъ...

*(Дубыще, Старокон. уѣз.).*

## Д.

1 Д = 1 А, 2 Д = 2 А, 3 Д = 3 А, 4 Д = 4 А.. въ яселкахъ...

5) Десь узялось до східъ сонця три воли

6 Д = 5 А. Всі три жъ вони надъ тимъ дитямъ... 7 Д = 6 А. Десь узялось до східъ сонця.

8) Всі три жъ вони надъ тимъ дитямъ раду радили:

9 Д = 9 Б. Що перший..... божимъ...., 10 Д = 10 Б..... зъ рожи квітку дарувавъ:

11) А третій царъ кадилничку въ руки дававъ:

12 Д = 11 А, 13 Д = 13 В въ сімъ світі.....

*(С. Дудари, Каневск. уѣз.).*

## Е.

1) Зъ вечера синъ ся Божий народивъ,
2) Которий небо и землю сотворивъ.

3 Е = 1 А. 4 Е = 2 А... Суса Христа... 5 Е = 3 Б, 6 Е = 4 Б, 7 Е = 5 В... тимъ.... дитяткомъ.... 8 Е = 6 В, 9 Е = 6 Г. До.... три царі іхали... 10 Е = 9 Д... Єденъ..... дарувавъ... 11 Е = 10 Б..... називавъ, 12 Е = 11 Б, 13 Е = 12 Д. Не есть..... 14 Е = 13 Д.

15) Радуйтеся, пане Господару,
16) По всёму дому, якъ ангели на небі.
Вечеръ добрий!...

## Ж.

1 Ж = 1 Е..... Исусъ Христосъ народивсь.
2) Народившись, небо и землю звеселивъ,
3 Ж = 1 А, 4 Ж = 2 А. 5 Ж = 3 А..... до церковці й однесла,
6) Мале дитя на пристолі положила,
7) Надъ тимъ дитямъ ажъ три свічки засвітила,
8) Надъ тимъ дитямъ ажъ три свічки палає;
9) Надъ тимъ дитямъ три анголи літають
10) А все ёму «Херувиме» співають.
11) Взяли дитя да понесли на небеса,
12) Ви, небеса, небеса, небеса, растворітеся,
13) Всі святні Исусу Христу поклонітеся,
14) А въ неділю рано сонечко зійшло,
15) А къ тому дитяті три царі прийшло.

16 Ж = 6 А прийшло къ тому дитяті...., 17 Ж = 7 А..... Исусу Христу..... 18 Ж = 9 Б Ой....., 19 Ж = 10 Б..... називавъ, 20 Ж = 11 Б, 21 Ж = 11 А..... то перший день Рожества, 22 Ж = 13 Д Всёму миру хрещеному.....

23) Ой радуйся, хозяину, святимъ Рожествомъ,
24) Якъ ангели на небесахъ Исусомъ Христомъ.

(*Велик. Снитинки, Васильков. у.*).

## З.

1 З = 1 А, 2 З = 2 А, 3 З = 4 А.... скупавши....., 4 З = 5 А, 6 З = 7 А, 7 З = 8 А, 8 З = 10 А другий..... 9 З = 9 А... третій... 10 З = 11 А, 11 З = 12 А Сёму...

## 52.

Изъ вечора синъ Божий народився,
Той, который небо и землю сотворивъ;
Народився изъ Маріі дівиці,
Изъ Святоі Богородиці...
На Іордані тиха вода стояла,

Тамъ Причиста свого сина купала,
Викупавши, у крежмове сповила,
А сповивши, въ василечки вложила.
Надъ тимъ дитямъ три анголи дихали,
Надъ тимъ дитямъ три свічи палало.
До сходъ сонця три царі приіхало:
Одинъ же царъ квіточкою дарувавъ,
А другий царъ святимъ миромъ мирувавъ,
А третій царъ Сусомъ Христомъ називавъ.
То жъ не квітка, то святоє Рожество —
Всёму миру, всёму світу радосно;
То не квіточка, то святоє весилля —
Розвеселися, пане господару, въ своёму дому.

## 53.

Пане господару, чи єсть ти въ-дома?
Сусіди кажуть, що нема въ-дома,
Що пійшовъ до золотаря,
Щобъ намъ зробивъ срібну ложичку,
Срібну ложичку, золотий кілихъ,
Щобъ намъ була відъ Бога слава.
А за сімъ словомъ бувай же здоровъ,
Бувай здоровъ, пане господару;
Сіі святки святкуй здоровъ,
Та не самъ зъ собою —
Зъ дітьми, зъ жоною,
Зъ усімъ домомъ
И святимъ Богомъ,
Зъ усіми нами,
Зъ приятелями.
Добри-вечеръ!

## 54.

Даръ днесь пребогатий отъ небесъ прийде,
Яко капля каплющая на землю сніде,
Во утробу дівичую словомъ вселися,
Изъ нея же невидимо миру явися:
Яко небо второє віртепъ показавъ —
Діви въ яслі безсловесний младенецъ лежавъ:

«Намъ вірьте,» пастеріє пісні голосять,
Тімъ цари тремъ дари Богу приносять:
Ливанъ, смирамъ и злотомъ даръ приношаша,
Рожденному безсмертному въ руці дадаша.
Ангели всі хорошамо збіжають,
На облаці веселиі пісні співають:
«Слава вишній Богу днесь миръ явився
И уся тваръ веселія днесь исполнися, —
Богъ намъ сославъ Духа Святаго,
Въ виденіі голубині снисходящаго;
Тройцю пресвяту славо во съ нами;
Поглядайте, гласъ слишите на Іордані.
Дай тее, Христе, справедливо видіти,
Въ царствіі твоемъ намъ вірнимъ на віки жити.

(*С. Перейма, Балтскаго уѣз.*).

## Б.

Да днесь пребогатий отъ небесъ прийде,
Яко капля каплющая;
Во отробу дівичу словомъ вселися,
Изъ нея же невидимо міру явися.
Богъ діві плотію днесь ся рождаетъ,
Темность мрачно, ясно, зрачно всюди сіяетъ,
Аки небо второе вертепъ показалъ,
Діву, въ ясла и убогий младенець лежавъ.
Ангельскіі вся хори тамъ ся збіраютъ,
На воблаці пісні співаютъ,
Слава Богу, позволившему даровати,
На пастерія миръ, миръ испослати,
На свереліяхъ пісні поносятъ.
Трое царі дари Богу приносятъ:
Иванъ — смирну дадоша,
Тому жъ всі верніі даръ приносоша,
Рожденному безъемстному
Въ руці дадоша.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 55.

Уже ся все те збуло,
Що визнано було:
А рано палиця зелена

Уже ся намъ розцвіла,
И овоць зродила.
Слухайте жъ Бога Отца,
Который намъ обіцявъ
Изъ раю свого сина послати,
Щобъ въ небо насъ забрати,
Того ви слухайте.

(*Ушицкій уѣздъ*).

## 56.

Нова рада, нова рада
Світу ся зъявила:
Да Чиста Панна сина породила,
Да въ Офлеёвимъ місті дуже рано.
Звітали пана пастирі,
Звітали ёго миромъ и кадиломъ;
Дали заплату: покори, злато.
А Иродъ тому дуже засмутився,
Що Богъ предвічний зъ Панни народився;
Казавъ жовнірамъ землю сплёндрувати —
Нарожденнаго нигде не спіймати.
Нехай Иродъ марно погибає,
Нашъ Богъ предвічний всіхъ насъ потішає.

## 57.

Дивно, дивно,
Що тепло, не зімно
Зъ Вифлеема повиває,
А на небі щось сіяє,
Ажъ страхъ забірає.
Голосъ, голосъ —
Дубомъ стає волосъ:
«Слава въ вишніхъ Богу» чути —
Якесь має диво бути.
Вставайте, люде!
Царъ нашъ, царъ нашъ —
Чути зъ неба голосъ —
Въ Вифлеємі народився,
Тамъ у яслахъ положився,
Чимъ не змінився.
Такъ, такъ, такъ,

Ой иде якийсь маякъ;
Ангели десь-то, не люде
Засвітили такъ всюди —
Якесь є чудо!
Біжімъ, біжімъ,
Въ Вифлеемі скажемъ,
Що виділи ми сеі ночи
На власниі очи,
Біжімъ зо всеі мочи
Туда, туда, туда,
Ой де стала звізда!
Отъ хтось плаче тамъ тихесенько,
Ой дитинка єсть маленька.
Яке маленьке!
Підімъ, підімъ,
Поклінъ ёму кладімъ,
Просімъ въ нёго хліба й солі,
Добра въ домі и на полі; —
Въ ёго все ваше —
Се царъ, се царъ!
Зробімъ ёму олтаръ,
Зложимъ — хто ягнятко,
А хто має, то й телятко, —
Прийме дитятко.

(*Ушицкаго уѣзда*).

## 58.

На тихімъ Дунаю підъ крутимъ берегомъ,
Тамъ господиня ризи білила,
Ризи білила, Бога просила:
«Ой дай же, Боже, ризи вбілити!»
Ой де ся узяли буйниі вітри
Та взяли ризи ажъ підъ небеса,
Же небеса розтворили;
А то ті ризи самъ Господь убравъ.
Відъ свого слова будь же здорова,
Та не сама собою — зъ отцемъ, маткою,
Та й съ колядкою.
Гой дай, Боже...

(*Ушицкаго уѣзда*).

## 59.

1) Нова рада стала,
2) Якъ на небі хвала,
3) Надъ вертепомъ звізда ясна
4) Світу возсіяла.
5) Въ Давидовімъ дому
6) Вигравають ёму;
7) На всі струни ударяють,
8) Бога вихваляють.
9) Пастушки зъ ягняткомъ
10) Передъ тимъ дитяткомъ
11) На колінка упадають,
12) Бога вихваляють:
13) «Просимъ тебе, цару,
14) Небесний шафару,
15) Даруй літа щасливиі
16) Сёму господару.
17) Не такъ господару,
18) Отъ якъ господині.
19) Даруй літа щасливиі
20) Усенькій родині.
21) Не такъ господару,
22) Ой якъ ёго дітямъ
23) Даруй літа щастливиі
24) Отъ нині до віку.

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А... у.... 3 Б = 3 А Подъ...., 4 Б = 4 А,

5) Предъ Божимъ світомъ
6) Божій синъ народився.

7 Б = 10 А, 8 Б = 9 А.

9) Приноси три дари,
10) Цару нашъ, цару,

11 Б = 14 А...., 12 Б = 15 А...., 13 Б = 16 А.

(*Скородное, Мозырскаго у.*).

### В.

1 В = 1 А... радость..., 2 В = 2 А.... храма, 3 В = 3 А..., 4 В = 4 А.... Осіала. 5 В = 9 А.., 6 В = 10 А... Божимъ... 7 В = 11 А... колінця... 8 В = 12 А....

сохваляють. 9 В = 13 А Прости мні..., 10 В = 14 А...! 11 В = 15 А Пошли.... 12 В = 16 А.

13) Тамъ чоловікъ передъ Богомъ
14) Ризами покрився.

(*С. Числовка, Борзенск. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 А, 2 Г = 2 А.

3) Де Христосъ родився,
4) Зъ Діви воплотився,
5) Тамъ чоловікъ передъ Богомъ
6) Крижемъ положився.

7 Г = 9 А Пастушокъ..... 8 Г = 10 А..., 9 Г = 11 А... упадає,— 10 Г = 12 А..... сохваляє. 11 Г = 10 Б. Ой...., 12 Г = 11 Б, 13 Г = 12 Б, 14 Г = 13 Б.

(*Гостомель, Кіевск. у.*)

## Д.

1 Д = 1 А, 2 Д = 2 Б, 3 Д = 3 Б, 4 Д = 4 Б, 5 Д = 3 Г, 6 Д = 4 Г Одъ...., 7 Д = 5 Г, 8 Д = 14 В.... закрився.— 9 Д = 7 Г.....; 10 Д = 6 В, 11 Д = 9 Г... припадає 12 Д = 12 А.... восхваляє.

13) Ой ти, цару, небесний звіздару,
14) Пошли, Боже, много літъ,

15 Д = 16 А.... Пану....

(*С. Пудища, Прилукс. уѣз.*).

## Е.

1) Новеє щось буде,
2) Дивить на ся люди.

3 Е = 3 В..., стала.

4) Ясно заблістала.
5) Біжімъ но ми живо,
6) Побачимъ то диво;
7) Втіснімося ми до ями
8) Ходіть всі за нами,

9 Е = 5 Д Тамъ...., 10 Е = 4 Е....., 11 Е = 5 Г... Якъ... пеленами,

12) Убого вповився,

13 Е = 8 Б. 14 Е = 11 А,

16) Цара въ нимъ вітають...

17 Е = 10 Б Охъ..., 18 Е = 12 Г.

19) Дай дні довгі всімъ намъ жити,
20) Щобъ тебе хвалити...
21) И ще въ тебе просимъ:
22) Благодатній росп
23) Дай на нашу всю потребу,
24) А по тому — небо....

(*Ушицкій уѣз.*).

## Ж.

1 Ж = 1 В, 2 Ж = 2 А, 3 Ж = 3 А, 4 Ж = 4 А, 5 Ж = 5 Д, 6 Ж = 6 Д;

7) Якъ чоловікъ пеленою,
8) Передъ Богомъ повився,

10 Ж = 11 Б, 11 Ж = 12 Б, 12 Ж = 13 Б.

9) Слова жъ тобі, цару.
13) Даруй господині —
14) Будемъ тебе вихваляти
15) Всякоі години.

(*Ушицкій уѣз.*).

## З.

1 З = 1 Г, 2 З = 2 Г, 3 З = 3 В.... ясна звізда. 4 З = 4 Б, 5 З = 3 Г..... Господь...., 6 З = 4 Г, 7 З = 5 Г,

8) Богу прислужився.

9 З = 10 Б Ой Боже...., 10 З = 11 Б, 11 З = 12 Б, 12 З = 13 Б, 13 З = 12 Б.

14) Якъ на світі жити;
15) Якъ на землі, такъ на небі
16) Все Бога хвалити.
17) А за сімъ словомъ
18) Бувай же здоровъ,
19) А не самъ собою, —
20) Зъ дітьми, зъ жоною
21) И всею челядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 60.

1) Діва днесь непресущественнаго рождаеть.
2) И земля, и вертепъ неприступному приносять.
3) Янголи, съ пастирми славословлять,
4) Нашъ бо градъ рождайся, предвічний Богъ.

(*С. Дукановка Бердичев. уѣз.*).

## 61.

Рожденная мати, небеська царице,
Радуйся, пречиста, прекрасна царице,
Діва бродованная Христа породила,
Изъ-за Євы, изъ Адама сидьбимя (?) ходила,
Виплакала за насъ грішнихъ, якъ мати едина,
Плакала, рідала по містамъ крулевскімъ,
Виплакала за насъ грішнихъ въ Каменці-Подольску,
Три красна панна зъ високого маку. (?)
Не дай же намъ загинуть зъ великого страху.

(*М. Хабное, Радомысл. у.*).

## 62.

### А.

1) Въ Почаєві монастирі,
2) Породила мати сина,
3) Породила и вповила,
4) На престолі положила.
5) Взяли ангели читати,
6) Яке ему имя дати?
7) Дали ёму святий Петро: —
8) Матіръ Божа не злюбила,
9) А всю землю засмутила.
10) Дали ёму святий Павло —
11) Матіръ Божа не злюбила,
12) А всю землю засмутила.
13) Дали ёму Исусъ Христосъ, —
14) Матіръ Божа излюбила,
15) И всю землю звеселила.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) У пана въ Авраама двуиръ у горожі,
2) Двуиръ у горожі въ червоній рожі.
3) Туди зібралися усі святиі,
4) Стали думати, стали гадати,

5 Б = 6 А стали гадати...., 6 Б = 7 А.....; 7 Б = 8 А.... возлюбила,

8) Не возлюбила, не дарила,

9 Б = 10 А..... друге....., 10 Б = 11 А..... возлюбила,

11) Не возлюбила, не надарила,

12 Б = 13 А..... трете.... 13 Б = 14 А А... и возлюбила,

14) И возлюбила, и надарила,

(*М. Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

### В.

1) Въ Іерусалимі на новімъ дворі
2) Діва Марія сина родила,
3) Сина родила, собіръ збірала,

4 В = 3 Б Собіралися да....., 5 В = 5 Б.... 6 В = 6 Б.... Павла. 7 В = 7 Б. Діва Марія...., 8 В = 8 Б... восхвалила. 9 В = 6 В.... 10 В = 7 Б, Діва Марія... 11 В = 8 Б..... восхвалила. 12 В = 12 Б.... имя.... 13 В = 14 А—.... Марія....., 14 В = 14 Б... и восхвалила.

(*М. Дымеръ, Кіевской губ.*).

### Г.

1) Пане господару, твій двіръ осаженъ,
2) Твій двіръ осаженъ все виноградомъ;
3) А въ винограді світлонька стоіть,
4) А въ тій світлоньці Діва Марія,

5 Г = 2 В,

6) А въ Іерусалимі рано дзвонили,

7 Г = 3 Б Щобъ..... стариі

8) Усі стариі святці святиі,

9 Г = 5 Б, 10 Г = 7 А..... имя....,

11) И дали знати Діві Марії.

12 Г = 7 В, 13 Г = 8 В, 14 Г = 12 В..... Святаго Ильі, 15 Г = 10 В, 16 Г = 11 В, 17 Г = 12 В, 18 Г = 13 В Діва..., 19 Г = 14 В.

20) Радуйся, земля, есть то синъ Божий народився. —

## Д.

1) А въ вині, вині, въ Іерусалимі,

2 Д = 20 Г... вселися....,

3) Тамъ всі святні собиралися,

4 Д = 5 Б, 5 Д = 14 Г, 6 Д = 15 Г. 7 Д = 16 Г,

8) А въ вині, въ вині, въ Іерусалимі,
9) Тамъ всі святні собиралися,

10 Д = 5 Б, 11 Д = 6 В..., Петра. 12 Д = 10 В, 13 Д = 11 В.

14) А въ вині, вині, въ Іерусалимі,
15) Тамъ всі святні собиралися.

16 Д = 5 Б, 17 Д = 12 В, 18 Д = 18 Г, 19 Д = 14 В.

20) И ми сёму звеселимся,
21) Христу Богу поклонимся.

(*Великіе Снитинки, Васильков. уѣз.*).

## 63.

Ой що жъ то було
Изъ предка-віка?
Тамъ жидова
Христа мучила;
Шепшови шпиці
За нігті гнали,
И ёму муки задавали.
Съ пальця мизинця
Кровка канула;
Кровка кане, —
Тамъ Дунай стане.
А въ тимъ Дунаю
Господь купався;
А на дорогу,
Господаръ ходить;
Къ собі Господа

На вечеру просить.
Я самъ не пойду,
Аньолове зашлю;
Наставляй столи
Все тісовиі,
Настілай обруси
Все шовковиі,
Накладай хліби
Все пшеничниі,
Наливай кубки
Всі медомъ - виномъ,
Медомъ - виномъ,
Щодровимъ квітомъ.
Пшенични хліби
То господару;
Щедрове пиво
Та господинці,
А солодокъ-медокъ
Богу на славу.—

(*С. Святая Воля, Пинск. уѣз.*).

## 64.

Темнеє нарожденіє Божого сина,
То намъ ёго породила Діва Марія,
Породила у вертепі.
То анголи не дознали Божоі тайни,
А анголи все те знали мовчки потаіли,
Мале дитя, рожденнеє духомъ, прикрили,
Сёму ярслеві (?) всі звезелимся,
Сёму ярслеві ріки розлилися,
Шо въ Рожеству Христовому садки зацвіли,
Сёму ярслеві дивуйтсь діти.
Показалося всякоє древо земли, квіти,
Сёму ярслеві всі звеселилися,
А Рожеству Христовому всі поклонилися.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 65.

Шли гости да колядничкі,
Да побудили славнаго пана,
Пана господара:

«Да вставай, пане, вельми рано,
И самъ уставай, и челядь буди—
По твойму полю самъ Господь ходить,
Самъ Господь ходить, три святці водить:
Першее святце — святее Юрие,
Другее святце — святий Петро,
Третее святце — святая Илія.
Святее Юрие землю одомкае,
Святий Петро жито зажинае,
Святая Илія у копи складае.

(*С. Святая Воля, Пинск. уѣз.*).

## 66.

Добри-вечеръ, пане господару!
До тебе Богъ давъ сина на вечеру.
Застілай столи тісовиі обрусомъ, —
Буде на вечеру Панна Марія зъ Исусомъ,
Не поспіла Панна Марія къ вечері....
Заспівали райскіі пташки по-пудъ небесами,
Тамъ поставимъ Божого Сина вітати.
На Ордані тиха вода стояла,
Тамъ Панна Марія Божого Сина купала.
Искупавши, въ тонкіі яселці вложила.

(*Скородное, Мозырск. уѣз.*).

## 67.

### А.

1) А въ пана Павла да на ёго дворі —
2) Радуйся, да радуйся, земле—
3) Синъ Божій народився.
4) Да виросло дерево тонке да високе,
5) Тонке да високе, ще й листомъ широке.
5) А на тому древі да намалёвано,
7) А намалёвано и три святителі:
8) Шо первий святитель — святе Рожество,

9) Другий святитель — то жъ святий Василій,
10) А третій святитель — то жъ Иванъ Христитель.
11) Ой вуинъ воду святивъ да й насъ на світъ пустивъ.

(*Борисполь, Переяславл. уѣз.*).

### Б.

1 Б =.....Йвана..., 2 Б = 4 А Стояло....., 3 Б = 5 А... да... щей...

4) Изъ того древа церковця рублена;
5) А въ тій церкві стоять три престоли:
6) На першімъ престолі святеє Роздво.

7 Б = 9 А На другімъ престолі.... 8 Б = 10 А На третімъ престолі....

9) Святеє Роздво намъ радость принесло,
10) Святий Василь новий годъ принісъ,
11) Иванъ Креститель воду перекрестивъ.

## 68.

### А.

1) Днесь поюще,
2) Купно играємо,
3) Цара рожденнаго
4) Всігда вихваляємо.
5) Поюще и чтуще,
6) «Слава во вічнихъ» глаголюще.
7) О царице, въ світі єси славна!
8) Пречистая Панна,
9) Жизні страждала
10) У Бетліємі межи скоти.
11) Христосъ почиваетъ
12) Днесь во плоті.
13) А єгда Іосипъ,
14) Вобручний Діві,
15) Услишаша
16) Одъ ангела жива:
17) «Пойми отроча

18) И матіръ ёго,
19) Бѣги, бѣги въ Ягипетъ.»
20) Царъ на осляті
21) Въ Ягипетъ вступає,
22) Иродъ войсько
23) Своє розсипає,
24) Да бисть убієнъ
25) Царъ, нарожденъ
26) Отъ Маріи Діви,
27) Днесь воплощенъ.
28) И где жъ тоє
29) И може ся стати,
30) Днесь бо хощетъ
31) Иродъ царствовати
32) Надъ Христомъ новорожденнимъ,
33) Младенці у яслі положенномъ.
34) Приступіте, братія, до того,
35) Услушайте, въ жись готові
36) Шо задаєшъ квіти, (?)
37) Которі цвіти. (?)
38) На гловахъ вѣньці, —
39) У небі жити.

(*С. Перейма, Балтскаго уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А Днесь...., 5 Б = 5 А, 6 Б = 6 А, 7 Б = 7 А..... всюду...., 8 Б = 8 А Днесь рождає..... діва, 9 Б = 10 А Въ убогій шопі...., 10 Б = 11 А, 11 Б = 12 А...

12) А не можетъ нині того стати,
13) Аще Иродъ хоче царствовати
14) Надъ Христомъ новорожденнимъ,
15) Младенці въ ясляхъ положеннимъ,

16 Б = 14 А, А Іосипъ...., 17 Б = 15 А, 18 Б = 16 А, 19 Б = 17 А, 20 Б = 18 А, 21 Б = 19 А,

22) Отъ проклятого.

23 Б = 20 А, 24 Б = 21 А, 25 Б = 22 А, 26 Б = 23 А, 27 Б = 24 А. Бувъ би...., 28 Б = 25 А, 29 Б = 26 А, 30 Б = 27 А.

31) А Иродъ вельми засмутився:
32) Новорожденний зъ Діви воплотився.
33) Слуги свої въ вертепъ посилає,
34) Новорожденного убити шукає,

*

35 Б = 7 А..... всюду....., 36 Б = 8 А: Днесь діва, рождаэ ....

37) Злотие цвіти, съ которихъ мать
38) На главахъ вінці, и зъ нимъ біжать.

(*С. Дергановка, Бердичевск. уѣз.*).

## 69.

Крикніте, ангели, на небесі согласно,
Ви, люде, на землі
Пойте пісні прекрасно —
Вступивъ ангелъ съ небеси
Великого совіта:
«Христосъ отъ Діви рождається
Намъ на многиі літа!»
Пастирі біжять скоро,
Одинъ ко другому;
Взявши въ руки барана,
Несуть къ рожденному.
Пастирі співають
Й а царі отъ востока
Кланяються соборі.
Ти, Авраамъ, не смутися,
Исаакъ синъ свободний:
Христосъ отъ Діви родився,
Синъ єдинородний.
Познай, синъ Гедеонъ,
Какъ твое руно истече!
Христосъ одъ Діви родився,
Всю тваръ къ собі привлече.
Царі, царі, вдарте въ струни,
И взиграйте, князьє, во труби:
Христосъ рождається,
Славіте, язиці
Розумійте, яко зъ нами Богъ! —

(*С. Дергановка, Бердичев. уѣз.*).

## 70.

Скинія вся златая —
Ковчегъ завіта,
Видівшаго днесь Марія

Сина повила.
Радуйся, Марія,
Волъ и оселъ, дишуще,
Хвали воздають.
Озябшему въ яслахъ
Парою гріють.
Радуйся, Марія!
Звізда ясна сіяєшъ,
Ему служаще;
Три царі приходять,
Дари приносяще;
Радуйся, Марія!
Иродъ зело засмутився,
Що Богъ родився.
Хотівъ его убити,
Самъ потребився!
Радуйся, Марія!
Веселяться небеса,
Хвалу дающе;
Радується вся земля,
Міръ приємлюще,
Ангели съ пастирми
Чудомъ явися:
«Слава нашому вертепу —
Христосъ родився!
Слава во вишніхъ Богу»,
Ангели гласять,
«Слава, сину твоёму
Дари приносять.
Радуйся, Марія,
Радуйся, прісно Діво,
О нетленнномъ рожестві твоімъ!»

(*С. Дукановка, Бердичев. уѣз.*).

## 70.

Рожество славне прісно Діви Маріи
Восхвалимо днесь, вогласимъ пінія,
Вітаймо дитятко,
Уразъ ёго матку.
Свому нарожденно,
Богу возлюбленно,
Во спасенія всіхъ.

Отъ корини Юлинъ (?) наименовано...
Отъ Архангела Марія названа;
Ласки-сь неперебіранно,
Обіщано здавна.
Слічная Лелія,
Пречистая Марія!
О спасніі всіхъ
Витаймо дитятко,
У разъ ёго матку,
«Ти, мати-царице,
Молися за нами,»
Просимъ тя милосердно,
Грішно, со слезами,
«Ти въ небі царствуєшъ,
На землі готуєшъ
Со святими жити
И въ небі хвалити
На віки вічно єсть».

## 72.

Богъ придвічний народився,
Прийшовъ зъ небесъ утішився.
«Три царі, де ви идете?»
«Идемо до міста,
Де Панна Пречиста
Сина породила;
Идемъ въ Вифлеємъ,
Віншуємъ, спокоємъ
И повернемся инчимъ шляхомъ»,
Повернули погоні бьястину, (?)
Ирода безбожнаго не виділи.
Ми «осанна» заспіваймо
Богові самому,
Духові святому
Честь и хвалу даймо.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 73.

Пішли пастирі до Іерусалима,
Да посередъ ночи до Максима.
Максимъ старий бородатий

Вийшовъ зъ хати:
«Вохъ, вохъ, дити, конецъ прокуда,
Говорять люде велики чуда;
Кажуть люде, Христосъ родився,
Въ Вефлеемъ яслахъ положився.
Ишли туди лицьвяки,
Несли горщокъ боцьвини,
Дати єму каші зъ молокомъ,
И булки зъ масличкомъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 74.

Ишла Марія крутимъ бережкомъ,
Зостріло єі три жидовини:
«Діво Маріє, де Христа діла?»
«Кинула Христа въ темниі ліса.»
Стала жидова ліса рубати,
Ліса рубати, Христа шукати.
Пішла Марія крутимъ бережкомъ,
Зостріли єі всі стари жиди:
«Діво Маріє, де Христа діла?»
«Кинула Христа въ глибокиі ріки.»
Стала жидова ріки спускати,
Ріки спускати, Христа шукати.—
Пішла Марія по-надъ горами,
Зостріла єі уся жидова.
«Діво Маріє, де Христа діла?»
«Кинула Христа въ крутні гори.»
Стала жидова гори копати,
Гори копати, Христа шукати,
Не знайшла Христа, знайшла деревце.
Съ того деревця стала церковця,
А въ тий церковці три гроби стоіть:
У першему гробі самъ Христосъ лежить,
У другому гробі — святий Миколай,
У третему гробі — Діва Марія. —
Надъ Сусомъ Христомъ свічи палають,
Надъ Миколаємъ книги читають,
Надъ Маріею рожа зацвіла.
Зъ тоі рожи да вилетівъ птахъ;
Ой полетівъ птахъ да й підъ небеса:

Ви, небеса, разтворітеся,
Ви, святиі, Исусу Христу поклонітеся.

(*Великіе Снитинки, Васильков. уѣз.*).

## 75 *).

### А.

1) Пане господару, вставайте, не спіть,
2) Богу ся моліть,
3) Бо до васъ прийдуть рокові гості.
4) А всі святиі ослономъ сіли,
5) Святий Микола
6) На конець стола,
7) Піднерся мечемъ
8) Підъ правимъ плечемъ,
9) Склонивъ головку
10) Вронивъ слёзоньку.
11) Де слёза кане,
12) Тамъ Дунай стане;
13) А въ тімъ Дунаю
14) Господь купався
15) И святий Петро.
16) Ой купалися,
17) Та й сперечалися:
18) Господь каже, що небо більше,
19) А Петро каже, що земля більше.
20) Господь каже, «ой Петре, Петре,
21) Не перечмося,
22) Закличъ собі два—три анголі,
23) Та й зміряють небо, та й землю.»
24) Якъ измірали,
25) То повірили:
26) Небо меньшеньке,
27) Бо все рівненьке;
28) Земля більшенька —
29) Гори долини.
30) Бувай же здоровъ,
31) Пане господару.

(*Ушицкій уѣз.*).

---

*) См. № 38, Г.

## Б.

1 Б = 1 А... рожденний вашъ двіръ

2) Збірався весь збіръ.

3 Б = 4 А..... ослономъ сіли. 4 Б = 5 А, 5 Б = 6 А, 6 Б = 7 А. Уперся...., 7 Б = 8 А, 8 Б = 9 А, 9 Б = 10 А, 10 Б = 11 А. 11 Б = 12 А, 12 Б = 13 А, 13 Б = 14 А.

15) Зъ Святимъ Павломъ,

14) И зъ святимъ Петромъ

16 Б = 16 А, 17 Б = 17 А.

18) За небо и землю:

19 Б = 18 А, 20 Б = 19 А; 21 Б = 20 А,

22) Суперечнику, суперичаєшъ,

23) А мало знаєшъ;

24 Б = 22 А. Изошло.....,

25) Та посучишъ шовкові шнурки,

26) Та якъ зміраєшъ,

27) У той часъ звіряєшъ,

28) А зъ цімъ же словомъ

29 Б = 30 А.

(*Перейма, Балтск. уѣз.*).

## В.

1) У пана господара за ёго столомъ,

2) Сидить Богъ съ Петромъ и суперичає,

3 В = 18 А. Богъ.... земля.... 4 В = 19 А..... небо....,

5) Имали вони слугу вірну, святу Миколу,

6) Бери, Миколо, шнури шовкові.

7) Міряй, Миколо, небо и землю.

8) Тимъ небо маленьке,

9 В = 27 А.... скрізь рівненьке,

10) Тимъ земля більша,

11 В = 27 А. Що..... 12 В = 28 Б..., 13 В = 29 Б....

(*Димёръ, Кіевск. уѣз.*).

## Г.

1) Ишовъ-перейшовъ місяць по небі,

2) Ой дай, Боже.

3) Зірниця-сестриця каже,
4) «Ходи до мене, Бога шукати.»
5) Найшли ми Бога, пана господара,

6 Г = 6 А, 7 Г = 5 А.

8) На стілъ ся склонивъ,
9) Три слёзки вронивъ....

10 Г = 11 А....., 11 Г = 12 А..... 12 Г = 13 А, 13 Г = 14 А..... ся купавъ. 14 Г = 15 А: купаючися.....

15) За небо и землю.

16 Г = 18 А, 17 Г = 19 А....

18) Ой ти, Петре, Петре суперечнику,

19 Г = 22 А зазвемо ми.... 20 Г = 24 А..... тоді звірили:

21) Господня правда, Петрова кривда,

22 Г = 27 А. Ой небо меньше..... скрізь..... 23 Г = 29 А. А земля більша..... 24 Г = 28 Б, 25 Г = 29 Б.

26) Добрий вечіръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 76.

### А.

Ой дай, Боже!
2) Ой вітай, вітай пане господару,
3) Підніміть свою та головочку,
4) Ой подивіться та й въ кватирочку —
5) По вашій оборі самъ Господь ходить.
6) Ой ходить, ходить, та все лагодити:
7) Лагодити воли й по три плуги,
8) Бички-третячки та й по чотирі.
Ой дай, Боже!
9) Ой вітай, вітай, пане господару,
10) Підніміть свою та головочку,
11) Ой подивіться та й въ кватирочку —
12) По вашій стаєнці самъ Господь ходить.
13) Ой ходить, ходить, та все лагодить:
14) Лагодить коні на три борони,
15) Лошаки-стрижаки та й по чотирі.
Ой дай, Боже!

16) Ой вітай, вітай, пане господару,
17) Підийміть свою та головочку,
18) Ой підийміть свою та головочку,
19) Ой подивиться тай въ кватирочку —
20) На вашимъ току самъ Господь ходить
21) Ой ходить, ходить, та й все лагодить:
22) Ой кладе стіжки та й въ три рядки,
23) Яру пшеницю та по чотирі.

Ой дай, Боже!

24) Ой вітай, вітай, пане господару,
25) Подийміть та свою головоньку,
26) Ой подивіться та въ кватирочку.
27) По ваший пасіці самъ Господь ходить.
28) Ой ходить, ходить, та й все лагодить,
29) Лагодить пчолки та й на три ряди,
30) Рої пороі та й на чотирі.

Ой дай, Боже!

31) Ишовъ-перейшовъ місяць по небі,
32) За нимъ зірочка, якъ острічка:
33) «Ой почекай, же місяцю.»
34) «Ой нечекаю, часу не маю,
35) Ой бо відъ Бога иду я въ послахъ,
36) Відъ Бога въ послахъ, до господара.
37) Чи почекає по старосвіцьку,
38) Чи ситивъ медокъ на святий вечіръ,
39) Чи варить пиво до свято кіоству, (?)
40) Чи пікъ калачи зъ яроі пшениці. —

Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## Б.

1 Б = 5 А. Пане господару, на вашімъ дворі....., 2 Б = 6 А самъ Господь..... 3 Б = 7 А.... вози, бички-тритячки,

4) Пане господару, на вашімъ дворі,

5 Б = 6 А: Самъ Господь..... 6 Б = 15 А..... тритячки.....

7) Пане господару, на вашімъ дворі,

8 Б = 6 А. Самъ Господь....., 9 Б = 7 А... вози да..... обози: 10 Б = 8 А. воли.....

### B.

1) До пана господара самъ Богъ завітавъ,
2) Завітавъ Господь до ёго току. —

3 B = 22 A, Тасує..... тички, 4 B = 23 A..... все....,

5) Завітавъ Господь до ёго обори,

6 B = 7 A. Тасує....., 7 B = 8 A..., все....

8) Самъ Богъ завітавъ до ёго стані,

9 B = 14 A. Тасуэ..... все въ.... 10 B = 15 A.... все....

11) Самъ Богъ завитавъ до ёго кошари,
12) Тасує вівці все на три сотці,
13) Ярки - поярки все по чотирі.
14) Самъ Богъ завітавъ до ёго пасики,

15 B = 29 A Тасує..... все..... тічки, 16 B = 30 A..... все.....

(*Ушицкій уѣз.*).

## 77.

Осіяло сонце въ вертепі,
Де Христосъ завівся въ злоті.
Світъ разить, земля тенить....
Котрі руки хрестъ держали....
Раненько заспіваймо,
А Пресвятий Діві дарунки віддаймо.
Слава, слава, Рожество,
Слава на віки, Рожество.
А пресвята Діва Марія єдина
А просила ласки у свого сина.
Слава, слава, Рожество,
Слова на віки, Рожество.
А ти, Мироне, старий чоловіче,
А же би сь живъ въ небі вічно,
Жеби сь зо святими пісні співавъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 78.

### A.

1) Ой отци чесні, на великімъ дворі
Ой дай, Боже!

3) На вашімъ двору зъ виномъ кірниця.
4) Пресвята Діва Христа купала;
5) Якъ покупала, въ ризи повила,
6) Занесла ёго въ тихій Дунай.
7) Прийшла жидова рови копати,
8) Море спускати, Христа шукати.
Ой дай, Боже!
9) Море спустили, Христа не найшли.
Ой дай, Боже!
10) Ой отци чесни, на вашімъ дворі,
11) На вашімъ дворі зъ вина кірниця.
Ой дай, Боже!
12) Пресвята Діва Христа купала.
13) Якъ скупала, въ ризу вповила.
Ой дай, Боже!
14) Занесла его въ чистеє поле.
Ой дай, Боже!
15) Пішли жидови ревідувати,
16) Христа шукати, поле копати.
Ой дай, Боже!
17) Поле копали, Христа не взяли.
Ой дай, Боже!
18) Ой отци чесниі на вашімъ дворі
19) На вашимъ дворі зъ виномъ кірниця,
Ой дай, Боже!
20) Пресвята Діва Христа купала,
21) Въ ризи повила.
Ой дай, Боже!
22) Занесла его въ святу церковцю.
23) Прийшли жидови ревідувати,
24) Христа шукати.
Ой дай, Боже!
25) Церковъ злупали, Христа взяли.
Ой дай, Боже!
26) Якъ его взяли, на муки брали.
Ой дай, Боже!
27) Желізними цвяхами руки пробивали,
28) На его голову терня клали,
Ой дай, Боже!

(*Угницкій уѣз.*).

Б.

1) Пане господару, ти спишъ, не чуєшъ,

2 Б = 2 А.

3) На твоімъ подвірью зірниця впала,
4) Кірниця стала;
5) А въ тий кірниці

6 Б = 12 А..... 7 Б = 7 А..... Христа шукали. 8 Б = 12 А..... десь поділа; 9 Б = 14 А..... Христа въ густні ліса....

10 Б = 15 А.... Христа шукати, 11 Б = 8 А. Ліса рубати....., 12 Б = 9 А ліса зрубали... 13 Б = 12 А.... десь Христа поділа,

14) Занесла жъ Христа въ густні трави.

15 Б = 15 А..... трави косити, 16 Б = 9 А трави скосили...., 17 Б = 12 А..... десь Христа поділа;

18) Занесла Христа въ гори камінні

19 Б = 15 А... каминні лупати, 20 Б = 9 А. Камінья злупали...,

21) Стали жидови, та й заплакали:
22) «Що ми зробили, що Христа не найшли!»
23) Де Христосъ подівся? на небо знявся.
24) Та за симъ словомъ, та будь же здоровъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 79.

Радуйтеся, всі люде, — радість намъ зъ неба спадає:
Вступивъ до насъ зъ високости, аби насъ всіхъ спасти.
Прийшли до него три царі и поклонъ дають;
Кладуть дари: ливанъ, смірно и злато—
Зъ разнихъ краёвъ дари взято.
Пастирі дають хвалу:
«Прийми відъ насъ, Христе-цару!»
А ми жъ ёму даймо суміння, —
Дасть намъ гріхівъ одпущиння.
Святую Тройцу впзнаваймо,
Богу честь и хвалу даймо!
Христосъ народився! Сей день блаженний
Вамъ Богъ дасть благословпенний.
Вінъ насъ грішнихъ муки избавить,

Его весь міръ прославитъ!
Ми должни веселиться,
И усердно молиться:
Нині врата Божи отвораються,
Нині щастя и здровья желаємъ,
И сімъ Рожествомъ Христовимъ поздравляємъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 80.

### А.

1) А всі святі ослономъ сіли
Ой дай, Боже!
2) Тилько нема святого Різдва.
3) Рече Господь Святому Петру.
4) «Петре, Петре, послуго моя,
5) Піди, принеси святе Різдво!»
6) Не війшовъ Петро, якъ півъ дороги,
7) Здибало Петра чудо-чудное,
8) Чудо-чудное, вогнемъ страшное!
9) Петро жахнувся назадъ вернувся.
10) Рече Господь до Святого Петра:
11) «Ой, Петре, Петре, послуго моя,
12) Чомъ ти не принісъ святее Різдво?»
13) «Ой здибало мене чудо-чудное,
14) Вогнемъ страшное,
15) А я жахнувся, назадъ вернувся».
16) Ой не єсть то, Петре, нияке чудо,
17) А то єсть святе Різдво.
18) Було его взяти, Петре, на руки,
19) Сюди принести, на стілъ покласти.
20) Зрадовались би ся всі святні,
21) Що передъ ними Різдво сіло.
Ой дай, Боже! *)

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) До пана господара самъ Богъ завітавъ,
2) Господь зо своіми святими.

---

*) Послѣ каждаго стиха.

3 Б = 1 А..... 4 Б = 2 А.

5) Стали судъ судити, на що врожай буде.

6 Б = 4 А. А Господь каже.....

7) «Послужи мені бардзо немного,
8) Въ далеку дорогу».
9) Ой вже Петрові ой півъ дороги,
10) Здибається зъ святимъ Иліемъ,
11) Здибається та й питається:
12) «Святий Илія, чомъ на судъ не йдешъ?»
13) Я на судъ не йду, часу не маю,
14) Часу не маю пшеницю стережу,
15) Відъ буйного вітра,
16) Щобъ колосочка не хилило...

(*Ушицкій уѣз.*).

## 81.

Надъ вертепомъ зірниця
Світить дуже ясно,
Надъ тою блищится,
Коби сонце красне.
«Вийди, збуди, Иване,
Глянь на небо, Степане,
Що жъ тамъ такого?»
—Звізди бачуть короля
Далеко відъ шопи,
Бьють поклони монархові,
Яко прості хлопи;
На коліня падають,
Подарунки віддають,
Бога вітають,
Злото, миро, кадило
Звізди зсумерали (?)
Триста коней козацькихъ,
А все зъ бандурами;
Потішають дитятко,
Надобное панятко,
Весело грають.
Побіжу жъ я тамъ, буду помагати,
Щобъ Богъ давъ щасливо
Спасення діждати:
На кобзоньку заграю,

Бо цимбалівъ не маю;
На сруяру (?) не забуду и дримби, (?)
Для тоі дитини;
Віншувати не вмію,
Забувимъ латини:
Сенкторія оремусъ, (?)
Сикуляру бенбенусъ, (?)
Бильше не знаю!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 82.

### А.

1) Ишла Марія на крутую гору,
2) Стріла Марія да три жидовини:
3) «Ви, жидове, Христа замучили?»
4) «Не ми, Маріє, то наши предки».
5) Ишла Марія на крутую гору;
6) А на тій горі церковка стоіть,
7) А въ тій церковці три гроби стоіть:
8) Въ первому гробі синъ Божий лежить,
9) Въ другому гробі — Иванъ Хреститель,
10) Въ третёму гробі — Діва Марія.
11) Надъ Исусомъ Христомъ ангели поють,
12) Надъ Иваномъ Хрестителемъ свічи палають,
13) Надъ Дівою Маріею рожа зацвіла.
14) Изъ теі рожі да вилетівъ птахъ,
15) Да полетівъ птахъ, да по-пудъ небесами;
16) Всі небеса растворилися,
17) Всі святиі уклонилися,
18) «Не єсть ти птахъ, а єсть ти Синъ Божий,
19) Єсть ти Синъ Божій — Исусъ Христосъ.»

(*М. Олитевка, Козелецкаго уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А. Ишла Діва..., по пудъ горою,
2) Дай изійшла на гору круту,
3) Да глянула на землю святу;
4) На тий землі крижі крижують,
5) Ой тамъ вони церковъ будують

6 Б = 7 А..... церкві..... 7 Б = 8 А..... Иванъ Хреститель, 8 А = 9 А.... Сусъ Христосъ лежить, 9 Б = 10 А.... гробі..... 10 Б = 12 А.... книги читають, 11 Б = 11 А..... свічки палають. 12 Б = 13 А..... процвіла, 13 Б = 14 А А з...., 14 Б = 15 А.... Птахъ да....., 15 Б = 16 А, А...., 16 Б = 17 А..... поклонилися.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## В.

1) Дядьку, край твого двора
2) Краменна гора,
3) А на той горі дерево лежало,
4) А съ того дерева крижа робили,
5) А на томъ крижі, Христа мучено,
6) Де кровка кане — тамъ церковъ стане.

7 В = 6 Б.

8) Въ одномъ гробі Божая Мати,

9 В = 9 А..... Синъ Божий, 10 В = 10 А...., 11 Б = 12 А Божою Матерью.., 12 В = 11 А... попи читають, 13 В = 13 А... 14 В = 13 А.... соколъ, 15 В = 14 Б.. 16 В = 15 Б ви.... ростворітеся,

17) А ви, миръ Божий, размножітеся.

(*Рокито, Овручск. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 3 В.... Сіёньскій.... стояло.

2) Аліллуйя, аліллуйя, дерево стояло,

3 Г = 4 В..... церковъ будують.

4) А въ тій церкві крижъ малёваний,

5 Г = 7 В пудъ тимъ крижомъ..... лежить. 6 Г = 8 А...., 7 Г = 9 А.... 8 Г = 10 А.... 9 Г = 11 А.... Синомъ Божимъ...., 10 Г = 12 А...., 11 Г = 12 Б...

(*Хабне, Радомыльськ. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 3 В..... шовкова трава, 2 Д = 6 А, А въ тий траві церковъ...., 3 Д = 7 А.... церкві.... лежить, 4 Д = 8 А.... самъ Господь Богъ. 5 Д = 8 В, Въ второмъ....., 6 Д = 10 В..... Святий Петро.

7) Надъ Господомъ Богомъ ангели читають,

8 Д = 11 В...., 9 Д = 13 А.... Святимъ Петромъ.....

(*Скородне, Мозырск. у.*).

## 83.

Да зъіхалось да три воли,
Да три воли, три буйволи,
Ой стали вони да чмохати, гадати,
Чимъ сее дзецько даровати:
Одзінъ дарує миромъ, кадзіломъ,
Другий дарує: золоту квіточку.
«Махни ти, Боже, сю квіточку надъ нами,
Якъ сіі слуги передъ Паномъ Богомъ, що въ раі».
И обіцявся панъ господаръ злотий дать, —
Суди ёму, Боже, пишного року дочекать —
И зъ женою, и зъ дітками своіми,
И вшисткими приятелями своими.

## 84.

Ой што єсть предивна
Въ світі новина,
Же діва безъ мужа
Сина родила.
Безсеменне породила,
У діствами (?) не вродила,
У Вифлеємі.
Хори ангельскіе
А все зближають,
Преслічному гласу
Пісні співаютъ:
«Слава въ вишній Єдиному
Богу, зъ Діви уроженному,
И на землі миръ.»
А Ёсипъ сторушокъ
При яслі стоіть,
Новорожденному пелени строить.
А Марія співає,
Серцю ёго припадає:
«Радосте моя!»
А Марія чиста
Сина пистує
При своєму сосці,
Ёго пітає:

*

«Ой, сину мій, квіте райський,
Посіти мні, во-зраильскій,
Утіхо моя.»
Разнні струмента
Ёму заграли,
Новорожденнаго мило віталі:
«Повідьте мні, де ви йдете,
Обявите, що знайдете,
Прошу васъ.»
Волфи одвіщавше:
«Къ рожденному идемъ,
И поклонъ отдавше,
Вспять повертаемъ;
Верта же насъ, предвічний цару,
Но будь землі господару,
Сотворителю нашъ».
Иродъ посрамленний
Отъ Волфи зоставъ,
И зъ великоі злості
Войско разославъ.
Приказавъ Христа шукати,
Дітокъ малихъ розбивати
Во царстві своімъ;
А матері съ жалю
Страшно вліваютъ,
Що передъ іхъ очима
Дітокъ платаютъ:
«Ой, дитино моя мила,
Що ти злого учинила,
Печаль моя!»
Иродъ собі за-вічно
Пекло готувавъ;
А Христосъ младенцямъ
Вінець дарувавъ,
Же невинно пострадали
И зъ нимъ радость изослали
На віки віковъ!

Дзінькуе вашеці Христомъ, Рожествомъ,
Щобъ усі святки пересвятковали,
Другого року дочекали
Зъ миромъ, покоемъ,
Добримъ здоровьемъ.

## 85.

### А.

1) Ой славенъ, славенъ, пане господару,
Ой дай, Боже!
3) Ой чимъ же ти ся прославивъ?
4) Золотимъ терномъ обгородився,
5) Коло того терна золоті ворота.
6) Ой десь ся взяли за рікъ гостоньки,
7) За рікъ гостоньки—колядниченьки;
8) Срібни ворота повідчиняли,
9) Вороні коні повипускали,
10) Сиви голуби порозгоняли.
11) — Не прогнівайся, пане господару,
12) Ми твоі коні позаганяємъ,
13) Срібни ворота позачиняємъ,
14) Сиви голуби сами прилетятъ,
15) Сами прилетятъ, якъ істи схотятъ.
16) Та за симъ словомъ, бувай ти здоровъ
17) Не самъ собою — зъ дітьми, зъ жоною,
18) Ой зъ дітьми, зъ жоною, зъ всёю челядкою.
Ой дай, Боже *)

*(Ушицкій уѣз.).*

Виншуемъ васъ, пане господару, сими святками; а Господь щасттємъ, здоровьємъ відъ сто літъ до сто літъ, поки Панъ Богъ назначивъ вікъ. Добрий вечіръ!

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б. = прославився, 3 Б = 4 А, Що білимъ зелізомъ.....

4) Поставивъ ворота зъ самого злота.
5) Насадивъ саду все винограду.
6) А взялося сімъ сотъ хлопцівъ-молодцівъ,

7 Б = 8 А. Ёму.

8) Садъ виноградъ повитоптали,
9) Райськиі пташки повипускали;

*) Послѣ каждаго стиха.

10 Б = 11 А; гнівайся, пане господару, 11 Б = 13 А, Ми тобі.....,

12) И садъ-виноградъ попідиймаємъ,

13 Б = 12 А Райськиі пташки....., 14 Б = 16 А, А..... же.....

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 86.

Нехто жъ не знає, якъ перше було!
Славенъ єси на небеси,
Нашъ милий Боже!
Якъ прежде було, якъ діялося.
Вража жидова Христа мучила,
Терновий вінець на голівку клали,
У руки гвоздки позабивали.
Де кровця пала — церковця стала,
Де слізки впали — пристоли стали.
А въ тий церковці службоньку служять,
Служять службоньку за пана Павла,
Служять же другу за ёго родню.

(*Борисполь, Переяс. у.*).

## 87.

### А.

1) Бачивъ же Богъ, бачивъ Творець,
2) Що весь миръ погибає,
3) Архангела Гавриіла
4) Въ Назаретъ посилає.
5) Благовістенъ Назарете,
6) Стала слава у Вертепі.
7) О, прекрасний граде Вифліеме,
8) Отверзи врата Єдема!
9) Граде, граде, Вифліеме,
10) Увесь миръ просвітивши,
11) Чомъ не заходить яснеє сонце
12) За дівіческий ложъ?
13) Звізда ясна возсіяла,
14) Тромъ царамъ путь показала,
15) Одвезти, граде, три царі
16) Исусу Христу дари:

17) Лимонъ, смирну и ще й злато.
18) Дари приносяша,
19) А припісти (?) въ храмину
20) На колінця впадають,
21) Христа Бога сохваляють.
22) На колінця впадаша,
23) Христа Бога восхвалёша.
24) Иродъ барзе засмутився,
25) Що Исусъ Христосъ народився.
26) Слуги свої посилає,
27) Христа убити шукає
28) У двохлітокъ и въ незащихъ
29) И ще й прочихъ якъ внежащихъ. (?)
30) Не плачъ ти, Реіхоне, позаді миленькій
31) Та узрили свого сина въ Сіонскій праведі.
32) Пойде Иродъ самъ по аду
33) Луциперу на пораду;
34) А ми жъ тому веселімся,
35) Христу Богу поклонімся.

*(Черниговъ).*

## Б.

1 Б = 1 А Видить... видить..... 2 В = 2 А.... весь....., 3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А— 5 Б = 5 А, 6 Б = 6 А, 7 Б = 7 А, 8 Б = 8 А.

9) Не заходи ясне сонце.

10) Де дівичеський гогъ. (?) 11 Б = 13 А... осіяла, 12 Б = 14 А, 13 Б = 15 А, перший.... 14 Б = 16 А.... Божі... 15 Б = 17 А, Меръ, кадило, сліблосі....,

16) Ёму приносями.
17) Ой приходе у храмъ Божій,
19) А все Бога вихваляє.
20) Ой єсть Иродъ, єсть проклятий,
21) Сина свого не пускає,
22) Малихъ дітокъ вибиває,
23) Голимъ мечемъ вирубає,
24) Кровъ невірну проливає, —
25) Плаче ненька и ридає.
26) «Годі, мати, вже ридати,
27) Малихъ дітокъ вже немає.»
28) «Ой якъ мені не ридати,
29) Я печальная мати,
30) Иродъ діти вирубивши,
31) Серце моє запаливши.

32 Б = 31 А. Пішовъ...., 33 Б = 32 А, 34 Б = 33 А.... цёму..... 35 Б = 34 А, Рожиствові....

(*Дашковцы, Литинск. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 Б... же...., 2 В = 2 Б, якъ....., 3 В = 3 А, 4 В = 4 А.

5) Назаретіяне блоговляли, (?)

6 В = 6 Б. Славословьятво.....,(?) 7 В = 7 А... прекраснимъ.... 8 В = 9 Б.....

9) О дівическьое ложе

10) Грядешъ, грядешъ, возсіяешъ,

11) Просвітиши и весь миръ,

12 В = 13 А..., 13 В = 14 А.

14) О Персіцкіе царі,

15 В = 16 А.... ко.....

16) Ливанъ, злото, смирно и кадило,

17 В = 18 А. Христу въ даръ..... 18 В = 19 А приходяше во.....,

19) И падоша на коліна:

20 В = 20 А, злой..., злой..... 21 В = 22 Б.... побиваешъ, 22 В = 32 Б..... 23 В = 33 Б.

24) Ще й до аду не доходить,

25) А путь ёго погибаеть,

26 В = 33 А..., 27 В = 34 А. Рожеству Христову.....

(*с. Перейма, Балтск. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 Б, 2 Г = 2 Б, 3 Г = 3 В, 4 Г = 4 В, 5 Г = 5 А..., 6 Г = 6 А. Надъ вертепомъ зоря ясна, 8 Г = 11 Б, Всей світъ..... 9 Г = 12 Б.

10) Тиі царі услишали,

11) Христу дари приношали,

12 Г = 19 А..... тому...., 15 Г = 24 А.....,

16) А миръ тому звеселився.

17 Г = 27 В, И.... Христову.... 18 Г = 22 В..., 19 Г = 32 А..,

20) А Люциперъ доражае, (?)

21 Г = 26 А,...,

22) Шукаючи Суса Христа,

23) Забивъ сина своёго.
24) Казавъ Виродъ світъ сходити,

25 Г = 22 Б,... дітокъ погубити.

26) У трохъ літяхъ и чотирі
27) Забивъ тисячу и штирі,
28) Иродъ забивае.

29 Г = 25 Б, Стоіть матка.....

30) «Не плачъ, матко, да й не ридай,
31) Кровъ — не вода, не разливай.»

32 Г = 28 Б, — Мусю плакать и.....,

33) По своёму дитяті.

(*Рокитно, Овручск. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 Б, 2 Д = 2 Б,., 3 Д = 3 Б —., 4 Д = 5 А, 5 Д = 5 Б. Возвістіте..... 6 Д = 6 Б, Слава стала..., 7 Д = 7 В, 8 Д = 8 Б, 9 Д = 8 В,.., 10 Д = 10 Б.

11) Роди просвітися,
12) Просвітити миръ увесь.

13 Д = 13 А..

14) Подъ Вертепомъ показала,

15 Д = 15 А. Отъ Персіде — ....., 16 Д = 16 А.

17) Злото, ливанъ и смирну,

18 Д = 18 А, Ёму.....,

19) А прийшовши въ Вифлеемъ,

20 Д = 20 А.....* 21 Д = 23 А..... вельми..., 22 Д = 24 А.... царъ...., 23 Д = 25 А..... розсилае, 24 = 26 А.

25) Сорокъ тисячъ маленькихъ дітокъ побивъ,

26 Д = 20 Б. Самъ же..... царъ...., 27 Д = 21 Б..... свого.....

28) Маленькиі усе діти
29) Казавъ Иродъ іхъ побити.
30) А праведни Афедники (?)
31) Процвітають на віки,

32 Д = 29 А. Перестань..... ридати. 33 Д = 28 Б,... перестати, 34 = 29 Б.

35) Серце во мні омлівае,

36 Д = 30 Б.... забивае. 37 Д = 29 Б,... жъ-бо....., 38 Д = 28 Б, Мушу по чадахъ.

39) «Не плачъ и не ридай горе
40) По чадахъ маленькихъ,
41) Тамъ уздрієшъ сина свого
42) Отъ сёго дня праведнаго.»

43 Д = 32 Б, Пійде...., 44 Д = 33 Б,... 45 Д = 26 В, Ми же....., 46 Д = 35 Б.
(*Дубыще, Староконст. уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 Д.... Господь.... Богъ, 2 Е = 2 Д..., 3 Е = 3 Д,..., 4 Е = 4 Д,... 5 Е = 5 А..., 6 Е = 6 А..., 7 Е = 9 Д.... сонце и місяць, 8 Е = 9 В.

9) Сонце и місяць осіяло.

10 Е = 13 В, 11 Е = 15 А. А ви, царі....., 12 Е = 16 А.

13) Кадильницю золоту несучи,
14) Де Сусъ Христосъ народився.

15 Е = 21 Д..., 16 Е = 26 В.., 17 Е = 34 А..... Богу...,

18) Казавъ Иродъ всі діти вигубити,
19) На чотирі десятини
20) Малі діти виносити.

21 Е = 30 Б..... не плачъ, рідна мати, 22 Е = 40 Д... 23 Е = 28 Б:.... не плакати.

24) Сина мого забивають,

25 Е = 24 Б.... Проливають..... 26 Е = 25 Г..... шукають,

27) Добрий вечеръ.

## Ж.

1 Ж = 1 Д. 2 Ж = 2 Д...., 3 Ж = 3 Д...., 4 Ж = 4 Д. 5 Ж. = 5 Д..., 6 Ж = 6 Д., 7 Ж = 9 Д,..., 8 Ж = 10 Д,..... его же.

9) Иде градить (?) світъ,
10) Посвітить миръ всей.

11 Ж = 13 Д..., 12 Ж = 12 Б. 13 Ж = 15 Д..... идуть...., 14 Ж = 16 Д.

15) Лео, смирность и кадило
16) До нёго приносять.

17 Ж = 21 Д..... царъ...., 18 Ж = 22 Д..... Богъ....., 19 Ж = 23 Д....., 20 Ж. 24 Д..., —

21) Діти грабить,
22) И, безбожний, свого сина не щадить,

23) Остримъ мечемъ розстинає,
24) Кровъ, якъ воду розливає,

25 Ж = 21 Г.

26) Не плачъ, не плачъ фозайіли, (?)

27 Ж. = 40 Д.... дітяхъ....., 28 = 33 Д.... не плакати, 29 Ж = 34 Д... нещастная....

30) Казавъ Иродъ усі діти
31) Маленькиі погубити.
32) Праведниі фозойіли, (?)
33) Процвітайте на віки,
34) Иродъ піде въ пекло —
35) Люциперу тепло,

36 Ж = 45 Д. А....., 37 Ж. 46 Д. Христу Богу....

(*Ушицкій у.*).

## З.

1 З = 1 Д...., 2 З=2 Д...., 3 З=3 Д..., 4З=4Д...., 5 З=5 Д..., 6 З=6 Д,..., 7 З = 7 Д...., 8 З = 8 Д...., 9 З = 9 Б...

10) Въ дівическі ложесна,
11) Грядетъ, грядетъ, осіяти,

12 З = 12 Д.. 13 З = 13 Д...., 14 З = 13 Д.. 15 З=15 Д.... 16 З = 16 Д..... Христу.....

17) Лованъ, смирну и кадило,

18 З = 18 А. Ёму..... 19 З = 18 В., А прийдоша..... 20 З = 22 А..... 21 З = 23 А... дуже..... 22 З = 24 А..... Исусъ..... народився, 23 З = 25 А...., 24 З = 26 А... 25 З = 28 Д.... 26 З = 29 Д... погубити, 27 З = 30 Д... Финики, (?) 28 З = 31 Д, 29 З = 23 Е....,.. Рахіль 30 З = 40 Д..... своіхъ

31) Увидишъ свого сина въ Сіоні
32) Праведного, якъ я.

33 З=28 Б.... не плакати. 34 З=29 Б...., 35 З=30.... забиває, 36 З=31 Б..... умлівае, 37 З = 24 Д....., 38 З = 43 Д....., 39 З = 44 Д..... 40 З = 45 Д... зъ того...., 41 З = 34 А:...

(*Ушицы*).

## И.

1 И = 1 Б. Виде..... відъ....., 2 И = 2 Б, — Же...., 3 И = 3 А, 4 И — 4 А, 5 И = 5 А. благовісти,...., 6 И = 6 Д, 7 И = 7 А, 8 И = 8 А. 9 И = 11 А Чомъ....,

10 И = 12 А 11 = 9 А..... ., 12 И = 12 Д, 13 И = 13 А. 14 И = 14 А, 15 И = 15 Д, 16 И = 16 З: 17 И = 17 Д. и..... кадило, 18 И = 18 А, 19 И = 19 А.... пришедши....., 19 И = 22 А, 20 И = 24 А, 21 И = 22 Д. 22 И = 23 Д; 23 И = 27 А.

24) Седмери на десять тисячъ,

25 И = 22 Б..... убивъ.

26) Ахъ ти, Иродъ, ти безбожний,
27) Сина свого не пощадивъ.

28 = 28 Д.

29) Велівъ Иродъ вигубити.

30 И = 32 Ж.... И а финики, 31 И = 31 Д. 32 И = 30 Г.,... Рахиль...., 33 И = 40 Д, 34 И = 28 Б.., 35 И = 29 Б,.. 36 И = 30 Б.... убиває, 37 И = 36 З, 38 И = 29 Б. Азъ бо..., 39 И = 38 Д. по чадахъ....,

40) Плачъ великий въ Вифліемі,
41) Во стронахъ Іудейскихъ.
42) Дітей малихъ убиває
43) Въ приділахъ Вифлеємськихъ:
44) Мечемъ гостримъ розсікає
45) И о камінь розбиває.

46 И = 24 Б, 47 И = 26 А. 48 И = 30 Г..... Рахиль...., 49 И = 40 Д.

## К.

1 К = 1 Г, 2 К = 2 Г, 3 К = 3 Г, 4 К = 4 А, 5 К = 5 Б, 6 К = 6 Б, 7 К = 7 В, 8 К = 8 Б, 9 К = 8 В, 10 К = 9 В. 11 К = 9 А.

12) Просвітитель миру.

13 К = 13 Б, 14 К = 14 А, 15 К = 15 Д. Персія идуть....., 16 К = 16 Д, 17 К = 17 А, 18 К = 18 А..... Христу....., 19 К = 19 А... пришедши.....,

20) На коліна впадає.

21 К = 21 Д, 22 К = 24 А.

23) А ми Христа восхваляємо,
24) Въ нёмъ царствіє въ небі маємо.

## Л.

1 Л = 1 Б, 2 Л = 2 Б, 3 Л = 3 Б, 4 Л = 4 Б.

5) Благовістний въ Назареті!

6 Л = 6 А, 7 Л = 7 А.... прекрасний;

8) Владико въ Вехлеємі,
9) Тверди (?) вразтай (?) иди.
10) Низько ходить Боже сонце
11) Въ дівиченьскиі лозі,
12) Рада - бъ она осіяти,
13) Весь світъ просвічати,

14 Л = 11 Б, 15 Л = 14 А, 16 Л = 15 Д... Персіанъ...., 17 Л = 16 Д.

18) И принісши орнамента,

19 Л = 20 Д:

20) Четирохъ на десять тисячъ.
21) Казавъ Иродъ малі діти
22) Всіхъ іхъ вигубити,
23) Огнемъ мечемъ розсікати,
24) Невинну кровъ розливати.

25 Л = 25 Б,... Діва... 26 Л = 40 Д. 27 Л = 30 Г..... Діво..., 28 Л = 28 Б. Якъ же..... 29 Л = 29 Б...

30) Огнемъ мечемъ розсікає,
31) Невинну кровъ розливає.

32 Л = 26 А, 33 Л = 23 А... тому...., 34 Л = 24 А, 35 Л = 23 Д. 36 Л = 26 А. 37 Л = 32 Б, 38 Л = 33 Б, 39 Л = 26 Б.... не смутішся. 40 Л = 27. Божеству....

(Wolyn, Sleckiego str. 97—98).

## 88.

Да мости, мости все калинові...
А чимъ побивали? Все талярами.
А чимъ покривали? Все килимами.
А туда ишло да три святиі,
Да три святиі, да три роздвяниі;
Да й зостріла іхъ да Божа мати:
«Да куда жъ ви йдете да три святиі,
Да три святиі, да три роздвяниі?»
— Да пійдемо ми да до пана козаченька
Да колядовати ще й святковати.
«Да святиі жъ моі, колядуйте сами,
Колядуйте сами, мені ніколи.
Я одъ поля живу и все рисинъ (?) нахожу,
Одъ тучи, одъ грому, одъ великаго побою.
Дай тобі, Боже, щобъ у полі зрідно,
Щобъ у полі зрідно, а у дворі плідно,

А у дворі плідно, а въ коморі спірно,
А въ коморі спірно, а у хати смирно.

*(С. Плиска, Борзенск. уѣз.).*

## 89.

Ой Божее нарожденне, Божая сила,
Що породила днесь Марія Божого сина.
Народився синъ Божий зъ Діви Маріі,
Ніхто не може дознати Божоі тайни.
Дозналося два янголі зъ неба летючи,
Цемноі ночи, ясноі свічи,
Христа глядячи.
Гриму, гриму, Іерасилиму,
Счолося (?) дзіво — малее дитя
Осіяло небо й землю.
Малие дзеці, што показала
Всякое дрегло (?) разние квіти,
Архирея Гавриіла реки обнели,
Що по Рожеству по Христовому,
Сади зацвіли,
Ой ви, людзе, ви Божие,
Клонітеся Богу, да удартеся!
И уклонились й усі люде Богу и Цару.

*(Скородне, Мозырск. у.).*

## 90.

Ой збіралася жидовайа,
Радила раду жидивськую,
Якъ би Христа вловити.
Вони Христа вловили,
Й на дереві розпъяли,
Гвоздемъ руки прибивали,
Терновий вінець надівали.
Прийшла къ ёму Божая мати Марія:
«Ой сину мій и Боже мій,
Чомъ до мене не говоришъ,
И слізъ моіхъ не утолишъ?»
— Мати жъ моя и Марія,

Я жъ не на віки поміраю
И за віру страсті приймаю.
Приймавъ Христосъ страсть и рани
За праведні Христіяне.
Да бувайте жъ здорові изъ Святимъ Рожествомъ.
Добрий вечіръ.

*(С. Пудища, Прилуцк. уѣз.).*

## 91.

Ой у полі широкому,
Ой у морі глибокому,
Ой тамъ шила Пречистая,
Пречистая мати Божа,
Судосила — три ангела
И три апостоли.
Питается сина свого,
Сина свого — Бога твого.
Одинъ каже: я не бачивъ,
Другий каже: я забачивъ,
Третій каже: я самъ тамъ бувъ:
Твого сина жиди взяли,
На крижъ пъяли,
Ручки, ножки роспинали,
Ёму муки задавали.
Пречистая уклякнула,
На колінки приклякнула.
Три ангели подходили
Еі до землі не допустили.

*(Святая Воля, Пинск. уѣз.).*

## 92.

### А.

1) Ой дивное народзенне
2) Божого сина!
3) Ідна ёго породила
4) Діва Марія.
5) Вона ёго породила
6) Изъ Діви, изъ Панни.

7) Ніхто того не дознає
8) Зъ Божоі тайни!
9) Якъ дознало два анголи,
10) Зъ неба литячи
11) Темноі ночи, ясноі звізди,
12) Христа глядячи.
13) Якъ на небі, такъ на землі.
14) Божая згода:
15) Синъ Божій страждається, —
16) Чоловіцька врода.
17) Де синъ Божій страждається
18) Одъ нині до віка —
19) О якъ вознесе на небеса
20) Богъ чоловіка...

(*Ковельскій уѣз.*).

## Б.

1) Ой бувъ же я на рожденні,
2) Въ Діви Маріі,
3) Породила Діва сина
4) Въ яслахъ на сіні.
5) Породила Діва сина,
6) Хтіла затаіть,
7) Пославъ Господь три анголи,
8) Дай стали глядіть.

9 Б = 9 А. Ой крикнули три...., 10 Б = 10 А. 11 Б = 11 А..... во звіздноі. 12 Б = 12 А.

13) Ой радуйтесь ви, люде,
14) И малиі діти,
15) Звеселивъ Господь небо и землю,
16) И разниі квіти:
17) На Архангела Гавриіла
18) Ріки потікли,
19) На третій день на Рожество
20) Сади зацвіли.

## В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 А, 3 В = 3 Б..... Суса Христа.

4) Панна Єдина.

5 В = 9 А.... всі....,

6) Що Сусъ Христосъ народився
7) Изъ Божоі Панни.

8 В = 9 А. А.... всі....,

9) Хотіли втаіть,
10) Мале дитя рожденне
11) Воздухомъ прикрить.
12) Архангела ріки обняли,
13) Шо въ Рожеству Христовому
14) Ріки зацвіли.
15) А вдаримо чоломъ нашому цару!
16) Даруй, Боже, многі літа цёму господару.

## Г.

1 Б = 1 А, Темнее...., 2 Б = 2 А, Шо намъ....,

3) Породила у вертепі;

4 Б = 4 А, Шо анголи все те знали.

5) А ангели все те знали, мовчкии потаіли,
6) Мале дитя, рожденнее духомъ, прикрили.
7) Цёму ярслеві (?) всі звселимся.
8) Цёму ярслеві ріки розлились,
9) Шо въ Рожеству Христовому садкі зацьвіли,
10) Цёму ярслеві дивуйтесь, діти.
11) Показалося всякее древо, зелені квіти,
12) Цёму ярслеві всі звеселимся,
13) А Рожеству Христовому всі поклонимся.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 93.

Пане господару, чи єсть ви въ-дома?
Кажуть служеньки, нема васъ дома.
Судомиръ суда судять,
Імъ за то заплачено,
Три села дано.
Єдно село зъ старими людьми,
Друге село зъ парубочками,
Трете село зъ паняночками.
Зъ старими людьми — до порадочки,
Съ паняночками — до охоточки.

(*Ушицкій у.*).

## 94.

Пане господару, Богъ тебе кличе,
Дарує тобі два лани жита,
Третій пшениці на паляниці,
А четвертий гречки —
На пирожечки,
А пъятий вівса...
Вже коляда вся.

(*Ушицкій у.*).

## 95.

Придвічний приліти (?) родився.
Хотячи землю просвітити,
Й убого ся народивъ,
Богатого засмутивъ Ирода.
А Иродъ зъ того засмутився,
Що съ Панни Христосъ народився,
Казавъ ёго шукати,
По всіхъ земляхъ питати
Для зради.
Панйста (?) та місячна била,
Де Панна сина породила,
Судителя нашого.
Знаємъ пана своєго Іисуса.
А ми тому всі веселимся,
Въ Рожеству Христу поклонимся,
Щобъ насъ Господь слободивъ,
На землю спокоівъ даровавъ.

(*Ковель.*)

## 96.

### А.

1) Світъ змислений, де ся родивъ,
2) Съ діви Маріи происходивъ—
3) О Его же и велія.

4) Пречиста діво Марія,
5) Днесь рождає и пітає сосці своіми
6) Диво-благими —
7) Съ подлой шопи
8) Между скоти.
9) Возлюблена Богу,
10) Тріє царі погластуютъ,
11) Що съ звіздою послідуютъ.
12) Злото, рива (?) дари дає,
13) На колінка упадає,
14) Рожденному, безсмертному Владиці Богу
15) Честь дають премногу.
16) Прославной нині!
17) Всі къ вертепу точили,
18) Всі ангели восхвалили.
19) Всі ангели промикаютъ, (?)
20) Що голосно воспіваютъ:
21) «Слава Богу,
22) Честь премногу.
23) А Ісусу нині
24) Въ яслахъ на сіні,
25) Въ славний яскині,
26) Преславний нині,
27) Преславний нині!»
28) Пастиріє тамъ приспіли,
29) Бога въ яслахъ увиділи—
30) Оброжденний, оплошчонний.
31) Бога въ плоті
32) Между скоти.
33) Миръ просвітивший,
34) Благодаривший...
35) Жити гойно,
36) Неубойно,
37) Людямъ спокойно!

## Б.

1 Б = 1 А? 2, Богъ одъ небесъ къ намъ приходивъ, 3 Б = 3 А... днесь..., 4 Б = 4 А,..., 5 Б = 5 А.... сосці своіми,

6) Сусу своёму живо-благому,

7 Б = 7 А.., 8 Б = 8 А, 9 Б = 16 А..!

10) Пастирія къ намъ приспіли,
11) Бога въ яслахъ увиділи,
12) Ангели промикають,
13) Честно, гласно воспівають:

14 Б = 21 А.... єдиному;

15) Сусу своёму живо благому,

16 Б = 7 А.., 17 Б = 8 А., 18 Б = 21 А..!

19) Тріємъ царемъ спушествують,

20 Б = 11 А.....,

21) Підъ вертепомъ цвітъ, рцемо,
22) Рожденному восхвалимо,

23 Б = 5 А,..... сосці своіми,

24) Сусу своёму живо-благому,

25 Б = 7 А..., 26 Б = 8 А.

27) Де ся родивъ,
28) Богъ зъ небесъ днесь приходивъ,

29 Б = 3 А.... днесь...., 30 Б = 4 А, 31 Б = 5 А..... Сусу своєму.
(*Любаръ*).

## В.

1 В = 1 А,.... днесь родиться;

2) Богъ одъ Діви проісходитъ,

3 В = 3 А..., 4 В = 4 А... 5 В = 5 А....

6) Зело другій,

7 В = 7 А. Да въ той..., 8 В = 8 А.... 9 В = 26 А...,

10) Тамъ къ вертепу всі течімо,
11) Рожденного восхвалимо!
12) Рожденно, воплощенно,
13) Здесь въ яслахъ положенно,

14 В = 31 А...., 15 В = 32 А.....,

16) Явився нині.

17 В = 24 А....,

18) Ще й отъ віківъ чоловіка
19) Возлюбихъ єсть дней.
20) Три царі путешествуютъ,

21 В = 11 А....,

22) Злато, ливанъ ёму даютъ,
23) На коліня падаютъ,
24) Владиці Богу честь даютъ,
25) Въ яскині славной поклонъ отдаютъ.

26 B = 28 A..., 27 B = 29 A....,

28) Тамъ ангели прилітаютъ;

29 B = 20 A, И согласно....., 30 B = 21 A..., 31 B = 22 A.....,

32) Просвітивши, благословивши,

33 B = 35 A.....,

34) Всімъ спокойно
35) Людямъ на землі.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 97.

За насъ грішнихъ Богъ воплотився,
Сміжно въ яслахъ положився.
Отплотився одъ Маріи,
Радуйтеся, всі святиі,
Прославляймо и восхваляймо
Бога у Тройці,
Межъ на при році, (?)
Всі ангели, архангели,
На віки віковъ.
Добрий вечіръ, пане господару,
Съ праздникомъ Рожествомъ Христовимъ,
Одъ рану до рану до сталичъ, (?)
Поки Богъ назначавъ вікъ,
Будьте здорові...

## 98.

### A.

1) Весела світу новина,
2) Де чиста Панна сина сповила,
3) Зъ небесъ ангельськіе гласи
4) Славять Бога по вся часи:
5) Святъ Богъ, визивае,
6) Спаса свого величае.

7) Убогіі пастирія
8) Славлять Бога и велія;
9) Бидлята тому навколіна,
10) То роспадуть вся звірья.
11) Осипъ старий радуіться,
12) Все на рукахъ Бога пістує,
13) И Діва ся утішає,
14) Въ сіно Христа сповиває,
15) Волъ и оселъ загриває,
16) Звізду ёго каждий знає.
17) Тая звізда одъ исходу
18) Ведеть царі къ Господу.
19) О Персія (?) діти стинали,
20) Ні жадному не прибачали;
21) Жалостниі матки плачуть,
22) И такъ смертную крутную бачуть.
23) Иродъ, Иродъ теє чує,
24) Дає декритъ и подписує:
25) «Нехай ся дитина згине,
26) Одъ гострого меча зниге.» (?)
27) Вже намъ на світъ такъ родився,
28) Же безъ конця буде жити.
29) Тобі, тобі, прибудь, посилу,
30) Благослови всёму миру,
31) И намъ грішнимъ, тамъ поющимъ,
32) Во віки віковъ глаголющимъ.
33) Славимъ Бога беземстного,
34) Що народився для насъ многихъ,
35) И матерь свою святую,
36) Діву чистую Марію,
37) Же намъ на світъ цара видала,
38) Нехай буде Божая хвала.

(*Любаръ, Новградволынск. уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А..., 2 Б = 2 А.... породила, 3 Б = 3 А. А.... небескіі.... 4 Б = 4 А.... 5 Б = А... Святъ! озиває, 6 Б = 6 А..... 7 Б = 7 А, А вбозіі..... 8 Б = 8 А..... и Марію, 9 Б = 11 А.... ся радує, 10 Б = 12 А. Що....., 11 Б = 13 А. А Марія....., 12 Б = 14 А, Сіномъ.....

13) Сіно, сіно красне, якъ лилія,
14) По которимъ боці Марія
15) Всёму світу сина породила,

16) Миръ зъ неволі свободила.
17) Идуть пани монарховъ,
18) Питаються у домове,
19) Где дитина спочивае,
20) Надъ нимъ звізда возсіяе,
21 Б = 17 А..... проти схода,
22) Да везуть царя до Господа,
23) Да везуть цара — Бозке тіло;
24) Да прийми миро и кадило,
25) До рукъ своіхъ прийми злото,
26) А насъ благослови за то!

(*Малор. Лит. Сбор. Мордовцова.*).

## 99.

### А.

1) Небо й земля нині торжествують,
2) Ангели въ небі весело празднують,
3) Де Христосъ зъ Діви оплотився,
4) Ангели співають, царі витають,
5) Поклонъ намъ дають, пастирі грають.
6) Чуда, чуда повідають.
7) Ангели служать своёму королю,
8) И у вертепі творать ёго волю.
9) Христосъ родився, зъ Діви оплотився,
10) Слово отчее взяло наше тіло,
11) Темности землі сонце засвітило,
12) И ми, рожденни, поклонъ ёму даймо,
13) «Слава во вишніхъ» ёму заспіваймо,
14) А ми тому та й усі веселимся,
15) Рожденному поклонимся.

(*Любаръ, Новградволын. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А..... люди..... 3 Б = 3 А, Христосъ родився Богъ..... 4 Б = 4 А, 5, Пастрі играють, поклони дають, 6 Б = 6 А.

(*Млыновъ Дубенск. уѣз.*).

### B.

1 B = 1 A, 2 B = 2 A, 3 B = 3 A, 4 B = 4 A, 5 B = 5 A

6) Въ місті Вефлеємі стала ся новина,
7) Де чиста Панна сина породила.
8) Ангели служать своєму королю,
9) Де бо въ вертепі творять ёго волю.
10) Трія царія отъ востокъ прийдоша,
11) Злато и ливанъ — дари принисоша,
12) Цару и Богу тоє офіруютъ,
13) Пастирскія всімъ людямъ росказуютъ:
14) Слово отчеє взяло нашеє тіло,
15) Темності замнихъ сонце освітило,
16) И ми, рожденни, Богу покладаймо,
17) «Слава во вишній» ёму заспіваймо. —

(*Дубыще Староконст. у.*).

## 100.

### A.

Рожество Христово празднуємъ,
Христа рожденного восхвалимъ,
И граймо, и співаймо,
Рожденнаго вихваляймо,
Ёхлиімъ Иудейській!
Пішли до шопи витати пана,
Пішли до череди брати барана.
Побігъ Сава попереду,
А сколотивъ всю череду.
Заганяє анголъ Саву до буди —
Забрали скрипки, забули дуди,
А не знали кому грати,
Рожденного вихваляти.
Коло яселъ старий Осипъ
Оберемкомъ сіно носить.
Скоки, скоки!
Взявся старий Осипъ у боки.
Добрий вечіръ!

(*Любаръ, Новградволын. уѣз.*).

## Б.

Де Христосъ родився,
Той день празднуємо,
Рожденного въ шопі
Та й вихваляємо,
И граймо, и співаймо,
Рожденного вихваляймо,
Въ Вифлпємі Иуденьскімъ!
Радость намъ радость,
Радость не моя...
Пішла до череди
Брати барана,
Сколотили всю череду,
Пішовъ Сава попереду,
Въ Вифлеємі Иуденьскімъ!
Завернувъ аньолъ
Саву до буди,
Забрали фуяри, (?)
Забули дуди,
На которихъ пісьню грали,
Рожденного вихваляли
Въ Вифлеємі Иуденьскомъ!
Прийшла до шопи,
Ажъ тамъ панятко,
Марія зъ Юзефемъ
И мамъ дитятко.
Коло яселъ старий Іосифъ
Оберемкомъ сіно носить
Въ Вифлеємі Иуденскомъ!
Радость намъ, радость,
Радость не мала,
Якъ заграли въ стані,
Станя движала.
Танцёвали по всей стані,
Ще й хотіли на Ордані
Въ Вифлеємі Иуденськомъ!
Божая Мати не дозволила,
До Іосифа старця слова мовила:
«Возьми, старъ, Ивана,
Охристіте Христа-Пана.»
Въ Вифлеємі Иуденськомъ!»
Крикнувъ Іосифъ на пастирей всіхъ:

«Підіте, пастирі, води принесіте!
Ой, ззади, ззади, ззади, (?)
Нехай буде вино зъ води.»
Въ Вифлеємі Иуденськомъ!

(*Дубыще, Староконстан. уѣз.*).

## 101.

Днесь прийдіте, увидите
Бога въ яслахъ нашого.
Забачите, прославите
Въ миру Сина Божого,
Якъ убогий народився,
Въ пелюшечки оповився,—
Правда бо єсть въ семъ світу!
Казавъ Иродъ войську стати
По всей землі Христа шукати;
А якъ ёго не знайдете, —
Діти тніте, кровъ илліте
Для росказу моёго.
Иде войсько къ Иродові,
Дає знати самому:
«Нема Христа у крулевстві
И півъ-паньстві жадному.
Діти тяли, кровъ илляли
Для росказу твоёго».
А цариця-монархиня
Не могла ся втішити,
Що іі діти, яко квіти,
Казавъ Иродъ побити.
А Христосъ-Царъ іхъ приймує,
Імъ у небі місце готує —
Все ангели святні.
Приймуй же насъ, Христе-Цару,
И вся наша чоловікъ.
Ми будемъ вихваляти,
Имя твоє прославляти
Нині, прісно и во віки.
Иродові безбожному
Жити въ пеклі на-віки.
А ми тому радуймося,

Веселімся, не смутімся,
А въ рожестві Христовімъ.

*(Дубыще, Староконст. уѣз.).*

## 102.

Въ нашоі Влаильниці (?) днесь родився,
Изъ Діви Маріи оплодився,
Народився у вертепі,
У Давидовій шопі,
У Вифлеемі.
Прийшло къ рожденному
А тріє царія.
Познали же Христа,
Кладуть дари,
Младенца витають,
Цара прославляють
На цілий світъ;
А Гиродъ злосливий
Барзо взъівся,
Тимъ барзо узлився,
Же царомъ назвався
Въ ёго царстві;
Казавъ войсько випроводити
Цілимъ дворомъ,
Розказавъ точити
Невинну кровъ:
«Розказъ мій учиніте,
Вигубіть всі діти,
Въ моёму царстві.»
Казавъ свому и синові
Голову стяти,
Що вінъ пізнавъ Христа,
Та не давъ знати.
А потимъ жаловавъ,
Що сина позбавивъ,
Самъ пробився,
На чотирі десять тисячъ
Дітей побивъ,
И самъ свою душу
Давно погубивъ.
Побити діти

Царствують на віки!
Дай, Боже, й намъ.

*(Дубищс, Староконст. у.).*

## 103.

### А.

1) Нова рада світу ся зъявила,
2) Де чиста Панна сина породила.
3) Въ Вифлеемі въ неділлю барзо рано встають,
4) Пана пастирженьки за то витають.
5) Сріблом, злотомъ, берутъ заплати
6) Корони за то.
7) Иродъ казавъ жовнірамъ
8) Землю сплёндрувати,
9) Новорожденного въ вертепі шукати.
10) А старий Юзефъ колишеть дитятко:
11) «Люляй же, люляй, небесне пахолятко.»
12) И старий Юзефъ Марію споймае,
13) Ажъ до Египти съ Христомъ утікае.
14) Иродъ злосливий съ того ся засмутивъ,
15) Що Богъ предвічний другий ся народивъ;
16) Иродъ злосливий съ того ся засмущае,
17) Що Богъ предвічний весь миръ потішае.
18) Честь Богу, слава на високимъ небі,
19) А людямъ спокой на землянимъ подолі,
20) Добрий вечіръ.
21) Віншуемъ васъ сіми святками,
22) Що бисьте сіі святки щастьямъ и здоровьемъ опровадили,
23) Прошлаго року дождали.
24) Відъ прошлого року до сто літъ,
25) Доки вамъ панъ Богъ назначивъ вікъ.

*(Ушицкій уѣз.).*

### Б.

1) Въ місті Вифлеемі стала ся новина,

2 Б = 2 А... Панна чиста...., 3 Б = 3 А... місті.... охъ а... встають.

4) Витати Пана пастирямъ сказано.
5) Пішли пастирі и пана витати,
6) Взяли заплату по короні за то.
7) А Иродъ тому барзе засмутився,

8 Б = 15 А.. Царъ... зъ Панни народився, 9 Б = 7 А., Иродъ...., 10 Б = 8 А...., 11 Б = 9 А....

12 А ёго жовніри землю сплёндрували,

13 Б = 9 А... шукали, 14 Б = 12 А,...., 15 Б = 13 А..... вступає.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 104.

### А.

1) Народився намъ Спаситель,
2) Алиллуя!
3) Охъ, а ні радюжки,
4) А ні пелюшки,
5) Тилько сінця
6) Підъ колінця.
7) Алиллуя!
8) Лежить у жолобі,
9) У Божому домі.
10) Господи, помилуй!
11) А ти, Иванку,
12) Біжи по мамку.
13) Алиллуя!
14) А ти, Ониську,
15) Біжи по колиску.
16) Господи помилуй!
17) Христа колихати,
18) Бога вихваляти.
19) Господи, помилуй!
20) А ви, рибаки,
21) Біжить по раки.
22) Алиллуя!
23) Риби й плотиці,
24) Несіть владиці
25) Господи, помилуй!
26) Андрій зъ морозомъ
27) За дробинястимъ возомъ,

28) Алиллуя!
29) Везе намъ горілки,
30) Четирі барилки.
31) Господи, помилуй!
32) А Иванъ и зъ медомъ
33) Та за ними слідомъ.
34) Алиллуя!
35) А Михаілъ въ трубу
36) Реве на всю губу.
37) Господи, помилуй!
38) Годі гомоніти,
39) Часъ горілку пити.
40) Господи, помилуй!

(*Любаръ, Новградволынску*).

## Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А.!

3) Сёго світа Откупитель,

4 Б = 10 А! 5 Б = 8 А. я.....,

6) Нема ніцъ на собі,
7) И постель убога —
8) Самая солома,

9 Б = 11 А.., 10 Б = 12 А.

11) Христа забавляти,
12) Не дати плакати,

13 Б = 14 А..... Дениску, 14 Б = 15 А...., 15 Б = 17 А....,

16) Не дати плакати,
17) А той Иванко.
18) Несе медъ изъ дзбанкомъ,
19) Будемъ усі пити
20) И Бога хвалити.
21) А мій батько джура
22) Ничого не знаэ,
23) Напієтьця сивухи,
24) Все тилько співае.
25) Ідуть по морозі

26 Б = 27 А... 27 Б = 29 А..., 28 Б = 30 А. —

29) Тамъ на горі, на горі,
30) Тамъ святиі собори,
31) Тамъ святи зобрали

32) И праздниковали.
33) А Святий Микола
34) Седить въ конець стола,
35) Перехиливъ шапку,
36) Бере въ танець Ганку.

*(Ковельскій уѣз.).*

## 105.

Даръ нині пребогатий отъ небесъ прииде,
Яко капля каплющая на землю знийде.
Богъ во утробі Дівою слова вселися,
Отъ нея же невидимо миру виявися.
Богъ одъ Діви плотію днесь ся рождае,
Темночность прийде, ясность зрячно всюди сіяе.
Якъ небо второе вертепъ явися
И во ясляхъ Богъ возложися,
Ангельскія всі хори зъ небесъ зближають
На облацехъ веселие пісні співають,
Пастеріе на свіреляхъ пісні співають.
Аки небо второе вертепъ явися,
Где у яслі Богъ убогихъ возложися.
Пастеріе на свірелі пісні голосять,
Пріемъ царі дари Богу приносять.
Главана, смирно и злато—даръ приносимо,
Съ чистимъ серцемъ Отца и Сина-Бога молімо,
Даби ниспослали Духа Святого,
Тройцу, спасающую насъ христіянъ,
Бисьми могли вихвалять на Йордані.
Рачъ намъ, Христе, добротливий тое здарити,
И съ тобою царствіемъ твоімъ на віки жити.

*(Любаръ, Новградволынск. уѣз.).*

## 106.

Богъ Предвічний народився, прийшовъ днесь со небесъ,
Аби бувъ миръ увесь розвеселився.
Трія царія ідуть, сударі, въ Вифлеемъ до міста,
Де Панна Пречиста сина родила;
Звізда ясна возсіяла въ дорозі,
Всімъ ознаймила о Бозі.
Трія царія йдуть, сударі, до міста въ Вифлеемъ,

Віншуйемъ васъ покоімъ, да повернемся...
И иншимъ пунтомъ повернули,
Поганого, безсудного, безбожного Ирода исповиділи,
«Слава Богу,» заспиваймо Синові Божому.
И панові нашому честь-хвалу даймо.

(*Дубище*).

## 107.

Возсіяло сонце місяць у вертепі,
А Сусъ Христосъ въ Давидовий шопі
Зімно терпить и дрожить,
Въ которихъ руцяхъ світъ держить.
Сонце, місяць весело ся грає,
Фальма фальмі древо процьвітає.
Фальма на фальмі и деброві,
Хвалимо Бога всі здорові.
Ой ти, Давиде, свої гусла стрій,
Грай всслоі, Богу ся моль, моль.
Ой ти, Авраме, старий чоловіче,
Подобавъ есь собі жити въ небі вічне,
Якъ бись бувъ въ небі живъ
И со святими пісьмо півъ:
Ой єдиная пісьня — Марія єдиная,
А другая пісьня—Ганно, заспіваймо:
Аліллуя, аліллуя, радуйся, Діво Марія!
Ой де то Ангели та пісьню співають,
Всевишняго Бога завжде вихваляють:
«Слава, слава, слава, Рожество,
Слава на віки, Божество.»

(*Дубище, Старокон. у.*).

## 108.

Пане господару, ми твого двору, —
Святий вечеръ!
Ми твого двору не минаємо.
Вставай съ постелі, одчиняй двері:
Прийде до тебе Діва Марія,
Діва Марія и Святий Миколай.

Сяде Миколай у конець стола,
У конець стола книги читати,
Книги читати, тебе питати,
Чи навчаєшъ ти діти малиі
Богу молиться, старшимъ кориться?
Діва Марія стане питати,
Чи навчаєшъ ти діти малиі
Книги читати, въ церковъ ходити,
Святе Рожество праздникомъ чтити,
Батька, матінку вірне любити. —

*(Великіе Снитинки, Василк. уѣз.).*

## 109.

Чи въ-дома, дома, пане господару,
Богъ тебе кличе на порадоньку,
Обіця тобі вродити сто кіпъ жита,
Дай же тобі, Боже, въ щастю прожити.
Чи въ-дома, дома, пане Господару,
Богъ тебе кличе на порадоньку,
Обіця тобі сто кіпъ пшениці вродити,
Дай же тобі, Боже, въ щастю прожити. *)

## 110.

Бу҃гъ помогай, пане господару, одъ тебе,
Одчиняй двіръ-воротечка одъ себе.
Бу҃гъ тебе зове, даръ тобі дає:
Широке поле, жито густеє,
Коренистеє, стеблистеє,
Колосистеє, ядренистеє.
Изъ колосочка — жита мисочка,
А зъ снопочка — три зъ-верхомъ бочки.
Чимъ же тоє пожинатойка?
Правимъ плечемъ, острим мечемъ.
Наставлявъ копокъ,
Якъ на небі зорокъ;
Наставлявъ стогівъ

*) Повторяется на всѣ сорты хлѣба.

На чотирі рогівъ.
Чимъ же тоє повозитойки?
Тими волами,
Якъ соколами;
Тими кіньми,
Якъ сокильми.
Комужъ тоє поживатойка.?
Тому господареві зъ господинькою,
И зъ жоною, зъ дітойками,
Зъ сусідами, зъ приятелями.

(*Вел. Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 111.

Пане господару,
Вийди-но на двіръ,
Ой дай, Боже, вийди но на двіръ,
Вийди-но на двіръ.
Щось тобі давъ Буигъ
Ой...
Ой давъ тобі Буигъ
Пшениці копу.
Ой...
Копа пшениці
На паляниці,
Ой...
А стожокъ гречки
На варенички.

(*Забрудый, Ковельск. уѣз.*).

## 112.

А въ пана Ивана умная жена —
Буигъ ёму давъ;
Ой Буигъ ёму давъ умную жену
У ёго домі.
Да по сіняхъ ходить,
Якъ місяць сходить —

Буигъ ёму давъ. *)
Нанняла вона три городочки:
Первий городокъ — усе кравчики,
Другий городокъ — усе ткачики,
Третій городокъ — усе шевчики.
Да сажає синкуивъ въ чотирі рядки,
Сажає дочки у три рядочки.
Ткачики идуть, полотно несуть,
Шевчики идуть, юпочки несуть.
Бувай здоровий, пане Ивашку,
Не самъ собою, зъ своєю женою
И зъ Сусомъ Христомъ, святимъ Рожествомъ.

(*Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

## 113.

А у пана Платона
Золотиі ворота.
Радуйся, ой радуйся, земле!
Милосердний Боже нашъ надъ нами!
А за тими ворітьми
Стоять столи тісовиі;
А за тими столами
Сидять святі зъ книгами;
Служать вони службоньку
А за пана Платона;
Служать вони другую
А за ёго жену;
Служать вони третюю
А за ёго діточокъ.

(*Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

## 114.

Въ пана господара
Збудованъ двуиръ зъ білого заліза,
А ворітечка зъ жовтоі міді
Стоять въ наметі.

---

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

А въ тихъ наметяхъ пишная пàня.
Що жъ вона робить?
Листоньки пише, книги читає.
Хто жъ єі навчивъ
Листи писати, книги читати?
Навчила єі рундная мати,
Въ кудрявімъ пиві викупуючи,
Въ дорогу крамнину сповиваючи,
Въ білихъ ручкахъ вихитуючи.
За сімъ же словомъ да й бувай здоровъ

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз*).

## 115.

Ци много насъ є, панове молодці?
Красний панъ,
Красная пані, сядай на коника
И грай імъ.
Изложимося по золотому, по червоному,
Красний панъ,
Красная пані...
Укупимо собі золотого човна,
Срібне весельце,
Та поідемъ собі краемъ Дунаемъ,
На имя Ивана пана шукаемъ;
То ми ёму будемъ вірно служити,
То вінъ намъ буде добре платити:
Що неділейки по золотому,
Що місячейка по червонному.

(*Вел. Глушка, Ковельск. уѣз.*).

## 116.

### А.

1) Ой за річкою, за Синюхою,
2) Тамъ оре плужокъ
3) Все восмеричокъ;
4) А за тимъ плужкомъ
5) Кгречний молодче,
6) Иване хлопче.
7) Прийшовъ до нёго
8) Батечко ёго:
9) «Ой ори, синку,

10) Дрібненьку скибку,
11) Та посіємо
12) Яру пшеницю,
13) То вредить же намъ
14) Яра пшениця,
15) Та зберемъ женцівъ
16) Сімъ сотъ молодцівъ,
17) Накладемъ кіпокъ,
18) Якъ на небі зірокъ,
19) Та зберемъ возівъ
20) Сімъ сотъ обозивъ,
21) Та повеземъ яру пшеницю
22) Крайемъ Дунаємъ,
23) Накладемъ стожокъ
24) На крутій горі
25) Тонкий, високий,
26) Верхомъ широкий.›
27) Вінчуємъ тебе,
28) Кгречний молодче,
29) Иване хлопче!
30) А ціі святки
31) Святкуй-же здоровъ,
32) А другі въ Бога
33) Желай здоровля.

*(С. Перейма, Балтск. уѣз.).*

## Б.

1) Гой дай, Боже!
2) Підъ дубиною, підъ зеленою,

3 Б = 2 А..., 4 Б = 3 А Все... 5 Б = 4 А нимъ ходить 6 Б = 5 А... молодець Иванъ.

7) Лівою ручкою
8) Чипижку держитъ,
9) Правою ручкою
10) Богу ся молитъ.
11) Єму ненечка істоньки носитъ
12) И Бога проситъ:
13) Зароди, Боже,

14 Б = 12 А... на проскури 15 Б = 13 А... стебло, 16. Срібне-злоте зерно. 17. Та нажнемъ кіпъ, 18 Б = 18 А... звіздъ

19) Сядемо межи копами,
20) Якъ ясний місяць
21) Межи звіздами,
22) Та звеземо єі на тихий Дунай,
23) Подъ крутий берегъ,

24 Б = 23 А... стирту

25) Стрішку високу,
26) Всподі широку,
27) Завершемо єі сивимъ соколомъ.
28) Сивъ сокілъ седитъ,
29) Далеко видитъ
30) На тихій Дунай.
31) Відъ сёго слова
32) Будь же здорова.

(*Ушицкій уѣз.*).

## В.

1) Пане господару, на вашімъ дворі росте деревце
2) Тонке високе, вверху кучеряве.

3 В = 1 Б.

4) На тимъ кудрявці
5) Сивъ сокілъ сидитъ,
6) Далеко видитъ.
7) Ой видитъ же вінъ чистеє поле,
8) Въ чистимъ полі плужокъ оре

9 В = 4 А..

10) Святий Петро ходитъ,
11) А Святий Павло
12) Воли поганяє.

13 В = 11 Б. Пресвятая Діва...., 14 В = 12 Б. Ой носитъ... 15 В = 9 А..., 16 В = 10 А Тоненьку..., 17 В = 14 Б.... проскурицю 18 В = 15 А.. зженемъ.. 19 В = 16 А... 20 В = 17 А... кіпъ, 21 В = 18 Б.. 22. Сженемо вьязочокъ — 23. Сімъ сотъ дівочокъ 24 В = 19 А... зженемъ... 25 В = 20 А.., 26 В = 22 Б...

27) Покриємъ єі очеретиною,
28) Припівзимъ (?) єі павутиною.
29) Віншуємъ васъ сею колядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 117.

Ой у полі, въ полі
Стоять нові двори;
А въ тихъ новихъ дворкахъ
Новиі ворота;
На тихъ воротяхъ
Пташки ночовали, (bis)
Злото подбивали.
Сличная панна
Да тамъ дохожала,
Злото позбирала,
Золотару дала.
«Зроби мені три причиноньки:
Перва причинонька — дорогая сукня,
Друга причина — павинъ віночокъ,
Третя причина — золотий перстень.

(*Рокитно, Овручск. уѣз.*).

## 118.

### А.

1) Що въ конець мосту да калинового,
2) Тамъ стояла світлочка помурованая,
3) А въ тий світелочці да красная панна.
4) Шинковала вона медомъ и виномъ,
5) Медомъ и виномъ, и кудрявимъ пивомъ.
6) Й а пришло жъ до еі три волошини,
7) Да три волошини, да три хорошиі:
8) «Да красная панно, продай намъ меда и вина,
9) Продай меду и вина й кудрявого пива.»
10) Ой пили жъ іли да й не заплатили.
11) А вона-жъ бо іхъ да й пограбовала:
12) У одного взяла вороного коня,
13) А въ другого взяла ясную шабельку,
14) А въ третёго взяла золотий перстнечокъ.
15) Вороного коня да батеньку оддала,
16) А ясную шабельку — рідному братіку,
17) А золотий перстнечокъ да сама зносила,
18) Да сама весь світъ заросила.

(*С. Плиски, Берзенск. уѣз.*).

### Б.

1 Гой дай, Боже (послѣ каждаго стиха) 2 Б = 1 А коло мосту..., 3 Б = 2 А... коршомка горіхова 4 Б = 3 А... коршомці кгречная...,

5) Шинкує жъ вона трома шинками:
6) А першимъ шинкомъ — солодкимъ медкомъ
7) А другимъ шинкомъ — зеленимъ виномъ,
8) А третимъ шинкомъ — горілочкою.

9 Б = 10 А... пили... 10 Б = 11 А... взяла... пограбила.

11) По горі пави ходили,
12) Пірья ронили.
13) За ними ходила кгречная панна.
14) Кгречная панна пірья збірала,
15) Пірья збірала, на столикъ клала,
16) Изъ столка брала, неньці давала:
17) «То жъ тобі, ненько, за твоє коханнячко,
18) Щось мене викохала,
19) Якъ утя на воді, та людямъ — не собі.»
20) Відъ сёго слова будь же здоровъ. Добрий вечеръ!

### В.

## 119.

Шумить, гуде, дубровою йде...
Пчолонька-мати пчолоньку веде.
«Пчолоньки моі, дітоньки моі,
Ой дежъ ми будемъ при саду мати
Роі роіти, и меди носити?»
—Будемо ми при саду роі роіти
И меди носити у пана господара,
У ёго бортяхъ и въ ёго новицяхъ:
Медокъ солодокъ пану господару,
Жовтие воски Богу на свічу.
За симъ же словомъ дай бувай здоровъ.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

## 120.

Гей лелію (?) съ-пудъ дуброви,
Съ пудъ зеленоі. Гей лелію,

Вибігає сивий кінь вороний,
За тимъ конемъ білоє дитя,
Білоє дитя, на имя Максимъ,
Бежучи, промовляє:
«Ой хто мого коня зловить,
Тому буде чаша злота,
Чаша злота, а дві срібла.»
Ишла дівчина рано по воду,
Взяла коня за цукгойки, (?)
Его молодого за ручейки,
Завела коня до стаєньки,
Его молодого до світёлки;
Дала коню овса, сіна,
Ему молодому меда и вина;
Дала коню куль соломи,
Ему молодому пухові подушки..
Сама сіла въ конця стола,
Загадала загадойку.
Ой, хто іі одгадає,
Тому буде чаша злота,
Чаша злота и дві срібла.
«Злото моє, и срібло моє,
И ти моя, красная панно!»

(*Вел. Глуша, Ковельск. уѣз.*).

## 121.

Зелений дубочокъ
На яръ похилився...
«Дякую тобі, мати,
Да що ти породила,
Тилько не дякую,
Що не оженила.»
«У тебе, сину,
Денегъ много —
Купи собі коня вороного.
Ти ёго осідлаєшъ,
На всю нічъ ступаєшъ.»
«Бодай тобі, мати,
Такъ тяжко конати,
Какъ мні съ конемъ розмовляти!.
Пудъєжаєшъ до корчомки,
Въ станку привязуєшъ,
Да питаєшся шинкарки,

По чимъ кварта горілки?
— Да чому не питаешся,
По чимъ овса мірка?
Ой коню-жъ муий, коню,
Дамъ сіна по коліна,
А води по персти,
А овса по очи.
— Гуляй, гуляй, муий хозяю,
Хоть по цілой ночи.

(*М. Скородне, Мозырск. уѣз.*).

## 122.

Шила-пошила три ширмички:
Що перву шила, то сребромъ-злотомъ,
А другу шила, то разнимъ шовкомъ,
А третью шила, то заполоччу.
Що сребромъ-злотомъ, то батеньку
Що разнимъ шовкомъ, то матюнці.
А заполоччу, дакъ то братіку.
N пані говори зъ нами стихенька (?)

(*С. Колошовка, Черниговъ. уѣз.*).

## 123 *).

Ой у городі коноплиночка.
Червоне, червоне вино,
Въ неділю рано сажено.
На той коноплинці,
Ремчаньська (?) роса.
Пошла N
Роси збирати;
Позбирала росу
Въ поливану мису,
Понесла росу
До золотарика.
«Золотаръ, золотарикъ,
Скуй мені персникъ,
Що й обрізочки —
То на квіточки,

*) См. № 117.

А окравочки —
То на хрестички.»

Червоне, червоне вино,
Въ неділю рано сажено.

(*Колошовка, Черниговъ. уѣз.*).

## 124.

### А.

1) А въ лузі-лузі красна калина...
2) Святий вечоръ!
3) А ще краснійша Іосипа дочка;
4) До церкви йшла, якъ зоря зойшла,
5) А зъ церкви йшла красною панною.
6) А въ сінечки увийшла — сінечки сяють,
7) Да сінечки сяють, пани стрічають,
8) Да пани стрічають, єі питають:
9) «Чи ти царуивна, чи королуивна?»
10) — Я не царуивна, не королуивна,
11) Да Іосипова дочка, дівка Ганночка.
12) Да за ці приспівки кварта горілки,
13) Кольце ковбаски, зъ вашоі ласки.

(*Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А., 2 Б = 2 А., 3 Б = 3 А... у батька...
4) У батька дочка, дівка Катерина.

5 Б = 4 А..., 6 Б = 5 А., 7 Б = 6 А. Увійшла въ сіночки..., 8 Б = 7 А... 9 Б = 8 А., 10 Б = 9 А?, 11 Б = 10 А..., 12 Б = 11 А. Я въ батька... Катеринка.

13) Да бувай же здорова, дівко Катеринко,
14) Не сама зъ собою — зъ отцемъ, зъ маткою,
15) Зъ Исусомъ Христомъ, зъ Святимъ Рожествомъ.
16) Вечоръ добрий, давайте пирігъ довгий.

(*Иваньковъ, Переяслав. уѣз.*).

### В.

1) А въ саду, въ саду да въ винограду,
2) Ой тамъ Мотречка прибіралася,
3) Прибіралася, наражалася:

4) Скідала платте все крамовеє,
5) А надівала все золотеє,
6) Пошла до церкви ясною зорою,

7 В = 5 А. Вийшла изъ церкви..., 8 В = 6 А. Пошла у сіни..., 9 В = 7 А. Панове стали ій... 10 В = 8 А. Шапки знімали..., 11 В = 9 А...? 12 В = 10 А...

13) Батькова дочка, якъ ягодочка,
14) Матчина дочка — журавиночка.

(*Горностайполь, Радомысл. уѣз.*).

## Г.

1) Ой чого у світилці пізно світилось?

2 Г = 2 А!, 3 Г = 2 В. Ой... Ганночка усе... 4 Г = 2 А!

5) А прибравшися, до церкви пошла,
6) Тамъ єі встрічали, шапки знімали,

7 Г = 10 В.... 8 Г = 11 В..? 9 Г = 12 В..,

10) Я паняночка, Грицькова дочка.

(*Въ сѣверныхъ уѣз. Черниов. губ.*).

## Д.

1) Расна калина въ лузі,
2) Ще найкраща Катерина въ батька.
3) По двору ходить, якъ місяць сходить,
4) Тріски збірає, якъ зора сяє.

5 Д = 7 Б...

6) Ввішла въ світлоньку — пани встають,

7 Д = 10 В... знімають....

8) А іденъ каже: чія це дочка?
9) Другий каже: королівночка.
10) А батько каже: це моя дочка,
11) Це моя дочка, такъ якъ панночка.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 А. Ой ясна-красна въ лузі..., 2 Е = 2 Д... въ батька дитина, 3 Е = 3 Д. Кгречная панна..., 4 Е = 4 А... сіней вийшла...

5) До хати ввійшла, якъ паняночка.
6) Передъ нею пани шапки здиймають,

7 Е = 7 Д..: 8 Е = 9 А...,

9) Отцова дочка, якъ паняночка.
10) Відъ сёго слова бувай здорова,
11) Кгречная панна N.
12) Дай же ти, Боже, въ городі зілля,
13) А въ дому весілля.
14) Дай же ти, Боже, веселитися,
15) А намъ, молодцямъ, подивитися.
16) Добрий вечіръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Ж.

1 Ж = 1 Д. Ясна..., 2 Ж = 2 Д. Але... Ганнуся...,

3) Ой дай, Боже!

4 Ж = 4 А. До сіней війшла...

5) До хати прийшла—панове сидять,

6 Ж = 7 Д:, 7 Ж = 9 А. Ой що те за королівна, 8 Ж = 13 В... вихованочка.

9) На городі тикви, въ хаті музики,
10) На городі зілля, въ хаті весілля.

(*Ушицкій уѣз.*).

## З.

1 З = 1 Д. Ой красна..., 2 З = 3 Б., 3 З = 4 Б... Ганночка, 4 З = 5 А До..., 5 З = 5 А... ясною зорою...

6) У двіръ уходить, якъ місяць сходить,

7 Р = 6 А.,

8) Въ покоі ввійшла — свічи палають,
9) Свічи палають, пани вставають,

10 З = 6 Е. Пани вставають..., 11 З = 7 Д:, 12 З = 9 А?, 13 З = 10 А., 14 З = 11 А. Я въ батька...

(*Велик. Снитинки, Васильков. у.*).

## И.

1 И = 1 Е... рясна..., 2 И = 3 А... N..., 3 И = 3 Д, 4 И = 6 А... якъ зора зійшла, 5 И = 7 А. Въ хату прийшла..., 6 И = 8 А.... шапки знімають, 7 И = 7 Д:, 8 И = 9 А?, 9 И = 10 А. То-жъ..., 10 И = 10 Д. То дівчина N...

11) Ми єі поважаємъ,
12) Святимъ Рожествомъ поздравляємъ,
13) Зъ отцемъ и зъ ненькою, и зъ усімъ родомъ.

(*Обыч. и пов. мал. Маркев. стр. 26*).

## К.

1 К = 1 И, 2 К = 2 Б., 3 К = 3 А., 4 К = 3 Д., 5 К = 4 Ж., 6 К = 5 И. 7 К = 6 И. 8 К = 7 И:, 9 К = 9 А?, 10 К = 9 И., 11 К = 10 И., 12 К = 11 И. 13 К = 12 И. Зъ Різдвомъ...., 14 К = 13 И... зъ маткою...

(*Въ сѣверныхъ уѣз. Черниг. губ.*).

## Л.

1 Л = 1 З... красна..., 2 Л = 2 А!,

3) Краснішъ же того дівочка въ батька.

4 Л = 5 Б.,

5) А въ церкві стала — церковъ засяла.
6) Тамъ пани стояли, шапки знімали,

7 Л = 10 В:, 11 Л = 9 А?, 12 Л = 10 А., 13 Л = 13 В., 14 Л = 13 Б.... славная панна, 15 Л = 13 И.,

16) И зъ усімъ родомъ, и зъ милимъ Богомъ.

(*Колошовка. Черниговск. уѣз.*).

## М.

1 М = 1 Ж, 2 М = 2 И., 3 М = 3 Д., 4 М = 5 К.

5) Въ світлоньку ввійшла — пани вставають,

6 М = 8 К:, 7 М = 9 К?, 8 М = 11 А.

(*Рук. Сбор. Лукашевича.*)

## Н.

1 Н = 1 К.,

2) Ой дай, Боже.

3 Н = 3 Б... дитина, 4 Н = 4 М.,

5) Ой дай, Боже.

(*Ушицкій уѣз.*).

### О.

1 О = 1 А., 2 О = 2 А!, 3 О = 3 А... въ N..., 4 О = 4 А., 5 О = 5 А., 6 О = 6 А. Пани встрічали..., 7 О = 10 В:, 8 О = 9 А?, 9 О = 10 А.,

10) Дівка - панночка, NN дочка.

## 125.

Ой пошовъ Павло въ поле орати—
Ой грай, море, радуйся, земле!
Въ наше поле орати, жита сіяти.
Уродило жито високе, буйне.
Наставлявъ женцівъ
Попуивъ да ченцівъ;
Нажали куипокъ,
Якъ на небі зирокъ...
Ходить Павло по межъ копами,
Ой якъ той місяць по межъ зорями.

(*М. Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

## 126.

### А.

1) Зажурилась крутая гора —
2) Святий вечоръ!
3) Що не вродила шовкова трава,
4) Да й уродило зелене вино.
5) Да дівка Варочка вина стерегла,
6) Вина стерегла, белзе заснула.
7) Ой налетіли райськиі пташки,
8) Вино попили, чаші побили.
9) Ой прокинулась дівка Варочка:
10) «Ой шуги въ луги, райськиі пташки,
11) Да вина не пийте, чашей не бийте.»

(*Борисполь, Переяславск. у.*).

### Б.

1 Б = 1 А. Да..., 2 Б = 3 А., 3 Б = 4 А... 4 Б = 5 А. Тамъ...

5) Хусточку шила,

6 Б = 6 А. Хусточку шила, міцно.... 7 Б = 7 А...,

8) Да полюбили вино зелено.

9) Да прокинулась красная панна;

10 Б = 10 А...,

11) Не дзюбайте це вина зеленого.»

(*Козелецъ, Черниговск. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А. Якъ..., 2 В = 2 А!, 3 В = 3 А., 4 В = 3 А., 5 В = 4 Б. ой....., 6 В = 6 А... крепко.., 7 В = 7 А. Дай..., 8 В = 8 А..,

9) Чаши побили еі збудили.

10 В = 10 А..., 11 В = 11 Б. Ой не пийте...

12) Вино зелене людямъ надобно.

13) Кудряве пиво людямъ на диво.

(*Колошовка, Черниговск. уѣз.*).

## Г.

1) Зажурилися гори, долини,

2 Г = 3 А..., жито, пшениця, 3 Г = 4 А. Але... 4 Г = 5 В. Гарная панна..., 5 Г = 6 Б... міцно..., 6 Г = 7 В. Ой де ся взяли.., 7 Г = 8 Б. Взяли... зелене вино, 8 Г = 9 Б. Да пробудилася кгречная... 9 Г=10 Б. «Гая, гая..., 10 Г = 11 Б... вино мені потреба:

11) Маю братечка на оженнячку,

12) Маю сестру на відданнячку,

13) Сама молодая заручена.

14) Відъ сёго слова бувай здорова,

15) Не сама собою, зъ отцемъ, маткою

16) И всею челядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 Г..., 2 Д = 2 Г., 3 Д = 3 Г...,

4) Стерегла ёго кгречная панна,

5 Д = 5 В. Стережучи, твердо..., 6 Д = 7 Б. Взяли...

7) Ззіли, спили зелене вино.

8) Пробудилася — засмутилася

9 Д = 9 В гиля, гиля...

10) Не спивайте зелене вино,
11) Бо мені вина дуже потреба:

12 Д = 11 Г..., 13 Д = 12 Г.. сестричку..., 14 Д = 13 Г...

15) За симъ же словомъ будьте здорови.

16 Д = 15 Г..., сами..., 17 Д = 16 Г...

(*Ушицкій уѣздъ*).

## Е.

1 Е = 1 А. Ой гула, гула..., 2 Е = 3 А..., 3 Е = 4 А... тильки..., 4 Е = 4 Г. красная..., 5 Е = 5 В.., 6 Е = 6 В. Якъ..., 7 Е = 8 Б... зелене вино.

8) Та й пробудили красную панну.
9) Ой скоро жъ вона тее учула,
10) Своімъ рукавцемъ на іхъ махнула:

11 Е = 9 В...!, 12 Е = 11 В. А мені вина самій...

13) Брата женити, сестру давати,

14 Е = 13 Г..!

(*Zegota Pauli*).

## Ж.

1) Була въ батенька нова світлонька,
2) А коло неі садокъ саженний,
3) Садокъ саженний, злотомъ ряшений,

4 Ж = 4 А. А въ тимъ садочку...,

5) Стерегла жъ ёго красна дівойка,
6) Та стережучи, шитенько шила,

7 Ж = 6 Б Шитенько... твердо... 8 Ж = 7 Б...,

9) Сіли-упали на злоту рясу,
10) А золота ряса та зазвеніла,
11) Въ тимъ ся дівонька зъ сну пробудила:

12 Ж = 10 Б... гушу! гушу...,

13) Не вашъ то батько садочокъ садивъ,
14) Садочокъ садивъ, все злотомъ рясивъ,

15 Ж = 12 Е. зелене...,

16) Маю братенька на ожененню,

17 Ж = 13 Г... на відданню.

(*Русалка Днѣстровск.*).

### З.

1) Ой ясна, красна у лузі калина,

2 З = 2 А!

3) А ще красніша у пана дочка Орина;

4 З = 6 А... кріпко...: 5 З = 7 А:, 6 З = 8 А., 7 З = 10 А:

8) Чашокъ не бийте, вина не пийте,

9) Намъ сёго вина багато треба —

10 З = 13 Е.!

11) Пане-господарю,

12) Зъ празникомъ поздоровляю.

(*Сборн. Метлинск., стр. 331*).

### И.

1 И = 1 А., 2 И = 3 А., 3 И = 4 А. Ой..., 4 И = 5 А. того вина N... 5 И = 6 Ж... рукавця..., 6 И = 6 Б. Рукавця... бардзо.... 7 И = 7 А., 8 И = 9 А. Якъ... N., 9 И = 10 А., 10 И = 11 Б... зеленого вина, 11 И = 11 Д. Намъ свого... бардзо..., 12 И = 13 Е.,

13) Я, молодая, зарученая.

(*Великіе Снитинки, Васильков. уѣз.*).

### К.

1 К = 1 Е., 2 К = 2 Е., 3 К = 3 Е., 4 К = 4 Е., 5 К = 5 В., 6 К = 6 В. Якъ... пташечки, 7 К = 7 Г. Взяли..., 8 К = 8 Е Дай..., 9 К = 9 Е., 10 К = 10 Е:, 11 К = 9 В., 12 К = 12 Е... треба й самій:, 13 К = 13 Е., 14 К = 13 И. сама...

(*Обыч. и пов. мал. Маркев., стр. 24*).

## 127.

Наша панночка-господиночка
Въ збіръ ся збірала, въ шафранъ (?) на землю,
Єі подружечьки все въ серпаночці.
Казала собі налою (?) дати,
Налою дати, солодкого меду, —
Єі подружечки — зелене вино,

Єі кухарочки — все горілочки.
Та казала собі снідання дати,
Снідання дати, все гусятину,—
Єі подружечки — все качатину,
Єі кухарочки — все курятину.
Та пішла собі въ органи грати,—
Єі подружечки — все на скрипочки,
Єі кухарочки — все въ сопілочки.
За сімъ словомъ бувай здорова,
Бувай здорова, пані господиня,
Не сама собою, зо всею челядкою.
Віншуємъ тебе сею колядкою,
А Господь Богъ щастямъ, здоровлячкомъ.
Добрий вечиръ.

(*Ушицкій уѣзд.*).

## 128.

Наша панночка, господинёчка
Ключами дзвонитъ, до нихъ говоритъ:
«Ой ключи моі, срібни-золоти,
Ой не дзвоніте, не голосіте,
Ой мого пана ой не збудіте;
Бо мій панъ теперъ й а зъ гіръ приіхавъ,
Привізъ вінъ мені дорогиі дари,
Дорогиі дари и шлякъ по землю.»
Наша панночка, господинёчка
Ключами дзвонитъ, до нихъ говоритъ:
«Ключи моі, срібни-злоти,
Ой не дзвоніте, не голосіте,
А мого пана та й не збудіте;
Бо мій панъ теперъ й а зъ гіръ пріихавъ,
Та привізъ мені дорогі дари —
Шовковий поясъ.»
Наша панночка, господинёчка
По світлоньці ходитъ, ключами дзвонитъ:
«Ой ключи моі, срібни-злоти
Ой не дзвоніте, не голосіте,
Мого паночка не збудіте;
Бо мій панъ теперъ й а зъ гіръ приіхавъ,
Привізъ мені золоти дари,
Дороги дари: тонкий рубокъ,

Дорогий шалёнъ по саму землю;
Шовковий поясъ крижі покривъ,
Тонкий рубокъ на всю голову.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 129 *).

У нашого пана хороша пані,
Богъ ёму давъ славную жену у ёго дому!
По двору ходить, якъ місяць сходить;
По сінцяхъ ходить, якъ зоря сходить.
Садила синки въ чотирі рядки,
Садила дочки въ три рядочки.
Синочки зросли — у школу пішли,
А дочки зросли — у швачки пішли;
Синочки идуть, книжечки несуть,
А донечки идуть—хусточки несуть:
Книжечки на стілъ, батеньку до нігъ,
А донечки хустки на пілъ, матюньці до нігъ.

(*Народ. юж. рус. пѣс. Метлинскаго, стр. 332.*).

## 130 **).

Ой въ бору сосна съ самаго злота;
Святий вечеръ!
Туди ишла дівка Ганночка,
Виламала гіллячку съ самого вершечку,
Понесла єі до злотарниківъ:
«Ой злотарники, моі братіки,
Искуйте мені золотого перстника.
Треба скувати, та нікимъ подати:
Пошлю съ перстникомъ меньшу сестру,
А меньша сестра краще за мене —
Іі похвалять, мене погудять:
Понесла бъ сама, сама — молода, заручeнная.»

(*Великіе Снитинки, Васильков. уѣз.*).

---

*) См. № 112.
**) См. №№ 117 и 123.

## 131.

Була въ батька єдна дочка;
Гой дай, Боже. *)
Прийшли до неі три старости.
Ой що жъ мамъ дати за воротами?
Дати імъ, дати біли калачи
Зъ ярої пшениці.
Ой що жъ мамъ дати въ вишневимъ саду?
Дати імъ біли рушники,
Шовкови тороки.
Ой що жъ мамъ дати підъ сіньми съ кіньми?
Дати імъ дати кгречную панну N.
А за симъ словомъ бувайте здорови,
Не самъ собою — зъ отцемъ, маткою,
И зо своєю челядкою.
Віншую васъ колядкою:
Вамъ колядка, а намъ пива бочка...
Бочка не бочка, хоць коновочка.
Съ того жарту,
Хоць горілки кварту...
Кварту не кварту, хоць кватирочку
За колядочку.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 132.

Гей по горахъ, по шовковихъ травахъ,
Біли вівці ходятъ;
А за ними ходитъ кгречний молодчикъ N.
Ой ходитъ, ходитъ та й въ труби трубитъ.
Якъ затрубитъ въ роговую —
Пошли голоса въ темниі ліса,
Якъ затрубитъ въ мідяную —
Пошли голоса въ чистиі поля,
Якъ затрубитъ въ золотую —
Пошли голоса по підъ небеса.
Небеса ся растворили,
Всі святи ся поклонили.

(*Ушицкій уѣз.*).

---

*) Послѣ каждаго стиха.

## 133.

Ми въ нашоі господиньки,
Ми за еі столомъ,
Ой дай, Боже. *)
Ми въ неі пьемъ пиво,—
Все колядничкн, все ремеснички.
Ой наша господинька, ходя-походя
Ключиками звонитъ,
Ключиками звонитъ,
Медъ вино носитъ,
Та й шевчиківъ проситъ:
«Моі люби шевчики, медъ вино пийте,
Та й сукенки шийте!»
Ой наши господиньки ходятъ, походя
Ключиками звонятъ,
Ключиками звонятъ,
Медъ вино носятъ,
Та й кравчиківъ просятъ:
«Моі люби кравчики,
Шийте на ніжечки черевички.
Ой дай, Боже!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 134 **).

Ой селомъ, селомъ Куриговцями —
Ой дай, Боже!
Ой іхала карета, злотомъ побита;
А въ тий кареті кгречная панна,
А за нею іхавъ еі молодець:
«Кгречная панна, зажди-погоди,
Щось тобі скажу — преливное слово:
Що въ Святимъ Різдві рожа зацвіла.»
— «Кгречний молодче, есть тому правда,
Бо квітки рвала, заквітчалася.»

(*Ушицкій уѣздъ*).

---

*) Послѣ каждаго стиха.
**) См. № 45.

## 135.

А въ полі, въ полі, близько дороги,
Тамъ N жито жала,
Въ три ряди клала.
Прийшло до неі ажъ три паничі:
«Дівко N, візьмемо тебе,
Повеземъ тебе у землю свою».
— «Не берить мене въ чистому полі,
А берить мене въ батька въ господі.
А въ мого батька три стороженьки:
Перша сторожа — братікъ въ воротяхъ,
Друга сторожа — мати въ порога,
Третя сторожа — батько у стола.
Братікъ въ воротахъ двіръ замітає,
Мати въ порога рушники крає,
Батько у стола бутиль сповняє,
Мене, молоду, заміжъ виряжає.

(*Вел. Снитинки, Васильков. уѣз.*).

## 136.

### А.

1) Въ господара остроженний двіръ.
2) Ой дай, Боже! *)
3) Сбірається збіръ —
4) Все старі люде радятъ радочку
5) Невеличкую, стародавную:
6) Чомъ теперь не такъ, якъ давно було,
7) Якъ жидова Христа мучили,
8) Терновий вінокъ на голову клали,
9) Ожиною, хмилёмъ вперезували,
10 Всякеє дерево за нигті били.
11) Всякеє дерево за нигті не йшло —
12) Червива ива прогрішила,
13) За нігті пішла, крівцю пустила;
14) Червиву иву самъ Господь проклявъ:
15) «Бодай тя, иво, черви точили

*) Послѣ каждаго стиха.

16) Відъ молодості ажъ до старості,
17) Відъ корінняча й ажъ до вершечка!
18) Добрий вечіръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Б.

1) Пане господару, гораздъ ся маєшъ,
2) Гораздъ ся маєшъ ні въ чимъ не знаєшъ.
3) На твоімъ двору зелений явіръ,
4) По підъ явора стоятъ столи нові,
5) По за столиками стоятъ панове.
6) Ой пишуть письма первичниі —
7) Не можуть ся дописати и дочитати,
8) Зъ чого настало зелене вино?
9) Ой панъ господаръ та й обізвався:
10) «Ой я жъ бо знаю та й відгадаю,
11) Зъ чого настало зелене вино.

12 Б = 7 А.., 13 Б = 8 А.., 14 Б = 9 А. Хмелёмъ, ожиною...,

15) Копъємъ дзёбро попробивали.

16 Б = 10 А. Вшеляке..., 17 Б = 11 А.... не согрішило, 18 Б = 12 А... всімъ согрішила,

19) Що кровъ пустила.

20 Б = 12 А.., 21 Б = 15 А. Бодай тя... хороби.., 22 Б = 16 А.., 23 Б = 17 А... вершка.

24) А за сімъ же словомъ да бувай здоровъ,
25) Не самъ собою — зъ дітьми, зъ жоною —
26) И всею челядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А., 2 В = 3 А.., 3 В = 4 А.., 4 В = 5 А. Все.... старосвіцькую, 5 В = 6 А.., 6 В = 7 А... жиди..., 7 В = 8 А., 8 В = 9 А.., 9 В = 15 Б..., 10 В = 24 Б..., 11 В = 25 Б.., 12 В = 26 Б. Со...,

13) Віншуємъ тебе сею колядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 137.

По горі, горі пави ходили,
Ой дай, Боже! *)
За ними ходила кгречная панна Розалія.
Пірья збирала, въ рукавець ховала,
Зъ рукавця брала, на стильчикъ клала,
Зъ стильчика брала, віночокъ плела,
Вінокъ плела; й а въ тимъ вінці
Та й пішла въ танець.
Прийшовъ до неі рідний батенько:
«Ходи, Розалія, до дому».
—«Піду, піду, нехай таньця дійду.»
Танцю дійшла, до дому не йшла.
Прийшла за нею рідная мати:
«Иди, Розалія, до дому.»
— «Піду, піду, нехай таньця дійду.»
Таньця дійшла, до дому не йшла.
Прийшовъ за нею еі миленький:
«Ой иди до дому, Розалія.»
Таньця дійшла, до дому пійшла.
Добрий вечеръ.

## 138.

### А.

1) Пане господару, вставай съ постелі!
2) Рай розвився, Христосъ родився сёму дому.
3) Вставай съ постелі, одчиняй двері —
Рай розцвівся.... **)
4) Буде до тебе троє гостей,
5) Троє гостей, троє радостей:
6) Ой первий гостю—дрібенъ дощику,
7) А другий гостю — ясний місяцю,
8) А третій гостю — ясне сонце.
9) А шо измовишъ, дрібенъ дощику?
10) «Ой якъ я зійду тречи на Маю,

*) Послѣ каждаго стиха.
**) Послѣ каждаго стиха.

11) Зрадується жито, пшениця,
12) Всяка пашниця.›
13) Ой що измовишъ, ясний місяцю?
14) ‹Ой якъ я зійду рано зъ вечора,
15) Возрадуються дітки маленькі
16) И баби старенькі.

(*Черняховъ, Кіевск. уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А... чи спишъ, чи лежишъ, 2 Б = 3 А..., 3 Б = 4 А... къ тобі.., 4 Б = 5 А..

5) Первая радость — ясенъ місяць,
6) Другая радость — ясне сонечко,
7) Третяя радость — дрібенъ дощичокъ.

8 Б = 13 А. чимъ похвалишся...

9) Чимъ похвалишся, ясне сонечко?
10) ‹Ой якъ я зійду на Великъ-день рано,
11) Возрадуется весь миръ хрещений,
12) Сей домъ свячений.

13 Б = 9 А. Чимъ похвалишся...?, 14 Б = 10 А... у..., 15 Б = 11 А. Возрадуется..., 16 Б = 12 А.

17) За сімъ же словомъ бувай здоровъ.

(*Дымеръ, Кіевск. уѣз.*).

## В.

1) Здоровъ, здоровъ, пане господару,
2) Чи спишъ, чи лежишъ, вставай съ постелі.

3 В = 3 А.

4) Застилай столи все тісовиі,
5) Клади калачі зъ ярой пшениці,

6 В = 4 А... тобі..., 7 В = 5 А..., 8 В = 8 А. А первий..., 9 В = 7 А. Другий.., 10 В = 7 А. Третій..., 11 В = 9 А... яснее сонце? 12 В = 10 А... въ неділю рано, 13 В = 11 Б..,

14) До церкви йдучи, свічи несучи.

15 В = 13 А.? 16 В = 14 А... зъ вечора рано.

17) Возрадується увесь звіръ у полі, гість у дорозі.

18 В = 9 А. Ой що...?, 19 В = 10 А, 20 В = 14 А, 21 В = 15 А.

(*Гостомель, Кіевск. уѣз.*).

## Г.

1) У хазяіна підъ віконцемъ
2) Богъ праведний. Боже нашъ милий на небесахъ!
3) Тамъ змовлялося три товариші:

4 Г = 8 В... товаришъ, 5 Г = 9 В.. товаришъ., 6 Г = 10 В... товаришъ дрібненький.

7) Шо сонечко каже: «якъ я зійду,

8 Г = 11 Б. То зрадується...

9) Місяць каже: «якъ я зійду,

10 Г = 17 В. То зрадуються всі звірі... чумакъ.., 11 Г = 19 В. Дощикъ каже: «...упаду..., 13 Г = 11 А. То..., 14 Г = 12 А.

(*С. Пудища, Прилуцк. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 Б... чи есть ти въ-дома?

2) Ой дай, Боже!
3) Замітай двори, застілай столи.

4 Д = 3 Г. Зойдутъ до тебе..:, 5 Д = 4 Г... сонце, 6 Д = 5 Г.. ясний..., 7 Д = 6 Г... дрібний...

8) Первий товарищъ, чимъ ся похвалишъ?

9 Д = 12 В...

10) То я обогрію церкви, костёли,
11) Въ церквахъ престоли.

12 Д = 13 В. Та... всі святиі пречистий Діви, 13 Д = 5 Г... чимъ ся похвалишъ?, 14 Д = 14 А... пізно..,

15) То я обогрію луги и долини,
16) Весь звіръ возрадується въ лісі й дорозі.

17 Д = 6 Д... чимъ ся похвалишъ?, 18 Д = 10 А.. спаду.., 19 Д = 11 А То..., 20 Д = 12 А.

21) Пане господару.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Е.

1 = 1 Д. Е?, 2 Е = 2 Д!

3) Ой нема въ-дома, у темнімъ лузі,

4) У темнімъ лузі камінь лупає,
5) Камень лупає, церковъ мурує,
6) Церковъ мурує зъ трома верхами,
7) Зъ трема верхами, зъ трема вікнами.

8 Е = 8 А Єдно віконце..., 9 Е = 8 А. Друге віконце..., 10 Е = 6 А. Третє віконце..., 11 Е = 9 Б... сонце?, 12 Е = 10 Б... въ неділю... 13 Е = 9 Г... христіаньський,

14) Весь миръ христіаньський и бусурманьський,

15 Е = 8 Б..?, 16 Е = 16 В... въ ночи о півночи, 17 Е = 17 В... гість у дорозі 18 Е = 17 В. 19 Е = 13 Б?, 20 Е = 12 Г... три рази.., 21 Е = 13 Г.., 22 Е = 21 В. А зъ цёго слова...,

23) Бувай же здоровъ, пане господару.

(*М. Тыровъ, Винницкаго уѣз.*).

## Ж.

1) Три насъ, три насъ, славенъ, Господи, еси.

2 Ж = 8 Д..?

3) Славенъ еси, Господи, на небесі.
4) «Я ся похвалю соничкомъ яснимъ,

5 Ж = 12 Е., 6 Ж = 10 Д.., 7 Ж = 11 Д., 8 Ж = 13 Д.?, 9 Ж = 14 Д... зъ вечора пізно,

10) Возрадується гість въ дорозі, а звіръ въ полі.

11 Ж = 17 Д..?

12) «Я ся похвалю дрібнимъ дощомъ.

13 Ж = 14 Б... три рази..., 14 Ж = 15 Б..,

15) Трава-муравиця,
16) Трава-муравиця, всяка пашниця.

17 Ж = 21 В. —

## З.

1) Радуйся, радуйся, земле!
2) Синъ Божий Панъ народився.

3 З = 1 А. Охъ, чи єсть въ-дома..., 4 З = 3 А..., 5 З = 4 В...

6) Бо прийдутъ гості до васъ роковиі,

7 З = 3 Г. гості роковиі..., 8 З = 8 Д.?, 9 З = 7 Г... нема надъ мене. 10 З = 12 Е...,

11) То врадуються гори, долини,

12 З = 10 Д. Гори, долини..., 13 З = 11 Д...

14) Въ церкві престоли, голосниі дзвони.

15 З = 13 Д.?, 16 З = 9 Г... нема надъ мене:

17) Якъ я освітю темненькоі ночи,

18 З = 10 Ж...,

19) Земний звірь въ лісі, а рибка въ морі.

20 З = 17 Д..?, 21 З = 18 Д..., 22 З = 19 Д..., 23 З = 20 Д.

(*Ушицкій уѣз.*).

## И.

1 И = 1 А... на твоёмъ дворі три радості єсть, 2 И = 3 Ж... нашъ, милий Боже... (послѣ каждаго стиха), 3 И = 5 Б... ясноє сонце, 4 И = 5 Б. Другая..., 5 И = 7 Б... дощикъ дрібний. 6 И = 8 Д..? 7 И = 9 З..., 8 И = 12 Е., 9 И = 10 Д. Возрадуються.., 10 И = 11 Д, Церкви костёли..., 11 И = 16 З..., 12 И = 16 В... темненькоі ночі, 13 И = 11 З. Освітю .., 14 И = 19 З. Возрадується весь... у полі..., 15 И = 17 Д..?, 16 И = 12 Г... нема надъ мене; 17 И = 20 Е..., 18 И = 20 В..., 19 И = 21 В. Жито пшениця...

(*Ушицкій уѣз.*).

## К.

1) Та вже-жъ до тебе въ рікъ Богъ приходить,

2) Въ рікъ Богъ приходить, три товариші.

3 К = 4 Г..., 4 К = 5 Г... та білий..., 5 К = 6 Г... та дрібенъ...

6) А що жъ намъ рече первий товаришъ?

7 К = 4 Г... ясне соненько:, 8 К = 10 Б... разомъ зъ зорами, 9 К = 11 Б... на землі.

10) А що намъ рече другий товаришъ?

11 К = 5 Г... то білий... 12 К = 12 И... темноі..., 13 К = 11 Г... весь миръ на землі.

14) А що жъ намъ рече третій товаришъ?

15 К = 6 Г... то дрібенъ... 16 К = 11 А .. разомъ зъ горами, 17 К = 12 А.., 18 К = 16 Ж. Жито, пшениця..., 19 К = 11 А... въ місяцю.... 20 К = 13 Г... весь миръ на землі.

(*Русалка Днѣстровская*).

### Л.

1 Л = 1 А... у твому двору

2) Велике диво сёгодня буде —
3) Прийде до тебе три гостини:

4 Л = 3 И... гостина..., 5 Л = 4 И... гостина..., 6 Л = 7 Б... гостина..... 7 Л = 4 В., 8 Л = 5 В... все пшеничний.

8) Роспитуйся жаданихъ гостей,

9 Л = 11 В.? 10 Л = 12 В., 11 Л = 13 В,

12) Діти малиі, вдови старшиі.

13 Л = 15 В.?, 14 А = 14 А., 15 Л = 17 В. 16 Л = 18 В.? 17 Л = 10 А.,

18) То прогодую діти малиі и вдови стариі.

(*Вел. Снитинки, Васильков. уѣз.*)

## 139.

### А.

1) Ой дай, Боже!
2) Ишовъ-перейшовъ місяць по небі;
3) За нимъ зірочка, якъ сестричка:
4) «Ой почекай же, місяцю.»
5) — Ой не чекаю, часу не маю.
6) Ой бо відъ Бога иду я въ послахъ,
7) Відъ Бога въ послахъ до господара,
8) Чи починае по старосвіцькому,
9) Чи ситивъ медокъ на святий вечіръ,
10) Чи варитъ пиво до святого *Киоству*, (?)
11) Чи пікъ калачи зъ ярої пшениці?
Ой дай, Боже.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1 Б = 2 А. Ой ходитъ бродитъ... въ хмарі. 2 Б = 1 А. 3 Б = 3 А... зірниця.. сестриця. 4 Б = 4 А... заждп... брате..

5) Бо я вже послана по зелене вино,
6) По кудряве пиво,

7) Ще й по медокъ солодкий;
8) Бо зелене вино Богу приємно,
9) А кудряве пиво — гості приймати,
10) А медокъ солодкий—пчилки годувати.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 140.

### А.

1) Ишовъ-перейшовъ місяць по небі,
2) Та стрівся зъ ясною зорою:
3) «Ой зора, зора, де въ Бога була,
4) Де въ Бога була, де маєшъ стати?»
5) «Де маю стати? — Въ пана Ивана,
6) У пана Ивана, на ёго дворі,
7) Та на ёго дворі, та въ ёго хаті.
8) А въ ёго хаті та дві радості:
9) Першая радость — сина женити,
10) Другая радость — дочку віддавати.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1 Б=1 А.., 2 Б=2 А... місяць... 3 Б=3 А..? 4 Б=4 А..? 5 Б=5 А.., 6 Б=6 А.., 7 Б=7 А... 8 Б=8 А... 9 Б=9 А..., 10 Б=10 А..

(*Жегота Паули*).

### В.

1 В=1 А., 2 В=2 А... місяць..., 3 В=3 А? 4 В=4 А.? 5 В=5 А., 6 В=6 А., 7 В=7 А. Да... да... 8 В=8 А. 9 В=9 А., 10 В=10 А.

11) Сина женити — молодця Миколу,
12) Дочку оддавати — молоду Наталку;
13) Бувай же здоровъ, молодий Миколо,
14) Да не самъ съ собою, зъ отцемъ и зъ матерью,
15) И зъ милимъ Богомъ, и зо всімъ родомъ,
16) Исусомъ Христомъ, Святимъ Рожествомъ.

(*Обыч. и пов. Мал. Маркев., стр. 23*).

## 141.

Въ стані свічка горитъ,
Тамъ Ивасё коня строітъ.
Ой дай, Боже.
Ёму батько світить — висвічує:
«Де ти поідешъ, мій синочку?»
Ой дай, Боже.
«Привезу вамъ невісточку.
Вамъ буде невісткою,
А мені буде жінкою.»
Ой дай, Боже.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 142.

А въ сёго пана скамья заслана,
А на тий скамъі три кубки стоять:
Въ першому кубці медокъ-солодокъ,
Въ другімъ кубці кріпкеє пиво,
Въ третімъ кубці зелене вино.
Зелене вино — для пана сёго,
Кріпкеє пиво — для жінки ёго,
Медокъ - солодокъ — для ёго дітокъ.

(*Жегота Паули*).

## 143.

### А.

1) Ой знати, знати пана господара:
2) Въ нёго хата зъ сосни, зъ ялини,
3) Все малёвана.
4) Въ тій хаті престоли стоятъ...
5) Въ першій чаші зелене вино,
6) Въ другій чаші червоне пиво,
7) Въ третій чаші медокъ - солодокъ.
8) Зелене вино — до церкви дамо,
9) Червоне пиво — сами випьємо,
10) Медокъ - солодокъ — людей приймати.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) А въ сёго пана скамъя заслана,
2) Да на той скамъі три кубки стоіть.

3 Б = 7 А. Въ першому кубці..., 4 Б = 6 А. Въ другому кубці кріпкеє..., 5 Б = 5 А. Въ третёму кубці... 6 Б = 9 А.. для пана того, 7 Б = 9 А. кріпкеє... для жинки ёго, 8 Б = 9 А... для ёго дітокъ. —

(*Обыч. и пов. Мал., Марк. стр. 24*).

## 144.

### А.

1) Пане господару, на вашімъ дворі
2) Два - три голуби пшеницю дзюбаютъ.
3) Ой дай, Боже!
4) — Ми не єсть голуби, ми єсть ангели,
5) Зъ небесъ прислани.
Ой дай, Боже!
6) Вийшовъ же до нихъ господаръ же іхъ;
Ой дай, Боже!
7) Стався до нихъ намірати,
8) Вони до нёго промовляти:
Ой дай, Боже!
9) «Господару нашъ, не бий же ти насъ;
Ой дай, Боже!
10) Ми випитуємъ, ми вивідуємъ,
11) Що ся діє мижё мирами:
12) Пани весь світъ заняли;
Ой дай, Боже!
13) Братъ на брата та ворогує,
14) Сестра на сестру чари готує,
15) А синъ въ батька вельми гуляє.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Б.

1) Ой чомъ теперъ не такъ, якъ перше було,

2 Б = 13 А. Чомъ... вечери не шлеть, 3 Б = 15 А. Братъ въ брата..., 4 Б = 15 А... ворогує, 5 Б = 14 А...,

6) Дочка до неньки сміло фукає. (?)
7) Ой чомъ теперь не такъ, якъ перше було.

8 Б = 12 А. Жиди и..., 9 Б = 2 А. Сиві... зъіли 10 Б = 4 А. То.... то... зъ неба.

*(Ушицкій уѣз.).*

### В.

1 В = 1 Б... здавна...

2) Слава Богу єдиному,
3) Слава тому, хто въ цёму дому.

4 В = 15 А... на.. якъ на наймита, 5 В = 6 Б... на матку, якъ на челядку, 6 В = 14 А... чарівъ шукає, 7 В = 13 А. А.. мечемъ махає,

8) А царъ на цара войни силає
9) А братъ сестрицю вбити шукає.

*(Вел. Снитинки, Васильков. уѣз.).*

## 145.

По горахъ, горахъ сніги, морози,
По долинахъ дощъ накрапає,
По городахъ макъ процвітає.
Тамъ ходила кгречная панна;
По городі ходила, макъ щипала,
До себе клала.
«Ой колибъ я такая,
Якъ ця маківка, —
То бъ я була царова дочка,
Царова дочка, королёва невістка.»

*(Дашковъ, Литинск. уѣз.).*

## 146.

За ворітьми, за праворітьми,
Тамъ стоіть сосна, відъ срібла ясна,
Відъ срібла ясна, відъ злота красна.
А въ тій сосні корабель пливе,
А въ тімъ кораблю грішная панна,

Панна Храсина.
Прийшло до неі мале пахоля,
Вона на ёго задивилася,
Короговці помолилася.
А я гетмана та перепросю,
Тебе молоду за жону возьму.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 147.

### А.

1) А въ лісі, лісі, лісі недоборі
2) Блудили блудцівъ сімъ сотъ молодцівъ,
3) Приблудилися до пана Василя.
4) «Пане нашъ, пане, одведи насъ зъ лісу зъ недобору,
5) Ми тобі станемо три рази въ пригоді:
6) Якъ будешъ іхать до бору по дівку,
7) Побъемо палі срібни таляри,
8) Засіемъ степи синімъ зенджуломъ. (?)
9) Якъ будешъ іхать до бору зъ дівкою,
10) Забражчать мости —
11) Дрібниі кості,
12) Засяють палі —
13) Срібни таляри,
14) Зацвітуть цвіти
15) Синімъ зенджуломъ.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

### Б.

1) Гой дай, Боже,

2 Б = 2 А. Тамъ ходило-блудило..., 3 Б = 3 А... вони.. молодця Ивана, 4 Б = 4 А. Молодче Иване...

5) Будемъ за тебе правити, службу служити:
6) Першую службу на Святий вечоръ,
7) Другую службу на Новий рікъ,
8) Третюю службу ажъ на Великъ-день.
9) Відъ цёго слова будь же здоровъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А..., 2 В = 2 А. Ой ходило — блудило..., 3 В = 3 А... вони до гречного пана..

4) Виведи насъ изъ свого гаю,
5) Изъ свого гаю до свого Дунаю.

6 В = 5 А. Станемъ тобі въ великій..., 7 В = 6 А...,

8) Поставимъ мости зъ жовтоі кості,
9) Засадимъ сади, все виногради,
10) Заснуємъ ліси все паворочками, (?)

11 В = 8 А... поле дрібнимъ жемчугомъ.

12) Будешъ іхати зъ гира (?) зъ дівкою,

13 В = 10 А..., 14 В = 11 А..., 15 В = 14 А... сади, все виногради.

16) Зашумлять ліси все паворочками,
17) Запахне поле дрібнимъ жемчужкомъ.
18) Изъ свого жарту горівки кварту,
19) Ой кварту, кварту, хоць кватирочку.

20 В = 9 Б.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 А... темнимъ... ой въ... 2 Г = 1 Б... 3 Г = 2 Б...,

4) Приблудилися до нового двора,
5) До гречного молодця,
6) До гречного пана Кондрата.
7) Ой виведи насъ изъ цёго ліса,

8 Г = 5 А... въ великій... 9 Г = 6 А... въ гори... 10 Г = 8 В. оснуємъ.. 11 Г = 10 В... 12 Г = 11 В... 13 Г = 12 В..., 14 Г = 10 А.., 15 Г = 11 А. Зъ жовтоі... 16 Г = 16 В..., 17 Г = 17 В. Зацвіте...,

18) Ой чудо жъ то була невісточка:
19) На поле ишла чорною хмарою,
20) Ой съ поля прийшла дрібнимъ дощикомъ,
21) По дворі пройшла — та й осіяла,
22) Ой до сіней війшла — злота принесла.
23) До церкви йшла перепілкою,
24) Ой до церкви прийшла — та й осіяла.
25) Віншуємъ тя, гречний молодець,
26) А Богъ щастячкомъ та здоровлячкомъ—

27) Щастячкомъ на двіръ, на худибочку на роговую,
28) На челядочку на молодую. —

*(Ушицкій уѣз.).*

## 148.

Пане господару, чи є ти въ-дома?
Ой дай, Боже. *)
Служеньки кажуть, що нема ёго дома:
За Уманёмъ золото віє, а срібло сіє.
Ходімъ до нёго колядовати.
Чимъ же вінъ намъ дасть?
Бідвиннячко на насіннячко.
А за сімъ словомъ та бувай же здоровъ,
Пане господару, та не самъ зъ собою —
Зъ дітьми, зъ жоною.
Дай же ти, Боже, чого згадаєшъ!
Желаю въ Бога щастя, здоровля—
Щастячка на двіръ, на худобочку,
Здоровля въ сей дімъ, на челядочку,
На худибочку роговую,
На челядочку домовую.
Добрий вечеръ.

*(Ушицкій уѣз.).*

## 149.

Ой вийди, вийди, пане господарочку,
Кличе тя Господь на порадочку,
Дарує тобі три долі въ полі:
Першая доля — щастя, здоровля,
Другая доля — воли, корови,
Третяя доля — жито, пшениця,
Всяка пашниця.
За сімъ же словомъ бувай здоровъ,
Пане господару,
Не самъ собою — зъ дітьми, зъ жоною,
Зо всёю челядкою.

---

*) Послѣ каждаго стиха.

Дай же ти, Боже, чого жадаєшъ.
Жадаю въ Бога щастя, здоровля;
Здоровля въ твій дімъ, на челядочку,
Щастя на двіръ, на худобочку.
Добри-вечиръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 150.

Пане господару, чи є ти въ-дома?
Служоньки кажуть нема ёго въ дома:
Въ темнимъ лісі камінь лупає,
Камінь лупає, церкву мурує,
Церкву мурує съ трома верхами:
Въ першімъ верху дзвони дзвонятъ,
Въ другімъ верху свічи палаютъ,
Въ третімъ верху служба ся править.
Дзвони дзвонятъ за челядочку,
Свічи палаютъ за господиню,
Служба ся правитъ за господара.
За сімъ же словомъ бувай же здоровъ,
Пане господару,
Не самъ собою, зъ дітьми, жоною,
Всёю челядкою.
Дай же ти, Боже, чого жадаєшъ.
Жадаю въ Бога щастя, здоровля,
Здоровля въ твій дімъ, на челядочку,
А щастя на двіръ, на худобочку;
На челядочку на домовую,
На худобочку на роговую.
И на вшелякую.
Добрий вечиръ!

(*Ушицкій уѣз.*).

## 151.

### А.

1) Пане господару, гараздъ ся маєшъ
2) Гой дай, Боже. *)

*) Послѣ каждаго стиха.

3) Гараздъ ся маєшъ, ні въ чимъ не дбаєшъ.
4) Твоє поділля турки забрали,
5) Турки забрали, за Дунай загнали.
6) Ой крикнувъ же вінъ на свої слуги:
7) «Ой слуги мої, виведіть коня,
8) Виведіть коня зъ гострого меча,—
9) Най своє поділля назадъ заверну,
10) Назадъ заверну краще осажу;
11) Осажу ёго въ три періи: (?)
12) Перша перія старими людьми,
13) Друга перія изъ парубками,
14) Третя перія изъ дівочками.
15) Старими людьми — село порадне,
16) И зъ парубками — село веселе,
17) А зъ дівочками ще веселіще.
18) А за симъ словомъ та бувай же здоровъ,
19) Та бувай же здоровъ, та не самъ собою—
20) Съ дітьми, жоною, всёю челядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А... ти спишъ, не чуєшъ. 2 Б = 2 А., 3 Б = 4 А... заняли, 4 Б = 5 А... заняли, въ полі пінняли.

5) Ой вінъ въ тимъ часу продужается,
6) Та й на служеньки окликается

Б 7 = 7 А... все вірненькиі.

8) Сідлайте коні вороненькиі,
9) А підъ мене молодого того буланого,
10) Та будемо догоняти турецького цара,
11) Скоро догнали, заразъ ся стяли,
12) Турецького цара въ неволю взяли.
13) Ой десь ся взяла чорная хмара —
14) Не єсть то хмара, то коней пара.
15) Виншуємъ сею колядкою.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 152.

Пане господару, тось ся розиславъ,
Ой дай, Боже. *)

*) Послѣ каждаго стиха.

Золотимъ плотомъ плітъ одгородивъ.
А въ тімъ плоті срібні ворота,
По підъ віконця зелений виноградъ.
Пане господару, не прогнівайся!
Ми твоі ворітця повідчиняли,
Зеленъ виноградъ порозломали.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 153.

### А.

1) Надъ моремъ глибокимъ
2) Стоявъ явіръ високий.
3) Грай, море, радуйся земле.
4) Вікъ до віку! *)
5) А на тімъ яворі сизъ орелъ сидить,
6) Сизъ орелъ сидить да въ воду глядить,
7) У воду глядить съ рибою говорить:
8) «Ой буть намъ, рибо, у одного пана,
9) Пана Ивана.»
10) Тобою, рибо, гості витати,
11) А моімъ перомъ листи писати.

(*Сборн. Метлинскаго.*).

### Б.

1) Ой рибо жъ, рибо, ти моя пара!

2 Б = 8 А., 3 Б = 9 А. Въ одного пана...: 4 Б = 10 А. Що..., 5 Б = 11 А..

6) Да бувай же здоровъ и въ віку довгий,
7) Не самъ собою — зъ свею женою,
8) Зъ усімъ родомъ, зъ Господомъ Богомъ,
9) Зъ Исусомъ Христомъ, зъ Святимъ Рожествомъ.

(*Сборн. Метлинскаго.*).

---

*) Послѣ каждаго двустишія.

## 154.

Є дома, дома самъ панъ господаръ?
Ой я знаю, що вінъ дома.
А седить же вінъ у конець стола,
А на ёмъ шуба-люба,
А на тий шубі шиндокора, (або калиточка)
А въ шиндокорі три шеляжечки.
Сёму тому по шеляжечку,
А намъ дай-но по пирожечку.

(*Черниговск. уѣз.*).

## 155.

Ой на дворі чорна хмара вьється,
А підъ вікномъ колядникъ човпеться.
Пустіть ёго до хати,
Вінъ намъ буде коляди співати.
Якъ прийшовъ, кажуть ёму сісти,
Вінъ каже: «а я хочу істи.»
Якъ побачивъ пироги,
Ёго млости обняли,
Та й упавъ.
А въ печи пироги кипіли,
А ёго очи навиділи;
По маленьку присувавъ,
По єдному витягавъ,
Да пришки. (?)
А въ печи, въ печи пирогівъ не стало,
Вінъ полізъ на гору по сало;
Вінъ сала не доставъ,
Зъ драбинкою зъ гори впавъ,
Забився.
Кажуть въ хаті щось у сіняхъ трісло,
Я кажу, що я зъ гори злізъ;
Кличуть мене до хати,
Я не можу устати—
Забився.
Я прийшовъ, хтіли мене бити,
Кажуть мені у грубі палити.

Я у грубі запаливъ,
Собі штани просмаливъ
Геть зовсімъ.
Взявъ сокирку та пішовъ по рибу.
И риби не зловивъ,
Собі штани замочивъ,
До кришки,
Предвіки, предвіки родився....
Съ підъ стола на пічъ вкотився.
Отутъ би я вікувавъ,
Кобъ хто їсти подававъ,
На віки.

(*Дубыще, Старокон. уѣз.*).

## 156.

Запрігъ Іозефъ кобилу въ візокъ,
Іхати до Битлеємъ до дитяти малого,
Утулити плачъ ёго.
Якъ іхавъ, такъ попавъ въ велике багно.
Бачить Іозефъ, малу не плаче,
Що кобила изблудила
И попала у багно,
И застряла по стегно.
И стоіть, и дрожить,
А далі й лягла.
Мавъ же Іозефъ въ візку горілку.
Якъ зачавъ перепрохати,
Горілкою частувати:
«Гей, гей, рятуйте,
И мотуззя готуйте,
Щобъ моя рябая
Шкапа не дойшла!»
Всі рушили до кобили.
Хто де знавъ, тамъ попавъ,
Єденъ за хвістъ та й вірвавъ.
Кобила рушила сама на сухе.
Іозефъ зрадівъ, кобилу запрігъ,
Якъ зобачивъ, що нема
У кобили огона,
Засвиставъ, залаявъ:
«Чорти бъ вашу ма!

Що жъ ви, дурні,
Зробили мені?
Моій шкапі рябій,
Невеликій малій?
Не дарую вамъ того,
Заплатите немного;
А якъ ні, то въ дворі
По сто візьмете,
Ще й заплатите.

(*Дубыще, Староконстантиновск. уѣз.*).

## 157.

Ой я тобі, дядьку, заколядую,
Дай мені перуиг҃ъ!
Якъ не даси пирога,
Возьму вола за рога
Та поведу на муруиг҃ъ.
Буду воломъ робити,
А въ руиг҃ъ буду трубити.

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 158.

И ви идете, дари несете,
Котрий що має,
Нехай те дає:
Грицько вареникiвъ,
А Степанъ печеню,
А Иванъ гуску
На перекуску,
А я горілки
Дзбанъ тому пану,
А якъ побачу —
Меду достану.

(*Гостомель, Кіевск. уѣз.*).

## 159.

Коло кринички
Плавають черички;

А ти, дядино,
Печи палянички.
Съ печі виймай,
Да намъ давай.
Хутко беріте,
Насъ не баріте,
Короткі свитки,
Померзли литки.
Батько сварився,
Щобъ не барився;
Мати казала,
Щобъ дали сала,
Мірочку овса,
На верхъ ковбаса;
Мирочку гречки,
На верхъ сечки.

(*С. Рощще, Черниговск. уѣз.*).

## 160.

—Колядуй, баране!
«Не вмію, пане.»
— Дакъ лизь у вікно!
«Дакъ роги, пане».
— Позавертуй, баране!
«Дакъ болять, пане.»
— Позавертуй, баране!
«Дакъ нічимъ, пане.»
— Онучкою, баране!
«Дакъ нема, пане.»
—На смітнику, баране!
«Корява, пане.»

(*С. Козороги, Черниговск. уѣз.*).

## 161.

А въ полі, въ полі,
Плужокъ ходить;
А за тимъ плужкомъ,
Самъ Богъ изъ рожкомъ;

А Божа мати.....
Отдай, Господи, рогъ....

(*Козорогі, Черниговск. уѣз.*).

## 162.

Бігла теличка зъ березнячка
Да въ дядинъ двіръ;
Я тобі, дядю,
Заколядую,
Дай пирігъ.
А ти, дядинко,
Хоть паляничку,
Зажену тобі
Бичка й теличку,
А й ще пожену,
Да й напасу,
Дядинко, дайте
Ще ковбасу.

(*С. Пудища, Прилуцк. уѣз.*).

## 163.

У нашоі баби золотиі брижі,
Святий вечеръ!
Да у насъ, бабусю, ковбаси схожі,
Святий вечеръ!
Приставъ драбинку,
Лізь по свининку.
Святий вечеръ!

(*Козорогі, Черниговск. уѣз.*).

## 164.

Ой въ пана, пана
Собака пъяна,
Лежить на саняхъ,
Въ червонихъ штаняхъ.

(*С. Лементаровка, Сосницк. уѣз.*).

## 165.

### А.

1) Колядую, колядую,
2) Ковбасу чую.
3) Святий вечеръ!
4) А ви мене не питайте,
5) Ковбасу дайте.
6) Ой дай, Боже!
7) Дайте ковбасу,
8) Я до дому понесу.
9) Святий вечеръ.
10) Дайте мені кишку,
11) Изъімъ въ затишку.
12) Ой дай, Боже!

(*С. Мотреновка, Борзенск. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А.

3) О тамъ у кутку,
4) Висить на шнурку.

5 Б = 3 А.

(*Гостомель, Кіевск. уѣз.*).

## 166.

Ой въ Пилипівку
Грушка зацвіла,
А на святий вечиръ
Грушки зродила;
А святий Гарасимъ
Грушки обтрусивъ,
А свята Варвара
Грушки збірала,
А свята Юхима
Грушки варила,
А проклятая єдна
Грушки поіла.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 167.

Дайте намъ коляду,
Бо далі иду;
Дайте намъ курку,
Бо въ вікно штурхну;
Дайте намъ когута,
Бо рознесу ворота;
Дайте намъ пероги,
Бо ми змерзли въ ноги;
Малу перину,
И красну дівчину,
И велику коляду,
Бо відъ васъ иду.

(*Жегота Паули*).

## 168.

Ой зъ гори, зъ гори вітеръ повівавъ,
Дунай висихавъ, зіллямъ зароставъ,
Зіллямъ трепіттемъ, вшелякимъ цвітомъ.
Дивне звіръ спасає зілле,
Спасає зілле сивий оленець.
Надийшовъ надъ ёго молодий княжа,
Молодий княжа зъ лучкомъ-стрілкомъ.
Лучкомъ-стрілкомъ звірье забивъ,
На гусли грає, красно співає.
Надійшовъ надъ ёго батейко ёго:
«Ти, синку, синку, оленцівъ стреляєшъ,
На гуслі граєшъ, красно співаєшъ,
А того не знаєшъ, чого заплачешъ:
Турки, татари підгорья взяли,
Полонъ забрали, долівъ погнали.»
«Сідлай мі, тату, коня бистрого,
Злагоди мі, тату, меча острого,
Най я поіду турка догоню,
Мое підгорье назадъ оберну,
Назадъ оберну, краще осаджу.»
Ой якъ догонивъ та й іхъ розгромивъ;
Свое підгірья назадъ обернувъ,
Назадъ обернувъ, краще осаджавъ.

Ой осадивъ вінъ три села людей:
Ой одне село старими людьми,
А друге село парубойками,
А третє село дівчинойками.
Стариі люде суди судили,
А парубойки на ворогівъ ходили.
А дівчинойки—шитойки шили.

*(Новицкій).*

## 169.

### А.

1) Ой чого ти, роженько, сама въ городі,
2) Рожа моя повна, червона, багрова?
3) Ой я не сама въ городі зросла,
4) А єсть коло мене запашний васильчокъ,
5) Запашний васильчокъ, хрещатий барвіночокъ.
6) Да чого ти, Химочко, сама въ батенька?
7) Ой я не сама въ батенька зросла,
8) Єсть коло мене брати, сестриці.
9) Ми жъ тебе, Химочко, не понижаемъ,
10) Зъ святимъ Рожествомъ поздравляемъ;
11) Зъ Исусомъ Христомъ,
12) Святимъ Рожествомъ,
13) Зъ милимъ Богомъ,
14) Зъ усімъ родомъ.

*(Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша).*

### Б.

1 Б = 1 А? 2 Б = 2 А. 3 Б = 3 А.... коло мене красота, 4 Б = 5 А. 5 Б = 6 А.... дівчинонько...? 6 Б = 7 А.... коло мене братіки,

7) Коло мене братіки, якъ сизи орлики,
8) Коло мене сестриці, якъ сизи орлиці.

*(Изъ Рукоп.-Сборн. Кулиша).*

## 170.

А въ нашого панотця
Золотиі ворітця;
Передъ тими ворітьми
Стоять столи заслани,
А за тими столами
Стоять ангели рядами.
Що на небі місяць—
Да то нашъ господаръ;
А на небі зірочки—
Да то ёго діточки;
А на небі зірка—
Да то ёго жінка.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 171.

У нашого пана господарейка,
Є красне въ нёго и дворі ёго
Тісові сінці, ярові східці,
Ходить по ніхъ молода княгиня;
А на княгині кований поясъ,
На тимъ поясі золоті ретязкі,
На тихъ ретязкахъ мідяни ключі.
Мідяни ключі, тихо дзвоніте,
Тихо дзвоніте, пана не збудіте,
Бо теперъ нашъ панъ зъ Венгеръ приіхавъ,
Ей зъ Венгеръ, зъ Венгеръ, зъ Венгерськоі землі.
Зійшлися къ нёму вшистке панове,
Вшистке панове, ёго братове.
Стали ся ёго вивідувати:
«Ей, пане, пане, що тамъ чувати,
Що тамъ чувати въ Венгерській землі?»
— Добре чувати въ Венгерській землі:
Венгерська земля пречъ поорана,
Пречъ поорана и посіяна,
Павъянимъ перцемъ заволочена,
Яснимъ мечемъ обгорожена,
Ясними мечі відъ злоі тучи.

(*Новицкій*).

## 172. *)

Въ бору, въ бору да волохи поють,
Волохи поють, церковъ будують.
Збудовали церковъ зъ двума вікнами:
Въ перше віконце вскочило сонце,
Въ друге віконце — ясенъ місяць,
Въ трете віконце — дрібенъ дощикъ,
Въ четверте віконце — ангелъ влинувъ,
На престолі ставъ, слізку вронивъ.
А съ тої слізоньки да потікъ ручай,
А съ того ручая да розлився Дунай,
А въ тому Дунаю да пливе човничокъ,
А въ тому човничку красний паничъ,
Красний паничъ да Михайлонько.
У правій ручці да весельце держить,
А въ лівій ручці щучий гребішокъ.
Гребішокъ держить да кудерки чеше,
Кудерки чеше на Дунай несе:
«Пливіть, пливіть, мої кудерки,
Бистримъ Дунаемъ къ крутому берегу.
Тамъ моя матка водицю бере,
Водицю бере и васъ зачеркне,
И васъ зачеркне, мене спомяне:
Се жъ таки да кудерки, якъ мого сина,
Якъ мого сина Михайлонька,
Да пана Павлонька.
Бувай же здоровъ, да красний паничу,
Не самъ зъ собою — зъ отцемъ, маткою,
Зъ милимъ Богомъ, зъ усімъ родомъ,
Зъ Исусомъ Христомъ, Святимъ Рожествомъ.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 173.

### А.

1) Я малий пахолокъ
2) Родився въ вівторокъ,

*) См. № 38.

3) А въ середу рано
4) Мене въ школу дано.
5) Пославъ мене дякъ
6) Цибуль куповати;
7) А я не купивъ,
8) А такъ ухвативъ.
9) Чоловікъ мене догнавъ,
10) Цибульку однявъ
11) И чуприну намъявъ.
12) Пошовъ я до неба
Чого мені треба;
А тамъ смерть страшна
И коса замашна.
Смерть до мене зъ косою,
А я ій въ зуби ковбасою.
Будьте здорови зъ праздникомъ.

Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А, 3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А.

5) Я иду зъ школи—плачу
6) И світа не бачу;
7) Очи протираю,
8) На карманъ позираю,
9) Васъ съ праздникомъ поздоровляю.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 174.

Я маленька дівочка,
Якъ у полі квіточка,
Більшъ нічого не знаю —
Тильки азъ да буки...
Пожалуйте мені
Грошикъ у руки.
Я маленька дівочка,
Якъ у полі квіточка,
Черевичкі корковеньки...
Будьте зъ праздникомъ здоровеньки.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 175.

Я по ряску ходила,
Я запаску згубила;
А поповичъ ишовъ,
Запащину найшовъ.
Поповичу, сучий сину,
Верни мою запащину.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 176.

А въ дядька й у насъ
Коробка ковбасъ.
Дядькови поімо,
Своіхъ не дамо.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

---

По окончаніи коляды, одинъ изъ пѣвцовъ, „береза,“ т. е. главный колядникъ, привѣтствуетъ хозяина такимъ образомъ:

„Віншую васъ зъ сімъ пресвітлимъ праздникомъ, щобъ ці святки проводили, пришлаго року дочекали зъ миромъ, въ покою, добрімъ здоровъі, зъ дітками; а ви, хлопці, кажіть: дай, Боже!“ На это остальная компанія отвѣчаетъ хоромъ: „дай, Боже!“ Съ 25-го на 26-е, по повѣрью народа, души умершихъ вмѣстѣ съ священниками идутъ въ церковь молиться Богу. Увѣряютъ, что старики видѣли такихъ мертвыхъ.

На второй день праздника Рождества Христова, женщины приносятъ хлѣбы въ честь родившей Богоматери; это называется: „ходить на родини до Богородиці“. Послѣ богослуженія женщины заходятъ съ поздравленіемъ къ „добродзійкі“, т. е. женѣ священника [193]).

Вечера праздника Рождества и до Богоявленія называются Святыми, а потому въ эти вечера позволительно только „піръя дерти“.

Народъ вѣритъ, что въ эти дни вѣдьмы шатаются по землѣ. Въ эти

---

[193]) М. Полонное, Новградволынск. уѣз.

же вечера молодежь собирается на вечеринки, гдѣ повторяются тѣ же забавы и гаданья, что и подъ вечеръ св. Андрея.

По замѣчаніямъ крестьянъ, какая погода будетъ передъ новымъ годомъ, такая будетъ предшествовать Петру и Павлу.

## Щедрівки и Багатий вечеръ.

31 декабря на „Меланки“, т. е. въ день св. Меланіи, наканунѣ новаго года, каждая хозяйка приготовляетъ „книші“, пироги, колбасы начиненныя гречневою кашей и вареники; этотъ вечеръ называется богатымъ или „щедримъ“.

Въ этотъ день крестьяне пріучаютъ къ ѣздѣ и работѣ молодыхъ лошадей и быковъ, не бывшихъ еще въ упряжи, при чемъ на сани берутъ мальчишекъ и сосѣдей. Послѣ этого кропятъ лошадей и быковъ освященной водой [194]). Идутъ въ сарай, ловятъ воробьевъ, и бросаютъ ихъ въ огонь, а пепелъ отъ нихъ собираютъ, хранятъ до посѣва и, вмѣстѣ съ сѣменами, бросаютъ въ землю; это дѣлается для того, чтобы воробьи не нападали на посѣвы конопли, проса и т. п. [195]) Пашутъ землю и какъ бы приготовляютъ ее для посѣва, причемъ пѣснями и тѣлодвиженіями представляютъ процесъ паханія. Утромъ стряхиваютъ со стола солому, „дідуху“, зажигаютъ ее на дворѣ или улицѣ, перепрыгиваютъ черезъ огонь и перегоняютъ скотъ три раза. Остатки соломы бросаютъ свиньямъ, чтобы хорошо „плодились“. Берутъ соломы, идутъ въ садъ и обвязываютъ фруктовыя деревья, приговаривая: „добраго вечера тобі, чи будешъ намъ родити, чи ні?“ Послѣ ударяютъ ее три раза топоромъ и говорятъ: „Гляди жъ, роди, бо якъ не будешъ родити, то на пришлий рікъ ми тебе зрубаємо“, или же говорятъ: „Роди, Боже, такъ рясно, якъ на небі звізди, а такъ красно, якъ одъ нихъ ясно [196]). Примиряются съ поссорившимися и забываютъ взаимныя обиды въ старомъ году, на томъ основаніи, что „у кого вийде яка звада на новий рікъ — цілий рікъ звадитиметься“.

Крестьяне вѣрятъ, что ясная и звѣздная ночь на новый годъ предвѣщаетъ безопасность, здоровье людей въ текущемъ году, и наоборотъ.

---

[194]) С. Студеницы, Житомірск. уѣз.
[195]) С. Голобы, Ковельск. уѣз.
[196]) С. Махиринцы, Староконстантинов. уѣз.

Вечеромъ ужинъ. Къ ужину, между прочимъ, приготовляютъ много пироговъ и кнышей. Пироги и кныши къ ужину ставятся передъ хозяиномъ. Хозяинъ сидитъ за столомъ, а хозяйка призываетъ дѣтей, которые должны на это время выйти изъ хаты, и говоритъ имъ, чтобы садились ужинать. „А де жъ нашъ батько?“ спрашиваютъ дѣти. „А хиба ви мене не бачите,“ отвѣчаетъ отецъ изъ за кучи пироговъ. „Ні, не бачимо, тату!“ Дай же Боже, щобъ завше не бачили,“ т. е. чтобы всегда было такое изобиліе хлѣба, какъ въ этотъ вечеръ [197]).

Дѣти, преимущественно бѣдныхъ родителей, ходятъ подъ окна сосѣдей „щедровать,“ т. е. поютъ извѣстныя пѣсни „щедрівки“, за что имъ даютъ немного денегъ, или что нибудь изъ съѣстнаго.

При этомъ парни маскируются, кто медвѣдемъ, кто бабой, вообще, кто чѣмъ вздумаетъ. Въ числѣ ихъ долженъ быть одинъ переодѣтый женщиной — это „Меланка“ [198]).

---

[197]) С. Плоски, Дубенск. уѣз.
[198]) Ушицкій уѣз.

# ЩЕДРІВКИ.

## 1.

### А.

1) Ой рано, рано курі запіли,
2) А раній того Трохимко вставъ;
3) По двору походивъ, лучкомъ позвонивъ,
4) Лучкомъ позвонивъ, братцівъ побудивъ.
5) «Вставайте, братки, коні сідлайте,
6) Да поідемо на полёваннє,
7) На полёваннє, на погулянне...»

### Б.

1 Б=1 А, 2 Б=2. А. Хто найраній...? 3. Молодий Климцё. 4. Б=4 А. Дзвоникомъ дзвонивъ..... 5. Б=5 А.... брати, підемъ на войну.

6) Та звоюемо жовту пташечку;
7) Не пташечку, да Климця дівочку.

(*Городокъ, Луцкаго уѣз.*).

## 2. *)

У пана Данила, да на ёго дворі...
Щедрий вечеръ!
Ой виросло дерево тонке та високе,
А підъ тимъ же деревомъ да панъ Данило,
Да и панъ Данило коника сідлає,
Коника сідлає, съ конемъ розмовляє:
Ой поідемъ, коню, да на войниченьку;
А у ёго ненька, да зовсімъ старенька.
Сина виряжала, вона научала:
Ой ідь, сину, да на войниченьку.
Шо попередъ вуийська да не поспішайся,
А позадъ вуийська да не оставайся,
А посередъ вуийська сивимъ конемъ грай же.
Шо попередъ вуийська, — вуийсько зарубає,
А позадъ же вуийська, у пленъ занімає.

*) См. колядку № 1.

Ой суинъ матері да не слухає,
А попередъ вуиська сивимъ конемъ грає.
Якъ угледівъ ёго да царъ турецькій:
«Ой и чій суиночокъ же сивимъ конемъ грає?
Ой якъ би я знавъ, я бъ дочку оддавъ,
Половину царства да ще й государства.»

(*Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 3.

Ой подъ вербою, подъ зеленою,
Святий вечеръ!
Ой тамъ стояло мужуивъ громада,
Мужуивъ громада, велика рада.
Станьмо ми, братці, въ велику раду,
Построймо ми, братці, золотий човенъ,
Леньмо — поленьмо до свого пана;
А нашъ бо панъ славний багатиръ,
Славний багатиръ, дорого плативъ.
На місяць плативъ по сто червонних,
По сто червонних, по воронимъ коні.
На тимъ коні золотеє сідло,
А на тимъ коні золота грива,
Золота грива, перстінь укрила.
На тимъ сідлі пишное дитя,
Пишное дитя, молодий Иванко.

(*Дрогичинъ, Кобринск. уѣз.*).

## 4. *)

А у полі, въ полі, да білъ камінь лежить,
Святий вечоръ!
А підъ тимъ камінемъ да люта змія лежить,
Ой туди да іхавъ Андрійко,
Ставъ съ коня вставать — змію рубать.
Ой тая змія да й промовила:
«Не рубай мене, не січи мене,
Буду я тобі въ великій пригоді;
Ой якъ будешъ ти женитися,
Помощу мости все перстнёвие,
Поставлю столи все тісовие,

*) См. колядку № 147.

Поставлю стовпи все золотие,
Повішу коври все шовковие.
Якъ будешъ дівочку везти,
Забрязчать мости все перстнёвие,
Засяють стовпи все золотие,
Замають коври все шовковие,
Загоряться свічі все восковие.»
Да бувай же здоровъ, молодий Андрійко.
Ми же тебе не зневажаемъ,
И святимъ вечеромъ поздоровляемъ.

(*С. Мокшинъ, Черниговск. уѣз.*).

## 5. *)

Весь двіръ на горі,
Яворъ на дворі,
На тимъ яворі
Сизъ сокілъ седитъ,
На море гледитъ.
Зобачивъ рибу чечуру (?).
— Ой рибо, рибо, чечуро,
Побратаймось, посватаймось!
Ой кому дати зъ лучка стреляти?
— Трохимку дати зъ лучка стреляти.
Не подобае ёму зъ лучка стреляти,
А подобае ёму у короля служити
У короля служити, ради радити,
Ради радити, суди судити.
Ой тиі ради коні въ городі,
Ой тиі суди ходятъ у шубі....

(*Горностайполь, Радомысльск. уѣз.*).

## 6.

Ой на річці на Ордані
Тамъ хрестикъ виренае,
Виренае, промовляе:
«Возмить мене на рученьки,
Понесіте до церковці,
Положіте на престольці.»

---

*) См. колядку № 153.

Прийшли попи почитали,
Прийшли дяки поспівали.

(*Мокраны, Кринскоб. уѣз*).

## 7.

### А.

1) Ой на річці на Іордані,
2) Тамъ Пречиста ризи прала,
3) Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
4) Добримъ людямъ на весь вечоръ!
5) А виправши повісила на ялині.
6) Прилетіли два ангели,
Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
Добримъ людямъ на весь вечоръ!
7) Да взяли ризи на крилечка,
8) Понесли ризи на небеса;
Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
Добримъ людямъ на весь вечоръ!
9) Всі небеса розтворилися,
10) Всі ангели поклонилися.
Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
Добримъ людямъ на весь вечоръ!

(*Юриновка, Новгородсѣверск. уѣз.*).

### Б.

1) Що на Дунаєчку, на бережечку.

2 Б = 3 А.

3) Тамъ ластовка да купалася,
4) То не ластовка, то Матеръ Божа.
5 На кедреві да повісила. (?)

6 Б = 6 А.... да три...., 7 Б = 7 А, 8 Б = 8 А.... да до церковці,

9) Положили ризи на престолі.
10) Самі двері одчиняються,
11) Самі звоні задзвонилися,
12) Самі свічи запалилися,
13) Царськіі врата отворилися,

14) Сама служба заслужилася.
15) Кому службу да служить будемъ?
16) Служить службу святому Василю.

(*С. Юриновка, Новградсьвер. уѣз.*).

## В.

1) Ой у тихому да Дунаечку.

2 В = 3 А, 3 В = 2 А..... мила.

4) Да ризи мила да перемивала,
5) Повісила ризи на кедрині.

6 В = 6 А. Де взялись .., 7 В = 7 А, 8 В = 8 А... да у церковцу, 9 В = 9 Б.

10) Ой де взялися да два паноньки,
11) Стали вони прибіратисе,
12) Прибіратисе, умиватисе,
13) Стали вони службу служити,

14 В = 16 Б..... Бога просити.

15) Да за того пана, пана хозяіна.
16) Да за ёго неньку, за усю семейку.
17) Да бувай здоровъ, пане хозяіну,
18) Да пе самъ собою, зъ своею жоною.

(*Колошовка, Черниговъ. уѣз.*).

## Г.

1 Г = 1 Б, 2 Г = 3 А, 3 Г = 3 В Мати Божа.... 4 Г = 4 В.... вимивала

5) Та у тиі ризи Христосъ убірався.

6 Г = 13 В Христосъ убірався.... 7 Г = 14 В.... за пана Ивана,

8) За пана Ивана, та за ёго дітки.

(*Въ сьверн. уѣз. Черниговск. губ.*).

## Д.

1 Д = 1 А, 2 Д А. = 2

3) Свого сина повивала
4) На ялині колихала.

5 Д = 6 Б. 6 Д = 8 А, взяли Суса... 7 Д = 9 А А...., 8 Д = 10 А Всі.....

(*Тальянка, Уман. уѣз.*).

### Е.

1 Е = 1 А, 2 Е = 2 А, 3 Е = 3 Д... своє дитя, 4 Е = 4 Д... на колінахъ колихала. 5 Е = 6 В.... три...., 6 Е = 8 А Взяли дитя..... 7 Е = 9 А. 8 Е = 10 А.... свиті.....

(*С. Пудища, Прилуцк. уѣз.*).

## 8.

### А.

1) На річці, на Ордані,
2) Шовъ Сусъ Христосъ на Ордані,
3) Тамъ сівъ Сусъ Христосъ вечерати.
4) Пришла до ёго мати ёго.
5) — Просю, мати, вечерати.
6) «Спасибі, сину, за вечеру,
7) Подай, сину, райськіі ключі,
8) Яре пекло одомкнути,
9) Спасенниі душі випустити;
10) Тилько теі не пустимо,
11) Що въ пъятницю пісьню піла,
12) А въ суботу не вмивалась,
13) А въ неділю рано іла,
14) Отцу, ненькі залаяла.»
15) — Ще я не лаяла,
16) Тилько думку подумала.
17) — Въ тебе думка, такъ якъ лайка.

(*Краснополка, Гайсин. уѣз.*).

### Б.

1 Б = 3 А. Ой...

2) Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
3) Добримъ людямъ на здоровъе!

4 Б = 4 А... къ ёму Божа Мати: 5 Б = 7 А. Ой дай...

6) Одимкнути рай и пекло
7) Да випускати всі праведні душі

8 Б = 10 А... й эдноі не пустити:

9) Батька, матіръ налаяла

10 Б = 16 А А не налаяла....

11) Да въ свому дому, якъ у раю:
12) Тутъ господаръ, якъ виноградъ,
13) Господиня, якъ калина,
14) А діточки, якъ квіточки.

### В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 Б, 3 В = 3 Б, 4 В = 4 Б, 5 В = 5 А,—Сідай... 6 В = 6 А... за цю вечерину, 7 В = 7 А Оддай... 8 В = 6 Б.

9) Випустити грішні душі.

10 В = 8 Б.

11) Бо та душа согрішила

12 В = 9 Б, Отця и матку...

13) Вона іхъ налаяла, не подобала,

(*Сборн. Лукашев.*).

### Г.

1 Г = 1 Б, 2 Г = 2 Б, 3 Г = 3 Б... на весь вечоръ! 4 Г = 4 Б.., до нёго... 5 Г = 5 А. Покінь сину...,

6) Возьми ключі пекельниі,
7) Випусть души спасеннії.

8 Г = 10 А... не випускай 9 Г = 13 А Що..., 10 Г = 11 А, 11 Г = 12 А, 12 Г = 12 В... и матеръ проклинала.

(*Любаръ, Новградволынск. уѣз.*).

## 9.

### А.

**Allegretto.**

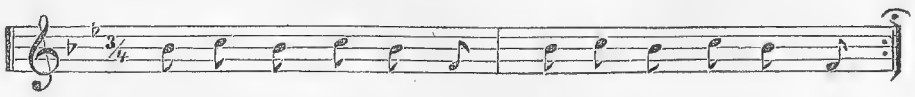

1) Ва - си - лё - ва Ма - ти 2) По - шла ще - дро - ва - ти.

3) Край стола стала,
4) Чесний хрестъ держала,
5) Золотую кадильницю,
6) Срібную папірницю.
7) — Христітеся, люде,
8) До васъ Христосъ буде,
9) Богу свічу ставте,
10) А намъ пирігъ дайте.

(*Пудища, Примуцк. уѣз.*).

## Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А ходила...,

3) По церкві ходила

4 Б = 4 А... носила, 5 Б = 5 А... кадила, 6 Б = 7 А кадітеся... 7 Б = 8 А. Бо къ намъ... 8 Б = 9 А.... свічку... 9 Б = 10 А.

(*С. Дудари, Каневск. уѣз.*).

## В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 А... засівати 3 В = 3 А У..., 4 В = 4 А, Золотий... 5 В = 7 А, Радуйтеся... 6 В = 8 А.

7) Столи застілайте,

8 В = 10 А.

(*С. Козорги, Черниговъ. губ.*).

## Г.

1 Г = 1 А, 2 Г = 2 Б, 3 Г = 3 А къ престолу... 4 Г = 4 А золотий... 5 Г = 5 А и... 6 Г = 5 В, 7 Г = 8 А, Къ вамъ...

9) А ви, люде, знайте,

9 Г = 10 А, А мні копійку...

(*Чорнобыль, Радомысльс. уѣз.*).

## 110. *)

### А.

1) Якъ ходила Панна
2) По цёму світу,
3) А здибала Панна
4) А три жидова.
5) «Чи не ви, жидова,
6) Христа мучили?»
7) — Не ми то, Панно,
8) То наші брати.
9) Подивися, Панно,
10) На круту гору,
11) На крутій горі
12) Кедрове древо;
13) А съ того древа
14) Хрести рубаютъ,
15) Церкву будуютъ;
16) А въ тій церковці
17) Три гроби стоітъ.
18) А въ першому гробі
19) Сусъ Христосъ лежитъ,
20) А въ другому гробі —
21) Святий Илія,
22) А въ третёму гробі —
23) Свята Марія.
24) Надъ Сусомъ Христомъ
25) Свічі палаютъ,
26) Надъ Иліёю
27) Свічі палаютъ,
28) Надъ Маріею
29) Рожа процвіла,
30) А зъ підъ теі рожі
31) Вилетівъ пташокъ.
32) Не есть то пташокъ,
33) То Божая сила,
34) Шо по всёму світі
35) Людей размножила.

36) Добри-вечоръ!

(*Дашковъ, Литинск. уѣз.*).

---

*) См. колядку № 82.

## Б.

1) Пішла Марія, гукаючи,
2) Свого сина шукаючи,
3) Зостріла вона

4 Б = 4 А трое... 5 Б = 6 А Ви, жидова...?

6) Не бачили ви, жиди,
7) Ивана Хрестителя?

8 Б = 10 А. Вилізь, Маріё.. високу... 9 Б = 11 А.. тий..., 10 Б = 12 А Кленъ... стоіть. 11 Б = 13 А... кленъ...,

12) Крижи крижають,
13) Крижи крижають,

14 Б = 15 А, 15 Б = 16 А, 16 Б = 17 А... лежить, 17 Б = 18 А,

18) Иванъ Хреститель,

19 Б = 20 А, 20 Б = 19 А, 21 Б = 22 А, 22 Б = 23 А. Панна...

23) Надъ Иваномъ Хрестителемъ

24 Б = 25 А, 25 Б = 28 А... Дівою... 26 Б = 29 А.

(*Кривинъ, Острожск. уѣз.*).

## В.

1) Ходила Марія

2 В = 2 А.... всёму...

3) За нею трое жидовъя.

4 В = 8 Б, Чи бачишъ.. 5 В = 9 Б, 6 В = 12 Б,

7) Изъ тихъ крижівъ.

8 В = 15 А, 9 В = 16 А, 10 В = 17 А, 11 В = 18 А, 12 В = 19 А, 13 В = 20 А.

14) Синъ Божий лежить

15 В = 22 А,

16) Марія лежить.

17 В = 24 А.

18) Книги читають
19) Надъ синомъ Божимъ,

20 В = 25 А. 21 В = 28 А, 22 В = 29 А... зацвіла. 23 В = 30 А, а зъ теі... 24 В = 31 А... птахъ,

25) Полетівъ вінъ
26) По підъ небеса;
27) А ті небеса ростворилися,
28) А всі святиі поклонилися.

(*Пубельцы, Заславск. уѣз.*).

## 11.

Ой по мору, мору да по синёму.
Щедрий вечоръ,
Вамъ добрий вечоръ!
Ой по тому мору кладки л жали;
Ой по тихъ кладкахъ Божа Мати йшла,
Божа Мати йшла, ризи прала,
Ризи прала, промовляла:
«Кому сіі ризи достануться?
Зостануться ризи святому Микиті,
Святому Микиті — службу служити,
Службу служити да Бога просити,
Да Бога просити за пана Ивана
И за діточокъ, за сосідочокъ.

(*Лементаровка, Сосниц. у.*).

## 12.

На Іордані тиха вода стояла;
Тамъ Пречиста свого сина купала,
А скупавши, въ шовковее сповила,
А сповивши, въ яселка вложила.
Учора изъ вечора въ цій порі
Десь узялось, до східъ сонця, три воли;
Всі три вони надъ тимъ дитямъ дихали.
А вчора изъ вечора въ цій порі,
Десь узялося, до східъ сонця, три царі;
Всі три жъ вони надъ тимъ дитямъ раду радили;
А іденъ царъ Божимъ миромъ мировавъ,
А другий царъ Сусомъ Христомъ називавъ,
А третій царъ розню квітку дарувавъ.
Тожъ не квіточка — то святее Рожество,
Всёму миру по цімъ світі радосно.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 13.

Щедрий вечеръ, добрий вечеръ,
Добримъ людямъ, на весь вечеръ!
Ой, ремезо, ремезочку,
Не клади хатки на лёдочку:
Лёдочокъ ся буде розставати,
Твою хату забірати.
Ой, ремезо, ремезочку,
Не клади хатки въ ярімъ житі:
Яре жито будуть женці жати,
Твою хату розбірати.
Ой, ремезо, ремозочку,
Не клади хатки въ чистимъ полі:
Въ чистимъ полі плужокъ оре,
А въ тимъ плужку штири воли половиі,
А въ нихъ роги золотиі;
Святий Петро за плугомъ ходить,
Святий Павло воли гонить,
Пресвятая Діва істи носить,
Істи носить, Бога просить:
«Уроди, Боже, жито, пшаницю,
Всяку пашницю».
Наклади гніздо въ густимъ лісі на горісі:
Горіхъ ся буде розвивати,
Твою хатку прикривати.

(*Уницкій у.*).

## 14.

Щедрий вечеръ, пане господару,
Щасти, Боже, твоёму товару!
И часточка у меду,
И барвінокъ у саду.
Будь ти, мати хрещена,—
Божого сина хрестила,
По пудъ небесами носила.
Радуйтесь, люде, Христосъ буде,
Цілуйте Христа въ ручки и ніжки,
А мені, дядьку, давайте перожки.

(*Хабне, Радомысльск. уѣз.*).

## 15.

### А.

1) А въ полі, въ полі плужокъ ходить,
2) А за тімъ плужкомъ самъ Богъ ходить.
3) Мати Божа істи носить,
4) Бога просить:
5) «А вроди, Боже, жито, пшеницю,
6) Всяку пашницю,
7) Безъ куколю, безъ метлички,
8) Щобъ родилися бички, телички,
9) Чорни ягнички —
10) Старому діду на рукавички.

*(С. Оленовка, Борзенск. уѣз.).*

### Б.

1 Б = 1 А въ чистимъ.., 2 Б = 2 А.

3) Святий Петро погоняє

4 Б = 3 А, Божа Мати..,, 5 Б = 4 А істи носить...

6) Виори, синку, горбки и долинку,
7) Посіємъ жито, ярої пшениці.
8) Съ колосочка — жита бочка.
9) А зъ другого — жита много.

*(Славута, Заславск. у.).*

### В.

1 В = 1 А Ой у полі... 2 В = 2 А, 3 В = 3 Б... воли гонить, 4 В = 4 Б, 5 В = 5 Б, 6 В = 6 Б Ори... цю... 7 В = 7 Б... пшениченьку.. 8 В = 8 Б.. щобъ жмінёчка,

9) А зъ снопочка — щобъ чверточка.

*(Кривинъ, Острожск. у.).*

### Г.

1) Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,

2 Г = 1 А... плугъ... 3 Г = 3 А Матеръ... 4 Г = 5 А зароди... 5 Г = 6 А,

*

6) А мені, дядьку, дай паляницю,

(*Хабне, Радомысльск. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 А, 2 Д = 2 А, 3 Д = 3 А Пречиста Діва... 4 Д = 4 А, 5 Д = 4 Г, 6 Д = 6 А, 7 Д = 6 Г ти...

8) Добри-вечеръ!

(*Соловьевка, Радомысльск. уѣз.*).

## 16.

Шовъ Илья
На Василя,
Въ ёго пужечка
Житяночка;
Куди ею махнеть,—
Тамъ жито ростеть.
Зароди, Боже,
Жито, пшеницю,
Всяку пашницю;
А въ полі ядромъ,
А въ дворі добромъ,
На покуті гостьми,
На полу дітьми,
А въ полі зерняткомъ,
На дворку жеребъяткомъ.

(*Въ Сѣверн. уѣз. Черниговск. губ.*).

## 17.

Пане господару, вставай съ постелі,
Вставай съ постелі, відчиняй двері,
Бо йде до тебе три гостоньки:
Іденъ гостонько — ясний місяць,
Другий гостонько — яснее сонечко,
Третій гостонько — дробенъ дощикъ.
«Ясний місяцю, чимъ ся похвалишъ?»
— Якъ я зійду рано зъ вечора,

Та просвітю гори и долини,
То зрадується весь звіръ у полі,
А гість при дорозі.
Якъ изійде ясне сонечко рано въ неділю,
То зрадується весь миръ христіяньский
Ще и дітки маленьки.
«Дробенъ дощику, чимъ ся похвалишъ?»
— Якъ я зійду три рази въ маю,
То буде рости жито и пшениця,
Жито й пшениця, всяка пашниця.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз..*)

## 18.

Щедрий вечіръ, пане господару,
Стережи, Боже, твоёго товару,
Стережи, Боже, твого остатку,
Що-бись не мавъ ніколи припадку.
Хорошую жінку маєшъ,
Хорошенько єі поважаєшъ,
Якъ чашечка у меду,
Якъ барвінокъ у саду,
Якъ барвінокъ въ саду процвітає —
Божая Мати книги читає.
Якъ Сусъ Христосъ народився,
На престолі положився...
Цілуйте Христа у ножки,
Намъ виносьте пиріжки
Добрий вечіръ!

(*С. Краснополка, Гайсинск. у.*).

## 19.

Пане господару, замітай двори,
Святий вечоръ! *)
Замітай дворі, застілай столи,
Накладай хліби усё разние —

*) Послѣ каждаго стиха.

Найдуть до тебе гості важние.
Наіде до тебе самъ Господь зъ неба,
Съ писарчиками, съ окучиками. (?)
Илья пудъ порігъ, Петро на порігъ.
«А де ти була, святая Илья?»
— Ой була бо я въ полю за сторожа,
Ой стерегла я жита, пшаниці,
Жита, пшаниці, всякой пашниці,
Щобъ зъ коріюшка не виломило,
Щобъ зъ колосочка не видзёбало,
Щобъ колінчика не виломало.

(*Жирючи, Ковельск. уѣз.*).

## 20.

### А.

1) Прилетіла ластівочка,
2) Сіла собі на віконці,
3) Стала собі щебетати,
4) Господара викликати:
5) «Вийди, вийди, господару,
6) Подивися до товару:
7) У тебе дві корові телилося,
8) Два бичечки родилося.
9) Тамъ-то гарні, тамъ-то красні
10) Ще й хороші, —
11) Будешъ мати за нихъ гроши;
12) Тамъ-то гарні, ще й гладеньки, —
13) Будешъ мати за нихъ деньги.

### Б.

1 Б = 1 А... ластівонька, 2 Б = 2 А... край... 3 Б = 3 А, 4 Б = 4 А, 5 Б = 5 А, 6 Б = 6 А... на кошару.

7) Чи всі вівці покотилися,
8) Чи баранці породилися?
9) Ой баранці крутороги
10) Поскакали по дорозі,
11) А ягнички карноушки
12) Поскакали коло грушки.

(*Краснополка, Гайсинск. у.*).

### В.

1 В = 1 А, 2 В = 2 Б, 3 В = 3 А, 4 В = 4 А, 5 В = 5 А, 6 В = 6 Б, 7 В = 7 Б, 8 В = 8 Б... ягнички...? 9 В = 11 Б. 10 В = 12 Б скачуть собі... 11 В = 9 Б.... круторожки.

12) Скачуть собі край дорожкі.

### Г.

1 Г = 1 А, 2 Г = 2 Б, 3 Г = 3 А Якъ зачала... 4 Г = 4 А... розбужати, 5 Г = 5 А А встань... 6 Г = 6 Б, 7 Г = 7 Б, Всі овечки... 8 Г = 8 Б Баранці...

9) Добри-вечеръ вамъ,
10) Дайте намъ книшъ,
11) Бо пустимъ до хати мишъ;
12) Дайте ковбасу,
13) Бо вамъ хату рознесу.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 21.

### А. *)

1) Щодрий вечоръ, добрий вечоръ,
2) Добримъ людямъ на ввесь вечоръ!
3) Чи дома сей панъ господаръ?
4) А я знаю, що вупнъ дома,
5) Сей панъ господаръ;
6) Сидить же вуинъ въ конці стола,
7) А на ёму шуба соболёва,
8) А на ёму цингакора, (?)
9) У цингакорі сімъ шеляжківъ:
10) Усімъ бабкамъ по шеляжечку,
11) А намъ, дядьку, по пирожечку.
12) Бички рогати пошли горати
13) На попову ниву, на перениву.
14) Роди, Боже, жито, пшеницю,
15) Всяку пашнипю.
16) А намъ, дядьку, дай паляницю.

(*Рокито, Овручск. уѣз.*).

---

*) См. колядку № 154.

## Б.

1 Б = 1 А. 2 Б = 2 А. 3 Б = 3 А Въ-дома, дома... 4 Б = 6 А... собі..., 5 Б = 7 А. На нимъ... 6 Б = 8 А На тий шубі... 7 Б = 9 А... калиточка.

8) Въ калиточці сто червонцівъ.
9) Сёму тому по червоному,

10 Б = 11 А... діткамъ..,

11) По пирожечку, по шляжечку,
12) Добрий вечіръ!

(*Любаръ, Новоградволынск. у.*).

## В.

1 В = 1 А, 2 В = 3 А. Чи є въ...? 3 В = 4 Б. 4 В = 5 Б... шапка...

5) Калиточка, якъ бочечка,
6) Въ тий калитці три червонці,
7) Намъ, щедричкамъ по осьмачку..,
8) На повеє літо, роди, Боже, жито,

9 В = 14 А.

10) Горохъ, сочевицю..,
11) Въ клуні умолотна,
12) Въ дівці зіхідна;
13) На печі рожа—
14) Господиня гожа;
15) На пруточку рута, —
16) Господиня крута.

(*Дрогичинъ, Кобрин. уѣз.*).

## Г.

1) Ой на воді, на Іордані
2) Нема хліба, ходімъ далі.
3) А я тобі защедрую

4 Г = 1 А, 5 Г = 2 А... на здоровъє 6 Г = 3 А. Чи дома, дома...? 7 Г = 4 А, 8 Г = 4 Б. 9 Г = 7 А... люба, 10 Г = 7 Б. 11 Г = 9 А, А въ калиточці...

12) А ти, хозяіну, дай по пирожечку.—

(*Гостомель, Кіевск. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 3 А, 2 Д = 4 А, 3 Д = 3 В. 4 Д = 9 Г.

5) А на шубі чиндокора, (?)
6) На чиндокорі поясочокъ,

7 Д = 7 Б. На поясочку... 8 Д = 8 Б... сімъ куипъ грошей 9 Д = 10 А. Сёму тому..., 10 Д = 10 Б.

(*Борисполь, Переяслав. уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 А, 2 Е = 2 А, 3 Е = 3 Б, Чи...? 4 Е = 4 А, 5 Е = 5 Б, 6 Е = 8 А... шуба львова, 7 Е = 8 Б, 8 Е = 9 А... по шеляжечку. 9 Е = 9 Д... шелягові 10 Е = 10 Д... по шелягові.

(*Дашковъ, Литинск. уѣз.*).

## Ж.

1 Ж = 3 Е. 2 Ж = 4 А, 3 Ж = 6 Б. 4 Ж = 7 А, 5 Ж = 8 Б, 6 Ж = 11 Б, 7 Ж = 11 А... хлопцямъ по калачові.

(*Перейма, Балтск. уѣз.*).

## З.

1 З = 3 Е? 2 З = 4 А, 3 З = 6 Б, 4 З = 7 А, 5 З = 8 А... дзілинь-котора (?) 6 З = 3 А а въ тий дзілинь-которий... 7 З = 9 Д, 8 З = 10 Б... дівчатамъ...

## И.

1 И = 1 Д... самъ панъ дома?

2) Хочъ же вінъ дома, та не кажеться,
3) Къ коню въ шубочку прибірається,
4) А у глобочці (?) дві кигленечки,
5) А въ кигленечкахъ по три шеляги.
6) Кому, дядьку, по шелягу,

7 И = 11 А.., пирогу.

(*Въ Сѣверныхъ уѣз. Черниг. губ.*).

### К.

1) Я відаю хто не въ-дома,
2 К = 3 Е А не... 3 К = 6 Б,
4) И ість кутю пшеничную,
5) Ситцею поливає,
6) Ему Господь помогає.

(*Голобы, Ковельск. уѣз.*).

### Л.

1 Л = 2 В? 2 Л = 4 А... не... 3 Л = 6 Б, 4 Л = 4 К.
5) А пъє воду кринишную.

(*Дубыще, Староконст. уѣз.*).

### М.

1 М = 1 А... на святий... 2 М = 3 Е?
3) А ми знаемъ, що є въ-дома
4 М = 3 В, 5 М = 7 А, 6 М — 8 Б, 7 М = 9 Б А въ тий..., 8 М = 10 Б, 9 М = 11 Б, 10 М = 7 Ж... золотому,
11) А дівчатамъ по віночку
12) Зъ хрещатого барвіночку.

(*Ушицкій уѣз.*).

### Н.

1) Чи нема въ-дома пана господара?
2 Н = 4 А, 3 Н = 6 Б, 4 Н = 7 А, 5 Н = 8 Б, А въ.. 6 Н = 9 Б, 7 Н = 10 Б... червонихъ, 8 Н = 11 Б, 9 Н = 7 Ж... по калачові.
10) Якъ не даєте калача —
11) Займемъ вола рогача,
12) А виженемъ на муригъ,
13) Зобъемъ ёму правий рігъ.
14) А въ рігъ будемъ трубити,
15) Хвостомъ будемъ гонити:
16) Гей, бичокъ, третячокъ,
17) За маковий пирожокъ.
18) Добрий вечеръ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## О.

1 О = 1 А, 2 О = 2 А... на здоровъє 3 О = 3 Б чи...? 4 О = 4 А, 5 О = 6 А, 6 О = 9 Г. 7 О = 7 Б на поясі... 8 О = 11 Г, 9 О = 9 Д, 10 О = 7 И... братця...

(*Обыч. и повѣр. Малор. Марк. ст. 65, 66.*).

## II.

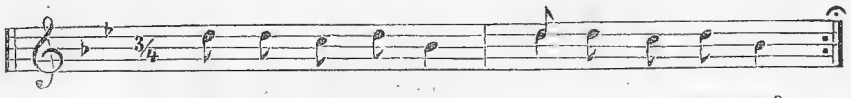


Ой я знаю, що вінъ дома,
Сидить же вінъ въ кінці стола,
А на ёму шуба люба,
А на шубі поясочокъ,
На поясочку калиточка,
А въ калиточці сімъ кіпъ грошей;
Сёму тому по шеляжечку
А намъ, братцямъ, по перожечку.

(*М. Борисполь, Переяславск. уѣз.*).

## 22.

На водахъ на Іорданьскихъ
Пливе листокъ буковенний,
На тимъ листку написано
Ясне сонце самъ.

## 23.

1) Ой літала ластовка, літала,
2) До віконечка припадала,
3) Пана господара избужала:
4) «Ой вставай, пане господаре,
5) Засвіти свічу восковую,

6) Побуди челядь молодую:
7) Молода челядь до церковці,
8) А бжилоньки до пасіки.
9) Роди, Боже, бнчки, телички,
10) А намъ дайте паляннчки.

(*С. Дудри, Каневск. уѣз.*).

### Б.

1) Ластівка щебетала,

2 Б = 2 А підъ віконцемъ...

3) Свого пана пробужала:

4 Б = 4 А «Ой устань..., 5 Б = 5 А, Б Б = 6 А,

7) Нехай походить по дворочку,
8) Якъ пчілочки по медочку».

(*С. Пудища, Прилуцк. уѣз.*).

### В.

1) Прилетіла, пригадала,

2 В = 1 Б, На віконці... 3 В = 4 А, Ой устань, устань,..., 4 В = 6 А... свою гарну! 5 В = 6 А, 6 В = 5 А... свічку... 7 В = 7 Б, Та походи..., 8 В = 8 А... по садочку.

9) Добри-вечіръ!

(*Нар. Юж. ус. пѣс. Метлинск., стр. 342.*)

## 24.

### А.

1) Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
2) Добримъ людямъ на здоровъе.
3) Стояла світілка новозрублена,
4) А въ туй світёльці три оконечка:
5) Въ першімъ окопечку ясний місяць,
6) Въ другімъ оконечку ясне сонце,
7) Въ третімъ окопечку ясні зірки.
8) Що жъ місячикъ — то господарикъ,

9) Що сонечко — то господинька,
10) Ясні зірки — то ёго дітки.
11) Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
12) Добримъ людямъ на здоровъе.

(*Дрогичинъ, Кобринск. уѣз.*).

## Б.

1) Ой затяти, зарубати,
2) Тамъ церковцю становляти

3 Б = 4 А... церковці... оконці, 4 Б = 5 А... оконці... 5 Б = 6 А... оконці... 6 Б = 7 А... оконці...

7) Ясний місяць — панъ господаръ,
8) Ясне сонце — ёго жона,

9 Б = 10 А.

(*Славута, Заславск. уѣз.*).

## В.

1) Ой на річці на Ордані
2) Пливе образъ виринає,
3) До церковці промовляє:

4 В = 3 Б, 5 В = 5 А, Перше оконце... 6 В = 6 А. Друге оконце... 7 В = 7 А. Трете оконце... 8 В = 7 Б, 9 В = 8 Б, 10 В = 10 А,

(*Вачовъ, Заславск. уѣз.*).

## Г.

1) Сива, сива зозуленька,
2) Чи всі луги облітала?
3) На тимъ місті церковъ стала

4 Г = 3 Б, 5 Г = 4 Б. Єдно окно..., 6 Г = 5 Б. Друге окно... 7 Г = 6 Б. Трете окно... 8 Г = 7 Б, 9 Г = 8 Б, 10 Г = 9 Б.

(*Мокраны, Кобринск. уѣз.*).

## Д.

1 Д = 1 Г... раба... 2 Д = 2 Г, Усі садки...

3) Но въ єдному не бувала;
4) А въ тимъ садку стоіть хатка.

5 Д = 3 Б... хатці... 6 Д = 4 Б. 7 Д = 5 Б, 8 Д = 6 Б, 9 Д = 7 Б. А що... то господаръ, 10 Д = 8 Б. А що... господиня, 11 Д = 9 Б. А що...

(*Дубище, Староконст. уѣз.*).

## Е.

1 Е = 1 В,

2) Пливе човенъ малёваний,

3) А въ тимъ човні ажъ три пісьмі.

4 Е = 4 Б. Єдно пісьмо..., 5 Е = 5 Б. Друге пісьмо... 6 Е = 6 Б. Третє пісьмо... 7 Е = 9 Д, 8 Е = 10 Д, 9 Е = 11 Д.

(*Краснополка, Староконстантин. уѣз.*).

## Ж.

1) А зъ клену листу нападало;

2) На тимъ листі написано:

3 Ж = 7 Б, 4 Ж = 8 Б, 5 Ж = 9 Б.

(*Ушицкій уѣз.*).

## З.

1 З = 1 В... на госоці,

2) Тамъ пливе кленовъ листокъ

3 З = 3 Ж:

4) Три пісьмечка

5 З = 4 Е. Перве... 6 З = 5 Е. 7 З = 6 Е... зорі. 8 З = 7 Б... самъ.. 9 З = 8 Б, 10 З = 10 А.

11) Добри-вечоръ.

(*Нар. Юж. Рус. пѣс. Метлинск. стр. 342.*).

## И.

1) Ой на горі на камъяний,

2) Тамъ волохи церкву ставлять,

3) Церкву ставлять вікна будують:

4 И = 5 В. Одно... 5 И = 6 В, 6 И = 7 В, 7 И = 8 Б... то господиня 8 И = 7 Б, 9 И = 10 А, 10 И = 11 З.

(*Народ. Юж. Русск. пѣсни Метлинск. стр. 342, 343.*).

## 25.

Я ходивъ, я блудивъ
Да по новихъ городахъ,
Святий вечоръ, щедрий,
Добримъ людямъ на здоровъе!
Я шукавъ, я питавъ
Королёваго двора,
Господара двора
На трохъ стовпахъ.
Да бувай же здоровъ, пане господару,
У домочку, зъ своєю жоною и зъ дітками у раёчку.
Що ясний місяць — дакъ то самъ господаръ;
Для місяця сорочка —
Дакъ то ёго жіночка,
А дрібниі звіздочки —
Дакъ то ёго діточки.
Да бувай же здоровъ, пане господару,
Святий вечеръ!
Дай пирогъ!
Ой якъ даси пирогъ,
Помилує тебе Богъ.
Якъ не даси пирога, —
Візмемъ вола за рога,
Да й поведемъ на муригъ,
Да й зобъемъ правий рігъ.
Воломъ будемъ робити,
А въ рогъ будемъ трубити.
Якъ не дасте сала,
Поберемо сані.
Будете виляти,
Ні въ що запрягати—
Треба сала дати.
Якъ не дасте копійки,
Дакъ поберемо дівки:
Будете виляти,
Ні кимъ замишляти —
Треба копійку дати.
Якъ не дасте полушки,
Поберемо подушки:
Будете виляти,
Що ні на чімъ спати, —
Треба полушку дати.

Ми жъ тебе, господару, не зневажаемъ,
Святимъ Василемъ поздравляемъ.

(*Юриновка, Новгородсѣвер. уѣз.*).

## 26.

Що ся тамъ світить
По новихъ сіняхъ?
Тамъ и Стасюнё
Коня сідлае.
Самъ ся вбирае
За гіроньки
До дівоньки.
А ёму мати
Свічи тримае:
«Не бери, синоньку,
Дівочки въ таночку, —
А бери, синку,
Що въ полі на жниві,
На хорошій ниві,
Що за нею снопкі густні,
Жмені частні.»

(*Рокалупа, Холмск. уѣз.*).

## 27.

На Ордані, въ новій стані,
Тамъ Тодорко коня сідлае,
Батько ёму присвічае:
«Куди, сину, виізжаешъ?»
— За границю, по дівицю.
Моя дівка богатирка,
Въ буддень ходить въ сріблі, въ злоті,
Въ свято ходить въ оксаміті.

(*Губенецъ, Заславск. уѣз.*).

## 28.

По горі овечки ходять,
Щедрий вечоръ,
Добрий вечоръ,

За ними ходить гречний молодець,
А вінъ ходить три труби носить:
Єдна труба золотая,
Друга труба мідяная,
Третя труба срібная.
Якъ заграє въ золотую —
Пішли голоса підъ небеса;
Якъ заграє въ мідяную —
Пішли голоса въ темни луга;
Якъ заграє въ срібну трубу,
То підуть голоса въ темниі ліса.

Щедрий вечоръ,
Добрий вечоръ!

Віншую васъ щастємъ и здоровъємъ.

(*Ушицкій уѣз.*).

## 29.

### А.

1) При дорожичці самъ плужокъ оре,
2) Самъ плужокъ оре семерицею.
3) Прийшовъ до ёго татонько ёго:
4) «Ой ори, синку, широку нивку,
5) Та посіємо яру пшеницю,
6) Та уродиться зелене стебельце,
7) Зелене стебельце, золоте ядерце.
8) Нажнемо кіпокъ, якъ на небі зірокъ,
9) Накладемъ стіжокъ зсподу широкий,
10) Зсподу широкий, зверху високий »
11) Та прилетіло а три голуби.
12) Ой сіли вони на високімъ стожку.
13) Красний молодець стрельбу набиває,
14) Стрельбу набиває, стреляти має.
15) — Красний молодець, не стреляй на насъ
16) Не стреляй на насъ, попитай-но насъ:
17) Ми не голуби, ми єсть ангели.

(*Здомышль, Ковельск. уѣз.*).

### Б.

1) По-надъ дороги лежать облоги,
2) Тамъ горе плужокъ въ осьмеро жъ конь,
3) За тимъ плужкомъ Лукіянъ зъ батожкомъ.

4 Б = 3 А... батенько... 5 Б = 4 А... дрібненьку скібку, 6 Б = 5 А будемъ сіяти...

7) Яру пшеницю, всяку пашницю;
8) Да зберемъ жінцівъ сімъ сотъ молодцівъ,
9) А въязаничокъ — сімъ сотъ дівочокъ.

10 Б = 8 А.

(*Краснополка, Староконст. уѣз.*).

## 30.

Пудъ сінцемъ пудъ новимъ
Стоять коні вороніі.
Чиі жъ то кониченки?
— Молодого Климухна.
Де жъ ти поідешъ?
— До дівчини на залёти.
А дівчина листи пише:
Приідь, приідь, мій женише.

(*Городокъ, Луцкаго уѣз.*).

## 31.

У сёго двора поросла трава.
Рай розвився — Христосъ породився
Въ ёго дому, Богъ ёму давъ добру жону.
Рай розвився — Христосъ народився въ ёго дому.

(*Въ сѣверныхъ уѣзд. Черниговъ. губ.*).

## 32.

У писаря при дворі
Стоіть яворъ при окні;

На яворі гиллячки,
На гиллячкахъ віточки,
На виточкахъ хустойка,
На хустойці золото.
То Парася вішала,
То молодці тішила.
Ви те-жъ, моі молодці,
Не ходіте поночі,
Не рубайте явора,
Не трусіте золота,
Бо мні оно потребне
Свекра, свекровъ даріти.

(*Забрудья, Ковельскаго уѣз.*).

## 33.

Ой учора изъ вечора
Пасла Миланка два качура,
А пасучи загубила,
Шукаючи заблудила.
Приблудила въ чисте поле,
А тамъ Василько плужкомъ оре.
Черчику, васильчику,
Посію тебе въ городчику,
Буду тебе шанувати,
Тречи на день поливати,
А що суботи проривати,
Дівкамъ-панянкамъ дарувати,
За русу косу затикати,
До церковці похожати.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 34.

Зажурилася крутая гора,
Що не вродила шовкова трава,
Тілько вродився зелёнъ виноградъ.
Красная панна саду стерегла,
Та налинули райськіі пташечки.
Ой шша, шша, райскіі пташечки,

Намъ того вина барзо потреба:
Єсть у насъ синки на оженіннячко,
Єсть у насъ дочки на даваннячко.
Дай тобі, Боже, пиво варити,
Пиво варити, синівъ женити.
Дай тобі, Боже, горілку гнати,
Горілку гнати, дочокъ давати.
Пане-господару, вийди-но на двіръ,
Вийди-но на двіръ, щось тобі давъ Бігъ.
Ой давъ тобі Бігъ два стожки жита,
Третій пшаниці на паляниці,
Четвертий гречки на варенички,
А пятий овса — да й коляда вся!

(*Замышль, Ковельск. уѣз.*).

## 35.

Ой на річці на Ордані,
Тамъ Марися біль білила,
До батенька говорила:
«Мій батеньку, голубоньку,
Ой забери біль біленьку.»
До матінки говорила:
«Ой матінко, голубонько,
Ой забери біль біленьку.»
До братіка говорила:
«Ой братінку, голубоньку,
Ой забери біль біленьку.»
До сестроньки говорила:
«Ой сестронько, голубонько,
Ой забери біль біленьку.»
Ніхто жъ того не послухавъ!
Ой на річці на Ордані,
Тамъ Марися біль білила,
До милого говорила:
«Мій миленькій, голубоньку,
Ой забери біль біленьку.»
А миленькій та й послухавъ,
Забравъ тую біль біленьку.

(*Дубище, Староконстант. уѣз.*).

## 36.

### А.

1) Ложку, тарілку упустила,
2) Тонкій хвартухъ замочила...
3) Повій, вітре буйнесенькій,
4) Висуши хвартухъ тонесенькій;
5) Повій, вітре, черезъ ворота,
6) Висуши хвартухъ краще злота;
7) Повій, вітре, сюди-туди,
8) Висуши хвартухъ хочъ межъ люде.
9) Наша Меланка не робоча,
10) На ній сорочка парубоча;
11) Нашій Меланці уся плата —
12) Пара колошей (?) и води кварта.

Добри-вечеръ!

(*С. Черныши, Каневск. уѣз.*).

### Б.

1) Наша Меланка въ Дністрові була,
2) Дністрову воду вона пила,

3 Б = 2 А.

4) Повісила на воротяхъ:

5 Б = 5 А... крізъ... 6 Б = 6 А. 7 Б = 7 А. 8 Б = 8 А... мижи люде. 9 Б = 3 А. 10 Б = 4 А.

(*Переймы, Балтск. уѣз.*).

### В.

1) Наша Меланка господиня
2) Въ ополонці ложки мила,

3 В = 1 А. 4 В = 2 А тоненькій... 5 В = 5 А. 6 В = 6 А.

7) Щобъ ненька не пізнала,
8) Щобъ шельмою не назвала.

(*Талянка, Уманск. уѣз.*).

## 37.

У крутому бережечку,
Ой у тихому Дунаєчку,
Тамъ дочечка біль-білила,
А до батечка листи писала:
«Приідь, приідь, мій батечку,
Забери собі біль-білечку.»
— «А въ мене коні не ковани,
А въ мене сані поломани.»
Ой у крутому бережку
Ой у тихому Дунаєчку,
Ой тамъ дочка біль білила,
А до ненёчки листи писала:
«Приідь, приідь, моя ненечко,
Забери собі біль-билечку.»
— «А въ мене коні не ковани,
А въ мене сані поломани...»
Добрий вечоръ!..

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 38.

Ой на річці на Ордані,
Ордань воду розливає.
Семенъ біль біливъ,
До татойка говоривъ:
«Ой татойку, голубойку,
Хто по мою біль поіде?»
— «Не поіду, бо ще коні не ковани,
Бо ще сані не ладжони;
Ой якъ коні покую
И якъ сані поладжу,
То по твою біль поіду.»

(*Городокъ, Луцкаго уѣз.*).

## 39.

Ой у нашого пана Оврама
У садочку стояла світлонька оріховая;

А въ тій світлоньці Оксютка.
Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
Добримъ людямъ на здоровъе!
Шъють, вишивають дорогіі сукні,
Укравочки — на подарочки,
Обрізочки — на цвіточки.
Та бувай здорова, красная панна,
Панна Оксана!
Не сама изъ собою, —
И зъ своєю матюнкою;
Та бувай здорова зъ Исусомъ Христомъ,
Зъ Святимъ Рожествомъ!
Щедрий вечоръ, добрий вечоръ,
Добримъ людямъ на здоровъе.

(*Народн. Юж. Рус. пѣс. Метлинскаго, стр. 343, 344*)

## 40.

А въ нашого господара
Стоіть явіръ середъ двора;
На явори золота кора,
Золота кора, а срібна роса.
А вскочила красна панна,
Золоту кору обстругала,
Срібну росу обтрусила,
А понесла до злотничка:
«А злотничку, голубоньку,
Зроби мені золотий киліхъ,
Золотій киліхъ, а срібний кубокъ.
А съ киліха самъ Господь пъе,
А съ кубочка — панъ господаръ.
Добрий вечоръ!

(*Дубище, Староконстант. уѣз.*).

## 41.

А въ новому городечку
Тамъ зацвіла не макъ-рожа,
А скочила красна панна,

А вирвала не макъ-рожу,
Та понесла до батенька:
«Ой батеньку, голубоньку,
Кобъ я такая, якъ рожа тая,
Не пішла бъ я за селянина,
А пішла бъ я за міщанина:
У селянина борщу нема,
А въ міщанина съ перцемъ журина.

Добрий вечіръ!

(*Дубище, Староконстант. уѣз.*).

## 42.

Ой ходивъ, ходивъ місяць по небі,

Святий вечоръ!

Ой щукавъ, шукавъ ясноі зорі.
«Ой зоро, зоро, моя зорице!
Ой ходімо ми Бога шукати,
Бога шукати, людей спасати.»
А панъ-господаръ за столомъ седить,
За столомъ седить, три кубки держить.
Въ першому кубку вино зелёне,
Въ другомъ кубку пиво щедрове,
Въ третёму кубку медокъ солодокъ.
Медокъ-солодокъ для ёго дітокъ,
Пиво щедрове для ёго самого,
Вино зелёне для ёго жони.

(*Здомышль, Ковельск. уѣз.*).

## 43.

Ой у лузі калинойка;
Тамъ дівчина походила,
Калинойку поломила
И въ пучечки повъязала,
На віночокъ обертала,

(*Голобы, Ковельск. уѣз.*).

## 44.

А въ полі, въ полі, да й край дороги,
Святий вечоръ!
Ой тамъ Ганнуся пшеничку жала,
Пшеничку жала, не спочивала.
Ой прийшло икъ неі три волошини,
Три волошини, три хороші:
Хочуть мене взять въ чистому полі!
«Ви, волошини, ви хороші,
Не беріть мене въ чистому полі,
А возьміть мене въ батьковомъ дворі:
Я въ батька одна, я въ батька одна.»

(*Черниговскаго уѣз.*).

## 45.

Ой въ ліску, въ ліску,
На жовтимъ піску
Стоіть береза,
Тонка, висока,
Тонка висока,
Голлємъ широка.—
На тий березі
Самъ сокілъ седівъ,
На море глядівъ.
Ой тамъ на морі
Човникъ возиться,
А въ тимъ човнику
Молода Настаська.

(*Лучичь, Ковельск. уѣз.*).

## 46.

Летіла соя въ купець села,
Упустила жолуденьку:
«Рости, дубе, тонкий-високий!»
А въ томъ дубові три користи:
У корені чорни бобри,

У середині яри пчоли,
А изверху ясни соколи.
Чорни бобри — на шубойку,
Яри пчоли — на свічечку,
Ясни соколи — на втішейку:

(*Голобы, Ковельск. уѣз.*).

## 47.

Ой котилася зімняя рута,
Щедрий вечоръ!
Ой хвалилася біла береза
Своіми цвітками передъ дубками.
Ой хвалилася молода Параска
Своіми косками передъ женишками.
Й а хто жъ тні коски годовавъ?
— Годовала жъ мене ненька миленька,
Ненька миленька — матка рідненька.
Ой пойшла жъ вона тамъ до костёла,
На ій королі головку ломъять,
Золотий віночокъ головку клонить,
Золотий перстінь ручечку ломить.

(*Дрогичинъ, Кобринск. у.*).

## 48.

Ой у полі конопелька,
На конопельці золота роса;
Тамъ синиця походила,
Ту росичку потрусила,
До злотничка поносила:
«А злотничку, голубчику,
Искуй мені перстенёчокъ.»

(*Голобы, Ковельск. уѣз.*).

## 49.

Ой у Луцьку на риночку
Пъють козаки горілочку,

Пъють вони, попивають,
И Маръечку намовляють:
«Ти, Маръечко, ходи зъ нами!»
— «Ой не пуийду, буду ждати, —
Буде мати дари ткати!»

(*Городокъ, Луцкаго уѣз.*).

## 50.

Тамъ заряється, займається.
Святий вечоръ!
Красна Ганна прибірається, —
Трома милами умивається.
У церкву йшла зъ ясними свічами,
А зъ церкви йшла изъ паничами.

(*Въ сѣверн. у. Черниг. губ.*).

## 51.

Въ садку, садку-виноградку,
Тамъ гречная панна въ срібло ся вбрала;
Якъ ся вбрала, та пішла до церкви —
По поясъ въ срібло, въ злото по землю;
Якъ ся взяли на то люди зглядати:
«Чи то царівна, чи королівна?»
— «Я не царівна, не королівна,
А лишъ панночка,
Титова дочка».
Вечоръ добрий!

(*Ушицкій у.*).

## 52.

Сидить дідъ на стольці,
Взувається въ постольці.
Здоровъ, діду, износи,
Винеси сала й ковбаси.
Добри-вечоръ!

Чи въ-дома дядько,
Чи въ-дома дядина,
Чиніте ласку,
Внесіть ковбаску,
Або кишку,
Да ззъімъ у затишку.
Добрий вечоръ!

(*Соловьевка, Радомысл. уѣз.*).

## 53.

Щедрівниця,
Добра зъ масломъ паляниця,
А пісная не такая,
А я й теі не покину —
И тую въ торбу вкину.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 54.

### А.

1) Хутко даріте,
2) Насъ не баріте,
3) Коротки свитки —
4) Померзли литки.
5) Мати казала,
6) Щобъ кусокъ сала,
7) Батько сварився,
8) Щобъ не барився.

(*Хабне, Радомысл. уѣз.*).

### Б.

1) Постілъ косий, а я босий.

2 Б = 7 А, 3 Б = 8 А, 4 Б = 5 А, 5 Б = 6 А...далп...

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

### В.

1) Дарить,
2) Не барить.

3 В = 3 А, 4 В = 4 А!

(*Въ Сѣверн. у. Черниов. губ.*).

## 55.

### А.

1) Щедрикъ, ведрикъ,
2) Дайте вареникъ,
3) Грудочку кашки,
4) Кільце ковбаски.
5) Дайте ковбасу —
6) Я до дому понесу;
7) Дайте крупъянку —
8) Пудкину пудъ лавку.

(*С. Прощще....*).

### Б.

1 Б = 1 А, 2 Б = 2 А, Винесіть..., 3 Б = 3 А Грудку..., 4 Б = 4 А Кіньчикъ...

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

### В.

1 В = 1 А... Петрикъ, 2 В = 2 А, 3 В = 3 А, 4 В = 4 А.

(*Въ Сѣверн. у. Черниов. губ.*).

### Г.

1 Г = 1 А... бедрикъ, 2 Г = 2 А, 3 Г = 3 А, 4 Г = 4 А.

## Д.

1, 2, 3, 4 Д = 1, 2, 3, 4 А.

(*Соловьевка, Радомысльск. уѣз.*).

## 56.

Бігла теличка
Побережичка
Черезъ дядьківъ тікъ.
Я вамъ, дядьку, защедрую,
Винесить перігъ,
Винесіть книшъ,
Бо впустю ніжъ.
А винесіть курку,
Бо я въ вікно штурхну.
А винесіть ковбасу,
Бо я хату рознесу.

(*Краснополка, Гайсинск. уѣз.*).

## 57.

На ричці, на Сітниці
Пропивъ батько дві телиці:
Батько скаче, мати плаче,
А жидъ біжки-чиберачки.

## 58.

А въ пана, въ пана
Собака пъяна,
Лежить на саняхъ
Въ червонихъ штаняхъ,
Лежить на ліжку,
Задерши ніжку.
Добри-вечоръ!

(*Соловьевка, Родомысльск. уѣз.*).

## 59.

Бігла теличка та зъ березничка,
Та зъ березничка,
Да до дяді въ дворъ;
Дай, дядю, пирігъ!
А не даси пирога,
Возьму вола за рога,
Да виведу на мурігъ,
Да викручу правий рігъ,
Воломъ буду робити,
Въ рожокъ буду трубити.

(*Х. Матроновка, Борзенск. уѣз.*).

## 60.

А въ печі пирожки пекли,
А въ запічку хлопці седіли,
А на горі сало висіло,
А полізъ я на гору по сало,
А я сала не доставъ,
Изъ драбинки тілько впавъ.

(*Кривинъ, Острогожск. уѣз.*).

## 61.

Щедрий вечоръ, пане господару!
Сторожи, Боже, твого товару,
Твого товару, всплякого спадку...
Просимъ Бога за отца й за матку.
Хорошеньку господиню маю,
Хорошенько распоражаю.
Якъ чашечка въ меду попливає,
Якъ барвінокъ въ саду процвітає!
Добри - вечоръ!

(*Любаръ.*).

## 62.

Andante.

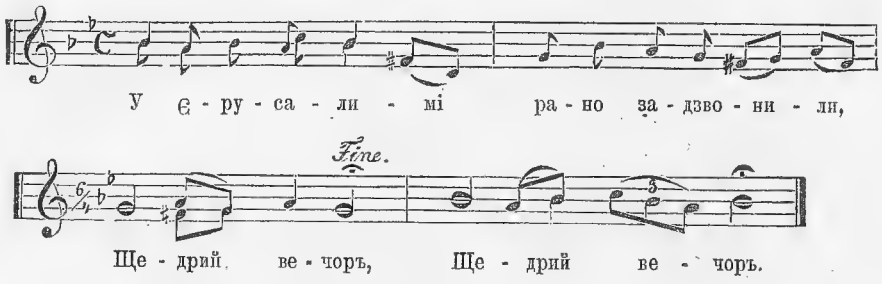


Рано задзвонили, усіхъ побудили,
Щедрий вечоръ, щедрий вечоръ. *)
А у сій хатці да три кравці,
Охъ шили вони ризи золотиі,
Повісили ризи да й у теремі,
Да й у теремі да на дереві,
На золотому колку, на срібному шнурку.
Прилетіли туда а три анголі,
Охъ, сіли вони та на теремі,
Да на теремі та на дереві;
Охъ, и стали вони да раду радити,
Да раду, раду, якъ ризи узяти.
Да узяли ризи да на крилечка,
Да понесли ризи да й у церковцю,
Положили ризи та на престолі;
Узяли ризи да три попики,
Стали убіратись да наряжатись,
Охъ и стали вони да службу служить.
Служять вони службу за пана Ивана,
Служять вони другу да за ёго жену,
Служять вони службу да за ёго дітей.

(*М. Борисполь, Переяславльск. уѣзд.*).

---

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

## 63.

Moderato.

Ой сівъ Хри-стосъ ве - че - ря - ти, ще - дрий ве - чіръ,

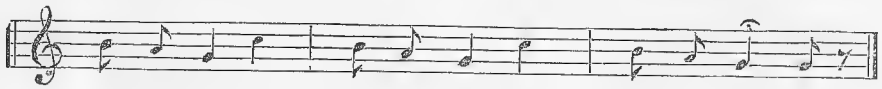

до - брий ве - чіръ, до - бримъ лю - дямъ на здо - ровъ - е.

Пришла къ ёму Божи Мати.
Шедрий вечіръ, добрий вечіръ, добрямъ людямъ на здоровъе. *)
«Отдай, сину, райскіі ключи,
Рай и пекло одимкнути,
Всі праведні випустить души.
Тілько одноеі не випускати.
Одна душа согрішила —
Отця и матіръ наругала,
Не поругала, тилько подумала.»
Въ сёму домі, якъ у раю:
Господиня, якъ княгиня,
Господарь, якъ виноградъ,
А діточки, якъ квіточки.

(*М. Борисполъ, Переяславлск. у.*).

## 64.

Andante sostenuto.

У пап - о - чепь - ка я - вір - ко сто - явъ,
пудъ тімъ я - вір - комъ війсь - ко сто - я - ло

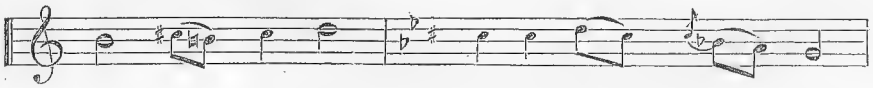

вікъ - отъ - ві - ку, ра - дуйсь до ві - ку,

*) Повторяется послѣ каждаго стиха.

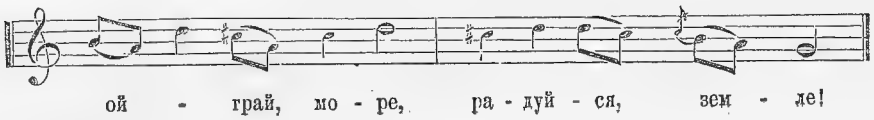


„Парубки и дівчата“ пробуютъ счастья въ этотъ вечеръ особеннымъ образомъ. Они ходятъ по сосѣдямъ и, въ шутку, воруютъ разныя вещи и только на другой день возвращаютъ ихъ за „могоричъ“. Особенно „дівчата и парубки“ стараются украсть что либо другъ у друга. Если „парубкамъ“ удается украсть у дѣвушекъ больше вещей, то они подсмѣиваются надъ дѣвушками говоря: „не будете мати щастя въ сімъ року, бо ніщо парубоче не влізло въ дівочу руку“. Желая выручить свои вещи, „дівчата“ покупаютъ „паробкамъ“ водки, а послѣдніе нанимаютъ „танці“ т. е. платятъ музыкантамъ. Такимъ образомъ гуляютъ цѣлый вечеръ. Нужно замѣтить, что въ этотъ вечеръ молодежь и пожилые веселятся совершенно отдѣльно, въ одной хатѣ дѣвушки и парубки, въ другой мужчины и бабы.

Бываютъ случаи, что шуточнымъ воровствомъ пользовались дѣйствительные воры и уводили скотину навсегда.

По этому дворы у зажиточныхъ крестьянъ, наканунѣ нового года, всегда бываютъ на глухо заперты.

(*С. Махиринцы, Староконстантиновск. уѣздъ*).

---

## ДОПОЛНЕНІЕ КЪ СТРАНИЦѢ 223.

### 1.

Да купався Иванъ,
Да й у воду упавъ.
Да купався Климъ,
Да й у воду впливъ.
Да купався Иванъ —
Доведеться и намъ.
Да купався Мойсій —
Доведеться усімъ.
На калину роса пала....
У насъ на улиці Купала,
Купала на Ивана!

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

### 2.

#### А.

1) Иване, Ивашечку
2) Да не переходь же, да доріженьки,
3) Якъ перейдешъ — виноватъ будешъ.
4) Посічу я тебе да на дрібенъ макъ,
5) На дрібенъ макъ, на капусточку.
6) Посію тебе у трохъ городахъ,
7) У трохъ городахъ, да трехъ зіллечокъ:
8) Що перве зілле — рутка, да мъятка,
9) А друге зілле — да барвіночокъ,
10) А трете зілле — да василечки.
11) Барвіночокъ да для дівочокъ,
12) Рутка да мъятка для паханнечка, (?)
13) А васильки рвуть, да до церковки несуть.
Иване, Ивашечку!

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

#### В.

1, 2, 3, 4, 5, 6 и 7 Б = 1, 2, 3, 4, 5, 6 и 7 А

8) Перше зіллечко — барвіночокъ,
9) Друге зіллечко — васплечки,
10) Трете зіллечко — любисточокъ.

11) Б = 11 А,

12) Васплечки для парубківъ (для запаху),
13) Любисточокъ для любощівъ.

## 3.

Да летіла сова
Уподовжъ села,
Ухватила Парасчину матіръ.
И Параска біжить,
И ятері имчить:
«На, сова, ятеръ,
Верни мою матіръ.»
— И ятера не возьму
И матері не верну.

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

## 4.

Да біда жъ на мене на сей дедъ (?)
Порубавъ явора для моря.
Якъ тее дерево гонко гуло,
Такъ я молодая плакала,
За свого нелюба йдучи.
А въ мого нелюбого на дворі
Да дванадцять корівъ съ телятами,
Да дванадцять свиней съ поросятами.
Яжъ іхъ, кленучи, подою,
Яжъ іхъ, плачучи, прожену.
Да біда жъ на мене на сей дедъ:
Порубавъ явора для моря.
Якъ тее дерево гонко гуло,
Такъ я молода співала,
За свого миленького йдучи.
А у мого миленького
Одна козочка съ козенямъ,

Одна свиночка съ поросямъ.
Я-жъ ту козочку, співаючи, подою,
И, співаючи, прожену.

(*Новицкій*).

5.

На святого Ивана клала купала.
Де купала ночовала?
— Ночовала въ барвіночку,
Вирвала квіточки,
Заплетала у віночки.
На святого Ивана!

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

6.

Ой чий же ти, Иване?
— Попівъ, попівъ.
А чого ти шукаєшъ?
— Волівъ, волівъ.
Твоі воли та у шкоді,
У моєму городи;
Тамъ дівчина воли виганяла,
Собі парубка сподобала.

(*Новицкій*).

7.

Ой на горі, на горі
Тамъ горіли огні.
То жъ не огні горять,
То жъ дівочки ходять,
Білу лозу ложать.
Коли бъ же я знала,
Хто на іі ляже,
Постелила бъ ёму
Шипшину підъ боки,
Каміння въ головки.

Коли бъ же я знала
Хто на іі ляже,
Постелила бъ ёму
Перину підъ боки,
Подушку въ головки.

(*Новицкій*).

8.

Ой у ліску, на кленку,
Повіспли колисочку на шнурку.
Ой у тий колисочці
Ивашко лежить:
«Колишіть мене високо,
Що бъ було видать далеко,
Ажъ до тоі тещеньки гордоі,
Ажъ до тоі Марусі молодоі.»

(*Новицкій*).

9.

Пошли дівки по ягідки,
Пошли вони заблудили.
Приблудили къ Дунаечку,
Стали вони Дунай плисти,
Дунай плисти, річку брести.
Всі дівочки переплили,
Одна дівка утонула.
Пошли слихи до мачухи.
«Да не жаль мені теі падчерки,
Да жаль мені теі плахотки,
Теі плахотки-хрещаточки,
Да жаль мені теі запасочки,
Теі запасочки-синяточки».

(*Изъ Рукоп. Сборн. Кулиша*).

# ОПЕЧАТКИ.

| *Страница.* | *Строка.* | *Напечатано:* | *Слѣдуетъ читать:* |
|---|---|---|---|
| 6 | 12 сверху | біды | біди |
| 9 | 13 » | святыхъ | святихъ |
| 15 | 13 » | въ заутреѣ | къ заутреѣ. |
| 15 | 10 снизу | гострій | гострий |
| 20 | 15 » | Хрестомъ | хрестомъ |
| 32 | 9 сверху | дощиі | дощі |
| 37 | 9 снизу | колишить | колитішь |
| 45 | 11 » | його | ёго |
| 47 | 8 » | головастл | головастий |
| 53 | 2 и 3 » | жидивский | жидівський |
| 68 | 5 » | дивочоі | дівочоі |
| 74 | 9 сверху | Я въ мене | Й а въ мене |
| 75 | 11 снизу | палі | пали |
| 83 | 6 сверху | царінку | царенку. |
| — | 12 снизу | вернитеся | вернітеся |
| 88 | 8 сверху | (подалъ) | (подолъ) |
| 100 | 6 снизу | на скамниці | на скамниці |
| 123 | 3 » | ва поги | на ноги |
| 124 | 1 сверху | по ёго | на ёго |
| 127 | 2 » | обиддямя | обіддями |
| 128 | 5 » | Вочеру | Вечеру. |
| 131 | 1 снизу | зверноуло | завернуло |
| 138 | 1 » | диточкамъ | діточкамъ |
| 150 | 10 сверху | Третий стінть | Третій стоіть |
| — | 13 » | звенила | звеніла |
| 155 | 8 снизу | отца | отця. |
| 165 | 15 сверху | казаченька | козаченька. |
| 170 | 3 » | казаче | козаче |
| 184 | 7 » | зъ чоловіла | зъ чоловіка |
| 187 | 13 снизу | жиночки | жіночки |
| 208 | 2 » | пливала | плавала |
| 209 | 1 » | Васило | Василю. |
| 210 | 5 сверху | Пібъ | Підъ |
| 213 | — | № 82 | № 28 |

| *Страница.* | *Строка.* | *Напечатано:* | *Слѣдуетъ читать:* |
|---|---|---|---|
| 221 | 5 снизу | ди височенько | да височенько. |
| 231 | 1 сверху | А мы | А ми |
| 235 | 1 снизу | рукова | рукава |
| 240 | 12 » | витинити | витинати |
| 259 | 10 сверху | хякопъ | копяхъ |
| 277 | 5 » | батенко | батенько |
| 290 | 15 » | ажи | ажъ |
| 293 | 18 » | стольчикъ | стільчикъ |
| 294 | 1 снизу | зализомъ | залізомъ. |
| 308 | 17 сверху | димми | дими. |
| 320 | 1 » | сревички | черевички. |
| 356 | 11 снизу | звезелимся | звеселимся |
| 341 | | № 70 | № 71. |
| 351 | 8 » | его | ёго |
| 357 | 7 » | 2 Б = прославився | 2 Б = 3 А прославився. |
| 359 | 15 сверху | узрили | узріли |
| 389 | 4 » | вредить | вродить |
| 441 | 3 снизу | Возмить | Возміть |
| 444 | 1 » | эдноі | єдноі |

М
7 Р

Проверено
1953 г.